Most Student Friendly & Structured Approach to Master General Knowledge

disha
Nurturing Ambitions

PART 1

सामान्य ज्ञान

for Competitive Exams

UPSC/ State PCS/ SSC/ Banking/ Insurance/ Railways/ BBA/ MBA/ Defence

प्रमुख ट्रेंड :
- खंड आधारित
- भारत के 70 साल– सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक

माइंड मैप | परिदृश्य | इंफोग्राफिक्स | सारणी

History, Polity, Geography, Ecology, Business, Foreign Trade, General Science, Economy, Technology, IT, Art & Culture, Sports, Healthcare, Communication, Media & Transport, Education & Career

Download From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARNING WHILE ENJOYING
Scanned by CamScanner

फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM APPS download करे (Google play फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM install करे (google play store) LOGIN करे & OPEN करे SEARCH OPTIONS मे "MEENA" type करे फिर एक link show करेगा जिसे टच करे फिर join पर click करके ग्रूपमे जुड सकते है

ग्रूप मे उपलब्ध सामग्री निम्न प्रकार है

News PAPER /EMPLOYMENT NEWS/Current affairs /Bbc news/Hindu vocabulary /All book competition /Upsc ssc notes/All ncert/ignou/vardman uni/bed/engineering/Medical /computer science almost 10,000 books available in group

नये TELIGRAM INSTALL करने के लिए यहाँ क्लिक करें ▶ TELIGRAM

यदि पहले से TELIGRAM है तो निचे नीली लाईन टच करे ओर ग्रूप मे जुडे

STUDY MASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com

STUDY ALL IN ONE

NEWSPAPERS

MOVIE & NOVEL

EMEMPLOYMENT NEWS

फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM APPS download करे (Google play फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM install करे (google play store) LOGIN करे & OPEN करे SEARCH OPTIONS मे "MEENA" type करे फिर एक link show करेगा जिसे टच करे फिर join पर click करके ग्रूपमे जुड सकते है

ग्रूप मे उपलब्ध सामग्री निम्न प्रकार है

News PAPER /EMPLOYMENT NEWS/Current affairs /Bbc news/Hindu vocabulary /All book competition /Upsc ssc notes/All ncert/ignou/vardman uni/bed/engineering/Medical /computer science almost 10,000 books available in group

नये TELIGRAM INSTALL करने के लिए यहाँ क्लिक करें ▶ TELIGRAM

यदि पहले से TELIGRAM है तो निचे नीली लाईन टच करे ओर ग्रूप मे जुडे

STUDY ALL IN ONE

NEWSPAPERS

MOVIE & NOVEL

EMEMPLOYMENT NEWS

Downloaded From www.studymasterofficial.com

STUDY MASTER
LEARN WHILE ENJOYING

disha
Nurturing Ambitions

Best Study Portal
BSP

सामान्य ज्ञान 2018

for Competitive Exams

Downloaded From
www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING

विषय सूची

सामान्य ज्ञान

1. परिदृश्य GK-3 - 54
2. विभिन्न क्षेत्रों की ख्यातिप्राप्त हस्तियाँ GK-55 - 90
3. इतिहास GK-91 - 136
   - प्राचीन भारत का इतिहास
   - मध्यकालीन भारत का इतिहास
   - आधुनिक भारत का इतिहास
   - विश्व का इतिहास
4. राजनीति GK-137 - 190
5. भूगोल GK-191 - 224
6. पारिस्थितिकी तथा पर्यावरण GK-225 - 242
7. भारतीय अर्थव्यवस्था GK-243 - 272
8. विदेशी व्यापार और भारत में निवेश GK-273 - 282
9. सामान्य विज्ञान GK-283 - 348
   - भौतिक विज्ञान
   - रसायन विज्ञान
   - जीव विज्ञान
   - दैनिक विज्ञान
10. सूचना प्रौद्योगिकी और कम्प्यूटर GK-349 - 354
11. कला एवं संस्कृति GK-355 - 367
12. खेल-कूद GK-368 - 381
13. स्वास्थ्य सेवा GK-382 - 388
14. संचार, मीडिया और यातायात GK-389 - 404
15. प्रौद्योगिकी और इसके अनुप्रयोग GK-405 - 414
16. शिक्षा एवं व्यवसाय GK-415 - 431

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

STUDY MASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com

सामान्य ज्ञान

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारतीय परिदृश्य

भारतीय राज्य तथा संघ शासित क्षेत्र

आंध्र प्रदेश

निर्माण तिथि : 01 नवंबर 1956, 02 जून 1914 को इससे अलग होकर तेलंगाना राज्य बना।

प्रचलित नाम : भारत का चावल का कटोरा अथवा एशिया का अंडे की टोकरी (62% लोग खेती पर आश्रित)

राजधानी : विजयवाड़ा (यहाँ नई राजधानी स्थापित होने तक 10 वर्षों हेतु हैदराबाद, आंध्र प्रदेश व तेलंगाना की संयुक्त राजधानी रहेगी।)

क्षेत्रफल : 1,60,205 वर्ग कि.मी.।

सबसे बड़ा नगर : विशाखापत्तनम

प्रमुख शहर : अडोनी, अनंतपुर, भीमावरम चित्तूर, तिरुपति, विशाखापत्तनम, इलूरु

जिलों की संख्या : 13

भाषाएँ : तेलगु तथा उर्दू

जनसंख्या : 4,93, 86,799

साक्षरता : 91.01%

विश्वविद्यालय : 08 **डीम्ड विश्वविद्यालय: 3**

धर्म : हिन्दू, इस्लाम, इसाई

प्रमुख उद्योग : पेप्सी, कैडबरी, केलाग, कोलगेट, पामोलिव, कोवेल्को आदि कंपनियों का निवेश स्थल

प्रमुख नदियाँ : कृष्णा, गोदावरी, पेण्णार, तुंगभद्रा

पड़ोसी राज्य : उत्तर-पश्चिम में तेलंगाना, उत्तर में छत्तीसगढ़, उत्तर-पूर्व में ओडिशा, पश्चिम में कर्नाटक दक्षिण में तमिलनाडु, पूर्व में बंगाल की खाड़ी का जल क्षेत्र।

प्रशासनिक स्थिति : इस प्रदेश में एक सदनीय विधान मंडल की व्यवस्था है। विधान सभा में 175 सीटें हैं। राज्य में लोक सभा की 25 और राज्य सभा की 11 सीटें है।

कला तथा संस्कृति : (i) **शास्त्रीय नृत्य** – कुचीपुडी, भामकलापम वीरनाट्यम।
(ii) **लोकनृत्य** – बुट्टा बोमालु, टपेट्टा गुल्लु, लामबाडी धिमसा तथा चिंदु।
(iii) **पर्व** – संक्रांति, महाशिवरात्रि, उगाडी वारालक्ष्मी व्रतम्।

जनजातियाँ : अंध, बंगाटा, भील, चेंचु, गदाबास, बोडो, नकाला, धुलिया, कोया, कोटिया, मालिस, कुलिया, परधान तथा पोरजा इत्यादि।

विशेष व्यंजन : धोंगपुरा आचार, कोरिकुरा

पशु : काला हिरण

पक्षी : इंडियन रोलर

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अरूणाचल प्रदेश

प्रचलित नाम : भारत का आर्किड राज्य अथवा वनस्पति शास्त्रियों का स्वर्ग
राजधानी : ईटानगर
निर्माण तिथि : 20 फरवरी, 1987 (पहले इसे नेफा के नाम से जाना जाता था।)
क्षेत्रफल : 83,743 वर्ग कि.मी.
सबसे बड़ा नगर : ईटानगर
जिलों की संख्या : 18
जनसंख्या : 13,82,611
प्रमुख उद्योग : गलीचे की बुनाई, काष्ठ नक्काशी, बेंत तथा बाँस से संबंधित कार्य, पर्यटन तथा बागवानी इत्यादि।
पड़ोसी राज्य : दक्षिण में असम तथा नागालैंड, पश्चिम में भूटान, पूर्व में म्यांमार तथा उत्तर में चीन देश।
नदियाँ : सियांग, लोहित, सुबंश्री, दिबांग, कामेंग, टिरांग
पहाड़ : उच्च हिमालय, एसीम शिवालिक, डाफ्ला हिल्स, मिरी हिल्स, मिश्मी हिल्स, एबोर हिल्स
विश्वविद्यालय : अरूणाचल विश्वविद्यालय, ईटानगर
प्रमुख शहर : एलांग, ईटानगर, तेजु, नाडरलगनखु पासीघाट।
मुख्य फसलें : चावल, मक्का, मिलेट, सरसों, गेहूँ।
प्रशासनिक स्थिति : अरूणाचल प्रदेश की प्रादेशिक परिषद को 15 अगस्त 1975 को विधान सभा में बदला गया।
हवाई अड्डा : ईटानगर, डपोजियो, जिरो, एलांग, तेजु, पासीघाट।
कला तथा संस्कृति : (i) **लोकनृत्य**-बार्डो छाम (ii) **पर्व** - लोसर (नव वर्ष का पर्व)
भाषाएँ : मोंपा, अका, निशि, शर्दुकमेन, अपतनी, हिल मिरि तगिन, सिंगफू, तंगसा, नोक्टे वान्चू
जनजातियाँ : अबोर, आका, आपातानी, मोम्बा, नागा, शेरडुकप, गालो, खाम्पटी, उगदि, मिश्मि, इदु, हुस्सो, तागिन, खाम्बा, खोवा इत्यादि।
प्रमुख व्यंजन : चीन के व्यंजन तथा अपांग (क्षेत्रीय मदिरा)
पशु : गैंडा
पक्षी : हार्न बिल

असम

राजधानी : दिसपुर
क्षेत्रफल : 78,438 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 26 जनवरी 1950
जनसंख्या : 31,169,272
सबसे बड़ा नगर : गुवाहाटी
जिलों की संख्या : 32
भाषाएँ : आसामी, बंगाली, बोडो तथा मिशिंग
प्रमुख शहर : दिशपुर, तेजपुर, सिलचर, जोरहाट, डिब्रूगढ़, सिबसागर, करीमगंज, तिनसुकिया, डिफू, धेमाज, नैगांव, मारीगांव, बरपेटा, गोलवारा, धुबरी, बोंगाईगांव, नलवारी, उत्तर लखीमपुर, बालीपारा, माटिया।
प्रमुख उद्योग : नामरूप में रासायनिक उर्वरक का संयंत्र, नामरूप तथा बोंगाईगांव में पेट्रो रसायन उद्योग, कागज उद्योग, हिंदुस्तान पेपर कार्पोरेशन लि., चीनी मिल, सीमेंट, हथकरघा, रेशम, बेंत, बांस की वस्तुएँ, काष्ठ शिल्प, पीतल शिल्प इत्यादि।
पड़ोसी राज्य : अरूणाचल प्रदेश, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा तथा मेघालय, पश्चिम बंगाल तथा देश : भूटान, बांग्लादेश।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

कला तथा संस्कृति: (i) **ओंकिया नाट** (पारम्परिक वैष्णव नृत्य नाटिका)
लोकनृत्य – बिहू व बगुरूम्बा (वसंत कालीन नृत्य) भोर्तल नृत्य, ओजापालि नृत्य इत्यादि।
(ii) **पर्व** – बिहू, तथा दुर्गापूजा, ईद इत्यादि।

प्रसिद्ध मंदिर: कामाख्या मंदिर, कामदेव मंदिर, महाभैरव मंदिर, नवग्रह मंदिर, उमानंदा मंदिर, बशिष्ठ आश्रम।

जनजातियाँ : मिकिर, खासी, नागा बरमन, बोरो, बोरो, कचरी, देवरी होजाइ, सोनवल, लालुंग, मेक मिरि, राभा, दिमासा, हाजोंग

प्रमुख व्यंजन : मसोर तंगा, पिठा

पशु : एक सींग वाला गैंडा

पक्षी : श्वेत पंखवाली बत्तख

बिहार

राजधानी : पटना

क्षेत्रफल: 94,163 वर्ग किमी

निर्माण तिथि : 26 जनवरी, 1950

जनसंख्या: 10,40,99,452

सबसे बड़ा नगर : पटना

जिलों की संख्या : 38

भाषाएँ : हिंदी, भोजपुरी, मगधी, मैथिली तथा उर्दू।

प्रमुख शहर : आरा, औरंगाबाद, बगहा, बेगूसराय, बेतिया, भागलपुर, बिहार शरीफ, बक्सर, छपरा, दरभंगा, डेहरी आनसोन, दिनापुर निजामत, गया, हाजीपुर, जमालपुर, जहानाबाद, कटिहार, किशनगंज, मोतिहारी, मुंगेर, मुजफ्फरपुर, पटना, पूर्णिया सहरसा, सासाराम, सिवान।

प्रमुख उद्योग : तीन प्रमुख फर्म – यूनाइटेड ब्रेवरीज समूह, डेनिश ब्रेवरीज क., **कार्ल्सबर्ग समूह तथा कोब्रा बियर।**

पड़ोसी राज्य : पश्चिम में उत्तरप्रदेश, उत्तर में नेपाल, पूर्व में पं० बंगाल तथा दक्षिण में झारखंड।

प्रमुख नदियाँ: गंगा, सोन, घाघरा, गंडक, बागमती, कोसी पुनपुन, फाल्गु, महानदी दुर्गावती, कर्मनाशा इत्यादि।

कला तथा संस्कृति : (i) मिथिला कला (मिथिला क्षेत्र में)
(ii) पर्व – छठ, श्रावणी मेला, तीज तथा चित्रगुप्त पूजा

जनजातियाँ : गोंड, मुंडा, ओरांव, गोरेत, करमाली, खरिया, बिनझिया, **बिरहोर, बिरजिया,** चेरो, इत्यादि।

प्रमुख व्यंजन : लिट्टी चोखा, सत्तू का पराठा, खाजा, लाई, अनरसा, तिलकुट

पशु : जंगली भैंसा

पक्षी : घरेलू गौरैया

छत्तीसगढ़

पक्षी : घरेलू गौरैया

प्रचलित नाम : केन्द्रीय भारत का चावल का कटोरा

राजधानी : रायपुर

क्षेत्रफल : 1,36,034 वर्ग किलोमीटर

निर्माण तिथि : 01 नवंबर 2000

जनसंख्या : 2,55,45, 198

सबसे बड़ा नगर : रायपुर

जिलों की संख्या : 27

भाषाएँ : छत्तीगढ़ी, हिंदी

प्रमुख शहर : अंबिकापुर, भिलाई नगर, बिलासपुर, बिरगाँव, धमतरी, दुर्ग, जगदलपुर, कोरबा महासमंद, रायगढ़, रायपुर, राजनाद गाँव।

प्रमुख उद्योग : भिलाई इस्पात संयंत्र, जिंदल इस्पात तथा शक्ति, भारत एल्युमिनियम कं०, बलदेव एल्वायज प्रा० लि०, इंडियन आयल **कार्पोरेशन।**

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पड़ोसी राज्य : उत्तर-पश्चिम में मध्य प्रदेश, दक्षिण पश्चिम में तेलंगाना, दक्षिण में आंध्र प्रदेश, पूर्व में ओडिशा, उत्तर-पूर्व में झारखंड, उत्तर में उत्तर प्रदेश।

प्रमुख नदियाँ : महानदी, इंद्रावती, पैरी, खारून, खसर्दा, ईब, अमनेर, गुडरा, शिवनाथ इत्यादि।

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - पंथी, रावत नाच पंडवानी, चैत्र काकसर, सैला तथा सूवा।
(ii) **पर्व** - वस्तर दुसेरे, भोराम देव पर्व, मदाई पर्व, पोला, हरियाली कोरा, नावाखाई।

जनजातियाँ : अगरिया, अंध, बैगा, भायना, भरिया, हल्बा, कमर, करकू, सौर, सवर, सवारा, माझी, माझीवार, मवासी, मुंडा, खरिया, कोंध, कोल, कोलाम।

प्रमुख व्यंजन : बफौरी, कुसली, लाल चींटी की चटनी।

पशु : जंगली भैंसा

पक्षी : पहाड़ी मैना

गोवा

राजधानी : पणजी

क्षेत्रफल : 3,702 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 30 मई, 1987

जनसंख्या : 14,58,545

सबसे बड़ा नगर : वास्को द गामा

जिलों की संख्या : 2

भाषाएँ : कोंकणी, मराठी

प्रमुख शहर : ममोंगाओ वास्को द गामा

प्रमुख उद्योग : पर्यटन

पड़ोसी राज्य : उत्तर में महाराष्ट्र, दक्षिण तथा पूर्व में कर्नाटक, पश्चिम में अरब सागर का जल क्षेत्र।

प्रमुख नदियाँ : मांडोवी, जुआरी, टेरेखोल, चापोरा, बेतुल।

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य**-डेकनी, फुगड़ी कारिदिन्हो, मांडो, डलपाड तथा फादो
(ii) **पर्व**-गणेश चतुर्थी, दीवाली, क्रिसमस, ईस्टर, समवत्सर पादवों, सिग्मो, गोवा कार्नबल।

जनजातियाँ : धोडिया, दुबला (हलपाती), नैकड़ा, सिद्दी, वारली, कुनबी, गावदा तथा वेलिप।

प्रमुख व्यंजन : बिंदाल, एक्जाकुटी, विंदिका, प्रॉनबल चाव

पशु : भारतीय भैंसा

पक्षी : ब्लैक क्रेस्टेड बुलबुल

गुजरात

प्रचलित नाम : पश्चिमी भारत का रत्न

राजधानी : गांधीनगर

क्षेत्रफल : 1,96,024

निर्माण तिथि : 01 मई, 1960

जनसंख्या : 6,04,39,692

सबसे बड़ा नगर : अहमदाबाद

जिलों की संख्या : 33

भाषा : गुजराती

प्रमुख शहर : अहमदाबाद, अमरेली, आणंद, अंकलेश्वर, भरूच, भावनगर, भुज, दाहौद, गांधी धाम, गांधीनगर, गोध रा, गोंदल, जामनगर, जेतपुर, नवगढ़, जूनागढ़, कलोल, मेहसाना, मोरवी, नाडियाड, नवसारी, पालनपुर, पाटन, पोरबंदर, राजकोट, सूरत, वडोदरा, वलसाड, वापी, वेरावल।

प्रमुख उद्योग : एग्रो मेरीन एक्सपोर्ट, क्रिएटिव कास्टिंग लि०, गुजरात डेयरी विकास निगम, ऑस्टिन इंजिनियरिंग तथा JSW पावर लि०, जनरल मोटर्स मैन्युफैक्चर्स, टाटा मोटर्स मैन्युफैक्चर्स, ग्लोबल डायमंड ट्रेड सेंटर।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पड़ोसी राज्य : उत्तर में राजस्थान, दक्षिण में महाराष्ट्र, पूर्व में मध्य प्रदेश, पश्चिम में अरब सागर तथा पाकिस्तान।

प्रमुख नदियाँ : साबरमती, माही, नर्मदा, ताप्ती। कुछ छोटी नदियाँ भी हैं- बनास, सरस्वती, दमनगंगा।

कला तथा संस्कृति : (i) नवरात्रि के समय रास गर्बा (लोक नृत्य का आयोजन।
(ii) **पर्व** -मकर संक्राति, नवरात्रि, उत्तरायन, दीवाली, होली, ताजिया।

जनजातियाँ : भील, बर्दा, बवाचा, चारन, गोंड, दुबला, धंका, चोधरा, गमित, कुनबी, पटेलिया, पोमला, राबर, रथवा, सिद्दी।

प्रमुख व्यंजन : थेपला, ढोकला, खांडवी, हांडवो, फंकी।

पशु : एशियाई सिंह

पक्षी : ग्रेटर फ्लेमिंगो

हरियाणा

राजधानी : चंडीगढ़

क्षेत्रफल : 44,212 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 01 नवंबर, 1966

जनसंख्या : 2,53,51,462

सबसे बड़ा नगर : फरीदाबाद

जिलों की संख्या : 21

भाषाएँ : हिंदी, पंजाबी, हरियाणवी

प्रमुख शहर : अम्बाला, बहादुरगढ़, भिवानी, जिंद, कैथल, पलवल, रेवाड़ी, सिरसा, थानेसर।

प्रमुख उद्योग : सैमसंग कं., अबेकस सॉफ्टेक, नोकिया नेटवर्क, मितसुबिशि इलेक्ट्रिक, IBM, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज एमडाक्स, ओरिएंट पेपर, एस्कार्ट लि० इत्यादि।

प्रमुख नदियाँ : यमुना घग्गर, सतलुज।

पड़ोसी राज्य : उत्तर में हिमाचल प्रदेश, पश्चिम में पंजाब, दक्षिण में राजस्थान, पूर्व में उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश। दिल्ली में तीन तरफ से हरियाणा है।

कला तथा संस्कृति : **पर्व**-हरियाली तीज, लोहड़ी, गंगोर, मकर संक्राति, गुगा नवमी तथा वैशाखी।

प्रमुख व्यंजन : रबड़ी, बाजरे की खिचड़ी, सोलिया, छाछ-लस्सी, कचरी की सब्जी।

पशु : नील गाय

पक्षी : काला तीतर

हिमाचल प्रदेश

प्रचलित नाम : सेब का राज्य, देवभूमि

राजधानी : शिमला

क्षेत्रफल : 55,673 कि.मी.

निर्माण तिथि : 25 जनवरी, 1971

जनसंख्या : 68,64,602

जिलों की संख्या : 12

भाषाएँ : हिन्दी, डोगरी, पहाड़ी

प्रमुख उद्योग : कपड़ा उद्योग, फार्मास्युटिकल्स, खाद्य प्रसंस्करण, लाइट इंजिनियरिंग, आई.टी. तथा इलेक्ट्रॉनिक्स, सीमेंट, पर्यटन तथा जल विद्युत।

पड़ोसी राज्य : उत्तर में जम्मू-कश्मीर, पश्चिम में पंजाब, दक्षिण पश्चिम में हरियाणा, दक्षिण-पूर्व में उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश तथा पूर्व में तिब्बत।

प्रमुख नदियाँ : रावी, बीज, चेनाब सतलुज, यमुना।

प्रमुख शहर : बड्डी, चम्बा, धर्मशाला, कुल्लु, मंडी, नहान, पोन्टा साहिब, शिमला, सोलन, सुंदरनगर।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** – लोसर शोना चुकसाम, डांगी, गी डांस तथा बराह नृत्य, नाति खरैट, चाथधगेब्रिकर तथा शंटो।
(ii) **पर्व** – कुल्लु दशहरा, शिवरात्रि मेला, सुलिनी मेला, मेंजर मेला, मणि महेश, छड़ी यात्रा, रेनुका मेला, लवि, ट्रेड मेला, ब्रजेश्वरी मेला, ज्वालामुखी मेला, नैना देवी मेला।

जनजातियाँ : भाट, बोध, गडडी, गुज्जर, जाड, लाम्बा, खम्पा, कनौरा, किन्नर, लहौला, पंगवाला, स्वांग्ला, बेटा, बेडा, डोम्बा।

प्रमुख व्यंजन : सिदु, अक्तोरी, धाम, सेम्पू वाड़ी बादनी, बाबु।

पशु : हिम तेंदुआ

पक्षी : जुजुराना, वेस्टर्न ट्रेगोपा (टैपोगन)

जम्मू तथा कश्मीर

प्रचलित नाम : धरती का स्वर्ग

राजधानी : श्रीनगर

क्षेत्रफल : 2,22,236 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 26 अक्टूबर, 1947

जनसंख्या : 1,25,41,302

जिलों की संख्या : 22

प्रमुख उद्योग : बागवानी पर्यटन

पड़ोसी राज्य : दक्षिण में पंजाब तथा हिमाचल प्रदेश, उत्तर-पूर्व में चीन, क्रमशः पश्चिम तथा उत्तर पश्चिम में पाक अधिकृत आजाद कश्मीर तथा गिलगित-बाल्टिस्तान।

कला तथा संस्कृति : नृत्य – दुम्हल (कश्मीर घाटी में) पुरुषों का नृत्य तथा राउफ महिला नृत्य।

प्रमुख शहर : श्रीनगर, जम्मू, अनंतनाग, उधमपुर, बारामुला, सोपोरे, कथुआ, बांदीपुरा, लेह।

जनजातियाँ : बाल्टि, बेडा, बाट, बोटो, ब्रोक्पा, ड्रोक्पा, डार्ड, शिन, चांगपा, गारा, मोन, पुरिग्या, गुज्जर, बकरवाल, गड्डी, सिंधी।

प्रमुख व्यंजन : गुस्तबा, तबक मज, दम आलू, हंक या करम का साग

पशु : कश्मीरी बारहसिंगा

पक्षी : काली गर्दन वाला सारस

झारखंड

प्रचलित नाम : वन तथा झाड़ियों की भूमि

राजधानी : रांची

क्षेत्रफल : 79,714 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 15 नवंबर, 2000

जनसंख्या : 3,20,57,819

सबसे बड़ा नगर : जमशेदपुर

जिलों की संख्या : 24

भाषाएँ : हिन्दी, उर्दू, संथाली, खरिया, कुर्माती, बंगाली।

प्रमुख उद्योग : खनन उद्योग

पड़ोसी राज्य : उत्तर में बिहार, पश्चिम में उत्तर प्रदेश तथा छत्तीसगढ़, दक्षिण में उड़ीसा, पूर्व में पं. बंगाल।

कला तथा संस्कृति : (i) **लोक नृत्य** – झूमर, पैका, चाड, अग्नि, संथाल, घटवारी, नटवा, सोहराम, लूरीसायरो, छाउ।
(ii) **पर्व** – वट सावित्री पूजा, तीज, सोहराज, जीवतिया, सरहुल, मकर संक्रांति, दीपावली, दुर्गापूजा, छठ।

जनजातियाँ : असुर, अगरिया, बैगा, बनजारा, बाथुडी, बेदिया, बिनझिया, चेरो, चिक, बरैक, गोंड, गोरैट, हो, करमाली, खरिया, कोरा, खरबार खोंड, किसन, मुडी कोरा, कोरवा, मुंडा, कोल।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्रमुख शहर :	जमशेदपुर, धनबाद, रांची, बोकारो स्टील सिटी, देवघर, फुसरो, हजारीबाग, गिरिडीह, मेदिनीनगर, चिरकुंडा।
प्रमुख नदियाँ :	दामोदर, सुवर्ण रेखा, संख, बरकत।
प्रमुख व्यंजन :	ठेकुआ, पुआ, पिट्ठा, मरूआ की रोटी।
पशु :	हाथी
पक्षी :	कोयल

कर्नाटक

राजधानी :	बेंगलुरू
क्षेत्रफल :	1,91,791 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	15 अगस्त, 1947 को मैसूर राज्य, 01 नवंबर 1973 को नया नाम कर्नाटक पड़ा।
जनसंख्या :	6,10,95,297
सबसे बड़ा नगर :	बेंगलुरू
जिलों की संख्या :	30
भाषा :	कन्नड़
प्रमुख उद्योग :	नेशनल एरोस्पेस लैबोरेटरीज, भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, इंडियन टेलिफोन इंडस्ट्रीज, भारत मूवर्स लि०, हिंदुस्तान मशीन टूल्स, टोयोटा, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स।
प्रमुख नदियाँ :	कृष्णा, तुंगभद्रा, कावेरी, काबिनी।
पड़ोसी राज्य :	पश्चिम में अरब सागर तथा लक्षद्वीप सागर, उत्तर-पश्चिम में गोवा, उत्तर में महाराष्ट्र, उत्तर-पूर्व में तेलंगाना, पूर्व में आंध्रप्रदेश, दक्षिण-पूर्व में तमिलनाडु, दक्षिण-पश्चिम में केरल।
प्रमुख शहर :	बेंगलुरू, मैसूर, हुबलीधारवाड़, मैंगलोर, बेलगाँव, गुलबर्गा, दावणगेरे, बेल्लारी, बीजापुर, शिमोगा, चिकमगलूर, चित्रदुर्ग, कोलार, रिचुर, उडुपी, हसन, हासपेट।
कला तथा संस्कृति :	(i) **नृत्य** - मैसूर शैली का भरतनाट्यम तथा बोलाक आट, उम्मट आट, कम्ब आट (लोक नृत्य) (ii) **पर्व** - मैसूर दशहरा, उगाडी (कन्नड़ नव वर्ष), मकर संक्रांति (फसल पर्व), गणेश चतुर्थी, नाग पंचमी, बासव जयंती, दीपावली तथा रमजान।
जनजातियाँ :	आदियान, बारदा, गवाचा, भील, चेंचु, चोधारा, दुबला, कोंडा, कोरगा, कुरूमांस, मलय कुडी, मालासार, मलयकांडी, माल्लेरू, मराठा पटेलिया, राठवा, सिद्दी, टोडा, वार्ली, विटोलिया।
प्रमुख व्यंजन :	बिसी, बेले, भाट, केसरी, बाथ, मैसूर पाक, धरबाड़, पेधा, चिरोटी।
पशु :	भारतीय हाथी
पक्षी :	इंडियन रोलर

केरल

प्रचलित नाम :	ईश्वर का देश
राजधानी :	तिरूवनंतपुरम
क्षेत्रफल :	38,863 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	01 नवंबर, 1956
जनसंख्या :	3,34,06,061
सबसे बड़ा नगर :	कोच्चि
जिलों की संख्या :	14
भाषा :	मलयालम
प्रमुख उद्योग :	इंफोसिस ऑरकिल, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, कैपजेमिनि, HCL, UST ग्लोबल, नेस्ट, सनटेक तथा IBS जैसी सॉफ्टवेयर कम्पनियाँ।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पड़ोसी राज्य : उत्तर तथा उत्तर-पूर्व में कर्नाटक, पूर्व तथा दक्षिण में तमिलनाडु, पश्चिम में लक्षद्वीप सागर।

प्रमुख नदियाँ : पेरियार, नाइला, पाम्बा, चालियार, काडाउन्डी, चलक्कुडी, कालडा, मुआदुपुझा इत्यादि।

कला तथा संस्कृति : (i) **शास्त्रीय नृत्य** - कथकली, मोहिनी अट्टम कुडियाट्टम, थुलाल तथा कृष्णाट्टम
(ii) **पर्व** - ओणम्, विशु।

जनजातियाँ : आदियम, अरांदन, इरूलर, कादर, चोलानायकम, पनियान, उल्लादन, उराली माविलन, करिम पालन, वेट्टा, कुरूमान, माला पानिकर।

प्रमुख शहर : कोच्चि, कोझिकोड, त्रिशूर, मलाप्पुरम, पलक्काड, तिरुवनंतपुरम, कण्णूर, कोल्लम, चालक्कुडी।

प्रमुख व्यंजन : पुट्टू कदाला, कप्पा, मीन करी, सद्या मील, एवियल मालाबार, परोठा पायसम, इराची।

पशु : भारतीय हाथी

पक्षी : ग्रेट हार्नबिल

मध्य प्रदेश

प्रचलित नाम : भारत का हृदय

राजधानी : भोपाल

क्षेत्रफल : 3,08,000 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 01 नवंबर, 1956

जनसंख्या : 7,26,26,809

सबसे बड़ा नगर : इंदौर

जिलों की संख्या : 51

भाषा : हिंदी

प्रमुख उद्योग : खनन तथा आर्डिनेंस फैक्टरी।

पड़ोसी राज्य : उत्तर-पूर्व में उत्तर प्रदेश, दक्षिण-पूर्व में छत्तीसगढ़, दक्षिण में महाराष्ट्र, पश्चिम में गुजरात, उत्तर-पश्चिम में राजस्थान।

प्रमुख नदियाँ : नर्मदा, चम्बल, सिंध, बेतवा, केन, सोन, तापी।

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - बधाई राई, सायरा, ज्वारा, शेर, अखरा, चारकुला, मांच।
(ii) **पर्व** - शिवरात्रि, नवरात्रि, दशहरा, दीपावली, भगोरिया, शब-ए-बरात, कृष्ण जन्माष्टमी

जनजातियाँ : भील, भुजिया, बायर, बिंझवार, बिरहल, डामोर, धनवार, गदाबा, गोंड, हल्बा, कामर, कवर, कोंडार, खड़िया, कोंध, कोल, कोलाम, कारकु, मुण्डा, ओरांव, पनिका, सावर

प्रमुख शहर : इंदौर, भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर उज्जैन, सागर, देवास, छतरपुर, छिंदवाड़ा, गुना, खंडवा, खरगौन, मुरैना

प्रमुख दर्शनीय मंदिर स्थल : खजुराहो, माहेश्वर, ओंकारेश्वर, उज्जैन, चित्रकूट, ओरछा, अमरकंटक

प्रमुख व्यंजन : लस्सी, बफला, भोपाली कबाब।

पशु : बारहसिंगा

पक्षी : एशियन पैराडाइस फ्लाइ कैचर

महाराष्ट्र

राजधानी : मुम्बई

क्षेत्रफल : 3,07,713 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 01 मई, 1960

जनसंख्या : 11,23,74,333

सबसे बड़ा नगर : मुम्बई

जिलों की संख्या : 36

भाषा : मराठी

प्रमुख उद्योग : हिंदुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन, टाटा पेट्रोडाइन तथा ऑयल इंडिया लि.।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पड़ोसी राज्य : कर्नाटक, तेलंगाना, गोवा, गुजरात, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दादरा नगर हवेली एवं अरेबियन सागर।

प्रमुख नदियाँ : गोदावरी, पेन्गा, मंजरा, भीमा, वर्धा पूर्णा इत्यादि।

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - लावनी तथा कोली।
(ii) **पर्व** - गणेश चतुर्थी, विजया दशमी, नवरात्रि, होली, दीवाली, ईद।

जनजातियाँ : अंध, बैगा, बरदा, बावचा, भैना, भुजिया, बिरहुल, कोल, हल्बा, कामर, काथोडी, कोलम, खैरवार, खड़िया, कोकना, पारजा, पटेलिया, पोमला, रथवा, सावर, ठाकुर, वर्ली, विटोलिया।

प्रमुख शहर : मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक, औरंगाबाद, सोलापुर, भिवान्डी, अमरावती, अहमदनगर, अकोला, भुसावल, जलगाँव, कोल्हापुर, लातुर

प्रमुख व्यंजन : श्रीखंड, थालीपीठ, वडा पाव, मोदक।

पशु : भारतीय बड़ी गिलहरी

पक्षी : पीत पाद हरित कबूतर

मणिपुर

प्रचलित नाम : पूर्व का मार्ग

राजधानी : इम्फाल

क्षेत्रफल : 22,327 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 21 जनवरी, 1972

जनसंख्या : 25,70,390

सबसे बड़ा नगर : इम्फाल

जिलों की संख्या : 9

पड़ोसी राज्य : उत्तर में नागालैंड, उत्तर-पूर्व में असम, दक्षिण में मिजोरम, पश्चिम में असम का कछार क्षेत्र।

भाषा : मणिपुरी

प्रमुख नदियाँ : बराक, मणिपुर।

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - मणिपुरी नृत्य (रासलीला)
(ii) **पर्व**-लुइ-नगाइ-नी, निंगाल चकौबा, यावशांग, गनगाइ, चम्फा, क्रिसमस, चेरावबा, कांग तथा हिक्रू, हिडांग्बा।

प्रमुख शहर : इम्फाल, थोउबल, काकचिंग, उखरुल।

जनजातियाँ : आइमोल, अनल, अंगामी, चिरू, चोथे, गांग्टे, हमर, काबुइ, कोइरंग, कोम, लामगंग, माव, मराम, मारिंग, मिजो, सुहते, थडाउ, झाउ, कुकी।

प्रमुख व्यंजन : इरोम्बा, कांगोक, चकाउंबा

पशु : संगाई हिरण

पक्षी : मिसेज ह्यूम्स फिजेंट

मेघालय

प्रचलित नाम : बादलों का घर

राजधानी : शिलांग

क्षेत्रफल : 22,429 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 02 अप्रैल, 1970 (असम अंतर्गत) → 21 जनवरी, 1972 (अलग राज्य)

जनसंख्या : 29,66,889

सबसे बड़ा नगर : शिलांग

जिलों की संख्या : 11

प्रमुख शहर : जोवई, नांगस्टीन, शिलांग, तुरा, विलियम नगर।

भाषाएं : अंग्रेजी, खासी तथा गारो।

प्रमुख उद्योग : प्राकृतिक संसाधन जैसे- कोयला, चूना पत्थर, सिलिमनाइट, कावलीन तथा ग्रेनाइट।

प्रमुख नदियाँ : कृष्णाई, बुगी, सिमसांग, निटाई, कृप्ली, मिंटडु।

पड़ोसी राज्य : दक्षिण में बंग्लादेश, उत्तर-पूर्व में असम।

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - नांगक्रेम
(ii) **पर्व** - शिवरात्रि, नांगक्रेम (नृत्य पर्व) तथा वांगला (फसल पर्व)।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

जनजातियाँ :	चकमा, दिमासा, गारो, हजोंग, हमर, खासी, जैयन्तिया, कुकी, पावी, सिंटेग, बोरो, कोच, राबा, लाखेर, मान, मिजो।
प्रमुख व्यंजन :	जादोह, कयात (देशी मदिरा) बिचि।
पशु :	चित्तीदार तेंदुआ
पक्षी :	पहाड़ी मैना

मिज़ोरम

प्रचलित नाम :	पहाड़ी लोगों की भूमि
राजधानी :	आइजोल
क्षेत्रफल :	21,081 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	20 फरवरी, 1987
जनसंख्या :	10,97,206
जिलों की संख्या :	8
भाषाएँ :	मिजो और अंग्रेजी।
प्रमुख उद्योग :	हैंडलूम, बागवानी, बानिकी, मत्स्य पालन, रेशम कीट पालन।
पड़ोसी राज्य :	उत्तर में असम का क्षेत्र और मणिपुर, पूर्व एवं दक्षिण में चीन की पहाड़ियाँ एवं अराकान पश्चिम में बंगलादेश की पहाड़ी एवं त्रिपुरा राज्य।
कला तथा संस्कृति :	(i) **नृत्य** – चेराव, बाँस नृत्य, खुआल्लम, छिहलम, चाई। (ii) **पर्व** – चपचर कुट थालफवंग, मिमकुट, पावल कुट, क्रिसमस तथा इस्टर।
प्रमुख नदियाँ:	तलवांग, सोनाई, तुइवाल।
जनजातियाँ :	चकमा, दिमसा, गारो, हजोंग, हमर, खासी, जैयन्तिया, कुकी, मिकिर, नागा, पानि, सिंटेंग।
प्रमुख शहर :	आइजोल, लुंगलई, चमफाई, कोलासिब, साइहा, सर्किप, लावंग्टलाई।
प्रमुख व्यंजन :	ज्यू (एक प्रकार की चाय)
पशु :	हिलॉक गिब्बन
पक्षी :	मिसेज ह्यूम्स फिजेंट

नागालैंड

प्रचलित नाम :	विश्व का फाल्कन कैपिटल
राजधानी :	कोहिमा
क्षेत्रफल :	16,579 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	01 दिसम्बर, 1963
जनसंख्या :	19,78,502
सबसे बड़ा नगर :	दीमापुर
जिलों की संख्या :	11
भाषाएँ :	अंग्रेजी, आओ, कोयक, आंगामी, सेमा, लोथा।
प्रमुख उद्योग :	वानिकी, कपड़ों की बुनाई, काष्ठ उद्योग, बर्तन बनाना।
प्रमुख नदियाँ :	धनसिरी, दोयांग, दिखु, झांजी।
पड़ोसी राज्य :	पश्चिम में असम, पूर्व-उत्तर में अरुणाचल प्रदेश तथा असम का कुछ भाग, पूर्व में म्यांमार, दक्षिण में मणिपुर।
प्रमुख शहर :	कोहिमा, फेक, मोन, वोखा, मोकोकचुंग, त्वेनसांग, जुन्हेबोटो।
कला तथा संस्कृति :	(i) **नृत्य** – नगा नृत्य। (ii) **पर्व** – हार्नबिल, सेक्रेनई, सुखेनई, मिमकुट, बिशु, अवलिंग, मोवात्सु, तुलुनी, न्याकनीलम, मांगमांग, तोखु, एमांग तथा एमसे।
जनजातियाँ :	नागा, कुकी, कचरी, मिकिर, गारो।
प्रमुख व्यंजन :	मोमोस, चावल की मदिरा, बेरी-मदिरा।
पशु :	मिथुन
पक्षी :	ब्लाइथ ट्रैगोपन

ओडिशा

राजधानी :	भुवनेश्वर
क्षेत्रफल :	1,55,707 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	15 अगस्त, 1947
जनसंख्या :	4,19,74,218
सबसे बड़ा नगर :	भुवनेश्वर

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

जिलों की संख्या : 30
भाषाएं : उड़िया, अंग्रेजी।
प्रमुख उद्योग : खनन उद्योग, विद्युत, गैस तथा जलापूर्ति निर्माण कार्य, NALCO तथा वेदांता, एल्युमिनियम संयंत्र।
पड़ोसी राज्य : उत्तर-पूर्व में प. बंगाल, उत्तर में झारखंड, पश्चिम में छत्तीसगढ़, दक्षिण-पश्चिम में तेलंगाना, दक्षिण में आंध्र प्रदेश और पूर्व में बंगाल की खाड़ी।
कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** – ओडिसी (शास्त्रीय) झुमुरा, छाउ, महरी तथा गोटिपुआ (लोकनृत्य)
(ii) **पर्व** – दुर्गापूजा, श्रावण, पूर्णिमा, दीपावली, अशोकाष्टमी, बसंत पंचमी, महाशिवरात्रि, रथ यात्रा, गणेश चतुर्थी।
प्रमुख शहर : भुवनेश्वर, कटक, राउरकेला, ब्रह्मपुर, संबलपुर, पुरी, बालेश्वर, भद्रख, बारीपदा।
जनजातियाँ : बगाटा, बथुडी, बिरहोर, दिदाई, चेंचु, दल, दसुआ, गाडिया, धारा, गोंड, हो, हाल्वा, कांधा, मुंडा, कोल, कोलाह, कोली, मल्ली, मनकीडि, मनकिरडिया, पेंटया, एंजीर।
प्रमुख नदियाँ : महानदी, ब्राह्मनी, बैतरनी, पुशिकुल्या, सबरी।
प्रमुख व्यंजन : डालमा, खीर मोहन, रसबली, छेना पोदापिठा।
पशु : हाथी
पक्षी : नाचता मोर

पंजाब

प्रचलित नाम : 'भारत अन्न भंडार, व भारत की रोटी की टोकरी'
राजधानी : चंडीगढ़
क्षेत्रफल : 50,362 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 15 अगस्त 1947
जनसंख्या : 2,77,43,338
सबसे बड़ा नगर : लुधियाना
जिलों की संख्या : 22
प्रमुख उद्योग : वैज्ञानिक उपकरणों का उत्पादन, कृषि संबंधी उपकरण व विद्युत उपकरणों का उत्पादन, वित्तीय सेवाएँ, यांत्रिक औजार, कपड़ा उद्योग, खेलकूद के सामान, उर्वरक, साइकिल इत्यादि।
प्रमुख नदियाँ : सतलुज, इंडस, रावी, चेनाब।
पड़ोसी राज्य : पूर्व में हिमाचल प्रदेश, दक्षिण में हरियाणा, दक्षिण-पश्चिम में राजस्थान, पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में जम्मू-कश्मीर।
प्रमुख शहर : लुधियाना, अमृतसर, जलंधर, पटियाला, बठिंडा, होशियारपुर, मोगा, पठानकोट, बटला, अबोहर, फिरोजपुर, फगवाड़ा।
कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** – भांगड़ा तथा गिद्धा।
(ii) **पर्व** – दशहरा, दीवाली, होली, होला-मोहल्ला, बैशाखी, लोहड़ी, गुरु पर्व।
प्रमुख व्यंजन : नवरतन कोरमा, दाल मखनी, मक्के की रोटी-सरसों का साग, चना-भटूरे
पशु : ब्लैक बक (काला हिरण)
पक्षी : उत्तरी गोशाक

राजस्थान

राजधानी : जयपुर
क्षेत्रफल : 3,42,239 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 01 नवंबर, 1956
जनसंख्या : 7,35,29,325

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

सबसे बड़ा नगर : जयपुर
जिलों की संख्या : 33
प्रमुख उद्योग : खनन, कृषि तथा कपड़ा संबंधी उद्योग, पॉलिस्टर, फाइवर का उत्पादन।
पड़ोसी राज्य : उत्तर-पश्चिम तथा पश्चिम में पाकिस्तान, उत्तर में पंजाब, उत्तर -पूर्व में हरियाणा तथा पंजाब, दक्षिण-पूर्व में मध्यप्रदेश, दक्षिण पश्चिम में गुजरात।
प्रमुख नदियाँ : लूनी, बनास, काली सिंध, चम्बल, इंदिरा गांधी नहर।
कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य**- घूमर, कालबेलिया (ii) **पर्व** - दीपावली, होली, गंगोर, तीज, गोगाजी, श्रीदेव नारायन जयंती, मकर संक्रांति तथा जन्माष्टमी।
प्रमुख शहर : जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर, भीलवाड़ा, अलवर, भरतपुर, पाली, सीकर, सवाई माधोपुर, हनुमानगढ़, गंगापुर, बीवर।
प्रमुख व्यंजन : दाल-बाटी, चुरमा, घेवर, आलू का भरता।
पशु : चिंकारा
पक्षी : ग्रेट इंडियन बस्टर्ड

सिक्किम

राजधानी : गंगटोक
क्षेत्रफल : 7,096 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 16 मई, 1975
जनसंख्या : 6,10,577
सबसे बड़ा नगर : गंगटोक
जिलों की संख्या : 4
भाषाएँ : नेपाली, लेपचा, लिम्बू, हिन्दी, भूटिया, गुरंग।
प्रमुख उद्योग : ब्रिविंग, डिस्टिलिंग, टेनिंग तथा घड़ी उद्योग।
प्रमुख नदियाँ : तीस्ता रंगित।
पड़ोसी राज्य : पश्चिम में नेपाल, उत्तर-पश्चिम में तिब्बत, पूर्व में भूटान, दक्षिण में पं. बंगाल
कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - सिंधी छाम (मुखौटा नृत्य) (ii) **पर्व** - दीवाली, दशहरा, माघ संक्रांति, भीमसेन पूजा, लोसर, लूसांग, साग, दावा, लहबाब, दुएचन, द्रुप्का, तेसी, भूमचू, ईद, मोहर्रम, क्रिसमस।
प्रमुख शहर : गैंगटोक, नामची, गियालसिंग, मंगान, जेलेप ला, यून्थेंग, रूम्टेक, रंगपो।
जनजातियाँ : भूटिया, लेपचा, लिम्बू, तमंग।
प्रमुख व्यंजन : मोमोस, थुकपा, गनड्रुक, फाग शापा तथा सील रोटी।
पशु : लाल पांडा
पक्षी : रक्तिम फिजेंट

तमिलनाडु

राजधानी : चेन्नई
क्षेत्रफल : 1,30,058 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 15 अगस्त, 1947
जनसंख्या : 7,21,47,038
सबसे बड़ा नगर : चेन्नई
जिलों की संख्या : 32
भाषा : तमिल
प्रमुख उद्योग : कपड़ा उद्योग, चमड़ा, इलेक्ट्रानिक्स, भारी उद्योग, इंजिनियरिंग, साफ्टवेयर तथा ऑटोमोबाइल्स संबंधी उद्योग। पेराम्बुर में इंटिग्रेटेड कोच फैक्टरी।
प्रमुख शहर : चेन्नई, कोयम्बटूर, मदुराई, तिरुचिरापल्ली, तिरूवुर, सेलम, तिरूनेल्वेल्ली, इरोड, करूर, कांचीपुरम, तंजावुर, नागरकोली, उधगमंडलम।
पड़ोसी राज्य : पुदुचेरी, केरल, कर्नाटक, आंध्रप्रदेश तथ दक्षिण में श्रीलंका।
प्रमुख नदियाँ : पलार, वैगाई, कावेरी, चेयार, पानियार, चित्तार वेल्लार, वैपार, सुरुली।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** – भरतनाट्यम (शास्त्रीय), कोलाट्टम, कावडी।
(ii) **पर्व** – पोंगल, आयुद्ध पूजा, विनायक चतुर्थी, महामगम, ईद, बकरीद, मिलाद-उल-नबी, मोहर्रम, इस्टर, मामलपुरम।

जनजातियाँ : अदियान, अरनदन, इरावलन, इरूलर, कादर, कमारा, कनियान, कोचू, कोंडा, मथुवन, मलयाली, पलियार, शोलाग।

प्रमुख व्यंजन : अप्पम, दोसा, इडली, साम्भर, पीपर, रसम्, राइस उपमा।

पशु : नीलगिरि ताहर

पक्षी : एमराल्ड डोव

तेलंगाना

राजधानी : हैदराबाद

क्षेत्रफल : 1,14,840 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 02 जून, 1914 (आंध्र प्रदेश से अलग करके निर्मित)

जनसंख्या : 3,51,93,978

जिलों की संख्या : 10

भाषाएं : तेलगु, उर्दू।

प्रमुख उद्योग : ऑटोमोबाइल्स तथा उनके पुर्जों का निर्माण उद्योग, मसाले, खनन तथा खनिज पदार्थ, कपड़ा उद्योग, दवा निर्माण, बागवानी, मुर्गी पालन तथा कृषि कार्य।

प्रमुख शहर : हैदराबाद, वारंगल, निजामाबाद, करीमनगर, रामागुन्डम।

पड़ोसी राज्य : उत्तर में महाराष्ट्र तथा छत्तीसगढ़, पश्चिम में कर्नाटक, दक्षिण-पूर्व तथा उत्तर-पूर्व में आंध्रप्रदेश।

प्रमुख नदियाँ : मुसी, कृष्णा, गोदावरी, भीमा, मंजिरा।

कला तथा संस्कृति : (i) **शास्त्रीय नृत्य** – कुचीपुड़ी, आंध्रनाट्यम, भामाकल्पम्, वीरनाट्यम।
लोकनृत्य – बूटा बोमालु, टापेटा गुल्लु, लामबाड़ी, धीम्सा तथा चिंदु।
(ii) **पर्व**-संक्रांति, उगाडी (तेलगु नव वर्ष), अटला टाडे, दीपउत्सवम्।

जनजातियाँ : आन्ध, कोंडा।

प्रमुख व्यंजन : गोंगुरा चोप्ट, पप्पूचूरा, गोंगुरा पप्पु, हैदराबादी बिरयानी।

पशु : चितल

पक्षी : पाल पिट्टा

त्रिपुरा

राजधानी : अगरतला

क्षेत्रफल : 10,49,169 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 21 जनवरी, 1972

जनसंख्या : 36,73,917

सबसे बड़ा नगर : अगरतला

जिलों की संख्या : 8

भाषाएं : बंगाली, मणिपुरी तथा कोक बोरक।

प्रमुख उद्योग : ईंट भट्ठा, चाय उद्योग, हथकरघा, पी.वी.सी. पाइप, प्लाईवुड, मोमबत्ती, तेल मिल इत्यादि।

पड़ोसी राज्य : उत्तर, दक्षिण तथा पश्चिम में बंग्लादेश, पूर्व में असम तथा मिजोरम।

प्रमुख नदियाँ : खोआती, मनु, गुमती, मुहुरी।

कला तथा संस्कृति : (i) नृत्य- गोरिया, झूम, लेबांग ममिता।

प्रमुख शहर : अगरतला, उदयपुर, कैला शहर, खोवई कमलपुर।

जनजातियाँ : भील, भूटिया, चायमल, चकमा, गारू, हलम, खसिया, कुकी, मग, मुंडा, नोवासिया, ओरांग, रियांग, संतल।

प्रमुख व्यंजन : चखवी, मवखवी मुइत्रु।

पशु : फायर्स लंगूर

पक्षी : हरित कबूतर

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

उत्तराखंड

प्रचलित नाम : ईश्वर की भूमि
राजधानी : देहरादून
क्षेत्रफल : 53,484 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 9 नवंबर, 2000
जनसंख्या : 10,086,292
सबसे बड़ा नगर : देहरादून
जिलों की संख्या : 13
भाषाएं : हिंदी, गढ़वाली, कुमाउँनी।
प्रमुख उद्योग : पर्यटन, हाइड्रो पावर।
प्रमुख नदियाँ : गंगा, भगीरथी, यमुना, रामगंगा, टॉस, काली।
पड़ोसी राज्य : उत्तर में तिब्बत, पूर्व में नेपाल, दक्षिण में उत्तर प्रदेश, उत्तर-पशिचम में हिमाचल प्रदेश।
कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - लंगवीर नृत्य, बरदनाटी, हुड़का, बौल, झोरा, चांचरी, **झुमैलना, चौफुला तथा छोलिया।**
(ii) **पर्व** - **कांवर यात्रा, कांदली, नौचुडी मेला, हरेला, मेला,** नंदा देवी मेला।
प्रमुख शहर : देहरादून, हरिद्वार, रूड़की हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर, ऋषिकेश, पिथौरागढ़
प्रमुख व्यंजन : आलू के गुटके, कापा, झंगोरा की खीर, चैन्सू।
पशु : कस्तूरी मृग
पक्षी : हिमालयी मोनल

उत्तर प्रदेश

प्रचलित नाम : हिंदी का हृदयस्थली
राजधानी : लखनऊ
क्षेत्रफल : 2,40,928 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 15 अगस्त, 1947
जनसंख्या : 19,98,12,341
सबसे बड़ा नगर : लखनऊ
जिलों की संख्या : 75
भाषाएँ : हिंदी एवं उर्दू।
प्रमुख उद्योग : इलेक्ट्रॉनिक्स, वैदुयुत उपकरण, इस्पात, चमड़ा, वस्त्र उद्योग, आभूषण, ऑटोमोबाइल्स, रेलवे कोच **सीमेंट, चूड़ियाँ, वनस्पति तेल।**
प्रमुख शहर : लखनऊ, कानपुर, इलाहाबाद, वाराणसी, गाजियाबाद, आगरा, अलीगढ़, मेरठ, बरेली, मुरादाबाद, बुलंदशहर, फैजाबाद, इटावा, फतेहगढ़, मथुरा, हापुड़, मऊ, मुजफ्फरनगर, रायबरेली, गाजीपुर, गोरखपुर, जौनपुर, मिर्ज़ापुर।
पड़ोसी राज्य : पश्चिम में राजस्थान, उत्तर-पश्चिम में हरियाणा तथा दिल्ली, उत्तर में उत्तराखंड व नेपाल, पूर्व में बिहार, दक्षिण-पूर्व में झारखण्ड, दक्षिण में छत्तीसगढ़, दक्षिण-पशिचम में मध्यप्रदेश।
प्रमुख नदियाँ : गंगा, यमुना, गोमती, घाघरा, रामगंगा, बेतवा।
कला तथा संस्कृति : (i) **नृत्य** - कथक
(ii) **पर्व** - दीवाली, बुद्ध पूर्णिमा, क्रिसमस, रामनवमी, विजयादशमी, मकरसंक्रांति, बसंत पंचमी, आयुद्ध पूजा, गंगा महोत्सव, जन्माष्टमी, ईद, मोहर्रम, छठ पूजा।
प्रमुख व्यंजन : लखनवी-बिरयानी, शामी कबाब, जमीदोज
प्रमुख दर्शनीय स्थल: प्रयाग (इलाहाबाद), कुम्भ मेला, अयोध्या (फैजाबाद), श्री राम जन्मभूमि, काशी (वाराणसी), विश्वनाथ मंदिर, सारनाथ (वाराणसी), महत्त्वपूर्ण बौद्ध तीर्थ कनखल (सहारनपुर), देक्षिणेश्वर महादेव मंदिर, विंध्याचल (मिर्जापुर) - विंध्यवसिनी देवी मंदिर देवी पाटन (गोंडा) - पाटेश्वरी देवी मंदिर मथुरा, वृंदावन, बरसाना गोवर्धन - श्री कृष्ण जन्म भूमि

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

चित्रकूट (बांदा) - श्री राम-भरत मिलन स्थली
फतेहपुर सीकरी (आगरा) - संत शेख सलीम चिश्ती का मकबरा
लखनऊ - मुगलकालीन ऐतिहासिक स्थल
देवा शरीफ (बाराबंकी) - सूफी संत हाजी वारिस अली शाह की मजार

प्रमुख विश्वविद्यालय : बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय -लखनऊ
बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय - वाराणसी
इलाहाबाद विश्वविद्यालय - इलाहाबाद
अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय - अलीगढ़
बुंदेलखंड विश्वविद्यालय - झांसी
छत्रपति साहू जी महाराज विश्वविद्यालय - कानपुर
चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय - मेरठ
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय - गोरखपुर
डॉ० भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय - आगरा
डॉ० राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय - फैजाबाद
लखनऊ विश्वविद्यालय - लखनऊ
महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ - वाराणसी
वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय - जौनपुर
सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय - वाराणसी
रुड़की विश्वविद्यालय - रुड़की
रोहिलखंड विश्वविद्यालय - बरेली
नरेंद्रदेव यूनिवर्सिटी आफ एग्रीकल्चर एण्ड टेक्नोलॉजी - फैजाबाद

जनजातियाँ : भोटिया, बुक्सा, थारू, गोंड, चेरो, खरवार, भूइया, बैगा।

पशु : स्वैम्प डियर

पक्षी : सारस क्रेन

पश्चिम बंगाल

राजधानी : कोलकाता

क्षेत्रफल : 88,752 वर्ग कि.मी.

निर्माण तिथि : 15 अगस्त, 1947

जनसंख्या : 9,12,76,115

सबसे बड़ा नगर : कोलकाता

जिलों की संख्या : 20

भाषाएं : बंगाली तथा अंग्रेजी।

प्रमुख उद्योग : इस्पात, चमड़ा, कपड़ा उद्योग, फ्रिगेट्स, आटोमोबाइल्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, वैद्युत उपकरण।

पड़ोसी राज्य : उत्तर में सिक्किम और भूटान, पूर्व में मेघालय, असम और बंगलादेश, पश्चिम में ओडिसा, झारखंड, बिहार और नेपाल हैं तथा दक्षिण में बंगाल की खाड़ी है।

कला तथा संस्कृति : (i) चाउ नृत्य
(ii) **पर्व** - दुर्गा पूजा, पोइला बैशाख, रथ यात्रा, डोल यात्रा या बसंत उत्सव, नाबानो, पुस परबन, काली पूजा, सरस्वती पूजा, लक्ष्मी पूजा, मोहर्रम, क्रिसमस।

प्रमुख नदियाँ : मयूराक्षी, भागीरथी, दामोदर, तीस्ता, सुवर्णरेखा, टोरसा, महानंदा।

जनजातियाँ : असुर, बैंगा, बेदिया, चेरो, चिक, बरायक, गारो, गोंड, गोरैत, मुंडा, नगेशिया, ओराव, राभा।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्रमुख शहर : कलकत्ता, मेदिनीपुर, खड्गपुर, हावड़ा, आसनसोल, सिलीगुड़ी, मुर्शिदाबाद।
प्रमुख व्यंजन : रसोगुल्ला, मिस्टी दोई
पशु : फिशिंग बिल्ली
पक्षी : श्वेत वक्ष किंगफिशर

केन्द्र शासित प्रदेश

अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह

राजधानी : पोर्ट ब्लेयर
क्षेत्रफल : 8,249 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 01 नवंबर, 1956
जनसंख्या : 3,80,581
सबसे बड़ा नगर : पोर्ट ब्लेयर
जिलों की संख्या : 3
भाषाएँ : बंगाली, हिंदी, निकोबारसी, तेलगु, तमिल, मलयालम।
प्रमुख उद्योग : लघु उद्योग तथा हस्त कला इकाई पर्यटन।
जनजातियाँ : अंडमानीज, चरियर, चारी, कोरा, ताबो, बो, कंडे, बी, बालवा, बोजिगियाब, जुवाई, कोल जारवा, निकोबारी।

चंडीगढ़

प्रचलित नाम : भारत का सबसे समृद्ध शारंगी टाउन
क्षेत्रफल : 114 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 1966 से केन्द्र शासित
जनसंख्या : 10,55,450
भाषाएं : हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी।
प्रमुख उद्योग : फार्मास्युटिकल्स, मशीनरी, खाद्य उत्पाद, वैद्युत उपकरण।
पर्यटन स्थल : रॉक गार्डन, रोज गार्डन, शांति कुंज झील, नेशनल गैलरी ऑफ पोर्ट्रेट्स
पड़ोसी राज्य : हरियाणा, पंजाब।
प्रमुख व्यंजन : बटर चिकेन, तंदूरी चिकेन, मटन पुलाव।
पशु : जंगली भैंस
पक्षी : पहाड़ी मैना

दादरा तथा नगर हवेली

राजधानी : सिलवासा
क्षेत्रफल : 491 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 11 अगस्त, 1961
जनसंख्या : 3,43,709
भाषाएँ : अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, मराठी, भिलोड़ी।
जिलों की संख्या : 1
प्रमुख नदियाँ : सिलवासा खनवेल।
प्रमुख उद्योग : कृषि उद्योग, वानिकी पशुपालन तथा पर्यटन।
पड़ोसी राज्य : पश्चिम-उत्तर तथा पूर्व के तरफ से गुजरात तथा दक्षिण व दक्षिण-पूर्व की ओर से महाराष्ट्र।

दमन तथा दीव

राजधानी : दमन
जिलों की संख्या : 2 (दमन एवं दीव)
भाषाएँ : अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, मराठी।
क्षेत्रफल : 112 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 30 मई, 1987
जनसंख्या : 2,43,247
प्रमुख उद्योग : डिस्टिलरी, मछली पकड़ना तथा पर्यटन।
पड़ोसी राज्य : गुजरात
जनजातियाँ : धोड़िया, दुबला, नाइकडा, सिड्डी वर्ली।

लक्षद्वीप

राजधानी : कावारत्ती
क्षेत्रफल : 32 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि : 01 नवम्बर, 1956
जनसंख्या : 64,473
सबसे बड़ा नगर : एंड्राट
जिलों की संख्या : 1
प्रमुख धर्म : इस्लाम
भाषाएं : अंग्रेजी, मलयालम।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्रमुख उद्योग :	मत्स्य पालन, फाइबर उत्पादों का उत्पादन, पर्यटन डिसैलिनेशन (लवण को दूर करना)।
पड़ोसी राज्य :	केरल तथा कर्नाटक।
प्रमुख पर्व :	ईद-उल-फितर, मोहर्रम, बकरीद, मिलाद-उल-नबी।
प्रमुख द्वीप :	कावारत्ती, अगाती, मिनिकोय, एन्ड्राट, कल्पेनी, किल्टान, एमिनी, कदमत
पशु :	बटरफ्लाई फिश
पक्षी :	घरेलू गौरैया

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

राजधानी :	नई दिल्ली
क्षेत्रफल :	1,483 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	01 फरवरी, 1992
जनसंख्या :	1,67,87,941
जिलों की संख्या :	11
भाषाएँ :	हिंदी, पंजाबी, उर्दू और अंग्रेजी।
प्रमुख धर्म :	हिन्दू
प्रमुख उद्योग :	सूचना तकनीकी, खेलकूद का सामान, दवाइयाँ, चमड़े की वस्तुएँ, दूर संचार, होटल, बैंकिंग, मीडिया तथा पर्यटन।
पड़ोसी राज्य :	हरियाणा तथा उत्तर प्रदेश।
प्रमुख नदी :	यमुना
कला तथा संस्कृति :	**पर्व** – दीवाली, महावीर जयंती, लोहड़ी, रक्षाबंधन, दुर्गापूजा, होली, महाशिवरात्रि, ईद-उल-फितर, मोहर्रम, बुद्ध जयंती।
प्रमुख पर्यटन स्थल :	राष्ट्रपति भवन, मुगल गार्डन, संसद भवन, लाल किला, चाँदनी चौक, जामा मस्जिद, शांति वन, राजघाट, विजय घाट, हुमायूँ का मकबरा, लोदी का मकबरा, कुतुबमीनार, हौज खास, लोटस टेंपल, छतरपुर का देवी मंदिर, अक्षरधाम मंदिर, इंडिया गेट, जंतर-मंतर, बिड़ला मंदिर, विज्ञान भवन, राष्ट्रीय संग्रहालय, नेहरू मेमोरियल संग्रहालय, रवींद्र रंगशाला, चिड़ियाघर इत्यादि।
प्रमुख विश्वविद्यालय:	दिल्ली विश्वविद्यालय, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, जामिया मिलिया इस्लामिया, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, गुरुगोविंद सिंह विश्वविद्यालय (इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी, स्कूल ऑफ प्लानिंग एण्ड आर्किटेक्चर।
प्रमुख व्यंजन :	चाट, तंदुरी चिकेन, पराठे, छोले भटूरे
पक्षी :	घरेलू गौरैया

पुड्डुचेरी

राजधानी :	पांडिचेरी
क्षेत्रफल :	479 वर्ग कि.मी.
निर्माण तिथि :	7 जनवरी, 1963
जनसंख्या :	12,47,953
सबसे बड़ा नगर :	पांडिचेरी
प्रमुख नदियाँ :	जिंजी, माहे
प्रमुख शहर :	पांडिचेरी, कराइकल, यानम, माहे
जिलों की संख्या :	4
भाषाएँ :	फ्रेंच, मलयालम, तमिल, तेलगु, अंग्रेजी।
प्रमुख उद्योग :	मछली पकड़ना, कपड़ा उद्योग, ऑटोमोबाइल के पुर्जे, कम्प्यूटर हार्डवेयर, सूती धागों का निर्माण, पर्यटन।
प्रमुख व्यंजन :	कड़ुगु एर्रा, वेंडाकाई, पचड़डी।
प्रमुख नृत्य :	पोंडिकांझी, अट्टम
पशु :	गिलहरी
पक्षी :	एशियाई कोयल

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राष्ट्रीय चिन्ह

राष्ट्रीय ध्वज		राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे में समान अनुपात में तीन क्षैतिज पट्टियां हैं गहरा केसरिया रंग सबसे ऊपर, सफेद बीच में और हरा रंग सबसे नीचे है। ध्वज की लंबाई–चौड़ाई का अनुपात 3 : 2 है। सफेद पट्टी के बीच में नीले रंग का चक्र है। शीर्ष में गहरा केसरिया रंग देश की ताकत और साहस को दर्शाता है। बीच में स्थित सफेद पट्टी धर्म चक्र के साथ शांति और सत्य का संकेत है। हरा रंग देश के शुभ, विकास और उर्वरता को दर्शाता है। भारत की संविधान सभा ने राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप 22 जुलाई 1947 को अपनाया।
राष्ट्रीय पक्षी		भारतीय मोर, पावों क्रिस्तातुस, भारत का राष्ट्रीय पक्षी।
राष्ट्रीय पुष्प		कमल (निलम्बो नूसीपेरा गेर्टन) भारत का राष्ट्रीय फूल है। यह पवित्र पुष्प है और इसका प्राचीन भारत की कला और गाथाओं में विशेष स्थान है और यह अति प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति का मांगलिक प्रतीक रहा है। भारत पेड़ पौधों से भरा है। वर्तमान में उपलब्ध डाटा वनस्पति विविधता में इसका विश्व में दसवां और एशिया में चौथा स्थान है। अब तक 70 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया गया उसमें से भारत के वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा 47,000 वनस्पति की प्रजातियों का वर्णन किया गया है।
राष्ट्रीय पेड़		भारतीय बरगद का पेड़ फाइकस बैंगालेंसिस, जिसकी शाखाएं और जड़ें एक बड़े हिस्से में एक नए पेड़ के समान लगने लगती हैं।
राष्ट्रीयगान		स्वर्गीय कवि रविन्द्र नाथ टैगोर द्वारा **जन गण** मनुष्य के नाम से प्रख्यात शब्दों और संगीत की रचना भारत का राष्ट्र गान है।
राष्ट्रीय नदी	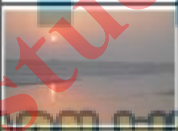	गंगा भारत की सबसे लंबी नदी है जो पर्वतों, घाटियों और मैदानों में 2,510 किलो मीटर की दूरी तय करती है।
राष्ट्रीय जलीय जीव	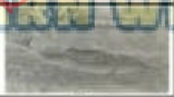	मीठे पानी की डॉलफिन भारत का राष्ट्रीय जलीय जीव है।
राजकीय प्रतीक		भारत का राजचिह्न सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनु.ति है, जो सारनाथ के संग्रहालय में सुरक्षित है।
राष्ट्रीय पंचांग		राष्ट्रीय कैलेंडर शक संवत पर आधारित है, चैत्र इसका माह होता है और ग्रेगोरियन कैलेंडर के साथ साथ 22 मार्च 1957 से सामान्यतः 365 दिन निम्नलिखित सरकारी प्रयोजनों के लिए अपनाया गया।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राष्ट्रीय पशु		राजसी बाघ, तेंदुआ टाइग्रिस धारीदार जानवर है। लावण्यता, ताकत, फुर्तीलापन और अपार शक्ति के कारण बाघ को भारत के राष्ट्रीय जानवर के रूप में गौरवान्वित किया है।
राष्ट्रीय गीत		वन्दे मातरम गीत बंकिम चन्द्र चटर्जी द्वारा रचा गया है यह स्वतंत्रता की लड़ाई में लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत था। इसका स्थान जन गण मन के बराबर है। इसे पहली बार 1896 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सत्र में गाया गया था।
राष्ट्रीय फल		मेन्गीफेरा इंडिका का फल अर्थात आम है जो उष्ण कटिबंधी हिस्से का सबसे अधिक महत्वपूर्ण और व्यापक रूप से उगाया जाने वाला फल है।
मुद्रा चिन्ह	₹	भारतीय रुपए का प्रतीक चिन्ह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आदान–प्रदान तथा आर्थिक संबलता को परिलक्षित कर रहा है। रुपए का चिन्ह भारत के लोकाचार का भी एक रूपक है।

प्रतिरक्षा तथा सुरक्षा

प्रतिरक्षा : भारत

- भारतीय सशस्त्र बल का सर्वोच्च सेनापति भारत का राष्ट्रपति होता है। रक्षा मंत्रालय तथा तीन सेवा मुख्यालयों द्वारा सशस्त्र बलों पर प्रशासनिक तथा क्रियात्मक नियंत्रण रखा जाता है।
- प्रतिरक्षा मंत्रालय के चार प्रभाग होते हैं
  (1) प्रतिरक्षा प्रभाग
  (2) प्रतिरक्षा उत्पादन प्रभाग
  (3) प्रतिरक्षा शोध तथा निकास प्रभाग
  (4) सेवानिवृत्त कर्मचारी कल्याण प्रभाग

(I) थल सेना तथा मुख्यालय

कमांड	मुख्यालय
पश्चिमी कमांड	चंडीगढ़
उत्तरी कमांड	ऊधमपुर
सेना प्रशिक्षण कमांड	शिमला
दक्षिण पश्चिम कमांड	जयपुर
पूर्वी कमांड	कोलकाता
दक्षिणी कमांड	पुणे
केंद्रीय कमांड	लखनऊ

(II) जल सेना तथा मुख्यालय

कमांड	मुख्यालय
पूर्वी कमांड	विशाखापत्तनम
पश्चिमी कमांड	मुंबई
दक्षिणी कमांड	कोच्चि

(III) वायुसेना तथा मुख्यालय

पूर्वी कमांड	शिलांग
दक्षिणी पश्चिमी कमांड	गांधीनगर
दक्षिणी कमांड	तिरुअनंतपुरम
पश्चिमी कमांड	नई दिल्ली
केन्द्रीय कमांड	इलाहाबाद
क्रियात्मक कमांड	**मुख्यालय**
रखरखाव कमांड	नागपुर
प्रशिक्षण कमांड	बंगलौर

(IV) कमीशन रैंक

थल सेना	वायु सेना	जल सेना
जनरल	एयर चीफ मार्शल	एडमिरल
लेफ्टिनेंट जनरल	एयर मार्शल	वाइस-एडमिरल
मेजर जनरल	एयर वाइस मार्शल	रियर एडमिरल
ब्रिगेडियर	एयर कमोडोर	कमोडोर
कर्नल	ग्रुप कैप्टन	कैप्टन
लेफ्टिनेंट कर्नल	विंग कमांडर	कमांडर
मेजर	स्क्वॉड्रन लीडर	लेफ्टिनेंट कमांडर
कैप्टन	फ्लाइट लेफ्टिनेंट	लेफ्टिनेंट
लेफ्टिनेंट	फ्लाइंग ऑफिसर	सब लेफ्टिनेंट

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

आंतरिक सुरक्षा : भारत

संगठन	वर्ष	मुख्यालय
सेन्ट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (CRPF)	1939	नई दिल्ली
नेशनल कैडेट कोर (NCC)	1948	नई दिल्ली
इंडो तिब्बत बॉर्डर पुलिस (ITBP)	1962	नई दिल्ली
सीमा सुरक्षा बल (BSF)	1965	नई दिल्ली
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF)	1969	नई दिल्ली
असम राइफल्स (AR)	1835	शिलांग
होम गार्ड्स (HG)	1946	विभिन्न राज्यों में
प्रादेशिक सेना (TA)	1949	विभिन्न राज्यों में
तटरक्षा बल (Coast Guard)	1978	नई दिल्ली
राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (NSG)	1984	नई दिल्ली
त्वरित कार्य बल (RAF)	1992	

भारत के प्रतिरक्षा प्रशिक्षण संस्थान

- राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (NDA), खड़गवासला (पुणे के नजदीक)
- राष्ट्रीय रक्षा महाविद्यालय (NDC), नई दिल्ली
- राष्ट्रीय इंडियन मिलिट्री कॉलेज (RIMC), देहरादून
- आर्मी सप्लाई कोर सेंटर एण्ड स्कूल, बंगलुरु
- सशस्त्र बल मेडिकल कॉलेज (AFMC), पुणे
- वायु सेना एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रेनिंग विद्यालय, साम्ब्रा (बेलगवि)
- कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर, सिकंदराबाद एयरफोर्स अकादमी, हैदराबाद
- आई० एन० एस० चिल्का भुवनेश्वर (ओडिशा)
- आइ० एन० एस० मंदोवी, गोवा
- नेवल अकादमी, कोच्चि
- आर्मी स्कूल ऑफ फिजिकल ट्रेनिंग, पुणे
- आर्मी मेडिकल कोर सेंटर एण्ड स्कूल, लखनऊ

भारत के प्रमुख शोध संस्थान

- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान –नई दिल्ली
- केंद्रीय चावल अनुसंधान संस्थान – कटक
- केंद्रीय आलू अनुसंधान संस्थान – शिमला
- केंद्रीय वन अनुसंधान संस्थान – देहरादून
- भारतीय प्राकृतिक रेजिन तथा गोंद संस्थान (IINRG) – राँची
- राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान – करनाल
- राष्ट्रीय खनन अनुसंधान संस्थान – धनबाद
- केंद्रीय जूट तकनीकी अनुसंधान संस्थान – कोलकाता
- राष्ट्रीय भू-भौतिकी अनुसंधान संस्थान – हैदराबाद
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च – मुंबई
- हाई अल्टीट्यूड रिसर्च लैबोरेटरी – गुलमर्ग
- कोशिकीय तथा आण्विक जीवविज्ञान केंद्र – हैदराबाद
- नाभिकीय तथा अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र – (भारत में)
- इंडिया रेयर अर्थ्स लिमिटेड – अल्वाए (केरल)
- यूरेनियम कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया – जादुगोड़ा
- भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर (BARC) – ट्राम्बे (मुंबई)
- साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स – कोलकाता
- विक्रम साराभाई स्पेस सेंटर – तिरुअनंतपुरम्
- भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) – बंगलौर
- केन्द्रीय गन्ना अनुसंधान संस्थान – कोयम्बटूर
- भारतीय मौसम विज्ञान संस्थान – नई दिल्ली
- अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान – नई दिल्ली
- भारतीय भू-चुम्बकीय संस्थान – मुंबई
- राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान संस्थान – पणजी
- केन्द्रीय ट्रैक्टर संस्थान – नई दिल्ली
- भारतीय पुरातात्विक सर्वेक्षण विभाग – कोलकता
- केन्द्रीय भवन निर्माण अनुसंधान संस्थान – रुड़की
- केन्द्रीय नमक एवं समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान – भावनगर
- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण – नई दिल्ली
- प्लाज्मा अनुसंधान संस्थान – गांधी नगर
- भारतीय मौसम वेधशाला – पुणे
- औद्योगिक विष विज्ञान अनुसंधान केन्द्र – लखनऊ
- सेंटर फॉर डी.एन.ए. फिंगर प्रिंटिंग एण्ड डायग्नोस्टिक्स – हैदराबाद
- कपड़ा उद्योग अनुसंधान संस्थान – अहमदाबाद
- केंद्रीय चमड़ा अनुसंधान संस्थान – चेन्नई
- केंद्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान – नागपुर

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDY MASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारतीय प्रक्षेपास्त्र (मिसाइल)

- अस्त्र – हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल (क्षमता 80 कि.मी.)
- पृथ्वी I (थल सेना) – सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (क्षमता 150 कि.मी.)
- पृथ्वी II (वायु सेना) – सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (क्षमता 250 कि.मी.)
- पृथ्वी III (नौ सेना) – सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (क्षमता 350 कि.मी.)
- धनुष (अग्नि I) – सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (क्षमता 750-1250 कि.मी.)
- अग्नि (II)– सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल (क्षमता 2000-3000 कि.मी.)
- अग्नि (III) – 3000 कि.मी. से अधिक
- अग्नि (IV) – 3000 कि.मी. - 4000 कि.मी.
- अग्नि (V) – 5000 कि.मी. से अधिक
- शौर्य – सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल
- त्रिशूल – सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (क्षमता . 500 मी. से 9 किमी.)
- आकाश – सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (20-30 कि.मी.)
- मैत्री – सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल
- बराक 2 – सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल
- ब्रह्मोस – सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल
- ब्रह्मोस II – हाइपर सुपर सोनिक क्रूज मिसाइल
- K-15 – सागरिका लांच्ड बैलिस्टिक मिसाइल
- K-XX – सबमैरिन लांच्ड बैलिस्टिक मिसाइल
- हेलिना – एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल
- निर्भय – सब सोनिक क्रूज मिसाइल

भारत में नाभिकीय शक्ति संयंत्र

शक्ति केंद्र	राज्य	प्रकार	संचालक	संपूर्ण क्षमता (MW)
कैगा	कर्नाटक (2000)	PHWR	NPCIL	660
कलपक्कम	तमिलनाडु (1983)	PHWR	NPCIL	440
काकरापार	गुजरात (1993)	PHWR	NPCIL	440
रावतभाटा	राजस्थान (1972)	PHWR	NPCIL	1180
तारापुर	महाराष्ट्र (1969)	BWR (PHWR)	NPCIL	1400
नरौरा	U.P. (1991)	PHWR	NPCIL	440

भारत में प्रथम (पुरुष)

- बंगाल का गवर्नर – लॉर्ड क्लाइव (1757-60)
- बंगाल का गवर्नर जनरल – लॉर्ड वारेन हेस्टिंग्स (1774-85)
- भारत का गवर्नर जनरल – लॉर्ड विलियम बेंटिक (1833-35)
- भारत का वायसराय – लॉर्ड कैनिंग (1856-62)
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस अध्यक्ष – डब्ल्यु० सी० बनर्जी
- स्वतंत्र भारत का गवर्नर जनरल – सी० राजगोपालाचारी (21 जून, 1948-25 जनवरी, 1950)
- आई०सी०एस० उत्तीर्ण भारतीय –सत्येन्द्र नाथ टैगोर (1873)
- भारत का गवर्नर जनरल – लॉर्ड लुइस माउण्टबेटेन (स्वतंत्रता उपरांत)
- भारतीय नोबल पुरस्कार विजेता – रवीन्द्र नाथ टैगोर (1913, साहित्य)
- भारत रत्न पुरस्कार प्राप्त करने वाले भारतीय – डॉ० एस० राधाकृष्णन
- संविधान सभा का सभापति – डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
- भारतीय गणतंत्र के मुस्लिम राष्ट्रपति – डॉ० जाकिर हुसैन

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- लोक सभा अध्यक्ष – जी० वी० मावलंकर (1952-27)
- भारतीय गणतंत्र के राष्ट्रपति – डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
- स्वतंत्र भारत के प्रधानमंत्री – पं० जवाहर लाल नेहरू
- स्वतंत्र भारत के उपराष्ट्रपति – डॉ० एस० राधाकृष्णन
- नोबल पुरस्कार विजेता भारतीय वैज्ञानिक – सी० वी० रमन (भौतिक विज्ञान)
- नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता भारतीय मूल के वैज्ञानिक – डॉ० हरगोविंद खुराना
- भारत भ्रमण करने वाला चीनी यात्री – फाह्यान
- मेग्सेसे पुरस्कार भारतीय विजेता – आचार्य विनोबा भावे (1958)
- भारत भ्रमणकर्त्ता ब्रिटिश नागरिक – हाकिंस
- भारतीय चुनाव आयुक्त – सुकुमार सेन
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का मुस्लिम सभापति – बदरुद्दीन तैयब जी
- भारत का मुख्य न्यायाधीश – हीरालाल जे० कानिया (1950-51)
- अर्थशास्त्र में नोबल पुरस्कार प्राप्तकर्ता भारतीय व्यक्ति – डॉ० अमर्त्य सेन
- कार्यकाल के दौरान दिवंगत भारतीय राष्ट्रपति – डॉ० जाकिर हुसैन
- भारत भ्रमण करने वाला अमेरिकी राष्ट्रपति – ड्वाइट डेविड आइजन हावर
- भारत भ्रमण करने वाला ब्रिटिश प्रधानमंत्री – हेराल्ड मैक मिलन
- भारतीय वायुयान चालक – जे० आर० डी० टाटा (1929)
- उत्कृष्ट सांसद पुरस्कार प्राप्त करने वाला – चंद्रशेखर (1995)
- इंग्लिश चैनल तैर कर पार करने वाला प्रथम भारतीय – मिहिर सेन (1958)
- स्वतंत्र भारत के प्रथम कमाण्डर-इन-चीफ – जनरल के. एम. करिअप्पा (1949)
- मरणोपरान्त 'भारत रत्न' से सम्मानित प्रथम व्यक्ति – लाल बहादुर शास्त्री
- अंतरिक्ष में जाने वाला प्रथम स्क्वाड्रन लीडर – राकेश शर्मा (1984)
- भारत में परमवीर चक्र पाने वाला प्रथम व्यक्ति – मेजर सोमनाथ शर्मा
- भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित होने वाले प्रथम साहित्यकार – सुमित्रानंदन पंत
- भारत के प्रथम फील्ड मार्शल – एस एच एफ जे मानेकशा (1971)
- दक्षिण ध्रुव पर पहुँचने वाले प्रथम भारतीय – लेफ्टिनेंट रामचरण (1960)
- टेस्ट क्रिकेट में तिहरा शतक लगाने वाला प्रथम भारतीय खिलाड़ी – वीरेन्द्र सहवाग
- लेनिन शांति पुरस्कार से सम्मानित प्रथम भारतीय – डॉ. सैफुद्दीन किचलू

भारत में प्रथम (महिला)

- राष्ट्रपति – श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल
- प्रधानमंत्री – श्रीमती इंदिरा गांधी
- राज्यपाल – सरोजिनी नायडू
- शासिका (दिल्ली राजसिंहासन पर) – रजिया सुल्तान
- भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी – किरन बेदी
- राज्य की मुख्यमंत्री – सुचेता कृपलानी (उत्तर प्रदेश)
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सभापति – एनी बेसेण्ट (1917)
- न्यायाधीश (सर्वोच्च न्यायालय) – मीरा साहिब फातिमा बीबी
- संयुक्त राष्ट्रसंघ में राजदूत – विजयालक्ष्मी पंडित (1953)
- इंग्लिश चैनल को तैर कर पार करने वाली महिला – आरती साहा (गुप्ता)
- नोबल पुरस्कार विजेता – मदर टेरेसा (1979)
- माउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली महिला – बचेन्द्री पाल (1984)
- विश्व सुंदरी – मिस रीता फारिया (1966)
- ब्रह्मांड सुंदरी (मिस यूनिवर्स) – सुष्मिता सेन
- भारत रत्न पुरस्कृत – श्रीमती इंदिरा गांधी
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रथम भारतीय अध्यक्षा – सरोजनी नायडू (1925)
- अंतरिक्ष यात्री – कल्पना चावला
- एशियाड स्वर्ण पदक विजेता – कमलजीत सन्धु
- डब्ल्यू टी ए टेनिस टूर्नामेंट जीतने वाली – सानिया मिर्जा
- मुख्य न्यायाधीश (हिमाचल प्रदेश) – लीला सेठ (1991)
- लोकसभा अध्यक्ष – मीरा कुमार (2009)
- विदेश मंत्री – लक्ष्मी एन. मेनन
- आई ए एस अधिकारी – अन्ना राजम जॉर्ज (1950)

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- किसी राज्य की डी जी पी (उत्तराखंड) – कंचन सी भट्टाचार्या
- न्यायाधीश – अन्ना चांडी (1937)
- राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष – जयन्ती पटनायक (1992)
- बुकर पुरस्कार विजेता – अरून्धती राय
- साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित – अमृता प्रीतम
- भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित – आशापूर्णा देवी (1976)
- पेप्सिको की प्रथम महिला सी ई ओ – इन्द्रा नूयी
- एवरेस्ट पर दो बार चढ़ने वाली – संतोष यादव
- अण्टार्कटिका जाने वाली – मेहरमूसा (1976)
- नौका से संपूर्ण विश्व का भ्रमण – उज्ज्वला पाटिल
- अंतरिक्ष में सर्वाधिक समय तक रहने वाली – सुनीता विलियम्स
- इंडियन एयरलाइंस की पॉयलट – कैप्टन दुर्गा बनर्जी (1966)
- ओलम्पिक खेलों में भाग लेने वाली – एन पोल्ले (1924 टेनिस)

भारत में सर्वप्रथम (अन्य तथ्य)

- भारत का प्रथम प्रक्षेपास्त्र – पृथ्वी (1988)
- भारत का प्रथम विमान वाहक युद्ध पोत – आई. एन.एस. विक्रांत
- प्रथम पनडुब्बी – आई.एन.एस. कावेरी
- प्रथम परमाणु रिएक्टर – अप्सरा
- प्रथम परमाणु पनडुब्बी – आई.एन.एस. अरिहंत
- प्रथम मध्यम दूरी मिसाइल – अग्नि
- प्रथम दूरदर्शन केन्द्र – नई दिल्ली
- प्रथम परमाणु केन्द्र – तारापुर
- प्रथम विश्व विद्यालय–नालंदा विश्वविद्यालय
- प्रथम बार दूरदर्शन में रंगीन कार्यक्रम का प्रसारण – 15 अगस्त, 1982
- प्रथम मूक चलचित्र – राजा हरिश्चंद्र (1912)
- प्रथम बोलती फिल्म– आलम-आरा (1931)
- प्रथम 3-D चलचित्र – माई डियर कुट्टी चातन
- प्रथम समाचार पत्र – बंगाल गजट (1780)
- प्रथम डाक घर – कोलकाता (1727)
- नियमित दशकीय जनगणना – वर्ष 1981 से
- अंतर्राष्ट्रीय दूर संचार सेवा – बम्बई से लंदन (1851)
- मनरेगा की शुरुआत – अनन्तपुर (आंध्र प्रदेश 2006)
- लोकायुक्त नियुक्त करने वाला राज्य – महाराष्ट्र (1971)
- 100% साक्षरता दर प्राप्त करने वाला जिला – एर्नाकुलम (केरल)
- हिन्दी समाचार पत्र – उदन्त मार्तण्ड
- प्रथम एक्सप्रेस वे – मुंबई पुणे एक्सप्रेस वे (2000)
- प्रथम चन्द्र अभियान – चन्द्रयान (22 अक्टूबर, 2008)
- प्रथम सैन्य संचार उपग्रह – रुक्मिणी (G-SAT-7, 2013)
- सी एन जी से चलने वाली प्रथम रेलगाड़ी – रेवाड़ी से रोहतक (13 जनवरी, 2015)
- प्रथम मंगल अभियान – 5 नवम्बर, 2013
- प्रथम जल विद्युत परियोजना – शिव समुद्रम (1902)
- प्रथम प्रायोजित धारावाहिक – हमलोग (1984)
- प्रथम उपग्रह – आर्यभट्ट (19 अप्रैल, 1975)
- स्वदेश निर्मित उपग्रह – इनसैट-2 ए. (1992)
- भूमिगत आण्विक परीक्षण – पोखरण (18 मई, 1974)
- प्रथम यात्री रेलगाड़ी – मुम्बई से थाणे (1853)
- प्रथम मेट्रो रेलगाड़ी – कलकत्ता मेट्रो (1984)
- भारत में निर्मित कम्प्यूटर – सिद्धार्थ

विश्व में प्रथम (महिला/पुरुष)

- संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति – जॉर्ज वाशिंगटन
- संयुक्त राष्ट्रसंघ का गवर्नर जनरल – त्रिगवे ली (Trygve Lie) (नार्वे)
- भारत पर आक्रमण करने वाला यूरोप निवासी – सिकंदर महान
- वायुयान उड़ाने वाले व्यक्ति – राइट बंधु
- चंद्रमा पर उतरने वाला व्यक्ति – नील आर्मस्ट्रांग (बाद में एडविन एल्ड्रिन)
- इंग्लैण्ड की महिला प्रधानमंत्री – मार्गरेट थैचर
- मुस्लिम महिला प्रधानमंत्री – बेनजीर भुट्टो (पाकिस्तान)
- महिला प्रधानमंत्री – श्रीमती एस० भंडारनायके (श्रीलंका)
- विश्व की महिला अंतरिक्ष यात्री – वेलेंटीना टेरेसकोवा (रूस)

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- संयुक्त राष्ट्र संघ महासभा की महिला अध्यक्षा – विजयालक्ष्मी पंडित
- पुरुष अंतरिक्ष यात्री – यूरी गैगरीन (रुस)
- माउण्ट एवरेस्ट पर्वतारोही (पुरुष) – शेरपा तेनजिंग नारगे तथा सर एडमंड हिलेरी
- उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाला व्यक्ति – रॉबर्ट ई. पियरे (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाला व्यक्ति –रोनाल्ड एमंडसन (नार्वे)
- गणतंत्र चीन के राष्ट्रपति – डॉ० सन-यात-सेन
- भारत भ्रमण पर आने वाली रूसी (सोवियत) प्रधानमंत्री – बल्गेनीन
- उत्तरी ध्रुव पर पहुँचने वाली महिला – केरोलिन माइकेल्सेन (नार्वे)
- दक्षिणी ध्रुव पर पहुँचने वाली महिला – मिस फ्रान फिप्स (कनाडा)
- विम्बलडन ट्रॉफी जीतने वाला (एशियाई) – आर्थर आयसे
- पुरुष नोबल पुरस्कार विजेता (साहित्य हेतु) – रेने एफ० ए० तथा सुल्ली प्रधोम (फ्रांस)
- पुरुष नोबल पुरस्कार विजेता (शांति हेतु) – जिन एफ० डुनांट (स्विट्जरलैंड)
- पुरुष नोबल पुरस्कार विजेता (भौतिक शास्त्र) – डब्ल्यु० के० रोएंटजन (जर्मनी)
- पुरुष नोबल पुरस्कार विजेता (रसायन शास्त्र) – जे०एच० वेंट्हाफ (हॉलैण्ड)
- पुरुष नोबल पुरस्कार विजेता (औषधि) – ए० ई० वान बेहरिंग (जर्मनी)
- पुरुष नोबल पुरस्कार विजेता (अर्थशास्त्र) – रगर फिश (नार्वे) तथा जान टिंबर जेन (हॉलैण्ड)
- महिला राष्ट्रपति – मारिया एस्टेला पैरो (अर्जेंटीना)
- अंतरिक्ष पर्यटक (पुरुष) – डेनिस टीटो (यू०एस०ए०)
- जिब्राल्टर सन्धि को पार करने वाली महिला –आरती प्रधान (भारत)
- जिब्राल्टर सन्धि पार करने वाला दिव्यांग पुरुष (गूंगा-बहरा) – तारानाथ शेनाय (भारत) 1988
- दो बार अन्तरिक्ष यात्रा करने वाला प्रथम अन्तरिक्ष पर्यटक – चार्ल्स सिमोन्यी (2007 एवं 2009 अमेरिका)
- माउण्ट एवरेस्ट पर चढ़ने वाला प्रथम दिव्यांग व्यक्ति – टॉम व्हिटकर
- बिना ऑक्सीजन के एवरेस्ट चोटी पर चढ़ने वाला प्रथम व्यक्ति – फू दोरजी
- सर्वाधिक आयु में एवरेस्ट चोटी पर चढ़ने वाला प्रथम व्यक्ति – युईचिरो मियुरा (जापान)
- श्री लंका की प्रथम महिला प्रधानमंत्री – सिरिमाओ बंडारनायके
- अन्तरिक्ष में घूमने वाली प्रथम महिला – स्वेतलाना सेवित्स्काया (सोवियत संघ)
- अण्टार्कटिका महाद्वीप पर पहुँचने वाली प्रथम महिला – मिस कैरोलिन मिकल्सन (डेनमार्क)

विश्व में प्रथम (राष्ट्र/नगर)

- कागजी मुद्रा जारी करने वाला देश – चीन
- आधुनिक ओलंपिक का आयोजन करने वाला देश – ग्रीस
- वह शहर जिस पर परमाणु बम गिराया गया – हिरोशिमा (जापान)
- विश्व धर्म – सनातन धर्म
- विश्व कप फुटबॉल विजेता राष्ट्र – उरुग्वे (1930)
- अंतरिक्ष में उपग्रह प्रक्षेपित करने वाला राष्ट्र – रूस (यू० एस० एस० आर०)
- प्रथम विश्वविद्यालय – तक्षशिला विश्वविद्यालय
- चन्द्रमा पर मानव को पहुँचाने वाला प्रथम यान – अपोलो-11
- कृत्रिम उपग्रह का अंतरिक्ष में प्रक्षेपण करने वाला प्रथम देश – रूस
- भूमिगत मेट्रो रेल प्रारम्भ करने वाला देश – ब्रिटेन
- सूचना का अधिकार लागू करने वाला प्रथम देश – स्वीडन
- धूम्रपान पर रोक लगाने वाला प्रथम देश – आयरलैंड
- परिवार नियोजन लागू करने वाला प्रथम देश – भारत
- वैल्यू ऐडेड टैक्स (VAT) लागू करने वाले प्रथम देश – ब्राजील, डेनमार्क, जर्मनी (1954)
- इच्छामृत्यु को कानूनी मान्यता देने वाला प्रथम देश – नीदरलैंड
- राष्ट्रीय गान प्रारम्भ करने वाला प्रथम देश – जापान
- संविधान निर्माण करने वाला प्रथम देश – अमेरिका
- गुट निरपेक्ष आन्दोलन के प्रथम सम्मेलन का आयोजन स्थल – बेलग्रेड

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- कागज का आविष्कार करने वाला प्रथम देश – चीन (105 ई.)
- रेशम का उत्पादन करने वाला प्रथम देश – चीन (50 ईसा पूर्व)
- मंगल ग्रह पर उतरने वाला प्रथम अंतरिक्ष यान – वाइकिंग
- अंतरिक्ष में भेजा जाने वाला प्रथम अंतरिक्ष शटल – कोलम्बिया
- सद्‌भावना खेल आयोजित करने वाला प्रथम देश – रूस
- एशियाई खेलों का प्रथम आयोजन स्थल – नई दिल्ली

भारत में सर्वोत्कृष्ट

(सबसे बड़ा, सबसे ऊँचा, सबसे लंबा, सबसे छोटा इत्यादि)

- सबसे लंबा नदी सेतु (पुल) – महात्मा गांधी सेतु पटना (5.575 कि.मी.)
- सबसे बड़ा पशु मेला – सोनपुर (बिहार)
- मीठे पानी की सबसे बड़ी झील – वुलर झील (जम्मू-कश्मीर)
- खारे पानी की सबसे बड़ी झील – चिल्का झील (ओडिसा)
- सबसे ऊँचा बाँध – भाखड़ा बाँध, सतलज नदी पर (पंजाब)
- सबसे बड़ा चिड़ियाघर – प्राणि उद्यान (कोलकाता)
- सबसे बड़ा गुफा मंदिर – कैलाश मंदिर (एलोरा, महाराष्ट्र)
- सबसे ऊँची चोटी – गॉडविन ऑस्टिन/K-2 (8611 मी.)
- सबसे लंबी सुरंग – जवाहर सुरंग, बनीहाल दर्रा (जम्मू तथा कश्मीर)
- सबसे बड़ा डेल्टा – सुंदरवन (पश्चिम बंगाल)
- सबसे ऊँचा जलप्रपात – जोग या गारसोप्पा (कर्नाटक)
- सबसे लंबी सड़क – ग्रांड ट्रंक रोड (कोलकाता से दिल्ली)
- सबसे ऊँचा प्रवेशद्वार – बुलंद दरवाजा, फतेहपुर सीकरी (उ०प्र०)
- सबसे लंबी नदी –गंगा (2640 कि०मी०)
- सबसे बड़ा गुंबद – गोल गुंबद, बीजापुर (कर्नाटक)
- सबसे लंबा रेलवे प्लेटफार्म – गोरखपुर (उ०प्र०) (1355.4 मी०)
- सबसे लंबी रेलवे सुरंग – पीर पंजाल रेलवे सुरंग (जम्मू-कश्मीर) 11.215 किमी०
- सबसे लंबा रेलमार्ग – डिब्रूगढ़ से कन्याकुमारी
- सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग – NH-7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
- सबसे लंबा समुद्र तटीय राज्य – गुजरात (1200 कि.मी.)
- दक्षिण भारत की सबसे लंबी नदी – गोदावरी (1465 कि.मी.)
- सबसे लंबा बाँध – हीराकुंड बाँध (ओडिशा)
- सर्वोच्च वीरता पुरस्कार – परमवीर चक्र
- सर्वोच्च पुरस्कार – भारत रत्न
- सबसे बड़ा गुरुद्वारा – स्वर्ण मंदिर (अमृतसर)
- सबसे ऊँचाई पर स्थित सड़क – खारदुंगला (लेह – मनाली सेक्टर में) समुद्र तल से ऊँचाई 5602 मीटर
- सबसे बड़ी कृत्रिम झील – गोविंद सागर (भाखड़ा नांगल)
- सबसे ऊँचा युद्ध क्षेत्र तथा सबसे बड़ा ग्लेशियर (हिमनद) – सियाचीन ग्लेशियर
- सबसे बड़ा प्लेनेटोरियम (तारा घर) – बिड़ला ताराघर (कोलकाता)
- सबसे ऊँचाई पर स्थित हवाई अड्डा – लेह हवाई अड्डा (लद्दाख)
- सबसे बड़ा शहर – कोलकाता
- सबसे बड़ा सभागार – शानमुखांदा हाल मुंबई (3,012 सीटें)
- सबसे बड़ी चर्च – सेंट जॉन कैथेडल, गोवा
- सबसे बड़ी सड़क – जी. टी. रोड
- सबसे ऊँची मूर्ति – गोमतेश्वर मूर्ति, मैसूर
- सबसे ऊँची चिमनी – थर्मल पावर स्टेशन टाटा इलेक्ट्रिक कं०, मुंबई, (275 मी०)
- सबसे अधिक साक्षरता वाला राज्य – केरल
- सबसे बड़ा सिनेमा हाल – थंगम (मदुराई) – 2,500 सीटें
- सबसे बड़ी मस्जिद – जामा मस्जिद, दिल्ली

विश्व में सर्वोत्कृष्ट

(सबसे बड़ा, सबसे ऊँचा, सबसे विस्तृत, सबसे लंबा तथा सबसे छोटा इत्यादि)

- सबसे लंबा प्राणी (ऊँचाई) धरातल पर – जिराफ
- सबसे तेज पक्षी – स्वीफ्ट
- सबसे बड़ा पक्षी – शुतुरमुर्ग

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- सबसे छोटा पक्षी – हमिंग बर्ड
- सबसे ऊँची इमारत – बुर्ज खलीफा, दुबई (यू०ए०ई०) 830 मी०
- सबसे बड़ी जलयान नहर – स्वेज नहर (लाल सागर तथा भूमध्य सागर को जोड़ने वाली)
- सबसे बड़ा शहर (जनसंख्या में) – टोकियो (3,43,00,000) 2011 में जनसंख्या
- क्षेत्रफल में बड़ा शहर – माउंट इसा, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया (41,225 वर्ग कि.मी.)
- सबसे बड़ा महाद्वीप – एशिया
- सबसे छोटा महाद्वीप – ऑस्ट्रेलिया
- सबसे बड़ा देश (जनसंख्या में) – चीन
- सबसे लंबी प्रवाल संरचना – द ग्रेट बैरियर रीफ (ऑस्ट्रेलिया)
- सबसे बड़ा दिन – 21 जून (उत्तरी गोलार्ध में)
- सबसे छोटा दिन – 22 दिसम्बर (उत्तरी गोलार्ध में)
- सबसे बड़ा डेल्टा – सुंदरवन, (भारत) 8000 वर्ग मील
- सबसे बड़ा रेगिस्तान – सहारा, अफ्रीका (84,00,000 वर्ग कि०मी०)
- सबसे बड़ा महाकाव्य – महाभारत
- सबसे बड़ा द्वीप – ग्रीनलैंड
- सबसे लंबी पर्वत शृंखला – एण्डिज (द० अमेरिका) लंबाई 5500 मील
- सबसे ऊँची स्वतंत्र मीनार – कुतुब मीनार, दिल्ली (238 फीट)
- गहरा तथा विशाल महासागर – प्रशांत महासागर
- सबसे बड़ा ग्रह – बृहस्पति
- सबसे चमकदार तथा गर्म ग्रह – शुक्र
- सूर्य से सबसे अधिक दूर ग्रह – नेप्च्यून
- सूर्य के सबसे नजदीक ग्रह – बुध
- सबसे ऊँचा पठार – पामीर (तिब्बत)
- सबसे व्यस्त बंदरगाह – रटरडम (नीदरलैंड)
- सबसे लंबी रेलवे – ट्रांस साइबेरियन रेलवे (6000 मील लंबा)
- सबसे लंबी नदी – नील (6690 कि०मी०) अमेजन (6570 कि०मी०)
- सबसे हल्की गैस – हाइड्रोजन
- सबसे हल्की धातु – लीथियम
- सबसे कठोर पदार्थ – हीरा
- सबसे बड़ा पुष्प – रेफलेसिया (जावा)
- सबसे गर्म स्थान – अजीजिया (लीबिया)
- सबसे छोटी सीमा वाला देश – जिब्राल्टर
- सबसे अधिक सीमा वाला देश – चीन (13 देशों की सीमाएँ)
- सबसे बड़ा देश (क्षेत्रफल की दृष्टि से) – रूस
- सबसे छोटा देश (क्षेत्रफल की दृष्टि से) – वेटिकन सिटी
- सर्वाधिक निर्वाचक की संख्या वाला देश – भारत
- सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व वाला देश – सिंगापुर
- सबसे ऊँचा नगर – वानचुआन (तिब्बत)
- सबसे कम आबादी वाला नगर – वेटिकन सिटी
- सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन – नगोया (जापान)
- सबसे लंबा रेल मार्ग – ट्रांस साइबेरियन रेल मार्ग
- सबसे बड़ी रेल सुरंग – सीकान टनल (जापान)
- सबसे बड़ी सड़क सुरंग – लोरडल सुरंग 24.5 कि.मी. (नार्वे)
- सबसे बड़ा सड़क पुल – बैंग-ना एक्सप्रेस वे (थाइलैंड)
- सबसे बड़ा राजमार्ग – ट्रांस कैनेडियन
- सबसे बड़ा बन्दरगाह – न्यूयार्क (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- सबसे ठंडा प्रदेश – वर्खोयान्स्क (साइबेरिया)
- सबसे लंबी दीवार – चीन की दीवार
- सबसे बड़ा स्टेडियम – स्टारहोव स्टेडियम प्राग (चेक)
- सबसे बड़ा इनडोर स्टेडियम – सुपर डोम ल्यूसियाना (सं.रा.अ)
- सबसे बड़ी गुम्बद – काउब्वाय स्टेडियम (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- सबसे विशाल मन्दिर – अंगकोरवाट (कम्बोडिया)
- सबसे बड़ी मूर्ति – स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- सबसे बड़ा संग्रहालय – ब्रिटिश संग्रहालय (लंदन)
- सबसे बड़ा पुस्तकालय – कांग्रेस पुस्तकालय (लंदन)
- सबसे बड़ा प्लैनेटोरियम – मियाझाकी (जापान)
- सबसे बड़ा राजप्रासाद – इम्पीरियल पैलेस, बीजिंग (चीन)
- सबसे बड़ा घंटाघर – द ग्रेट बेल ऑफ मास्को (रूस)
- सबसे बड़ी कार्यालयी इमारत – पेन्टागन (संयुक्त राज्य अमेरिका)
- सबसे बड़ा चिड़ियाघर – टोरन्टो जू (कनाडा)
- सबसे विशालकाय पशु – ब्लू ह्वेल
- सर्वाधिक बुद्धिमान पशु – चिम्पांजी
- सर्वाधिक वर्षा का स्थान – मासिनराम (मेघालय, भारत)

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- सबसे बड़ी झील – कैस्पियन सागर (रूस)
- सबसे बड़ी ताजे पानी की झील – सुपीरियर झील (अमेरिका)
- सबसे गहरी झील – बैंकाल झील (रूस)

विश्व की महत्त्वपूर्ण ऐतिहासिक इमारतें (स्मारक)

- पीसा की झुकी मीनार – इटली
- स्वतंत्रता की प्रतिमा (स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी – यू० एस० ए० (न्यूयॉर्क)
- एफिल टावर – फ्रांस (पेरिस)
- ग्रेट वाल (महान दीवार) – उत्तरी चीन
- विलाप करती दीवार – जेरुसलम

विश्व के प्रमुख स्मारक

स्मारक	देश
इम्पीरियल पैलेस	टोकियो
स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी	न्यूयॉर्क
एफिल टावर	पेरिस
क्रेमलिन	रूस
ओपेरा हाउस	सिडनी

विश्व के प्रमुख राजनीतिक दल

देश	राजनीतिक दल
पाकिस्तान	मुस्लिम लीग, पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी
रूस	लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी, कम्युनिस्ट पार्टी
नेपाल	नेपाली कांग्रेस पार्टी, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी
इराक	बाथ पार्टी
इजरायल	लेबर पार्टी, हदश पार्टी, शास पार्टी
फ्रांस	नेशनल फ्रंट यूनियन फार फ्रेंच डेमोक्रेसी, सोशलिस्ट पार्टी
बांग्लादेश	बांग्लादेश नेशनल पार्टी, अवामी लीग, जातीय पार्टी
श्रीलंका	फ्रीडम पार्टी, यूनाइटेड नेशनल पार्टी
चीन	चीनी कम्युनिस्ट पार्टी
संयुक्त राज्य अमेरिका	रिपब्लिकन पार्टी, डेमोक्रेटिक पार्टी
ऑस्ट्रेलिया	लिबरल पार्टी, लेबर पार्टी
भारत	भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस, भारतीय जनता पार्टी, समाजवादी पार्टी
दक्षिण अफ्रीका	अफ्रीकी नेशनल काँग्रेस, नेशनल पार्टी, इंकाथा फ्रीडम पार्टी
यूनाइटेड किंगडम	कंजरवेटिव पार्टी, लेबर पार्टी, लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी

महत्त्वपूर्ण देश एवं उनके राष्ट्रीय प्रतीक

देश	प्रतीक
भारत	अशोक चक्र
पाकिस्तान	स्टार एण्ड क्रीसेंट
बेल्जियम	शेर
सीरिया	हॉक
रूस	डबल हेडेड ईगल
तुर्की	चाँद-तारा
नीदरलैण्डस	शेर
न्यूजीलैण्डस	किवी, सदर्न क्रास, फर्न
नार्वे	शेर
सूडान	ईगल
इटली	सफेद-पाँच सितारा
डेनमार्क	कोट ऑफ आर्म्स में तीन शेर
जापान	क्राईसेन्थेमम
कनाडा	मैपल लीफ
संयुक्त राज्य अमेरिका	गोल्डेन रॉड
ईरान	शेर
फ्रांस	लिली
ऑस्ट्रेलिया	वैटल
बांग्लादेश	कमल
स्कॉटलैंड	थिसल
यू०के०	सफेद लिली

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अंतर्राष्ट्रीय सीमाएँ

मैगीनॉट रेखा	जर्मनी तथा फ्रांस
मैकमोहन रेखा	भारत तथा चीन
रेडक्लिफ रेखा	भारत तथा पाकिस्तान
ड्यूरण्ड रेखा	पाकिस्तान तथा अफगानिस्तान
हिण्डनबर्ग रेखा	जर्मनी एवं पोलैण्ड
17 वीं समानान्तर रेखा	भारत एवं पाकिस्तान (पाकिस्तान के दावे के अनुसार)
38 वीं समानान्तर रेखा	उत्तर कोरिया एवं दक्षिण कोरिया
49 वीं समानान्तर रेखा	USA एवं कनाडा
ओडरनास रेखा	जर्मनी एवं पोलैंड

राष्ट्र तथा उनकी संसद

- भारत – संसद (लोकसभा एवं राज्य सभा)
- पाकिस्तान – नेशनल असेंबली
- जर्मनी – बंडस्टैक (निम्न सदन) तथा बंदस्ट्रा (उच्च सदन)
- यू०एस०ए० – कांग्रेस (प्रतिनिधि सदन तथा सीनेट)
- भूटान – त्सोंग्डू
- चीन – नेशनल पीपुल्स कांग्रेस
- नार्वे – स्टोर्टिंग
- अफगानिस्तान – शोरा
- इजरायल – नेसेट
- जापान – डायट
- डेनमार्क – फोल्केटिंग
- मंगोलिया – खुरल
- तुर्की – ग्रेंड नेशनल असेंबली
- ऑस्ट्रेलिया – फेडरल पार्लियामेंट
- आयरलैंड – डेल आयरलन
- अर्जेंटीना – नेशनल कांग्रेस
- ब्रिटेन – हाउस ऑफ लार्ड्स
- स्पेन – जनरल कोर्ट्स
- स्वीडन – रिक्सडाग
- दक्षिण अफ्रीका – पार्लियामेंट
- मालदीव – मजलिस
- मलेशिया – दीवान निगारा
- मिस्र – पीपुल्स असेंबली
- स्विटजरलैंड – फेडरल असेंबली
- ईरान – मजलिस
- इराक – मजलिस अल निवाब अल इराकी
- कनाडा – हाउस ऑफ कॉमन्स
- कुवैत – नेशनल असेंबली
- ताइवान – यूआन
- फ्रांस – पार्लियामेंट
- रूस – ड्यूमा
- नीदरलैंड – द स्टेट्स जनरल
- नेपाल – राष्ट्रीय पंचायत
- ब्राजील – नेशनल कांग्रेस
- बांग्लादेश – जातीय संसद

महत्त्वपूर्ण चिह्न या संकेत

- कमल का फूल – संस्कृति एवं सभ्यता
- रेडक्रास – चिकित्सीय सहायता तथा औषधालय
- काला ध्वज – विरोध प्रतीक
- चक्र – प्रगति का प्रतीक
- सफेद झंडा – सन्धि या समर्पण
- पीला झंडा – संक्रामक रोग से प्रभावित रोगियों को ले जाने वाला वाहन
- झुका हुआ झंडा – राष्ट्रीय शोक
- कबूतर पक्षी – शांति
- लाल त्रिकोण – परिवार नियोजन
- हाथ में तराजू तथा आँखों पर पट्टी धारण की हुई स्त्री – न्याय
- क्रास करती हुई दो हड्डियाँ तथा उनके ऊपर खोपड़ी – खतरा
- ऑलिव (जैतून) की शाखा – शांति
- बाँह पर काली पट्टी – शोक, विरोध और दु:ख का प्रतीक

महत्त्वपूर्ण आधिकारिक पुस्तकें

- **श्वेत (व्हाइट) पुस्तक** – पुर्तगाल, चीन तथा जर्मनी का आधिकारिक प्रकाशन
- **नीली (ब्ल्यू) पुस्तक** – ब्रिटिश सरकार की रिपोर्ट
- **हरित (ग्रीन) पुस्तक** – इटली तथा ईरान की सरकारी रिपोर्ट
- **ग्रे पुस्तक** – जापान तथा बेल्जियम की सरकारी रिपोर्ट

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- **ऑरेन्ज पुस्तक** – नीदरलैंड की सरकारी रिपोर्ट
- **श्वेत पत्र** – किसी विशेष मामले में ब्रिटेन और भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट
- **येलो पुस्तक** – फ्रांस की सरकारी रिपोर्ट

समाचार पत्र तथा उनका प्रकाशन स्थल

समाचार पत्र	प्रकाशन स्थल
डेली मिरर	लंदन
वाशिंगटन पोस्ट	वाशिंगटन
द टाइम्स आफ इंडिया	भारत
डॉन	करॉची
द गार्डियन	लंदन
ली फिगारो, ला मांद	पेरिस
द आइलैंड	कोलम्बो
डेली न्यूज	न्यूयार्क
डेली मेल	लंदन
प्रावदा	मास्को
द हिंदू	भारत
खलीज टाइम्स	दुबई
स्टार	जोहांसबर्ग
फाइनेंशियल टाइम्स इंडिपेंडेंट	लंदन
मैनेची सिम्बुन	टोकियो
बांग्लादेश ऑब्जर्वर	ढाका
पीपुल्स डेली	बीजिंग
अल अहराम	काहिरा
मर्डेका	जकार्ता

विश्व की विमान सेवाएं

देश	विमान सेवाएँ
भारत	एयर इंडिया
फ्रांस	एयर फ्रांस
बेल्जियम	नेशनल बेल्जियम एयरलाइंस
ग्रीस	ओलंपिक एयरवेज
इंडोनेशिया	गरूड़ इंडोनेशियन एयरवेज
ईरान	ईरान एयर
नेपाल	रॉयल नेपाल एयरलाइंस
पोलैंड	पोलिश स्टेट एयर सर्विस
रूस	एयरोफ्लोट
स्विट्जरलैंड	स्विस एयर
ब्रिटेन	ब्रिटिश एयरवेज
हांगकांग	कैथी पैसिफिक
स्पेन	इबेरिया
यू०एस०ए०	पैन अमेरिकन एयरवेज
इजरायल	ई०आई०ए०आई०
लंका	एयर लंका
जापान	जापान एयरलाइंस
म्यॉमार	यूनियन ऑफ म्यॉमार एयरवेज

प्रमुख देशों की गुप्तचर संस्थाएँ

संस्था	देश
आई०एस०आई०	पाकिस्तान
रॉ (RaW), आई०बी०, सी०बी०आई०	भारत
सी०आई०ए, एफ०बी०आई०	यू०एस०ए०
नाइचो	जापान
अल मुखबरात	इराक
मोसाद	इजराइल
एम०आई०–5 व 6, स्पेशल ब्रांच, व्हाइट इंटेलिजेंस आर्गेनाइजेशन	ब्रिटेन
मुखबरात	मिस्र
सावाक	ईरान
ब्यूरो ऑफ स्टेट सिक्यूरिटी	दक्षिण अफ्रीका
ऑस्ट्रेलियन सिक्यूरिटी एण्ड इंटेलिजेंस आर्गेनाइजेशन	ऑस्ट्रेलिया

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

समाचार एजेंसियाँ

देश	समाचार एजेंसियाँ
फ्रांस	AFP (ए०एफ०पी०)
रूस	TASS (तास); NOVOSTI (नोवोस्ती)
यू०एस०ए०	AP (ए०पी०)
भारत	समाचार भारती, UNI, PTI, UNIVARTA
मिस्र	MENA (मेना)
ईरान	IRNA (इरना)
इटली	ANSA (अंसा)
ब्रिटेन	REUTERS (रियूटर्स)
पाकिस्तान	UPP (यू०पी०पी०)
जर्मनी	DPA (डी०पी०ए०)
इंडोनेशिया	ANTARA (अंतारा)
चीन	XINHUA (सिन्हुआ)
जापान	KYODO (क्योडो)
फिलीस्तीन	WAFA (वाफा)
मलेशिया	BERNAMA (बरनामा)

प्रमुख भारतीय पर्यटन स्थल

पर्यटन स्थल	शहर	निर्माणकर्ता
अजंता की गुफाएँ	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	गुप्त शासक
एलोरा की गुफाएँ	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	बौद्ध शासक
एलीफेंटा की गुफाएँ	मुम्बई (महाराष्ट्र)	राष्ट्रकूट
मृगनयनी महल	ग्वालियर (म०प्र०)	राजा मानसिंह तोमर
गोलकुंडा किला	हैदराबाद (आ०प्र०)	कुतुबशाही
विजय स्तंभ	चित्तौड़गढ़ (राजस्थान)	महाराणा कुम्भा
कुतुबमीनार	दिल्ली	कुतुबुद्दीन ऐबक
हौज खास	दिल्ली	अलाउद्दीन खिलजी
दरगाह अजमेर शरीफ	अजमेर (राजस्थान)	सुल्तान ग्यासुद्दीन
रानी की बाड़ी	बूंदी (राजस्थान)	रानी नाथवती
लाल किला	दिल्ली	शाहजहाँ
हुमायूँ का मकबरा	दिल्ली	हाजी बेगम
जहाँगीर महल	आगरा फोर्ट (उ०प्र०)	अकबर
ताजमहल	आगरा (उ०प्र०)	शाहजहाँ
निशात बाग	जम्मू कश्मीर	आसफ खाँ
शीश महल	आगरा (उ०प्र०)	शाहजहाँ
दीवाने खास	आगरा (उ०प्र०)	शाहजहाँ
बड़ा इमामबाड़ा	लखनऊ (उ०प्र०)	नवाब आसफ उद्दौला
छोटा इमामबाड़ा	लखनऊ (उ०प्र०)	मुहम्मद अली शाह
गोलघर	पटना (बिहार)	ब्रिटिश सरकार
विलियम फोर्ट	कोलकाता (प० बंगाल)	लार्ड क्लाइव

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

बीबी का मकबरा	औरंगाबाद (महाराष्ट्र)	औरंगजेब
गेटवे ऑफ इंडिया	मुम्बई (महाराष्ट्र)	जार्ज विट्ठल क्लार्क
चारमीनार	हैदराबाद (आ०प्र०)	कुली कुतुबशाह
कोणार्क मंदिर	पुरी (उड़ीसा)	नरसिंह देव प्रथम
दिलवाड़ा का जैन मंदिर	माउंट आबू (राज०)	विमलशाह
विष्णुपद मंदिर	गया (बिहार)	रानी अहिल्याबाई
हजरत बल मस्जिद	श्रीनगर	सम्मिलित निर्माण
विक्टोरिया मेमोरियल	कोलकाता (प० बंगाल)	डब्ल्यू इमर्सन
तुगलकाबाद	दिल्ली	ग्यासुद्दीन तुगलक
काली मंदिर	कोलकाता (प. बंगाल)	रानी एस मणि

महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों से संबंधित स्थल

स्थल	व्यक्ति
कार्सिका	नेपोलियन बोनापार्ट
कपिलवस्तु	गौतम बुद्ध
मैसिडोनिया	सिकन्दर महान
जीरादेई	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
आनंद भवन	जवाहर लाल नेहरू
साबरमती	महात्मा गांधी
सितब दियारा	जयप्रकाश नारायण
शांति निकेतन	रवीन्द्रनाथ टैगोर
जलियाँवाला बाग	जनरल डायर
हल्दीघाटी	महाराणा प्रताप
मकदूनिया	सिकंदर महान
बेलूर मठ	रामकृष्ण परमहंस
जेरुसलम	ईसा मसीह
मक्का	पैगंबर मोहम्मद
पोरबंदर	महात्मा गांधी
फतेहपुर सीकरी	अकबर महान
पुदुचेरी	अरबिंदो घोष
पावापुरी	महावीर
वाटरलू	नेपोलियन
बारदोली	सरदार पटेल

फतेहपुर सिकरी	अकबर महान
पवनार	विनोबा भावे
ट्रेफल्गार	नेल्सन
तलवंडी	गुरुनानक
कुशीनगर	गौतमबुद्ध
कुण्डग्राम	महावीर

प्रसिद्ध व्यक्तियों के समाधि स्थल

समाधि स्थल	व्यक्ति
राजघाट	महात्मा गांधी
विजयघाट	लाल बहादुर शास्त्री
किसान घाट	चौ० चरण सिंह
वीर भूमि	राजीव गांधी
एकता स्थल	ज्ञानी जैल सिंह तथा चंद्रशेखर
उदय भूमि	के० आर० नारायणन
शांति वन	जवाहर लाल नेहरू
शक्ति स्थल	इंदिरा गांधी
अभयघाट	मोरारजी देसाई
समता स्थल	जगजीवन राम
कर्म भूमि	डॉ० शंकर दयाल शर्मा
महाप्रयाण घाट	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
नारायण घाट	गुलजारी लाल नंदा

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

महत्त्वपूर्ण व्यक्तियों के उपनाम	
उपनाम	व्यक्ति
राष्ट्रपिता, बापू	महात्मा गांधी
सीमांत गांधी	खान अब्दुल गफ्फार खान
लौह पुरुष	सरदार वल्लभ भाई पटेल
भारत का नेपोलियन	समुद्र गुप्त
भारत का शेक्सपीयर	महाकवि कालिदास
भारत के पितामह	दादाभाई नौरोजी
महामना	पं० मदन मोहन मालवीय
देशबंधु	चितरंजनदास
दीनबंधु	सी०एफ० एंड्रुज
राजाजी/सी० आर०	चक्रवर्ती राजगोपालाचारी
भारत कोकिला	सरोजिनी नायडू
लेडी विद लैम्प	फ्लोरेंस नाइटिंगल
तोता-ए-हिंद	अमीर खुसरो
गुरुजी	एम०एस० गोलवलकर
बंगाल केसरी	आशुतोष मुखर्जी
लोक नायक	जय प्रकाश नारायण
राजर्षि	पुरुषोत्तम दास टंडन
गुरुदेव	रवीन्द्र नाथ टैगोर
स्पैरो	मेजर जनरल राजेन्द्र सिंह
विद्रोही कवि	काजी नजरुल इस्लाम
कश्मीर का अकबर	जैनुल आबदीन
स्वर कोकिला	लता मंगेशकर
उड़न परी	पी०टी० उषा
मैन आफ डेस्टिनी	नेपोलियन बोनापार्ट
कविगुरु	रवीन्द्रनाथ ठाकुर
भारतीय मैकियावेली	चाणक्य
हाकी के जादूगर	ध्यानचंद
महात्मा गांधी के पाँचवें पुत्र	जमनालाल बजाज
ब्लैक गांधी	मार्टिन लूथर किंग
कायदे-आजम	मुहम्मद अली जिन्ना
लाल-बाल-पाल	लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चन्द्र पाल

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पंजाब केसरी	लाला लाजपत राय
आन्ध्र केसरी	टी. प्रकाशम्
शेरे कश्मीर	शेख अब्दुल्लाह
बंगबन्धु	शेख मुजीबुर्रहमान
लोकमान्य	बाल गंगाधर तिलक
जननायक	कर्पूरी ठाकुर
अंकल हो	हो. ची. मिन्ह
बिहार विभूति	अनुग्रह नारायण सिंह
देश प्रिय	यतीन्द्र मोहन सेन गुप्त
विद्रोही कवि	काजी नजरुल इस्लाम
देशरत्न	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
ताऊ	चौधरी देवीलाल
शहीद-ए-आजम	भगत सिंह
निर्मल हृदय	मदर टेरेसा
विश्व कवि	रवीन्द्र नाथ ठाकुर
बाबू जी	जगजीवन राम
लिटिल मास्टर	सुनील गावस्कर
फ्यूहरर	एडोल्फ हिटलर
गुजरात का जनक	रविशंकर महाराज
लिटिल कार्पोरल	नेपोलियन बोनापार्ट

महत्वपूर्ण पुस्तकें तथा उनके लेखक

लेखक	पुस्तकें
पं० विष्णु शर्मा	पंचतंत्र
विशाखदत्त	मुद्रा राक्षस
पाणिनी	अष्टाध्यायी
कालिदास	रघुवंशम्, कुमार संभवम्, मेघदूत, अभिज्ञान शाकुंतलम्
वात्स्यायन	कामसूत्र
कौटिल्य (चाणक्य)	अर्थशास्त्र
वेदव्यास	भगवद्गीता, महाभारत
अश्वघोष	बुद्ध चरितम्
भर्तृहरि	नीति शतक, शृंगार शतक
फिरदौसी	शाहनामा
अबुल फजल	आइने अकबरी, अकबरनामा

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

गुलबदन बेगम	हुमायूँनामा
मलिक मोहम्मद जायसी	पद्मावत
रवींद्रनाथ टैगोर	गीतांजलि, चित्रांगदा
श्री अरबिंदो घोष	लाइफ डिवाइन
मुंशी प्रेमचंद	गोदान, गबन, कर्मभूमि, रंगभूमि
सरोजिनी नायडू	गोल्डन थ्रेशोल्ड, ब्रोकेन विंग्स
एडम स्मिथ	वेल्थ आफ नेशंस
एडोल्फ हिटलर	मेन कैम्फ
ए० एल० बाशम	द वंडर दैट वाज इंडिया
अरस्तू	पॉलिटिक्स
बोरिस पास्टरनाक	डॉक्टर जिवागो
ई० एम० फॉर्स्टर	ए पैसेज टू इंडिया
विन्सेंट चर्चिल	गैदरिंग स्टॉर्म्स
चार्ल्स डार्विन	डिसेंट ऑफ मैन, ओरिजन ऑफ स्पेसीज
लियो टालस्टाय	वार एण्ड पीस
जॉन मिल्टन	पैराडाइज लॉस्ट
जार्ज बनार्ड शॉ	मैन एण्ड सुपरमैन, सीजर एण्ड क्लियोपेट्रा
मैक्सिम गोर्की	मदर
माओ-त्से-तुंग	ऑन कण्ट्राडिक्शन
प्लेटो	रिपब्लिक
विलियम शेक्सपीयर	एज यू लाइक इट, कॉमेडी ऑफ एरर्स
ए०पी०जे० अब्दुल कलाम	माई जर्नी, ट्रांसफार्मिग ड्रीम्स इनटू एक्शंस, इग्नाइटेड माइण्ड, विंग्स ऑफ फायर, इनविजनिंग ऑन एमपावर्ड नेशन
अमीश त्रिपाठी	शिवा ट्रायोलाजी, द इमॉरटल्स ऑफ मेलुहा, द सेक्रेट्स ऑफ नागर, द ओथ ऑफ वायुपुत्र
प्रो० अमर्त्य सेन	द आर्गुमेंनेटिव इंडियंस
विक्रम सेठ	टू लाइव्ज, स्यूटेबल बॉय
यान मार्टल	लाइफ ऑफ पाई
जे०के० रॉवलिंग	हैरी पॉटर तथा डेथली हैलोज
चेतन भगत	हाफ गर्ल फ्रेंड, 3 मिस्टेक्स ऑफ माई लाइफ
सचिन तेंदुलकर तथा बोरिया मजुमदार	प्लेइंग इट माइ वे
सायना नेहवाल	आत्मकथा-प्लेइंग टू विन
कुँवर नटवर सिंह	वन लाइफ इज नॉट एनफ
डॉ० संजय बारु	द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर, मेकिंग एण्ड अनमेकिंग ऑफ मनमोहन सिंह

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

खुशवंत सिंह	ट्रेन टू पाकिस्तान
जसवंत सिंह	इंडिया एट रिस्क, डिफेन्डिंग इण्डिया
मीरा कुमार	इंडियन पार्लियामेंटरी डिप्लोमेसी
केदारनाथ सिंह	अभी बिल्कुल अभी
टी वी पॉल	बैरियर स्टेल, पाकिस्तान इन द कंटेम्परी वर्ल्ड
एमीयर मैक ब्राइड	अ गर्ल इज अ हाफ फार्म्ड थिंग
विश्वनाथ त्रिपाठी	व्योमकेश दरवेश
मि० गोविंद मिश्रा	धूल पौधों पर
डॉ० नरेंद्र यादव	अम्बेडकर, अवेकनिंग इंडियाज सोसल कांसेंस
समीर कोच्चर	मोदी नोमिक्स, इंक्लुसिव इकोनमिक्स, इंक्लुसिव गवर्नेन्स
वेंडी डोनिजर	द हिंदुज, एन अल्टरनेटिव हिस्ट्री
मैरी कोम	अनब्रेकेबल
कपिलदेव	स्ट्रेट फ्रॉम द हार्ट
अरुंधती राय	द गॉड ऑफ स्माल थींग्स
अटल बिहारी वाजपेयी	राजनीति की रपटीली राहें, संसद के तीन दशक
झुम्पा लाहिड़ी	द नेमसेक, इन्टरप्रेटर ऑफ मेलेडीज
डॉ० हरिवंश राय बच्चन	दशद्वार से सोपान तक

वर्ष के महत्त्वपूर्ण दिवस तथा तिथियाँ

जनवरी	
1	लुइस ब्रेल दिवस
9	प्रवासी भारतीय दिवस
12	राष्ट्रीय युवा दिवस (स्वामी विवेकानंद जन्मदिवस)
15	सैनिक दिवस (थल सेना दिवस)
25	राष्ट्रीय पर्यटन दिवस, मतदाता दिवस
26	भारतीय गणतंत्र दिवस, अंतर्राष्ट्रीय सीमा शुल्क दिवस
30	शहीद दिवस, विश्व कुष्ठ रोग निवारण दिवस

फरवरी	
4	विश्व कैंसर दिवस
14	वेलेंटाइन दिवस
21	अंतर्राष्ट्रीय मातृ भाषा-दिवस
24	सेंट्रल एक्साइज दिवस
28	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस

मार्च	
8	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस
15	विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस, विश्व विकलांग दिवस
18	आयुध निर्माण दिवस
21	विश्व वानिकी दिवस, अंतर्राष्ट्रीय जातीय भेदभाव निवारण दिवस
23	विश्व मौसम विज्ञान दिवस
24	विश्व तपेदिक दिवस
27	विश्व रंगमंच दिवस

अप्रैल	
5	राष्ट्रीय मैरिटाइम दिवस, अंतर्राष्ट्रीय खान जागरूकता दिवस
7	विश्व स्वास्थ्य दिवस
14	अंबेडकर जयंती
17	विश्व हीमोफीलिया दिवस
18	विश्व विरासत दिवस
22	पृथ्वी दिवस

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मई	
1	अंतर्राष्ट्रीय श्रम दिवस
3	अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा दिवस, विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस
8	विश्व रेड क्रॉस दिवस, विश्व प्रवासी पक्षी दिवस
12	अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस
17	विश्व दूरसंचार दिवस
18	राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस
21	आतंकवाद विरोध दिवस
22	विश्व जैव विविधता दिवस
29	माउंट एवरेस्ट दिवस
31	विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

जून	
5	विश्व पर्यावरण दिवस
15	विश्व रक्तदान दिवस
20	विश्व शरणार्थी दिवस
23	अंतर्राष्ट्रीय विधवा दिवस
29	राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस

जुलाई	
1	भारतीय स्टेट बैंक स्थापना दिवस
4	अमेरिकी स्वतंत्रता दिवस
7	अंतर्राष्ट्रीय को-ऑपरेटिव दिवस
11	विश्व जनसंख्या दिवस
26	कारगिल विजय दिवस
28	विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस

अगस्त	
1	विश्व स्तनपान दिवस
6	हिरोशिमा दिवस
8	विश्व वरिष्ठ नागरिक दिवस
9	अगस्त क्रांति दिवस, नागासाकी दिवस
12	अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस
15	भारतीय स्वतंत्रता दिवस
18	विश्व स्वदेशी व्यक्ति दिवस
29	राष्ट्रीय खेल दिवस

सितम्बर	
5	शिक्षक दिवस
8	अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस
14	हिंदी दिवस, विश्व प्राथमिक उपचार दिवस
15	अभियंता दिवस, अंतर्राष्ट्रीय प्रजातंत्र दिवस
16	विश्व ओजोन दिवस
21	जैवमंडल दिवस, विश्व अल्जाइमर दिवस
27	विश्व पर्यटन दिवस, शहीद भगत सिंह जयंती

अक्टूबर	
2	अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस, लाल बहादुर शास्त्री तथा महात्मा गांधी जयंती
3	विश्व प्रकृति दिवस
5	विश्व शिक्षक दिवस
8	भारतीय वायुसेना दिवस
14	विश्व मानक दिवस
16	विश्व खाद्य दिवस
24	संयुक्त राष्ट्र दिवस
30	विश्व मितव्ययिता दिवस
31	इंदिरा गांधी पुण्य तिथि

नवंबर	
9	विश्व सेवा दिवस
10	अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
14	बाल दिवस, विश्व मधुमेह दिवस
17	राष्ट्रीय पत्रकारिता दिवस, विश्व विद्यार्थी दिवस
20	अंतर्राष्ट्रीय बाल दिवस
21	विश्व मत्स्य पालन दिवस
25	विश्व मांसाहार निषेध दिवस

दिसम्बर	
1	विश्व एड्स दिवस
4	जल सेना दिवस
7	सशस्त्र बल ध्वज दिवस
10	अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस
14	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
16	विजय दिवस
24	राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस
26	सी.आर.पी.एफ. स्थापना दिवस

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पुरस्कार तथा सम्मान

राष्ट्रीय पुरस्कार

परम वीर चक्र	सर्वोच्च शौर्य पुरस्कार
महावीर चक्र	द्वितीय उच्च शौर्य पुरस्कार
वीर चक्र	तृतीय उच्च शौर्य पुरस्कार
अशोक चक्र	सर्वोच्च शांतिकालीन वीरता पुरस्कार
कीर्ति चक्र	विशिष्ट वीरता हेतु
शौर्य चक्र	वीरता पूर्ण कार्य के लिए
भारत रत्न	भारत का सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार। यह कला, साहित्य, विज्ञान, सार्वजनिक सेवा तथा खेलों में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है।

- **प्रथम तीन भारत रत्न पुरस्कार प्राप्तकर्ता (1954)**
  (I) सी० राजगोपालाचारी
  (II) डॉ० एस० राधाकृष्णन
  (III) डॉ० सी० वी० रमन

पद्म पुरस्कार

पद्म विभूषण	सरकारी कर्मचारियों तथा अन्य क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को दिया जाने वाला दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय पुरस्कार।
पद्म भूषण	सरकारी कर्मचारियों तथा अन्य क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को दिया जाने वाला तीसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय पुरस्कार।
पद्म श्री	सरकारी कर्मचारियों तथा अन्य क्षेत्र में विशिष्ट कार्य करने वाले लोगों को दिया जाने वाला चौथा सबसे बड़ा पुरस्कार।

अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार

नोबल पुरस्कार

- यह विश्व का सबसे प्रतिष्ठित पुरस्कार है।
- इस पुरस्कार की स्थापना 1900 में अलफ्रेड बर्नहार्ड नोबल की लिखी वसीयत के आधार पर हुई थी।
- यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर (संस्थापक की पुण्यतिथि) को प्रदान किया जाता है।

नोबल पुरस्कार विजेता (भारतीय/ भारतीय मूल के)

1913 साहित्य – रवीन्द्रनाथ टैगोर
1930 भौतिक विज्ञान – सी० वी० रमन
1968 चिकित्सा – हरगोविन्द खुराना (भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक)
1979 शांति – मदर टेरेसा (अल्बीनियाई मूल की भारतीय नागरिक)
1983 भौतिक विज्ञान – सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर
1998 अर्थशास्त्र – अमर्त्य सेन
2001 साहित्य – वी०एस०नायपाल
2009 रसायन विज्ञान – वेंकेट रामाकृष्ण (भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक)
2014 शांति – कैलाश सत्यार्थी।

पुलित्जर पुरस्कार

- 1917 में स्थापित अमेरिकी प्रकाशक जोसेफ पुलित्जर के नाम पर दिया जाता है।
- यह पुरस्कार अमेरिका में प्रत्येक वर्ष पत्रकारिता, साहित्य तथा संगीत के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।

अभी तक यह पुरस्कार निम्नलिखित पाँच भारतीयों को मिल चुका है–

गोविन्द बिहारी लाल (1937)
झुम्पा लाहिड़ी (2000)
गीता आनन्द (2003)
सिद्धार्थ मुखर्जी (2011)
विजय शेषाद्रि (2014)

मैग्सेसे पुरस्कार

- इसकी स्थापना 1957 में, फिलीपींस के पूर्व राष्ट्रपति रामन मैग्सेसे के नाम पर हुई।
- यह पुरस्कार मैग्सेसे की जयंती, 31 अगस्त को प्रति वर्ष प्रदान किया जाता है।
- जन सेवा, सामुदायिक नेतृत्व, पत्रकारिता, साहित्य, सर्जनात्मक कला तथा अंतर्राष्ट्रीय विशिष्टता हेतु यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मान बुकर पुरस्कार

- इसकी स्थापना बुकर कम्पनी तथा ब्रिटिश प्रकाशक द्वारा सन् 1969 में की गई। साहित्य के क्षेत्र में विश्व का यह सबसे बड़ा पुरस्कार है। यह पुरस्कार अमेरिका के पुलित्जर पुरस्कार की श्रेणी में आता है।

राइट लाइवली हुड अवार्ड

- इसकी स्थापना 1980 में की गई।
- यह पुरस्कार लंदन स्थित राइट लाइवली हुड सोसायटी द्वारा प्रदान किया जाता है।
- इसे दूसरा नोबल पुरस्कार भी कहा जाता है।
- यह पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जो विश्व की ज्वलंत तथा आवश्यक चुनौतियों का व्यावहारिक तथा अनुकरणीय समाधान प्रस्तुत करते हैं।

ऑस्कर अवार्ड

- इसकी स्थापना 1929 में हुई थी। यह पुरस्कार अमेरिका की 'नेशनल एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर्स' की तरफ से चलचित्र कला तथा विज्ञान अकादमी द्वारा फिल्म जगत में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रतिवर्ष फरवरी माह में दिया जाता है।
- वर्ष 1938 में बेस्ट स्क्रीन प्ले हेतु जॉर्ज बर्नार्ड शॉ को ऑस्कर पुरस्कार मिला। इन्हें वर्ष 1925 में साहित्य का नोबल पुरस्कार भी मिल चुका था।
- सत्यजीत रे को 1992 में ऑस्कर का 'लाइफ टाइम अवार्ड' दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार अवार्ड

- इसकी स्थापना 1966 में हुई थी, यह पुरस्कार प्रत्येक पाँच वर्ष पर मानवाधिकार के संरक्षण हेतु प्रदान किया जाता है।

यूनेस्को मदनजीत सिंह प्राइज

- इस पुरस्कार की स्थापना 1995 में की गई थी।
- यह सहिष्णुता तथा अहिंसा के क्षेत्र में कार्य करने वाले को प्रदान किया जाता है।
- यह पुरस्कार प्रत्येक दो वर्ष के उपरांत दिया जाता है।
- पुरस्कार राशि मदनजीत सिंह द्वारा स्थापित कोष द्वारा दी जाती है।

भारतीय सिनेमा अवार्ड

दादा साहेब फाल्के अवार्ड

- दादा साहब फाल्के को भारतीय सिनेमा का जनक माना जाता है। 1969 में इनके नाम पर सर्वोच्च राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार की स्थापना हुई।
- इस पुरस्कार के अंतर्गत एक स्वर्ण कमल, एक प्रशस्ति पत्र, एक साल एवं 10 लाख रुपए दिए जाते हैं।
- धुंदीराज गोविंद (दादा साहेब) फाल्के की मूक फिल्म राजा हरिश्चंद्र 1913 में कॉरोनेशन थिएटर में प्रदर्शित की गई। यह भारत की पहली देशी फिल्म थी।
- सन् 1931 में, अर्देशिर इरानी द्वारा निर्मित फिल्म आलम आरा का प्रदर्शन मजेस्टिक सिनेमा (मुम्बई) में किया गया। मास्टर विट्ठल प्रथम फिल्म अभिनेता थे।
- श्रीमती देविका रानी रोरिक सन् 1969 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार पाने वाली प्रथम व्यक्ति थीं।

2011 से 2005 तक दादा साहेब फाल्के पुरस्कार प्राप्त कलाकारों की सूची

वर्ष	कलाकार
2011	सौमित्र चटर्जी
2012	प्राण
2013	गुलजार
2014	शशि कपूर
2015	मनोज कुमार

भारतीय फिल्म हेतु ऑस्कर अवार्ड

- प्रथम भारतीय भानु अथैया को गांधी-फिल्म (1982) के लिए ऑस्कर अवार्ड प्राप्त हुआ है।
- सत्यजीत रे को 1992 में लाइफ टाइम अचीवमेंट हेतु ऑस्कर अवार्ड मिला।
- रेसुल पुकुट्टी को 2009 में बेस्ट साउंड मिक्सिंग हेतु ऑस्कर अवार्ड मिला। (फिल्म-स्लमडॉग मिलेनियर)
- गुलजार को बेस्ट सांग हेतु ऑस्कर अवार्ड मिला। (फिल्म - स्लम डॉग मिलेनियर)

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- ए. आर. रहमान, एकमात्र भारतीय है जिन्होंने एक नहीं दो ऑस्कर जीते है। (फिल्म- स्लम डॉग मिलनिनियर)

अन्य राष्ट्रीय पुरस्कार

भारतीय ज्ञानपीठ पुरस्कार

- यह पुरस्कार साहित्य के क्षेत्र में वर्ष 1965 से दिया जा रहा है।
- इस पुरस्कार के अन्तर्गत प्राप्तकर्त्ता को ग्यारह लाख ₹ नकद, एक प्रशस्ति पत्र तथा एक कांस्य की वाग्देवी की प्रतिमा प्रदान की जाती है।
- यह पुरस्कार भारतीय संविधान में उल्लेखित आठ भारतीय भाषाओं में से किसी भी भाषा में रचित साहित्यिक कृति हेतु भारतीय व्यक्ति को प्रदान किया जाता है।

गांधी शांति पुरस्कार

- इस पुरस्कार की स्थापना 2 अक्टूबर 1994 को महात्मा गांधी के 125 वें जन्मदिन के अवसर पर की गई। इसकी पुरस्कार राशि एक करोड़ है।
- भारत सरकार ने विश्व में गांधी जी के मूल्यों के प्रचार-प्रसार के प्रोत्साहन हेतु इस पुरस्कार को स्थापित किया।
- यह पुरस्कार प्रत्येक वर्ष विश्व शांति में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले व्यक्ति को दिया जाता है।

शांति, निःशस्त्रीकरण तथा विकास हेतु इंदिरा गांधी पुरस्कार

- इसकी स्थापना 1985 में की गई।
- इस सम्मानित पुरस्कार को नोबल पुरस्कार के तुल्य समझा जाता है।

बॉरलाग पुरस्कार

- इसकी स्थापना 1972 में की गई। इसकी पुरस्कार राशि ₹ पाँच लाख है। कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु कृषि वैज्ञानिकों को यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

साहित्य अकादमी पुरस्कार

- इसकी पुरस्कार राशि ₹ एक लाख है। यह पुरस्कार साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु प्रदान किया जाता है।
- साहित्य अकादमी भाषा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कृतियों हेतु 22 पुरस्कार प्रदान करती है।

भारत की राजनीतिक यात्रा के 70 साल

अवधि	आयोजन
1946	• 1946 में निर्वाचित संविधान सभा ने संसद के रूप में कार्य किया।
15 अगस्त, 1947	• भारत आजाद हुआ। • पं. जवाहरलाल नेहरू स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री बने।
30 जनवरी, 1948	• नाथूराम गोड्से ने महात्मा गांधी की गोली मारकर हत्या कर दी। • भारत ने सेना भेजकर हैदराबाद राज्य को अपने अधीन कर लिया। • शेख अब्दुल्ला जम्मू कश्मीर के प्रधानमंत्री बने। • जम्मू कश्मीर में पाकिस्तान ने गुरिल्ला युद्ध प्रक्रिया अपनायी, लेकिन भारत ने द्रास, कारगिल और पुंछ पर पुनः कब्जा कर लिया।
26 नवंबर, 1949	• भारत के संविधान को एक प्रस्तावना के साथ अपनाया गया जिसमें प्रारंभ में 395 अनुच्छेद और 8 अनुसूचियाँ थीं।
26 जनवरी, 1950	• भारत का संविधान लागू किया गया और भारत को एक गणतंत्र राज्य घोषित किया गया। • भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद बने। • 15 दिसंबर 1950 को गृहमंत्री वल्लभभाई पटेल का निधन हो गया।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

1951	• भारत के पहले आम/लोकसभा चुनाव में (25 अक्तूबर 1951 से 21 फरवरी 1952) हुए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने पूर्ण बहुमत के साथ जीत हासिल की। (75:)
1953	• शेख अब्दुल्ला को पदच्युत कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया और गुलाम मुहम्मद को जम्मू कश्मीर का प्रधानमंत्री बनाया गया।
1954	• अंत में फ्रेंच ने अपना क्षेत्र पांडिचेरी, भारत को सौंप दिया।
1956	• 6 दिसंबर 1956 को बी. आर अंबेडकर का निधन।
1957	• भारत में दूसरा आम चुनाव आयोजित किया गया और कांग्रेस ने 371 सीटें प्राप्त कर जीत हासिल की।
1959	• भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष श्रीमती इंदिरा गांधी को चुना गया।
1960	• 1 मई, 1960 को बम्बई राज्य का बँटवारा कर महाराष्ट्र और गुजरात, दो राज्यों की स्थापना की गई।
1961	• भारत सरकार ने गोवा, दमन व दीव को ऑपरेशन विजय द्वारा पुर्तगालियों से मुक्त कराकर उस पर पूर्ण अधिकार कर लिया।
1962	• आम चुनाव में कांग्रेस ने बहुमत को बनाए रखा। (494 सीटों में से 361 सीटें प्राप्त की)
1964	• जवाहरलाल नेहरू की मृत्यु के बाद गुलजारीलाल नन्दा को कार्यकारी प्रधानमंत्री बनाया गया। • कांग्रेस कार्य समिति ने नेहरू के उत्तराधिकारी के रूप में लाल बहादुर शास्त्री को प्रधानमंत्री बनाने का निश्चय किया।
1965	• पाकिस्तान ने 40 मील की दूरी को भारत से वापस लेने के लिए कच्छ रेगिस्तान के खार में आक्रमण किया।
1966	• लाल बहादुर शास्त्री और पाकिस्तानी राष्ट्रपति अयूब खान सोवियत संघ के प्रधानमंत्री कोसीगिन से ताशकन्द में मिले और 'ताशकन्द समझौते' पर हस्ताक्षर किए। • उसी रात दिल का दौरा पड़ने से लाल बहादुर शास्त्री का निधन हो गया। • गुलजारीलाल नन्दा पुनः कार्यकारी प्रधानमंत्री बनाए गए। • कांग्रेस अध्यक्ष कामराज के अनुमोदन पर इंदिरा गांधी को प्रधानमंत्री बनाया गया, जिसके लिए मोरार जी देसाई भी इच्छुक थे। • पंजाब और हरियाणा दो अलग राज्य में विभाजित हुए।
1967	• चौथा आम चुनाव फरवरी में आयोजित किया गया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने 283 सीटें हासिल की।
1969	• 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया गया जिसका वित्त मंत्री मोरार जी देसाई ने विरोध किया।
1971	• 1971 में भारत-पाक युद्ध के दौरान बांग्लादेशको स्वतंत्रता प्राप्त हुई और पाकिस्तानी सैनिकों ने आत्मसमर्पण कर दिया और बांग्लादेश की अस्थायी सरकार अस्तित्व में आई। • भारत का 5वाँ आम चुनाव निर्धारित समय से 14 महीने पहले आयोजित किया गया था और कांग्रेस फिर से 520 सीटों में से 362 सीटें हासिल कर लौटी।
1975	• 26 जून, 1975 को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित कर दिया गया। • जयप्रकाश नारायण, मोरार देसाई सहित विपक्षी नेताओं को जेल भेजा गया। इंदिरा गांधी के राजनीतिक कार्यों में संजय गांधी का वर्चस्व काफी था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

1977	• इंदिरा गांधी ने लोकसभा भंग की और आम चुनाव आयोजित किए गए। • कांग्रेस ने लगभग 200 सीटें गँवा दी और इंदिरा गांधी व संजय गांधी की हार हुई। • जनता पार्टी पूर्ण बहुमत के साथ आई और मोरार जी देसाई भारत के प्रधानमंत्री बने।
1979	• मोरार जी देसाई के इस्तीफा देने के बाद जनता पार्टी मोरार जी देसाई, जगजीवन राम व चरण सिंह के नेतृत्व में तीन भागों में बँट गई। • चरण सिंह ने प्रधानमंत्री पद के रूप में शपथ ली लेकिन एक महीने बाद इंदिरा ने कांग्रेस आई बनाकर मध्यावधि चुनाव के लिए मजबूर किया।
1980	• भारत के आम चुनाव आयोजित किए गए और भारतीय कांग्रेस को 353 सीटें हासिल हुई जिसके परिणामस्वरूप इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री बनीं। संजय गांधी की विमान दुर्घटना में मृत्यु हो गई।
1984	• इंदिरा गांधी की उनके दो व्यक्तिगत सिख अंगरक्षकों ने गोली मारकर हत्या कर दी। • राजीव गांधी भारत के प्रधानमंत्री बने। • 8वाँ आम चुनाव आयोजित किया गया और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 404 सीटें प्राप्त कर जीत हासिल हुई।
1989	• आम चुनाव आयोजित किए गए और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 197 सीटें हासिल हुई। • जनता दल को विश्वनाथ प्रताप सिंह के नेतृत्व में 143 सीटें, भारतीय जनता पार्टी को 85 और अन्य पार्टियों को 45 सीटें मिलीं। अन्य दल व बीजेपी के सहयोग से वी. पी. सिंह प्रधानमंत्री बने।
1991	• राजीव गांधी की तमिलनाडु के श्री परूम्बदूर में लिट्टे के आतंकवादियों ने मानव बम से हत्या कर दी। • 10वां आम चुनाव आयोजित किया गया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 244 सीटें, बीजेपी को 120 और एनएफ को 69 सीटें हासिल हुई। • अन्य दलों के सहयोग से पी. वी. नरसिंहा राव प्रधानमंत्री बने।
1992	• बड़े पैमाने पर हिंदू-मुस्लिम दंगे के बाद अयोध्या में बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया।
1996	• आम चुनाव करवाया गया था। यूएफ को 192 (जनता दल +) बीजेपी को 187, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 140 सीटें हासिल हुई। • एच.डी. देवेगौड़ा और इंद्रकुमार गुजराल (जनता दल) के नेतृत्व में अटल बिहारी वाजपेयी को 13 दिनों के लिए प्रधानमंत्री बनाया गया। 11वीं लोकसभा में 2 साल के भीतर 3 प्रधानमंत्री बने।
1999	• आम चुनाव आयोजित किया गया। एन.डी.ए. (बी.जेपी) को 254 (182+) सीटें और अन्य दल को 64 सीटें प्राप्त हुई। अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री बने। • भारत-पाकिस्तान के बीच कारगिल युद्ध हुआ और भारत की जीत हुई।
2004	• आम चुनाव आयोजित किए गए। यूपीए को 218 सीटें हासिल हुई और एनडीए को 181 सीटें। मनमोहन सिंह भारत के प्रधानमंत्री बने।
2009	• आम चुनाव आयोजित किए। यूपीए को 262 सीटें और एनडीए को 159 सीटें मिली। मनमोहन सिंह पुन: प्रधानमंत्री बने।
2014	• आम चुनाव आयोजित किए गए। बीजेपी को 282 और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को 44 सीटें मिलीं। नरेन्द्र मोदी भारत के प्रधानमंत्री बने।
2016	• भारत को मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण व्यवस्था समूह में प्रवेश करने का अवसर मिला।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारत की आर्थिक यात्रा के 70 वर्ष

(1947) - अगस्त 15: भारत ने स्वतंत्रता प्राप्त की

(1948) - अप्रैल 6: पहली औद्योगिक नीति प्रस्ताव घोषित

(1951-56) - प्रथम पंचवर्षीय योजना की शुरुआत: सकल घरेलू उत्पाद में 2.1% की वार्षिक वृद्धि का लक्ष्य; अर्थव्यवस्था को पुनर्निर्माण का उद्देश्य, उपलब्धि; प्रति वर्ष सकल घरेलू उत्पाद में 3.6% की वृद्धि

(1951) - अक्टूबर 31: औद्योगिक (विकास और विनियमन) अधिनियम 1951 प्रभाव में आया

(1956-61) - द्वितीय पंचवर्षीय योजना, महालनोबिस के विकास योजना पर आधारित; बड़े उद्योगों को प्रमुख वरीयता लक्ष्य; सकल घूरेलू उत्पाद में 4.5% की वार्षिक बढ़ोत्तरी उपलब्धि: प्रति वर्ष 4.2% की बढ़ोत्तरी

(1956) - "सामाजिक" अर्थव्यवस्था सहित नवीन औद्योगिक नीति प्रस्ताव घोषित

(1960) - हरित क्रान्ति का प्रथम चरण की शुरुआत

(1961-66) - तृतीय पंचवर्षीय योजना: 5.6% वार्षिक वृद्धि का लक्ष्य; कृषि-उत्पाद की वृद्धि पर बल, उपलब्धि: प्रतिवर्ष सकल घरेलू उत्पाद में 2.4% की बढ़ोत्तरी

(1966-69) - तीन-वर्षीय योजना- पहले पंचवर्षीय योजनाओं के द्वारा निर्धारित लक्ष्य प्राप्त न करने के कारण अवकाश

(1969) - पंचवर्षीय योजनाओं की वापसी

(1969) - जुलाई 1 इंदिरा गाँधी में द्वारा 14 बैंकों का राष्ट्रीयकरण

(1970) - औद्योगिक लाइसेंस नीति घोषित, स्थापित कम्पनियों के विस्तारण पर अंकुश, एकाधिकार और प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार अधिनियम लागू

(1974)- विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम लागू

(1979)- तेल संकट

(1980) - 6 और बैंकों का राष्ट्रीयकरण

(1980) - जुलाई 23: सन्तुलित औद्योगीकरण के लिए औद्योगिक नीति प्रस्ताव घोषित

(1985)- अप्रैल: तीन वर्षीय एक्जिमी पॉलिसी के तहत आयात उदारीकरण

(1986) - सितम्बर: उद्योगों की 27 व्यापक श्रेणियाँ कम्प्यूटर हार्डवेयर सहित लाइसेंस मुक्त

(1990-91) - खाड़ी युद्ध के कारण तेल की कीमतों में बढ़ोत्तरी, भारत की बिगड़ती स्थिति

(1991) - मई। $2400 मिलियन विदेशी मुद्रा को बढ़ाने के लिए 20 टन जब्त सोने का भारत द्वारा विक्रय

जून: पी वी नरसिम्ह राव भारत के प्रधानमंत्री बने, मनमोहन सिंह वित्त मंत्री नियुक्त

(1991) - जुलाई

- दो चरणों में मुद्रा का अवमूल्यन
- नवीन औद्योगिक नीति के अन्तर्गत अधिकांश क्षेत्रों में लाइसेंस रद्द
- निजी क्षेत्र और विदेशी कम्पनियों को निवेश में बढ़ावा
- निर्यात प्रलोभन को मजबूत करने के लिए व्यापार नीति में बड़े परिवर्तनों की घोषणा

(1992) -

- पूंजी मुद्दों के नियंत्रक समाप्त; सेबी स्थापित
- भारतीय कम्पनियों में विदेशी की अनुमति
- ₹ व्यापार खाते में परिवर्तनीय
- प्रत्यक्ष विदेशी निवेश नियम में राहत

(1999-2001) - केतन पारेख घोटाला

(2005) - राज्य स्तरीय मूल वर्धित कर प्रस्तावित

(2007) - भारत : एक $ 1 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के रूप में

(2008) - भारत पर वैश्विक आर्थिक संकट

(2016) - भारत : एक $ 2 ट्रिलियन अर्थव्यवस्था के रूप में

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारत की जनसांख्यिकीय यात्रा के 70 साल

मापदंड	जनसंख्या की बढ़त
जनसंख्या	• 1947 - भारत की आबादी 340 करोड़। • 1947 - 1981 के बीच आबादी दोगुना हो गई। • 2001 में एक अरब आबादी हो चुकी थी। • 2011 में जनसंख्या 1 अरब 21 करोड़ थी। • 16 लाख प्रति वर्ष की दर से भारत की जनसंख्या वृद्धि हो रही थी। • भारत दुनिया की आबादी का 17% है। सबसे अधिक आबादी वाला राज्य उत्तर-प्रदेश है। • सबसे कम आबादी वाला राज्य - सिक्किम • उच्चतम आबादी वाला संघ राज्य क्षेत्र- दिल्ली। • सबसे न्यूनतम आबादी वाला संघ राज्य क्षेत्र-लक्षद्वीप। • भारत में आबादी का एक औसत घनत्व-382 व्यक्ति प्रति स्कवायर कि.मी.। • 2011 में ग्रामीण क्षेत्र की जनसंख्या-68.84% • शहरी क्षेत्रों की जनसंख्या - 31.16% • उत्तर प्रदेश राज्य में 18.62 प्रतिशत जनसंख्या।
प्रजनन दर	• 1966-71 में कुल प्रजनन दर 5.78% • 1971-76 में कुल प्रजनन दर 5.37% • 1976-81 में कुल प्रजनन दर 4.65% • केरला में कुल प्रजनन दर 2.1% • तमिलनाडु में कुल प्रजनन दर 1.8% • 2001-बिहार मध्यप्रदेश उत्तर-प्रदेश और राजस्थान आदि क्षेत्र कुल आबादी के 45% के लिए जिम्मेदार है।
जन्म व मृत्यु दर	• 1951-1961 - मृत्यु दर - 24/1000 जन्म दर - 42/1000 • 1971-1981 - मृत्यु दर - 15/1000 जन्म दर - 38/1000 • 1986-2001 - मृत्यु दर - 9/1000 जन्म दर - 24/1000
भारत में जनसंख्या नीति	• 1952 में राष्ट्रीय परिवार कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। **विशेषताएँ-** • जन्म नियंत्रण उपायों के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि दर को कम करने के प्रयास किए गए। • सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों में सुधार के स्तर में वृद्धि की गई। • सार्वजनिक स्वास्थ्य की ओर जनता का ध्यान आकर्षित किया गया। 1975-76 राष्ट्रीय आपात की अवधि • बड़े पैमाने पर प्रजनन रोकने के लिए नसबंदी शिविरों का आयोजन किया गया। 1978 - राष्ट्रीय परिवार कल्याण योजना का शुभारंभ 2010 - राष्ट्रीय सामाजिक जनसांख्यिकी लक्ष्यों का शुभारंभ • 14 साल तक बच्चे को मुफ्त शिक्षा देना अनिवार्य। • लड़कियों का विवाह देर से • 100% पंजीकरण जन्म, मृत्यु, शादी व गर्भावस्था का।

Download from :- http://t.me/bsp_cg

साक्षरता	• 1951 – भारत में साक्षरता दर – 18.3% • 1991 – 52.2 प्रतिशत बढ़ी। • 2001 – साक्षरता दर – 65.4% • 2011 – साक्षरता दर 74.04% • पुरुष साक्षरता दर – 82.14% • महिला साक्षरता दर – 65.46% • सबसे अधिक साक्षरता वाला राज्य – केरला (93.7%) • सबसे कम साक्षर राज्य – बिहार (63.82%) • न्यूनतम महिला साक्षर राज्य क्षेत्र – हरियाणा • शिक्षा के अधिकार (अनुच्छेद-21(क)) को 86 वें संविधान संशोधन अधिनियम के माध्यम से भारत के मौलिक अधिकारों में शामिल किया गया।
धर्म	• भारत में हिंदुओं की जनसंख्या-80: (प्रतिशत) • भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा मुस्लिम आबादी वाला राज्य है। (जबकि पाकिस्तान-दूसरा और इंडोनेशिया पहला) • भारत में मुस्लिम आबादी का केंद्र-लक्षद्वीप व जम्मू कश्मीर • ईसाई आबादी का केंद्र – मेघालय, मिजोरम और नागालैंड • सिख आबादी का केंद्र – पंजाब
लिंग अनुपात में गिरावट	• 1951 – 946 महिला/1000 पुरुष • 1971 – 930 महिला/1000 पुरुष • 1981 – 934 महिला/1000 पुरुष • 1991 – 925 महिला/1000 पुरुष • 2001 – 933 महिला/1000 पुरुष • 2011 – 940 महिला/1000 पुरुष • न्यूनतम शिशु लिंग अनुपात – पंजाब (793) • न्यूनतम महिला लिंग अनुपात – हरियाणा (877) • अधिकतम महिला लिंग अनुपात – केरला (1084) • ऐसे राज्य जहाँ लिंग अनुपात में गिरावट हुई- हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, गुजरात और हिमाचल प्रदेश। प्रयास किए गए-1996 में पूर्व प्रसव निदान तकनीक अधिनियम पारित किया गया।
उम्र/आयु संरचना	• भारत एक बड़ी घनी युवा आबादी का देश है। • 15 साल तक के उम्र समूह के अंतर्गत • 1971 – कुल आबादी का 42 प्रतिशत • 2001 – कुल आबादी का 35 प्रतिशत • 2011 – कुल आबादी का 29.7 प्रतिशत • 15-60 साल तक के उम्र समूह के अंतर्गत • 1971 – कुल आबादी का 53 प्रतिशत • 2001 – कुल आबादी का 59 प्रतिशत • 2011 – कुल आबादी का 64.9 प्रतिशत • 60+ साल तक के उम्र समूह के अंतर्गत • 1971 – कुल आबादी का 5 प्रतिशत • 2001 – कुल आबादी का 7 प्रतिशत • 2011 – कुल आबादी का 5.5 प्रतिशत • ऐसा राज्य जहाँ उच्चतम युवा आबादी अनुपात- उत्तर प्रदेश • 2000 में 15 वर्ष से नीचे की उम्र के बच्चों की संख्या कुल आबादी का 1/3 भाग था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

आयु सीमा	• 1951 – पुरुष (32.45 साल) महिला (31.66 साल) • 1971 – पुरुष (46.40 साल) महिला (44.70 साल) • 1991 – पुरुष (59.70 साल) महिला (60.50 साल) • 2001 – पुरुष (63.90 साल) महिला (66.90 साल) • 2011 – पुरुष (औसत आयु सीमा) महिला (65.48 साल)
ग्रामीण शहरी प्राथमिकताएँ	• 1951 – ग्रामीण जनसंख्या – 299 करोड़ शहरी जनसंख्या – 62 करोड़ • 1981– ग्रामीण जनसंख्या – 524 करोड़ शहरी जनसंख्या – 159 करोड़ • 2001– ग्रामीण जनसंख्या – 743 करोड़ शहरी जनसंख्या – 286 करोड़

भारतीय जनसांख्यिकीय उपलब्धि

- अपरिपक्व सकल प्रजनन दर में कमी – 1951 (40.8) से 2004 (24.1)
- जीवित जन्मदर में कमी – 1951 (146/1000) से 2004 (58/1000)
- मृत्यु प्रजनन दर – 1951 (25) से 2004 (7.5)
- 25 वर्षों तक की जीवित रहने की उम्मीद में वृद्धि, यानि 37 साल से 62 साल।
- प्रजनन क्षमता आधा हुई 6.0 (1951) से 3.0 (2004)
- दंपति सुरक्षा चार गुना हुई – 10.4: (1971) से 44: (1999)

भारत के सामाजिक/सांस्कृतिक यात्रा के 70 साल

1947
- भारत-पाक का विभाजन हुआ और भारत को स्वतंत्रता मिली।
- भारत ने लोकतांत्रिक समाजवादी पथ को अपनाया।

1950
- भारत ने नया संविधान अपनाया, जिसमें भारत के नागरिकों के लिए समानता, स्वतंत्रता और न्याय सुनिश्चित करने के लिए मौलिक अधिकारों की गारंटी दी गई।

1955
- राज्य पुनर्गठन आयोग द्वारा की गई सिफारिशों के आधार पर भारत के राज्यों का पुनर्गठन किया गया।
- इसका पुनर्गठन भाषागत आधार पर किया गया।

1967-70
- राजाओं को क्षतिपूर्ति के तौर पर दिए जाने वाले धन के साथ ही निजी धन रखने की प्रथा को समाप्त कर दिया गया।
- जमींदारी प्रथा को समाप्त कर दिया गया।

शिक्षा

1947
- साक्षरता दर – 12.2 प्रतिशत

1950-60
- सरकार ने पॉलिटेक्निक, इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल और डेंटल कॉलेज जैसे कई औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों की स्थापना की। कई प्रबन्धन संस्थाएँ भी स्थापित की गई।

1968
- कोठारी आयोग की सिफारिशों पर सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत व्यापक प्राथमिक शिक्षा पर बल दिया।

1978
- राष्ट्रीय प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम शुरू किया गया, जो प्राथमिक शिक्षा का एक हिस्सा है।

1988
- राष्ट्रीय साक्षरता मिशन की शुरुआत वयस्क साक्षरता को बढ़ाने के लिए की गई।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

1986

सरकार द्वारा 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति' की घोषणा की गई, जो निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करती है-

- प्राथमिक शिक्षा का सर्वव्यापीकरण।
- माध्यमिक शिक्षा का स्वरोच्चारीकरण।
- उच्च शिक्षा का विशिष्टीकरण।

1995

- ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष रूप से बच्चों का ध्यान स्कूल की ओर आकृष्ट करने के लिए 'मध्याह्न भोजन कार्यक्रम' की शुरुआत की गई।

2000 से

- 2001 में वयस्क साक्षरता दर 61 प्रतिशत था, जो 2011 में बढ़कर 69 प्रतिशत हो गया।
- ऑनलाइन शिक्षा की शुरुआत की गई। अब विभिन्न विश्वविद्यालयों से ऑनलाइन डिग्री-पाठ्यक्रम का चुनाव करना आसान हुआ।
- दूरस्थ शिक्षा लोकप्रिय हुई।
- बच्चों के लिए निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार लागू किया गया। (2009)
- जिला सूचना प्रणाली के अनुसार भारत में शिक्षा के लिए 61.5 प्रतिशत व्यय के अलावा 16.6 प्रतिशत कम्प्यूटर पर और 2.39 प्रतिशत बिजली पर खर्च किया जाता है।
- शिक्षा के वार्षिक स्थिरांक के अनुसार, ग्रामीण राज्यों में छात्रों की औसत उपस्थिति दर 75 प्रतिशत है।
- 6-14 साल तक के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए सर्व शिक्षा अभियान की शुरुआत की गई। (2001)
- प्राथमिक स्कूलों की संख्या बढ़ी- 2.10 लाख (1950-51), 6.40 लाख (2001-02) और 2013-14 में 11.9 लाख हुई।
- विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ी 1950-51 में 27, 2000-01 तक 254 और 2013-14 में 712 हुई।
- संविधान के 88 वें संशोधन में 'शिक्षा का अधिकार' सभी 6-14 वर्ष के बच्चों के लिए बनाया गया।

2011

- 2011 में 7 से 14 सालों की अवधि में साक्षरता दर बढ़ कर 65 प्रतिशत से 74.04 प्रतिशत पहुँची।

स्वच्छता अभियान

1986

- भारत सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों की बुनियादी स्वच्छता सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए 'केन्द्रीय स्वच्छता कार्यक्रम' शुरू किया।

1999

- सम्पूर्ण भारत में स्वच्छता अभियान लागू किया गया।
- व्यक्तिगत घरों में शौचालय, स्कूल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य सामुदायिक स्वच्छता परिसर, आँगनबाड़ी शौचालय जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

2006

- लगभग 4, 50, 000 मृत्यु केवल डायरिया से थी जिसमें कि 88 प्रतिशत मृत्यु केवल 5 साल से कम उम्र के बच्चों की थी।

2008

- यूनिसेफ के अनुसार 90 प्रतिशत भारतीय जनता उचित स्वच्छता सुविधाओं का लाभ उठा पा रही हैं।

2010

- जल और स्वच्छता अभियान का अध्ययन यह बताता है कि अपर्याप्त स्वच्छता भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है जिसके कारण 2006 में सकल घरेलू उत्पाद लगभग 6.4 प्रतिशत कम हो गया।

2014

- नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छ भारत अभियान की शुरुआत की गई।

महिला

1954

- विभला फारुकी और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़ी उनकी महिला साथियों ने मिलकर एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत महिलाओं से जुडे मुद्दों पर बात की गई उन्होंने 'राष्ट्रीय भारतीय महिला

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

संघ' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य था, महिलाएँ समानता का अधिकार पाने के लिए निरंतर संघर्ष कर रही हैं, इस ओर सभी का ध्यान केन्द्रित हो।

1955
- 1955 में हिन्दू विवाह अधिनियम पारित किया गया जिससें महिलाओं को तलाक व भरण-पोषण के लिए समान अधिकार प्रदान किए गए।

1956
- हिन्दू दत्तक ग्रहण और भरण पोषण अधिनियम पारित किया गया। इस अधिनियम के अंतर्गत एक महिला एक बालक या बालिका को अपने पुत्र या पुत्री के तौर पर गोद ले सकती है।
- हिन्दू अल्पवयस्क और संरक्षण अधिनियम पारित किया गया इस अधिनियम के अंतर्गत यह कहा गया कि एक औरत ही अपने वयस्क बच्चे की वास्तविक अभिभावक होगी।
- हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम पारित किया गया। इस अधिनियम के अंतर्गत महिलाओं को पारिवारिक सम्पत्ति में समान उत्तराधिकारी होने का अधिकार दिया गया।

1961
- दहेज निषेध अधिनियम पारित किया गया। जिसमें दहेज को दंडनीय अपराध माना गया।

1974
- भारत में महिलाओं की स्थिति को लेकर समिति ने एक रिपोर्ट पेश की। उस रिपोर्ट के अनुसार सभी क्षेत्रों में महिला कर्मचारियों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है।
- विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार डेयरी उत्पादन में 94 प्रतिशत महिला कर्मचारी कार्यरत हैं।
- 'चिपको आन्दोलन' नाम इसलिए दिया गया क्योंकि महिलाएँ पेड़ों के संरक्षण के लिए उसे चारों ओर से पकड़कर खड़ी हो जाती थीं, ताकि ठेकेदार उन पेड़ों को काट न सकें।

1976
- समान पारिश्रमिक अधिनियम पास किया गया।

1986
- शाह बानो केस-सुप्रीम कोर्ट ने यह निर्णय लिया कि बानों मुस्लिम प्रौढ़ा अपनी सम्पत्ति की देखभाल कर सकती है। यह फैसला मुस्लिम के अधिकारों को ध्यान में रखकर लिया गया। संघ सरकार ने कुछ समय बाद मुस्लिम महिला अधिनियम (तलाक सुरक्षा अधिकार) लागू कर दिया।

1989
- पंचायती राज बिल पेश किया गया जिसमें पंचायत का 1/3 हिस्सा महिलाओं के लिए आरक्षित है।

2006
- किरण मजूमदार शॉ (बायोकॉन की संस्थापक) को दुनिया की सबसे अमीर महिला का दर्जा दिया गया। कलिता डी. गुप्ता (आई सी आई सी आई बैंक से संबद्ध) और कल्पना मोपारिया (सी ई ओ, जे. पी. मोरगन) को शक्तिशाली महिला का दर्जा दिया गया (फोर्ब्स)।

वर्तमान परिदृश्य-
- प्राथमिक स्तर पर 1950-51 में 5.4 लाख लड़कियाँ, 2004-05 में 6.1 लाख लड़कियाँ और 2013-14 में 94.8 लाख लड़कियाँ दाखिला ले चुकी थीं।
- वर्ष 2000 से 2005 के बीच लड़कियों के स्कूल छोड़ने की दर में 16.5 प्रतिशत गिरावट आई है।
- भारत में महिला कर्मचारियों की संख्या विश्व में सर्वाधिक है।
- कई महिलाएँ जैसे अरुंधति राय, अनीता देसाई, झुम्पा लाहिड़ी, शबाना आजमी, प्रतिभा पाटिल व श्रीमति इंदिरा गाँधी ने पूरे दावे के साथ इस पुरुष-प्रधान समाज में अपना वर्चस्व कायम रखा।

घरेलू हिंसा

2005
- राष्ट्रीय परिवार व स्वास्थ्य सर्वेक्षण के आधार पर पता चलता है कि वर्ष 2005 में 15 से 49 वर्ष की उम्र के बीच घरेलू हिंसा की शिकार 33.5 प्रतिशत और यौन हिंसा की शिकार 8.5 प्रतिशत महिलाएँ हुईं।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- घरेलू हिंसा अधिनियम 2005 कानूनी तौर पर यह परिभाषित करता है कि घरेलू हिंसा और किसी अपराधी पर अभियोग चलाने की प्रक्रिया को पुलिस के संज्ञान में लाया जाए।

2012

- राष्ट्रीय अपराधिक रिपोर्ट ब्यूरो ने राज्य में हो रहे अपराधिक दर का ब्यौरा पेश किया है, जिसमें 46/100000 अपराध दर, (2/100000) बलात्कार दर के हैं और 7/100000 दहेज प्रथा के लिए है।

भारत में बलात्कार

- राष्ट्रीय क्राइम रिकार्ड ब्यूरो 2013 के गणना से पता चलता है कि 2012 में 24,923 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए थे जो बाद में बढ़कर 2015 में 34,651 हो गए।

2012

- भारतीय महानगरों में दिल्ली में सबसे ज्यादा बलात्कार के मामले दर्ज हुए हैं।
- जबलपुर में बलात्कार अपराध को लेकर सबसे अधिक प्रति व्यक्ति केस दर्ज हुए हैं।

दहेज मृत्यु

- 2010 में सबसे अधिक दहेज प्रथा मृत्यु 8391 थी, जो कि 2012 में बढ़कर 18,233 हो गई।
- भारत में हिंसा के अन्य मामलों जैसे बलात्कार, एसिड हमला और दुल्हन को जलाने इत्यादि से दहेज प्रथा के मामले ज्यादा चिंताजनक हैं।

परिवार संरचना व विवाह

- संयुक्त परिवार प्रणाली भारतीय परिवार की प्रमुख विशेषता रही है। घर का वृद्ध पुरुष मालिक होता है।
- आर्थिक प्रणाली व शहरीकरण ने आज संयुक्त परिवार प्रणाली की जगह छोटे परिवार प्रणाली का मार्ग प्रशस्त किया है।
- भारत में विवाह का निर्णय माता-पिता और परिवार द्वारा ही लिया जाता हैं, लेकिन आज के वर्तमान युग में अंतर्जातीय संबंध भी लोकप्रिय हो रहा है।
- 2011 की गणना के अनुसार भारत में लड़कियों के विवाह के लिए औसत आयु 21 साल निर्धारित की गई। 2009 में 7 प्रतिशत महिलाओं की शादी 18 साल से कम उम्र में हुई।
- 1956 से महिला व पुरुष को समानता का अधिकार प्राप्त है।
- तलाक बहुत कम होते थे- लगभग 1 प्रतिशत, जबकि शहरों में तलाक के मामले अधिक हैं।
- साथ में रहने का प्रचलन आजकल काफी लोकप्रिय होता जा रहा है।

स्वास्थ्य

- जीवन प्रत्याशा 1951 में 37 वर्ष थी जो बाद में बढ़कर 2011 में 65 वर्ष हो गयी।
- 5 साल से कम उम्र के बच्चे 2006 में 44 प्रतिशत कुपोषण का शिकार थे, जबकि 1971 में 67 प्रतिशत।
- 2009 में कैंसर मामलों में कमी आई, जिसकी संख्या घटकर 185/100,000 हो गई।
- जन्म दर में गिरावट आई 1950-51 तक 39.9/1000 से लेकर 2000-01 में 25.8 और 2013 में 21 प्रतिशत हो गई।
- मृत्यु दर में गिरावट आई 1950-51 में 27.4-1000 से लेकर 2000-01 में 8.5 और 2011 में 7.4 प्रतिशत हुई।
- 1988-99 में मेडिकल कॉलेज की संख्या 165 थी। 1950-51 में 28 हो गई थी और वर्ष 2016 में 462 हो गई।
- 1951 में एक भी सामुदायिक केन्द्र नहीं थे, लेकिन 1999 में 2913 सामुदायिक केन्द्र बने।
- 1999 में प्रति 1 लाख आबादी पर केवल 17 डॉक्टर थे, 1951 में 5.2 डॉक्टर थे, लेकिन 2016 में 1 डाक्टर प्रति 1700 जनसंख्या पर है।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

आजादी के पश्चात् कृषि विकास

वर्ष विकास/घटना

1947 • भारत आजाद हुआ।
• कृषि उत्पादन क्षमता-50 मिलियन टन।
• आजीविका हेतु कृषि कार्य की शुरुआत।
• 80% आबादी कृषि पर निर्भर।

सफलता– TART (टार्ट) में कृषि इंजीनियरिंग विभाग की स्थापाना।

1949 नदी घाटी परियोजना– मृदा एवं जल संरक्षण हेतु बिहार एवं बंगाल में दामोदर घाटी निगम की स्थापना की गई।

1951 पहली पंचवर्षीय योजना
• जमींदारी प्रथा का उन्मूलन।
• जो भूमि प्रयोग में नहीं है उसे सिंचाई करके खेती के उपयोग में लाया जाए।
• सामुदायिक विकास कार्यक्रमों की शुरुआत।
• विकेन्द्रीकृत नियोजन/योजना।
• गहन क्षेत्र में विकास कार्यक्रमों की शुरुआत की गई।

विनोबा भावे द्वारा भूदान आंदोलन की शुरुआत
• भूमि परित्याग।
• 11.9 लाख एकड़ जमीन वितरित की गई।

1954 आईसीएआर ने राज्यों में किसानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले औजारों व उपकरणों का सर्वेक्षण किया।

1956 दूसरी पंचवर्षीय योजना
• भारी वर्षा वाले क्षेत्रों में कृषि कार्य को बढ़ावा देने का कार्य।
• मृदा संरक्षण को महत्वपूर्ण माना गया।
• वर्षा आधारित क्षेत्रों के लिए सिंचाई विकास।
• सामुदायिक विकास के माध्यम से कृषि प्रौद्योगिकी के विकास के लिए प्रशिक्षण का कार्य प्रारंभ हो।

1957 • ग्रामदान का शुरुआत।
• भूमि पर से निजी स्वामित्व हटाया जाए।

1959 भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने नागपुर में संकल्प पारित किया कि जमींदारी के पर रोक को कम करने के लिए विधेयक लाया जाएगा।

1961 तीसरी पंचवर्षीय योजना की शुरुआत
• कृषि योग्य बंजर भूमि को खेती करने के लिए इस्तेमाल में लाया गया।
• चयनित जिलों के कुछ क्षेत्रों का विकास किया गया।
• पंचायती चुनाव शुरू किया गया।
• एकीकृत भूमि नीति को अपनाया गया।
• मृदा सर्वेक्षण को स्वीकार किया गया।

1964 प्रोत्साहन पुरस्कार नीति अपनाई गई।
• कृषिगत मूल्य आयोग फसलों की कीमत/कृषि की कीमत तय करने के लिए स्थापित किया गया।

1965 भारतीय खाद्य निगम की शुरुआत

1966 हरित क्रान्ति की शुरुआत
• एचवाईवी (HYV) कार्यक्रम की शुरुआत
• जनशक्ति के बदले आधुनिक कृषि तकनीक अपनायी गई।
• सिंचाई सुविधा व्यवस्था में सुधार किया गया।

परिणाम:–
• 12.6 गुना फसल उत्पादन में वृद्धि हुई।
• 1966-67 से 4.84 गुना गेहूँ के उत्पादन में वृद्धि ।
• 1966-67 से 1.78 गुना चावल के उत्पादन में वृद्धि ।
• चावल व गेहूँ के उत्पादन में अत्यधिक सफलता।
• ऐसा केवल पंजाब, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में था।

1969 शुष्क क्षेत्रों में सिंचाई एवं मृदा संरक्षण तथा प्रौद्योगिकी परिवर्तन की शुरुआत की गई।
• भूमि सुधार और भूमि हदबंदी अधिनियम के दूसरे चरण की शुरुआत हुई।

1974 • सूखा प्रवण क्षेत्र की शुरुआत।
• रेगिस्तान क्षेत्र विकास कार्यक्रम की शुरुआत।
• सूखाग्रस्त खेती के लिए प्रोत्साहन दिया गया।

1977 • भोजन हेतु कार्य की शुरुआत।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

1980 भूमि संसाधनों का खेती में उचित प्रयोग हेतु–
- चयनित क्षेत्रों में सूखा प्रभावित क्षेत्र के अंतर्गत भूमि और जल प्रबंधन कार्यक्रम की शुरुआत।

1982 कृषि और ग्रामीण विकास के लिए राष्ट्रीयकृत बैंकों की स्थापना की गई।

1992 आठवीं पंचवर्षीय योजना की शुरुआत
- उदारीकरण और वैश्वीकरण का अवधि।
- भोजन में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए विकास और कृषि के क्षेत्र में विविधीकरण।
- निर्यात के लिए नमूनों का ढाँचा।
- 1966-67 से 1991-92 के मध्य खाद्य उत्पादन में 168.4 लाख टन से 199 लाख टन की वृद्धि।

1997
- भूमि अवक्रमण में काफी बढ़ोतरी हुई।
- कृषि योग्य भूमि को प्रयोग में लाया गया।
- गाँव में आम जनता के भरण–पोषण का ध्यान रखा गया।
- विकेन्द्रीकृत भूमि प्रबंधन प्रणाली।
- गाँव की भूमि का प्रबंधन करने के लिए पंचायती राज व्यवस्था की शुरुआत।

नौंवी पंचवर्षीय योजना
- खाद्य उत्पादन को दोगुना किया गया।
- रोजगार व आय में वृद्धि।
- गरीबी उन्मूलन योजनाओं के माध्यम से अनुपूरक निरंतर रोजगार और ग्रामीण बुनियादी ढाँचों का निर्माण।
- गरीबी रेखा से नीचे के लोगों को खाद्य सामग्री का वितरण।
- लक्षित सार्वजनिक वितरण की शुरुआत।

1988
- किसान क्रेडिट कार्ड देने की शुरुआत।
- सभी क्षेत्रों में गरीबों के लिए यह योजना बनाई गई।

2000 अंत्योदय अन्न योजना का आरंभ
- 1 करोड़ गरीबी रेखा से नाचे के व्यक्तियों की पहचान।
- 25 किग्रा. अनाज, जिसमें चावल 3 रुपए प्रति किलो ग्राम और गेहूँ 2 रुपए प्रति किलो ग्राम पर उपलब्ध है।

अन्नपूर्णा योजना की शुरुआत
- लक्षित समूह-निर्धन वरिष्ठ नागरिकों के लिए–
- 10 किलोग्राम अनाज मुफ्त में बाँटने का प्रावधान था।

2004 कार्य हेतु राष्ट्रीय खाद्य की शुरुआत
- करीब 150 पिछड़े जिलों के मजदूरों को रोजगार उपलब्ध किए गए।
- 100% केन्द्रीय योजना को प्रायोजित किया गया।

2005 महाराष्ट्र में 221 किसानों ने आत्महत्या कर ली।

2010 भारत में सबसे बड़े पैमाने पर उत्पादन होता है–
- कई सब्जी, फल, दूध, मसाले, अरंडी का तेल, जूट, जौ, बाजरा आदि का।
- भारत दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है– चावल व गेहूँ का।

2011 संगठित खुदरा क्षेत्र में प्रमुख सुधार–
- रसद व कृषि उत्पादों के परिवहन आदि शामिल हैं।

2012
- मानसून वर्षा में 90% कमी की वजह से पंप के लिए बिजली पर सब्सिडी दी जाएगी।
- बागवानी तकनीक से अनाज उत्पादन में वृद्धि हुई।

2016
- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ₹ 221 करोड़ के वित्तीय परिव्यय से 42 डेयरी परियोजनाएँ चलाएगा।
- 585 प्रमुख थोक कृषि बाजार इलैक्ट्रॉनिक माध्यम से राष्ट्रीय कृषि बाजार से जुड़े।
- पंचवर्षीय रोड मैप, दालों का उत्पादन बढ़ाने के लिए तैयार की गई।
- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना तथा भारतीय कृषि बीमा योजना फसलों के उत्पादन को सुनिश्चित करने के लिए प्रस्तुत की गई।
- ₹ 75000 करोड़ ऊर्जा कुशल सिंचाई योजना पर निवेश किया गया।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

1947 के पश्चात् वैज्ञानिक विकास

1947 • प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने भारत में उच्च शिक्षा के अंतर्गत विज्ञान और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देने के लिए सुधारों की शुरूआत की।
• रेडियो प्रसारण को ऑल इण्डिया रेडियो नाम दिया गया।
• भारत में बिजली उत्पादन क्षमता–1362 mw.

1948 • परमाणु ऊर्जा अधिनियम लागू किया गया।
• रक्षा संगठन की स्थापना की गई।

1950 • ग्रामीण विद्युतीकरण के अंतर्गत 3016 गाँवों में बिजली प्रदान की गई।

1951 8 अगस्त 1951 को पश्चिम बंगाल के खड़गपुर में शिक्षा मंत्री अबुल कलाम आजाद द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान को सम्मिलित किया गया।

1954 • हिंदुस्तान स्टील प्राइवेट लिमिटेड का गठन हुआ।

1956 • अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान दिल्ली में स्थापित किया गया।

1957 • ऑल इंडिया रेडियो का नाम बदल कर आकाशवाणी कर दिया गया।

1958 • रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन का गठन हुआ।

1959 • दूरदर्शन कार्यक्रम निर्माण की अवधि सीमित कर दी गई।

1960 के बाद
• मुंबई, मद्रास, कानपुर और दिल्ली में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान खुले।

1960 से पहले
• भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम को 'भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन' में विकसित करने के लिए सोवियत संघ के साथ संबंधों को खत्म किया।

1962 • परमाणु ऊर्जा विभाग द्वारा अंतरिक्ष अनुसंधान हेतु भारतीय राष्ट्रीय समिति की स्थापना।
• थुम्बा इक्वेशनल राकेट लांचिंग स्टेशन (TERLS) पर कार्य प्रारंभ।

1963 • 21 नवम्बर, 1963 को TERLS द्वारा पहले ध्वन्यात्मक रॉकेट का शुभारंभ हुआ।

1965 • दूरदर्शन के पूर्ण प्रसारण का पालन किया गया।
• थुम्बा में अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी केन्द्र की स्थापना हुई।

1968 • M.S. Swaminathan के सान्निध्य में हरित क्रान्ति की शुरुआत।
• अहमदाबाद में प्रायोगिक संचार उपग्रह पृथ्वी स्टेशन की स्थापना हुई।

1970 • आयुर्वेदिक शिक्षण संस्था का मानकीकरण करने के लिए भारतीय चिकित्सा केन्द्रीय परिषद् अधिनियम लागू किया गया।
• श्वेत क्रान्ति/ऑपरेशन फ्लड शुरु किया गया, जिसने भारत को दूध का सबसे बड़ा उत्पादक बनाया।

1971 श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक आयोग की स्थापना हुई।
• आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा में सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र की स्थापना की गई।

1972 अंतरिक्ष विभाग की स्थापना की गई। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन इसके तहत लाया गया।

1973 2000 करोड़ की अधिकृत पूँजी के साथ स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया को शामिल किया गया।

1975 भारत का पहला उपग्रह 'आर्यभट्ट' स्थापित किया गया।

1979 भास्कर आई, एक पृथ्वी प्रयोगात्मक उपग्रह स्थापित करने की शुरुआत।

1981 • भारतीय अंटार्कटिक कार्यक्रम शुरु किया गया जब पहली बार भारतीय अभियान दल गोवा से अंटार्कटिक के लिए रवाना हुआ था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- तब से हर साल भारत की तरफ से दक्षिण गंगोत्री पर आधारित कई मिशन भेजे गए।
- ऊर्जा के अतिरिक्त स्त्रोत पर आयोग का गठन किया गया और गैर परम्परागत ऊर्जा स्त्रोत की स्थापना की गई।

1983 • सन् 1983 में इनसैट स्थापित हुआ, यह एशिया प्रशांत के सबसे बड़े घरेलू संचार के तौर पर स्थापित है इस शृंखला के सक्रिय उपग्रह में शामिल हैः– इनसेट-2ई, 3ए, 3बी, 3सी, 3ई, कल्पना आई, जी सैट-2 एडुसैट, इनसैट-4ए।

- अपोलो अस्पताल ने इसके माध्यम से पहली सुविधा उपलब्ध कराई। यह पहला अस्पताल है, जो सार्वजनिक कंपनी के रुप में पंजीकृत किया गया।

1984 • पहले भारतीय अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्मा ने 8 दिन रूसी अंतरिक्ष स्टेशन स्त्रेयुट 7 में बिताए।

- कोलकाता मेट्रो शुरू हुई।

1985 बड़े पैमाने पर टीकाकरण कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें निम्नलिखित नौ रोगों के टीके प्रमुख थे– टी.वी, डीप्थीरिया, टैटनस, पोलियो, हैपेटाइटिस-बी, काली खाँसी, न्यूमोनिया, मस्तिष्क शोथ और डायरिया।

1986 भारतीय कृषि को विकसित करने के लिए जैव प्रौद्योगिकी का अलग विभाग बनाया गया।

1991 • एक नए स्थायी अंटार्कटिक आधार 'मैत्री' को स्थापित किया गया।

- आर्थिक भूमण्डलीकरण और अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक एकीकरण के लिए नए युग के अग्रणी भारत सुधारों को लागू करने पर बल दे रही है।

1995 आयुष आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध तथा होम्योपैथी में शोध कार्य को विकसित करने के लिए बनाया गया।

- पल्स पोलियो कार्यक्रम शुरु किया गया।

1997 TRAI की स्थापना।

1999 सेल्युलर सेवा भारत में शुरू की गई।

2001 विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में भारत व यूरोपीय संघ द्विपक्षीय निगम की स्थापना के लिए तैयार हुए।

- दिल्ली मेट्रो शुरू हुई।

2002 'तेजस'– अत्याधुनिक हल्के वजन के लड़ाकू विमान बनकर तैयार हुए।

ब्रह्मोस– यह दुनिया का सबसे तेज गति वाला मिसाइल है, जिसकी रक्षा प्रणाली में शुरुआत हुई, जो कि भारत व रूस द्वारा विकसित था।

2003 सुपर कंप्यूटर 'परम' का शुभारंभ हुआ। इसकी क्षमता 1 फ्लाप्स (फ्लोटिंग प्वाइंट आपरेशंस प्रति सेकंड) है।

2004 बिजली उत्पादन क्षमता में वृद्धि 11350 मेगावाट।

2005 राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन की शुरुआत।

2008 चंद्रयान– 1, जो 100 किमी. की ऊँचाई जाँच सकता है। मानव रहित इस चंद्रयान का उद्देश्य चंद्रमा की सतह का विस्तृत अध्ययन करना था।

2013 मंगल ग्रह परिक्रमा मिशन को 'मंगलयान' भी कहा जाता है, जो इसरो द्वारा शुरू किया गया था। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) 'चौथी अंतरिक्ष एजेंसी' के तौर पर है। भारत मंगल ग्रह तक पहुँचने वाला पहला राष्ट्र है। ग्रामीण विद्युतीकरण – 593732 गाँव

2014 देश में राष्ट्रीय राजमार्ग की कुल लंबाई – 92851 किमी.

2020 तक भारत को टीबी से मुक्त कराने के लिए TB मिशन 2020 सरकार द्वारा स्थापित।।

2016 भारत का पहला स्वदेशी 'सोनार डोम', जो पानी के भीतर चलने वाला जहाज है। 30 मार्च को रक्षा मंत्री मनोहर परिकर ने इसे हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विभिन्न क्षेत्रों की ख्यातिप्राप्त हस्तियाँ

प्रख्यात वैज्ञानिक

अल्बर्ट आइंस्टीन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 14 मार्च, 1879 से 18 अप्रैल, 1955
- जर्मनी
- भौतिक शास्त्री

कार्य :
- सामान्य सापेक्षता सिद्धांत एवं विशेष सापेक्षता सिद्धांत
- फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव का नियम

आल्फ्रेड बर्नार्ड नोबल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 21 अक्टूबर, 1833 से 10 दिसम्बर, 1896
- स्टॉकहोम, स्वीडन
- रसायन शास्त्र, इंजीनियरिंग

कार्य :
- डायनामाइट का आविष्कार
- नोबल पुरस्कारों की शुरुआत इनकी स्मृति में प्रत्येक वर्ष 10 दिसम्बर को।

ए.पी.जे. अब्दुल कलाम

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 अक्टूबर, 1931 से 27 जुलाई, 2015
- रामेश्वरम, तमिलनाडु
- अंतरिक्ष विज्ञानी

कार्य :
- पोखरन-II नाभिकीय प्रयोग 1998
- भारत के 11वें राष्ट्रपति
- मिसाइल तकनीक विशेषज्ञ

सी.वी. रमन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 7 नवंबर, 1888 से 21 नवंबर, 1970
- थिरुवनाइकवल, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- भौतिकी

कार्य :
- रमन प्रभाव

एलेग्जेंडर ग्राहम बेल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 3 मार्च, 1847 - 2 अगस्त, 1922
- एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड
- भौतिक शास्त्री

कार्य :
- टेलीफोन के आविष्कारक
- आप्टिकल दूरसंचार

गुगलियेमो गियोवानी मारिया मारकोनी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 अप्रैल, 1874 से 20 जुलाई, 1937
- बोलोग्ना, इटली
- भौतिक शास्त्री
- रेडियो तरंग

कार्य :
- लम्बी दूरी के रेडियो ट्रांसमिशन के मार्गदर्शक
- मारकोनी के नियम तथा रेडियो टेलिग्राफ सिस्टम का विकास
- ट्रांजिस्टर (रेडियो) के आविष्कारक

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

डॉ. विक्रम अम्बालाल साराभाई

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 अगस्त, 1919 से 30 दिसंबर, 1971
- अहमदाबाद, भारत
- भौतिकी

कार्य :
- भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला के संस्थापक
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद

गैलिलियो गैलिलेयी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 फरवरी, 1564 से 8 जनवरी, 1642
- पीसा, इटली
- खगोलशास्त्री
- चिकित्सक

कार्य :
- टेलिस्कोप के आविष्कारक
- खगोलीय खोजों के जनक
- आधुनिक भौतिकी के जनक
- वैज्ञानिक प्रणाली के जनक
- थर्मामीटर के आविष्कारक

आर्यभट्ट

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 476 ए.डी. से 550 ए.डी.
- कुसुमपुरा (पाटलीपुत्र), वर्तमान में पटना
- गणितज्ञ एवं खगोलशास्त्री

कार्य :
- आर्यभट्टीय
- आर्य सिद्धांत

चार्ल्स बैबेज

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 26 दिसंबर, 1791 से 18 अक्तूबर, 1871
- लंदन, यूनाइटेड किंगडम
- गणितज्ञ

कार्य :
- कम्प्यूटर के जनक
- प्रथम यांत्रिक कम्प्यूटर के आविष्कारक

सर आइजक न्यूटन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 दिसंबर, 1642 से 20 मार्च, 1727
- यूनाइटेड किंगडम
- भौतिक शास्त्री
- गणितज्ञ

कार्य :
- पुस्तक: 'फिलासफी नेचुरलाइज प्रिंसिपिया मैथेमेटिक्स'
- गति के नियम का सूत्र
- गुरुत्वाकर्षण सिद्धांत

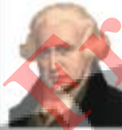

जेम्स वाट

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 जनवरी, 1736 से 25 अगस्त, 1819
- ग्रीनाक, स्काटलैंड
- मेकेनिकल इंजीनियर

कार्य :
- भाप इंजन का आविष्कारक
- भाप इंजन (कण्डेंसर)

जॉन नेपियर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1 फरवरी, 1550 से 4 अप्रैल, 1617
- गणितज्ञ
- खगोल शास्त्री

कार्य :
- कलन गणित के आविष्कारक
- दशमलव प्रणाली का चिह्नांकन

लुइस पाश्चर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 27 दिसंबर, 1822 से 28 सितंबर, 1895
- डोल, फ्रांस
- माइक्रोबायोलाजी

कार्य :
- जीवाणुमुक्त पद्धति का आविष्कारक
- छूत की बीमारी एवं रेबीज के लिए टीकाकरण

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मैरी क्यूरी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 7 नवंबर, 1867 से 4 जुलाई, 1934
- वारसा, पोलैंड
- भौतिकी

कार्य :
- रेडियो एक्टिविटी सिद्धांत
- तत्वों, पोलोनियम एवं रेडियम की खोज
- नोबल पुरस्कार दो बार जीतने वाली प्रथम महिला

माइकेल फैराडे

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 22 सितंबर, 1791 से 25 अगस्त, 1867
- नेविंगटन बट्स, यूनाइटेड किंगडम
- मैग्नेटिज्म (भौतिकी)

कार्य :
- इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन, डाईमैग्नेटिज्म एवं इलेक्ट्रोलिसिस के आविष्कारक।

लुइस ब्रेल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 4 जनवरी, 1809 से 6 जनवरी, 1852
- कपव्रे, फ्रांस
- मैकेनिक्स

कार्य :
- अंधे व्यक्तियों के लिए छपायी और लेखन हेतु ब्रेल लिपियों की खोज की।

निकोला टेस्ला

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 10 जुलाई, 1856 से 7 जनवरी, 1943
- स्मिल्जन, क्रोएशिया
- इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग
- भौतिक शास्त्री

कार्य :
- इंडकशन मोटर
- रोटेटिंग मैग्नेटिक फील्ड
- टेस्ला क्वायल

रॉबर्ट बॉयल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 जनवरी, 1627 से 31 दिसम्बर, 1691
- लिस्मोर, आयरलैंड गणतंत्र
- रसायन शास्त्री

कार्य :
- बॉयल का नियम
- आधुनिक रसायन शास्त्र के संस्थापक

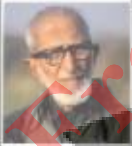

सलीम अली

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 नवंबर, 1896 से 20 जून, 1987
- मुंबई
- पक्षी विज्ञान
- नेचुरल हिस्ट्री (प्राकृतिक इतिहास)

कार्य :
- बम्बई नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी
- भारत एवं पाकिस्तान के पक्षियों पर हैंडबुक
- भारत के पक्षीमानव के तौर पर विख्यात

श्रीनिवास रामानुजन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 22 दिसंबर, 1887 से 26 अप्रैल, 1920
- इरोड, तमिलनाडु
- गणित

कार्य :
- गणितीय विश्लेषण
- अंकीय सिद्धांत
- अनंत श्रेणियाँ
- रामानुजन प्राइम
- रामानुजन थीटा फंक्शन

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

ओहियो विल्बर और ओरविल राइट

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- ओहियो विल्बर - 16 अप्रैल, 1867 से 30 मई, 1912
- मिलविले, इंडियाना
- ओरविल - 19 अगस्त, 1871 से 30 जनवरी, 1948
- डेटॉन, इंडियाना
- वायुयान चालन कला के मार्गदर्शक
- भौतिक शास्त्री

कार्य :
- दुनिया के पहले हवाई जहाज के आविष्कारक

हरगोविंद खुराना

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 9 जनवरी, 1922 से 9 नवंबर, 2011
- रायपुर (वर्तमान में पाकिस्तान में)
- बायोकेमिस्ट

कार्य :
- प्रोटीन संश्लेषण में न्यूक्लियोटाइड्स की भूमिका को प्रथम बार प्रदर्शित किया।
- फिजियोलॉजी या मेडिसिन के लिए 1968 में नोबेल पुरस्कार।

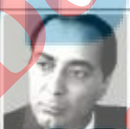

होमी जे. भाभा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 30 अक्टूबर, 1909 से 24 जनवरी, 1966
- मुम्बई
- नाभिकीय भौतिकी

कार्य :
- टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च के निदेशक एवं भौतिकी के प्रोफेसर।
- भारतीय नाभिकीय प्रोग्राम के जनक

जगदीश चन्द्र बोस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 30 नवंबर, 1858 से 23 नवंबर, 1937
- मुंशीगंज (वर्तमान में बांग्लादेश)
- वनस्पति विज्ञान, बायो भौतिकी

कार्य :
- क्रेस्कोग्राफ के आविष्कारक
- प्लांट बायोलॉजी के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान

सत्येन्द्रनाथ बोस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 01 जनवरी, 1894 से 04 फरवरी, 1974
- कोलकाता
- परिमाणात्मक यांत्रिकी एवं सांख्यिक भौतिकी

कार्य :
- बोस-आइंस्टीन संघनन
- बोस-आइंस्टीन वितरण
- बोस-आइंस्टीन पारस्परिक संबंध
- बोस-आइंस्टीन स्थितिकी
- स्टेट तथा फोटान गैस का आदर्श बोस समीकरण

सुब्रह्मण्यम चन्द्रशेखर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 अक्टूबर, 1910 से 21 अगस्त, 1995
- लाहौर, पंजाब (वर्तमान में पाकिस्तान)
- खगोल भौतिक शास्त्री

कार्य :
- चन्द्रशेखर परिसीमा
- सोनवर्ग-चन्द्रशेखर परिसीमा
- चन्द्रशेखर अंकीय
- भौतिकी में नोबल पुरस्कार (1983)

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अलेग्जेंडर फ्लेमिंग

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 6 अगस्त, 1881 से 11 मार्च, 1955
- लोचफिल्ड, इस्ट आयर्शायर स्कॉटलैंड
- बैक्टिरियोलोजी, इम्युनोलोजी

कार्य :
- पेनिसिलीन के आविष्कारक
- नोबल पुरस्कार विजेता (1945)

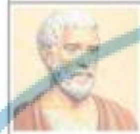

पाइथागोरस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 570 से 495 बी. सी.
- सैमोस, यूनान
- गणितज्ञ

कार्य :
- पाइथागोरस सिद्धांत
- पाइथागोरियन धुन

थॉमस अल्वा एडिसन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 11 फरवरी, 1847 से 18 अक्तूबर, 1931
- मिलन, ओहियो, यूनाइटेड स्टेट्स
- भौतिकी शास्त्री

कार्य :
- फोनोग्राफ के आविष्कारक, गतिशील तस्वीर वाला कैमरा
- विद्युत प्रकाश बल्ब

राजनीतिक व्यक्तित्व

अब्राहम लिंकन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 फरवरी, 1809 से 15 अप्रैल, 1865
- हाडगेन्विले, केंटुकी, यूनाइटेड स्टेट
- राजनीति

कार्य :
- यूनाइटेड स्टेट के राष्ट्रपति (1861-1865)
- यू.एस.ए. में गुलामी प्रथा का उन्मूलन

एनी बेसेंट

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1 अक्टूबर, 1847 से 20 सितंबर, 1933
- लंदन, यूनाइटेड किंगडम
- सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता

कार्य :
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पहली महिला अध्यक्ष (1917)

अटल बिहारी वाजपेयी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 दिसंबर, 1924
- ग्वालियर, मध्य प्रदेश, भारत
- राजनीतिक नेतागिरी
- कल्पनाशील व्यक्तित्व (कवि)

कार्य :
- भारत के भूतपूर्व प्रधानमंत्री
- भारत रत्न से सम्मानित

बराक ओबामा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 04 अगस्त, 1961
- होनोलुलु, हवाई, यूनाइटेड स्टेट्स
- राजनीति

कार्य :
- यूनाइटेड स्टेट के 44वें राष्ट्रपति।
- पहले अफ्रीकी, जो अमेरिका के राष्ट्रपति बने।
- 2009 में नोबल शांति पुरस्कार विजेता।

बिल क्लिंटन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 अगस्त, 1946
- आर्कान्सस, यूनाइटेड स्टेट्स
- अमेरिकी राजनीति

कार्य :
- यूनाइटेड स्टेट के 42वें राष्ट्रपति 1993 से 2001 तक

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 बेनिटो मुसोलिनी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 29 जुलाई, 1883 – 28 अप्रैल, 1945 ▶ प्रेडाप्पिओ, इटली ▶ राजनीति ▶ तानाशाह **कार्य :** ▶ नेशनल फॉसिस्ट पार्टी के संस्थापक ▶ इटली के प्रधानमंत्री (1922-1943)
 बेगम खालिदा जिया	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 15 अगस्त, 1945 ▶ दिनाजपुर, बांग्लादेश ▶ बांग्लादेशी राजनीति **कार्य :** ▶ बांग्लादेश की प्रधानमंत्री 1991-1996 एवं 2001-2006
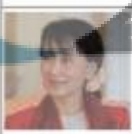 आउंग सान सू की	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 जून, 1945 ▶ रंगून, बर्मा ▶ राजनीति, स्टेट्समैन **कार्य :** ▶ नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी के संस्थापक ▶ लोकतांत्रिक अधिकारों हेतु लड़ाई लड़ी ▶ नेशनल लीग ऑफ डेमोक्रेसी की प्रथम राज्य परामर्शदाता एवं नेता
 बान की मून	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 13 जून, 1944 ▶ एमसांग काउंटी, दक्षिण कोरिया ▶ स्टेट्समैनशिप एवं राजनीति **कार्य :** ▶ यूनाइटेड नेशंस के 8वें जनरल सेक्रेट्री

 भीमराव अंबेडकर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 14 अप्रैल, 1891 से 6 दिसंबर, 1956 ▶ म्हो, मध्य प्रदेश ▶ सामाजिक कार्य ▶ राजनीति एवं दर्शनशास्त्र **कार्य :** ▶ भारतीय संविधान के निर्माता ▶ अस्पृश्यता के खिलाफ अभियान चलाते हुए सामाजिक भेदभाव को दूर करने का कार्य ▶ स्वतंत्र भारत के प्रथम विधि मंत्री
 डॉ. राजेंद्र प्रसाद	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 3 दिसंबर, 1884 से 28 फरवरी, 1963 ▶ सिवान, बिहार ▶ राजनीति ▶ सामाजिक कार्य **कार्य :** ▶ भारत के प्रथम राष्ट्रपति ▶ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष (1934-1935) ▶ भारतीय सांविधानिक सभा के अध्यक्ष।
 दादाभाई नौरोजी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 4 सितंबर, 1825 से 30 जून, 1917 ▶ मुंबई, भारत ▶ राजनीति एवं सामाजिक नेता **कार्य :** ▶ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष तीन बार रहे। ▶ गरीबी को दूर करने की वकालत की

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

डेविड कैमेरान

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 9 अक्टूबर, 1966
- लंदन, यूनाइटेड किंगडम
- ब्रिटिश राजनीति

कार्य :
- यूनाइटेड किंगडम के प्रधानमंत्री – मई 2010 से जुलाई 2016 तक

हो ची मिन्ह

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 मई, 1890 से 2 सितंबर, 1969
- किम लियेन, वियतनाम
- वियतनामी कम्युनिस्ट नेता

कार्य :
- वियतनाम के जनतांत्रिक गणराज्य के प्रधानमंत्री 1945 से 1955 एवं राष्ट्रपति 1945 से 1969 तक
- जनतांत्रिक गणराज्य वियतनाम के संस्थापक

जॉर्ज डब्लू बुश

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 6 जुलाई, 1946
- अमेरिकी राजनीति

कार्य :
- यूनाइटेड स्टेट के 43वें राष्ट्रपति (2001-2009)

हिलेरी क्लिंटन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 26 अक्टूबर, 1947
- शिकागो, इलिनोइस, यू.एस.
- अमेरिकी राजनीति

कार्य :
- 67वीं यूनाइटेड स्टेट सेक्रेटरी (2009-2013)

इंदिरा गांधी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 नवंबर, 1917 से 31 अक्तूबर, 1984
- इलाहाबाद (उ.प्र.), भारत
- भारतीय राजनीति

कार्य :
- भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री (1966-1977 एवं 1980-1984)
- बैंकों का राष्ट्रीयकरण

ज्योति बसु

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 8 जुलाई, 1914 से 17 जनवरी, 2010
- कोलकाता
- भारतीय राजनीति
- भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी

कार्य :
- पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री – (1977-2000)
- देश के इतिहास में सबसे लंबी अवधि तक मुख्यमंत्री पद पर आसीन रहने वाले।

फ्रेंकलिन डी. रुजवेल्ट

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 30 जनवरी, 1882 से 12 अप्रैल, 1945
- हाइड पार्क, न्यूयॉर्क, यूनाइटेड स्टेट
- राजनीति

कार्य :
- यूनाइटेड स्टेट के 32वें राष्ट्रपति

जवाहरलाल नेहरू

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 14 नवंबर, 1889 से 27 मई, 1964
- इलाहाबाद
- राजनीति

कार्य :
- भारत के प्रथम प्रधानमंत्री

लाल बहादुर शास्त्री

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 02 अक्टूबर, 1904 से 11 जनवरी, 1966
- मुगलसराय (उ.प्र.), भारत
- राजनीति

कार्य :
- स्वतंत्र भारत के दूसरे प्रधानमंत्री (9 जून, 1964-11 जनवरी, 1966)
- 1920 में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में सम्मिलित
- उनका प्रसिद्ध नारा है: 'जय जवान, जय किसान'

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

लाल कृष्ण आडवानी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 08 नवंबर, 1927 – करांची, पाकिस्तान
- भारतीय राजनीति
- भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता

कार्य :
- भारत के 7वें उपप्रधानमंत्री
- गृहमंत्री (1998-2004)

व्लादिमिर लेनिन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 22 अप्रैल, 1870 से 21 जनवरी 1924
- सिम्ब्रिस्क, रूस
- रूसी कम्यूनिस्ट क्रांतिकारी
- राजनीति
- राजनीतिक सिद्धांत

कार्य :
- रूसी गणतंत्र सरकार के प्रमुख (1917-1918)
- सोवियत फेडरेटिव सोशलिस्ट रिपब्लिक 1918-1924
- सोवियत यूनियन – 1922-1924

महात्मा गांधी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 2 अक्टूबर, 1869 से 30 जनवरी, 1948
- पोरबंदर काठियावाड़, गुजरात
- भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी
- समाज सुधारक

कार्य :
- अहिंसा सत्याग्रह
- असहयोग आंदोलन (1920)
- सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930)
- सत्य और अहिंसा के पुजारी

मदन मोहन मालवीय

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 दिसंबर, 1918 से 12 नवंबर, 1946
- इलाहाबाद (उ. प्र.)
- राजनीति
- शिक्षा क्षेत्र में अग्रणी

कार्य :
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के दो बार अध्यक्ष
- बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के संस्थापक
- 'द लीडर' अंग्रेजी समाचार पत्र के संस्थापक

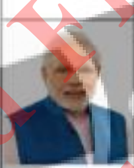

नरेंद्र दामोदर दास मोदी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 17 सितंबर, 1950
- वाडनगर, गुजरात
- राजनीति

कार्य :
- 26 मई, 2014 से भारत के प्रधानमंत्री का कार्यभार संभाला
- भारतीय जनता पार्टी के नेता

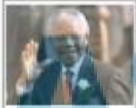

नेल्सन मंडेला

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 18 जुलाई, 1918 से 5 दिसम्बर, 2013
- दक्षिण अफ्रीका की अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस अध्यक्ष
- रंग-भेद की नीति के विरुद्ध संघर्ष किया, जिससे 1962-1990 तक 28 वर्ष जेल में व्यतीत किया।

कार्य :
- 1994 में दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति बने।
- 1990 में भारत रत्न से सम्मानित

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDY MASTER
LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

नेताजी सुभाषचंद्र बोस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 23 जनवरी, 1897 से 18 अगस्त, 1945
- कटक
- राजनीति
- भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

कार्य :
- 1938-39 में कांग्रेस अध्यक्ष
- 1943 में 'आजाद हिंद फौज' की स्थापना

माओ जेडांग

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 26 दिसम्बर, 1893 से 9 सितम्बर, 1976
- शाओशान गाँव, हुनान प्रोविंस, चीन
- राजनीति

कार्य :
- पिपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के संस्थापक
- चीन में कम्युनिस्ट क्रांति के जनक
- माओइज्म

सामाजिक क्षेत्र में कर्मठ व्यक्तित्व

अजीम प्रेम जी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 24 जुलाई, 1945
- मुंबई
- सुविख्यात भारतीय उद्योगपति
- निवेशक
- उदारपूर्ण व्यक्तित्व के धनी

कार्य :
- विप्रो लिमिटेड के चेयरमैन
- अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के संस्थापक

फ्लोरेंस नाइटिंगेल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 मई, 1820 से 13 अगस्त, 1910
- फ्लोरेंस, इटली
- समाज सुधारक

कार्य :
- इंग्लैंड की नर्स और आधुनिक नर्सिंग प्रणाली के संस्थापक
- 'लेडी विद लैंप' के नाम से विख्यात

मलाला यूसुफजई

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 जुलाई, 1997
- मिंगोरा, पाकिस्तान
- महिला शिक्षा के लिए पाकिस्तानी कर्मठ व्यक्तित्व

कार्य :
- नोबल पुरस्कार विजेताओं में सबसे युवा
- बाल अधिकारों हेतु 'वर्ल्ड चिल्ड्रन प्राइज'

मेधा पाटकर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1 दिसंबर, 1954
- मुंबई
- सामाजिक कार्यकर्ता

कार्य :
- नर्मदा बचाओ आंदोलन के संस्थापक सदस्य
- प्रसिद्ध पर्यावरणविद्

राजाराम मोहन राय

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 22 मई, 1772 से 27 सितंबर, 1833
- राधानगर, पश्चिम बंगाल
- सामाजिक, राजनीतिक कार्यकर्ता

कार्य :
- ब्रह्म समाज के संस्थापक
- सती प्रथा, बहु विवाह, बाल विवाह की प्रथा का अंत किया।

विनोबा भावे

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 11 सितंबर, 1895 से 15 नवंबर, 1982
- गागोडे बुद्रुक, महाराष्ट्र
- सामाजिक एवं राजनीतिक कार्यकर्ता

कार्य :
- भूदान आंदोलन (भूमिहीनों को जमीन देने हेतु)
- गोवध पर रोक के लिए आंदोलन चलाया।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

बाबा आम्टे

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 26 दिसंबर, 1914 से 9 फरवरी, 2008
- हिंगनघाट, वर्धा, गुजरात
- सामाजिक कार्यकर्ता, मानवाधिकारों के पक्ष में

कार्य :
- कुष्ठ रोगियों की सेवा के लिए तत्पर
- नागपुर में कुष्ठ सेवा आश्रम 'आनंद वन' की स्थापना।
- मैगसेसे पुरस्कार से सम्मानित।

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

हिरोडोटस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 485-425 ई. पू.
- हैलिकार्नेसस, एशिया मिनार
- प्रमुख इतिहासकार

कार्य :
- इतिहास के जनक के रूप में विख्यात
- महान् यूनानी प्रथम इतिहासकार

गौतम बुद्ध

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 563-483 ई. पू.
- लुम्बिनी (वर्तमान में नेपाल)
- धर्म दर्शन

कार्य :
- चार महान सत्य जीवन के
- अष्टाध्यायी मार्ग
- निर्वाण
- बुद्धिज्म के प्रणेता

एलेक्जेंडर महान

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 20 या 21 जुलाई, 356 - 10 या 11 जून, 323 ई. पू.
- पेल्ला, मेकेडन, यूनान
- योद्धा एवं कुशल विजेता

कार्य :
- विशाल सैनिक टुकड़ी तैयार करने वाला योद्धा
- 32 साल की अल्पायु में (मलेरिया से मृत्यु)
- कुशल योद्धा के रूप में ख्याति
- 20 शहरों के नाम स्वयं के नाम पर आधारित, जैसे इजिप्ट का अलेग्जेंड्रिया
- ग्रीक भाषा सभ्यता का विस्तार

प्लेटो

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 428/427 या 424/423 से 348/347 ई. पू.
- एथेंस, यूनान
- दर्शनशास्त्री
- सुकरात के शिष्य एवं अरस्तू के गुरु

कार्य :
- एकेडमी इन एथेंस का संस्थापक
- रिपब्लिक (ग्रीक) पुस्तक के लेखक

अरस्तू

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 384-322 ई. पू.
- स्टैजिरा, चाल्सिडिक, उत्तर यूनान
- यूनानी दार्शनिकता एवं अध्यापक

कार्य :
- प्लेटो के शिष्य एवं युवा राजकुमार एलेक्जेंडर के शिक्षक
- एथेंस में 'लीसियम' के संस्थापक

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अशोक महान

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 304-232 ई. पू.
- पाटलिपुत्र, पटना
- मौर्य साम्राज्य का महान शासक

कार्य :
- कलिंग युद्ध
- बौद्ध धर्म को एशिया भर में फैलाया
- भारतीय उप महाद्वीप का प्रथम शासक

जूलियस सीजर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 13 जुलाई, 100 - 15 मार्च, 44 ई. पू.
- रोम
- रोमन गणराज्य का तानाशाह शासक

कार्य :
- रोमन गणराज्य के पतन एवं रोमन साम्राज्य के उदय के लिए जिम्मेदार
- पहला रोमन जनरल जिसने राइन नदी पर पुल निर्मित करवाया।

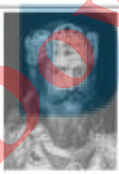

चार्लमैग्न (चार्ल्स द ग्रेट)

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 2 अप्रैल, 742 - 28 जनवरी, 814
- आचेन (जर्मनी)
- इतिहास के महान् शासक का दर्जा हासिल

कार्य :
- आधुनिक फ्रांस, जर्मनी की स्थापना
- पवित्र रोमन इम्पायर की आधारशिला रखी।
- यूरोप के जनक के रूप में विख्यात

ओलिवर क्रोमवेल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 अप्रैल, 1599 - 3 सितंबर, 1658
- हंटिंग्डनशायर इंग्लैंड
- राष्ट्र समूहों इंग्लैंड, स्कॉटलैंड और आयरलैंड के प्रथम लॉर्ड प्रोटेक्टर।

कार्य :
- डिप्टी कमांडर न्यू मॉडल आर्मी के
- 1642 के सिविल वार में आर्म्ड फोर्स का प्रबंध कुशलतापूर्वक किया।

चंगेज खान

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1162-18 अगस्त, 1227
- खेन्टी माउंटेंस, मंगोलिया
- शासक

कार्य :
- मंगोल साम्राज्य के संस्थापक
- मंगोल साम्राज्य में धार्मिक सहिष्णुता में बढ़ोतरी

बाबर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 14 फरवरी, 1483 - 26 दिसम्बर, 1530
- फरगना
- मुगल वंश का संस्थापक, मध्य एशिया स्थित फरगना का शासक

कार्य :
- पानीपत के प्रथम युद्ध (1526 ई.) में इब्राहिम लोदी को हरा कर भारत में मुगल वंश की स्थापना की।
- तुर्की भाषा में अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-बाबरी (बाबरनामा) लिखी।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अकबर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 15 अक्टूबर, 1542 – 27 अक्टूबर, 1605
- अमरकोट, राजपूताना (वर्तमान में सिंध पाकिस्तान)
- तीसरा मुगल शासक

कार्य :

- 1576 ई. के हल्दीघाटी के प्रसिद्ध युद्ध में अकबर के सेनापति मानसिंह ने मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप को हराया।
- 1571 में आगरा से 36 कि.मी. दूर फतेहपुर सीकरी नामक नगर की स्थापना एवं बुलंद दरवाजा का निर्माण।
- फतेहपुर सीकरी में धार्मिक परिचर्चा हेतु इबादतखाने की स्थापना (1575 ई.)
- दक्षिण विजय के अंतर्गत अकबर ने खानदेश, अहमदनगर एवं असीरगढ़ जीता।

शिवाजी भोंसले

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 19 फरवरी, 1630 – 3 अप्रैल, 1680
- शिवनेरी फोर्ट, महाराष्ट्र
- मराठा किंग
- पिता – शाहजी भोंसले, माता – जीजाबाई

कार्य :

- मराठा साम्राज्य के संस्थापक
- मराठी एवं संस्कृत भाषा के विकास पर बल
- 1674 में शिवाजी ने रायगढ़ के दुर्ग में महाराष्ट्र के आजाद शासक के तौर पर अपना राज्याभिषेक कराया और 'छत्रपति' की उपाधि ग्रहण की।
- शिवाजी के प्रशासन की मुख्य विशेषता थी कि उनके आठ प्रमुख मंत्री थे। जिन्हें 'अष्टप्रधान' कहा जाता था।

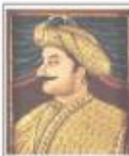

टीपू सुल्तान

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 20 नवंबर, 1750 – 04 मई, 1799
- देवानहल्ली, बंगलोर
- मैसूर राज्य का शासक

कार्य :

- द्वितीय आंग्ल-मैसूर युद्ध में (1780-84 ई.) में हैदरअली की लड़ते हुए मृत्यु हो गई तब उसके बेटे टीपू सुल्तान ने उसका स्थान लिया।
- लार्ड कार्नवालिस के समय में तृतीय आंग्ल-मैसूर युद्ध में (1790-1792 ई.) अंग्रेज निज़ाम और मराठों ने मिलकर टीपू को हरा दिया, तब उसे श्री रंगपट्टनम की संधि करनी पड़ी।
- टीपू को 'मैसूर का शेर' कहा जाता था।

रानी लक्ष्मीबाई

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 19 नवंबर, 1828 – 18 जून, 1858
- वाराणसी (उ.प्र.), भारत
- झांसी की रानी
- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी

कार्य :

- 1857 की क्रांति में अंग्रेजों के विरुद्ध लड़ाई
- भारत की स्वतंत्रता की लड़ाई में पहली महिला वीर योद्धा
- ग्वालियर के युद्ध में लड़ते-लड़ते शहीद

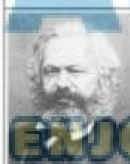

कार्ल मार्क्स

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 5 मई, 1818 – 14 मार्च 1883
- राइनलैंड-पलाटिनेट, जर्मनी
- विश्व प्रसिद्ध विचारक

कार्य :

- 'दास कैपिटल' और 'कम्युनिस्ट मैनिफेस्टो' के लेखक
- विश्व भर में मार्क्स के विचारों को मान्यता
- 1917 में हुई रूसी क्रांति मार्क्स दर्शन के परिणामस्वरूप

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

रानी विक्टोरिया

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 24 मई, 1819 – 22 जनवरी, 1901
- केनसिंगटन पैलेस, लंदन
- यूनाइटेड किंगडम (इंग्लैंड) की महारानी

कार्य :
- ब्रिटिश भारत की पहली साम्राज्ञी
- जून, 1837 में 18 साल की उम्र में रानी बनीं।
- लम्बे समय तक ब्रिटिश की रानी (लगभग 60 साल से अधिक)

मुहम्मद अली जिन्ना

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 दिसंबर, 1876-11 सितंबर, 1948
- कराची, पाकिस्तान
- भारतीय राजनीति
- पाकिस्तान के प्रथम गवर्नर जनरल

कार्य :
- पाकिस्तान के संस्थापक
- ऑल इंडिया मुस्लिम लीग के राजनीतिक नेता

रानी एलिजाबेथ-II

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 21 अप्रैल, 1926
- मेफेयर, लंदन
- यूनाइटेड किंगडम एवं अन्य राष्ट्र समूहों की रानी

कार्य :
- दुनिया की सबसे अधिक उम्र की साम्राज्ञी, जिन्होंने ब्रिटेन में लम्बे समय तक शासन किया।
- 1952 से रानी ने 3500 से अधिक राजसी अधिनियम संसद को दिए।

मिखाइल गोर्बाचेव

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 2 मार्च, 1931
- प्रिवोल्नोय, स्टैवरोपोल क्राइ, रसियन एस. एफ. एस. आर., सोवियत यूनियन
- राजनीतिज्ञ एवं सोवियत संघ के राष्ट्रपति

कार्य :
- गोर्बाचेव ने शीत युद्ध को समाप्त करने एवं बर्लिन दीवार को हटाने में जी–जान से अधिक प्रयास किया।
- संयुक्त सोवियत संघ के अंतिम राष्ट्रपति, जिनके नेतृत्व में पारम्परिक सोवियत शासन का अंत हुआ।

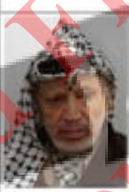

यासर अराफात

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 24 अगस्त, 1929 – 11 नवंबर, 2004
- काहिरा, इजिप्ट
- फिलिस्तीनी राजनीति

कार्य :
- फिलिस्तीन के राष्ट्रपति
- फिलिस्तीनी लिबरेशन आर्गेनाइजेशन (पी. एल. ओ.) के संस्थापक
- इनके समय में हम्मास और अन्य कट्टरपंथी संगठन पूरी शक्ति से उभरे।
- 1968 से फिलिस्तीन मुक्ति मोर्चे के नेता और पी. एल. ओ. के सबसे बड़े गुरिल्ला दल के नेता

भौगोलिक क्षेत्र के ख्यातिलब्ध व्यक्तित्व

अमेरिगो वेस्पुकी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 9 मार्च, 1454 – 22 फरवरी, 1512
- फ्लोरेंस, इटली
- इटालियन खोजकर्ता

कार्य :
- प्रथम व्यक्ति जिन्होंने उत्तरी और दक्षिणी अमेरीका को महाद्वीप का दर्जा देने की सिफारिश की।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

टॉलेमी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 100-170 ई. पू.
- अलेक्जेंड्रिया, इजिप्ट
- इजिप्सियन भूगोलविद्

कार्य :
- भौगोलिक ज्ञान को विस्तृत रूप से समझने के लिए (खोज एवं तकनीक) नक्शे की रचना की।

शिबा प्रसाद चटर्जी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 22 फरवरी, 1903 – 27 फरवरी, 1989
- कोलकाता
- भूगोल के प्रोफेसर

कार्य :
- अंतर्राष्ट्रीय भौगोलिक संघ के अध्यक्ष (1964-1968)
- 'मेघालय' नाम दिए जाने का सुझाव दिया।
- मरचिसन अवार्ड 1959 एवं पद्म भूषण सम्मान 1985

वैभव कौल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1991
- भूगोलवेत्ता एवं पर्यावरणविद्

कार्य :
- रॉयल ज्योग्राफिकल सोसायटी एवं रॉयल एसियाटिक सोसायटी पर शोध, एनवायरमेंटल चेंज इंस्टीट्यूट, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के पूर्व छात्र

जॉन पॉल गोडे

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1862-1932
- स्टेवार्टविले, यूनाइटेड स्टेट
- भूगोलवेत्ता एवं मानचित्रकार

कार्य :
- गोडे का विश्व मानचित्र

इब्न बतूता

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 फरवरी, 1304 – 1368
- तंजियेर, मोरक्को
- भूगोलवेत्ता, खोजकर्ता

कार्य :
- विस्तृत दूरी वाली यात्राओं के लिए प्रख्यात
- अब तक के महान खोजकर्ता, तीस वर्षों की यात्रा में महत्त्वपूर्ण दस्तावेजों को एकत्र करने का कार्य।

विलियम मोरिस डेविस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 फरवरी, 1850 – 05 फरवरी, 1934
- फिलाडेल्फिया, पेनसिल्वेनिया
- भूगोलवेत्ता

कार्य :
- अमेरिकन भूगोल के जनक
- भौगोलिक घटना चक्र
- भू-क्षरण का घटना चक्र

राखालदास बनर्जी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 अप्रैल, 1885 – 23 मई, 1930
- मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल
- पुरातत्व विज्ञान, शिलालेख वेत्ता

कार्य :
- मोहनजोदड़ो के नष्ट होने के कारण को ज्ञात करना।

पी. बी. देसाई

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1910 – 1974
- गुरमित्कल गाँव, जिला-गुलबर्गा, कर्नाटका
- शिलालेखवेत्ता

कार्य :
- पुस्तकें : हिस्ट्री ऑफ विजयनगर एम्पायर, जैनिज्म इन साउथ इंडिया, सम जैन इंसक्रिप्संस, हिस्ट्री ऑफ एंसिएंट इंडिया इन कनाडा।
- कर्नाटक में बौद्ध स्थानों की खोज, शक्ति पूजा विधियों पर कार्य, पंढरपुर का पाण्डरंगा एवं स्थानों के नामों का इतिहास।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

एच. कृष्णा शास्त्री

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 16 सितंबर, 1870 - 8 फरवरी, 1928
- हास्कोट, मैसूर
- शिलालेखवेत्ता

कार्य :
- अशोक के शिलालेखों पर ब्राह्मी का अर्थ ज्ञात करना।
- तमिल-ब्राह्मी वाले शिला लेखों का अर्थ ज्ञात करना।

धार्मिक क्षेत्र के ख्यातिलब्ध व्यक्तित्व

महावीर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 599-527 ई. पू.
- क्षत्रियकुंड, वैशाली, बिहार
- 24वें जैन तीर्थंकर

कार्य :
- जैन धर्म के संस्थापक
- तप करने का सिद्धांत
- शाकाहारी बनने पर विशेष बल
- अहिंसा, सत्य बोलने, चोरी न करने, ब्रह्मचर्य रहने और अपरिग्रह, इन बातों पर जीवन में विशेष बल देने का सिद्धांत

कनफ्यूसियस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 551 - 479 ई. पू.
- ज़ोउ लू स्टेट, क्यू फू शांडोंग, चीन
- नैतिक दर्शन

कार्य :
- चीनी दार्शनिक
- कास्मोलोजी (नि:सर्ग), राजनीति व मूल्यों की प्रणाली के जनक। इसे कन्फ्यूशियनिज्म नाम से भी जाना जाता है।

आदि शंकर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 788-820 CE
- कलडी, एर्नाकुलम, केरला
- हिंदू दार्शनिक, ब्रहमज्ञानी

कार्य :
- अद्वैत वेदांत की व्याख्या
- ब्रह्मसूत्र भाष्य की स्थापना

गुरुनानक देव

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 अप्रैल, 1469 - 22 सितंबर, 1539
- तलवंडी (वर्तमान में नानक साहिब, पंजाब, पाकिस्तान निकट लाहौर)
- सिख धर्म के संस्थापक

कार्य :
- गुरु ग्रंथ साहिब
- गुरु नानक ईफेसाइज्ड नाम जप
- लंगर

मोइनुद्दीन चिश्ती

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1141 - 1236
- चिस्त, अफगानिस्तान
- इस्लामिक स्कालर एवं दार्शनिक

कार्य :
- भारतीय उप महाद्वीप में चिश्ती आर्डर ऑफ सूफिज्म की स्थापना
- प्रसिद्ध पुस्तक: अनीस-अल-अरवाह और दलील-अल-आरिफिन
- अजमेर शरीफ दरगाह

निजामुद्दीन औलिया

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1238 - 3 अप्रैल, 1325
- बदायूँ (उ. प्र.)
- सूफी संत

कार्य :
- मानवता का संदेश दुनिया भर में फैलाने का प्रयास
- चिश्ती निजामी आर्डर के संस्थापक

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मार्टिन लूथर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 10 नवंबर, 1483 – 18 फरवरी, 1546
- इस्लेबेन, होली रोमन सम्राट, जर्मन
- ब्रह्मविद्या के जर्मन प्रोफेसर, पुजारी, संत

कार्य :
- नाइन्टी फाइव थीसिस, लार्ज केटेसिज्म, स्माल केटेसिज्म, आन द फ्रीडम ऑफ ए क्रिश्चियन
- बाइबल का जर्मन में अनुवाद

जॉन कैलीन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 10 जुलाई, 1509 – 27 मई, 1564
- नोयोन, फ्रांस
- ब्रह्मज्ञानी, धर्मगुरु

कार्य :
- मुख्य कार्य था ईसाई धर्म का ज्ञान लैटिन में प्रकाशित कराना।

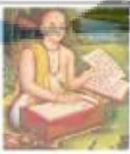

तुलसीदास

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1532 – 1623
- राजापुर, उत्तर प्रदेश, भारत
- कवि, संत, समाज सुधारक एवं दार्शनिक

कार्य :
- प्रमुख विख्यात साहित्य : रामचरित मानस, विनय पत्रिका, गीतावली, दोहावली, हनुमान चालीसा

गुरु गोविंद सिंह

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 22 दिसंबर, 1666 – 7 अक्टूबर, 1708
- पटना, बिहार
- 10वें सिख गुरु

कार्य :
- खालसा पंथ की स्थापना (अंतिम गुरु) (1699)
- सिख संप्रदाय के लिए पाँच चीजें अपनाने पर बल दिया – केश, कंघा, कड़ा, कच्छ और कृपाण।

दयानंद सरस्वती

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 फरवरी, 1824 – 30 अक्टूबर, 1883
- टंकारा, गुजरात
- हिंदू धर्म गुरु

कार्य :
- आर्य समाज की स्थापना
- बौद्धिक विचारों का प्रचार-प्रसार
- प्रसिद्ध पुस्तक : सत्यार्थ प्रकाश (1875)

दलाई लामा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 6 जुलाई, 1935
- तिब्बत के आध्यात्मिक नेता
- तिब्बत में चीनी आधिपत्य के पश्चात भारत में शरण लिया।

कार्य :
- हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला में तिब्बत की निर्वासित सरकार का गठन
- नोबल शांति पुरस्कार (1989)
- पुस्तक: फ्रीडम इन एक्साइल
- वर्तमान में भारत में निर्वासित जीवन

स्वामी विवेकानंद

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12 जनवरी, 1863 – 04 जुलाई, 1902
- गौड़मोहन मुखर्जी स्ट्रीट, कोलकाता
- हिंदू पंथ

कार्य :
- पश्चिमी दुनिया में वेदांत एवं योग दर्शन को प्रतिपादित किया।
- विश्व धर्म सम्मेलन शिकागो में 1893 में भाग लिया।
- रामकृष्ण मिशन मठ की स्थापना।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

शिरडी के साई बाबा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1835 – 1918
- शिरडी, महाराष्ट्र
- आध्यात्मिक गुरु
- कर्मयोगी

कार्य :
- धार्मिक रूढ़िवाद के विरोधी
- धिकर, जनन योग और कर्म योग दर्शन में विश्वास।
- दो विचारपूर्ण शब्द – श्रद्धा, सबूरी।

रामकृष्ण परमहंस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 18 फरवरी, 1836 – 16 अगस्त, 1886
- कमरपुकुर, बंगाल
- भारत के धार्मिक योगी
- रामकृष्ण मिशन की स्थापना स्वामी विवेकानंद ने की (1897)

कार्य :
- तंत्र वैष्णव भक्ति एवं अद्वैत वेदांत के प्रतिपादक
- प्रमुख शिष्य–स्वामी विवेकानंद

श्री अरविंदो

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 अगस्त, 1872 - 5 दिसंबर, 1950
- कोलकाता, बंगाल
- योगी, प्रसिद्ध भारतीय दार्शनिक, (प्रारंभिक जीवन में क्रांतिकारी)

कार्य :
- श्री अरविंदो आश्रम, ऑरोविले के संस्थापक
- साहित्य : 'द लाइफ डिवाइन', 'द सिंथेसिस ऑफ योग', 'सावित्री', 'एजेंडा'
- प्रमुख दर्शन: इंटग्रल योग, इंटेग्रल साइकोलॉजी एवं सुपरमाइंड

व्यावसायिक क्षेत्र के ख्यातिलब्ध व्यक्तित्व

जमशेदजी नसरवान जी टाटा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 3 मार्च 1839 – 19 मई 1904
- नवसारी, गुजरात
- उद्योगपति

कार्य :
- टाटा समूह के संस्थापक, भारत की सबसे बड़ी विभिन्न उत्पाद कंपनियों का समूह
- भारतीय उद्योग के जनक
- मुंबई के ताज होटल के संस्थापक

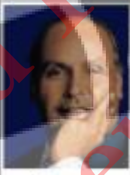

धीरूभाई अम्बानी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 28 दिसंबर, 1932 – 06 जुलाई, 2002
- चोरवड, गुजरात
- ख्यातिप्राप्त बड़े व्यवसायी

कार्य :
- रिलायंस उद्योग के संस्थापक
- टेक्सटाइल कंपनी 'विमल' की शुरुआत की।

हेनरी फोर्ड

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 30 जुलाई, 1863 – 07 अप्रैल, 1947
- ग्रीन फील्ड टाउनशिप, मिशिगन, यू. एस.
- अमेरिकन उद्योगपति

कार्य :
- फोर्ड मोटर कंपनी के संस्थापक
- 'किंग्सफोर्ड' के लिए उपकरण में विकास
- 1926 में कार्य सप्ताह अंतर्गत 8 घंटे के पाँच दिन निर्धारित करने वाले प्रथम व्यक्ति

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 एडोल्फ अल्फ्रेड टाउबमैन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 31 जनवरी, 1924 – 17 अप्रैल, 2015 ▶ पॉंटिएक, मिसिगन, यू. एस. ▶ अमेरिकन रियल स्टेट डेवलपर **कार्य :** ▶ प्रथम बार डिजाइन किए मॉडर्न इनडोर शॉपिंग माल ▶ मिसिगन यूनिवर्सिटी को भारी स्तर पर दान।
 घनश्यामदास बिरला	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 10 अप्रैल, 1894 – 11 जून, 1983 ▶ पिलानी, राजस्थान ▶ उद्योगपति **कार्य :** ▶ हिंदुस्तान मोटर्स की स्थापना ▶ यूनाइटेड कामर्शियल बैंक लि. को अस्तित्व में लाने की धारणा बनाने वाले ▶ 1926 में ब्रिटिश भारत की विधानसभा के लिए चुने गए।
 जे. आर. डी. टाटा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 29 जुलाई, 1904 – 29 नवंबर, 1993 ▶ पेरिस, फ्रांस ▶ साहसिक व्यवसायी (व्यापार में जोखिम उठाने वाले) **कार्य :** ▶ टाटा संस के चेयरमैन ▶ 1929 में प्रथम भारतीय अनुमति प्राप्त वायुयान चालक ▶ टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, टाटा मोटर्स, टाइटन इंडस्ट्रीज, टाटा टी, वोल्टास और एयर इंडिया के संस्थापक ▶ 1992 में भारत रत्न से सम्मानित

 कुमार मंगलम बिरला	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 14 जून, 1967 ▶ कोलकाता ▶ उद्योगपति **कार्य :** ▶ आदित्य बिरला ग्रुप के चेयरमैन ▶ बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड साइंस पिलानी के कुलसचिव (BITS) ▶ आई. आई. टी. दिल्ली के चेयरमैन, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के लिए रोड्स इंडिया स्कॉलरशिप कमेटी के चेयरमैन
 बिल गेट्स	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 28 अक्टूबर, 1955 ▶ सिएटल, वाशिंगटन, यू. एस. ▶ अमेरिकन उद्योगपतियों में श्रेष्ठतम **कार्य :** ▶ माइक्रोसाफ्ट के सह-संस्थापक ▶ विश्व के अमीर व्यक्तियों में से एक, 81.7 बिलियन डालर तक पहुँचा कारोबार ▶ बिल एवं मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की स्थापना (2000)
 साइरस पालोंजी मिस्त्री	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 4 जुलाई, 1968 ▶ मुंबई ▶ उद्योगपति **कार्य :** ▶ टाटा ग्रुप के भूतपूर्व चेयरमैन ▶ शपूरजी पालोनजी एण्ड कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर ▶ अर्थशास्त्रियों के अनुसार भारत, ब्रिटेन एवं आयरलैंड के उद्योगपतियों में महत्त्वपूर्ण

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

डोनाल्ड ट्रंप

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 14 जून, 1946
- जमाइका इस्टेट्स, क्वींस, ए नाइबरहुड इन न्यूयार्क सिटी
- अमेरिकन उद्योगपति, टेलिविजन उत्पादक, राजनीतिज्ञ

कार्य :

- रिपब्लिकन पार्टी द्वारा नामित, जिन्होंने 2016 में यूनाइटेड स्टेट के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए जीत हासिल की।
- 'द ट्रंप आर्गेनाइजेशन' के चेयरमैन एवं अध्यक्ष
- ट्रंप टावर, 1983 में मिडटाउन मैनहट्टन में 58 मंजिला बिल्डिंग 'स्काइ स्क्रैपर' के विकास में योगदान।

दिलीप शांघवी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 01 अक्टूबर, 1955
- अमरेली, गुजरात
- औषधि निर्माण उद्योगपति

कार्य :

- सन फार्मास्युटिकल्स के संस्थापक
- भारत के अमीर व्यक्तियों में से एक (16.9 बिलियन डॉलर तक पहुँचा कारोबार)
- 1982 में सन फार्मास्युटिकल कंपनी की शुरुआत मात्र 10,000 रुपए से की।

गौतम अडानी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 24 जून, 1962
- अहमदाबाद, गुजरात
- ख्यातिप्राप्त उद्योगपति

कार्य :

- अडानी ग्रुप के चेयरमैन एवं संस्थापक
- नई पीढ़ी के साहसिक उद्योगपति
- भारत के सबसे बड़े आधुनिक कामर्शियल पोर्ट 'मुन्द्रा पोर्ट' की स्थापना।

इंदिरा कृष्णमूर्ति नूई

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 28 अक्टूबर, 1955
- चेन्नई, तमिलनाडु
- अमेरिकन उद्योग प्रबंधक

कार्य :

- 'पेप्सिको' के चेयरपर्सन एवं मुख्य प्रबंधक
- विश्व के 100 अति शक्तिशाली महिलाओं में स्थान प्राप्त
- वर्ल्ड जस्टिस प्रोजेक्ट के लिए सम्मानित सह सेवाएँ

लक्ष्मी निवास मित्तल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 15 जून, 1950
- सादुलपुर, राजस्थान
- आयरनमैन ऑफ कोलकाता

कार्य :

- विश्व की सबसे बड़ी स्टील उत्पादक कंपनी आर्सेलर मित्तल के चेयरमैन एवं मुख्य प्रबंधक।
- सदस्य:
  - इंडियन प्राइम मिनिस्टर'स ग्लोबल एडवाइजरी काउंसिल
  - द फारेन इनवेस्टमेंट काउंसिल इन कजाखस्तान
  - द वर्ल्ड इकोनोमिक फोरम'स इंटरनेशनल बिजनेस काउंसिल
  - प्रेसिडेंसियल इंटरनेशनल एडवाइजरी बोर्ड ऑफ मोजाम्बिक

अजीम हाशिम प्रेमजी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 24 जुलाई, 1945
- मुंबई, महाराष्ट्र
- ख्यातिप्राप्त बड़े व्यवसायी

कार्य :

- विप्रो के चेयरमैन
- भारतीय आई टी इंडस्ट्री में श्रेष्ठतम
- 'टाइम' पत्रिका द्वारा 100 अति प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में दूसरी बार चयनित।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 मुकेश धीरूभाई अम्बानी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 19 अप्रैल, 1957 ▸ कोलोनी ऑफ अडेन, येमेन ▸ श्रेष्ठ उद्योगपति **कार्य :** ▸ रिलांयस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन ▸ भारत के सबसे बड़े अमीर व्यक्ति एवं एशिया के दूसरे सबसे बड़े अमीर ▸ भारत के दानदाताओं में पाँचवाँ स्थान
 एन. आर. नारायण मूर्ति	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 20 अगस्त, 1946 ▸ मैसूर, कर्नाटक ▸ आई. टी. उद्योगपति **कार्य :** ▸ एमेरिटस इंफोसिस के चेयरमैन ▸ इंफोसिस के सह-संस्थापक ▸ टाइम पत्रिका के अनुसार – इंडियन आई टी सेक्टर के जनक। ▸ पुस्तक : ए बेटर इंडिया, ए बेटर वर्ल्ड
 रतन नवल टाटा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 28 दिसंबर, 1937 ▸ सूरत, गुजरात ▸ उद्योगपति, निवेशक, दानदाता **कार्य :** ▸ टाटा संस के मध्य चेयरमैन, टाटा ग्रुप के चेयरमैन ▸ टाटा नैनो कार, टाटा इंडिका निर्माण की धारणा बनाया। ▸ टाटा डो-को-मो, टाटा टेलिसर्विसेज के संस्थापक।

 सत्यनारायण नडेला	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 19 अगस्त, 1967 ▸ हैदराबाद, तेलंगाना ▸ अमेरिकन उद्योगपति **कार्य :** ▸ माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सी.ई.ओ.) ▸ माइक्रोसॉफ्ट के 'क्लाउड कम्प्यूटिंग डिविजन' के मार्गदर्शक
 सुनील भारती मित्तल	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 23 अक्टूबर, 1957 ▸ लुधियाना, पंजाब ▸ साहसिक उद्योगपति, दानदाता **कार्य :** ▸ भारती इंटरप्राइजेज के चेयरमैन एवं संस्थापक ▸ भारती एयरटेल ▸ भारती फाउंडेशन
 शिव नादर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 14 जुलाई, 1945 ▸ मोलाईपोझी विलेज, तूतीकोरिन डिस्ट्रिक्ट, तमिलनाडु ▸ उद्योगपति, दानदाता **कार्य :** ▸ एच. सी. एल. एवं एस. एस. एन. ट्रस्ट के चेयरमैन एवं संस्थापक ▸ पद्मभूषण सम्मान-2008
 श्रीचंद परमानंद हिंदुजा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▸ 28 नवंबर, 1935 ▸ शिकारपुर (वर्तमान में पाकिस्तान में) ▸ श्रेष्ठ उद्योगपति, निवेशक **कार्य :** ▸ हिंदुजा ग्रुप के चेयरमैन ▸ ब्रिटिश लीलैंड की जगह अशोक लीलैंड और चेवरान की जगह गल्फ आयल नाम उपार्जित करके दिया।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 सुब्रत रॉय	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 10 जून, 1948 ▶ अररिया, बिहार ▶ उद्योगपति कार्य : ▶ सहारा इंडिया के चेयरमैन एवं संस्थापक ▶ 'द्रव्य एकत्रित पद्धति' को अपनाकर कंपनी की नींव मजबूत कर प्रतिष्ठा अर्जित। ▶ प्रसिद्ध पुस्तक : लाइफ मंत्राज
 विजय शेखर शर्मा	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 15 जुलाई, 1978 ▶ अलीगढ़, उत्तर प्रदेश ▶ साहसिक उद्योगपति (जोखिम उठाने की क्षमता) कार्य : ▶ पे टी एम और वन-97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड के सीईओ और संस्थापक
 प्रणय चुलेट	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 1973 ▶ राजस्थान ▶ साहसिक उद्योगपति (व्यवसाय में जोखिम उठाने की क्षमता) कार्य : ▶ 'क्विकर' के सह-संस्थापक एवं सी. ई. ओ. ▶ 'किनिजि इंडिया' सॉफ्टवेयर की स्थापना
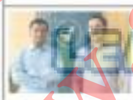 सचिन बंसल और बिन्नी बंसल	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 05 अगस्त, 1981 (सचिन बंसल) ▶ चंडीगढ़ ▶ साहसिक उद्योगपति (इंटरनेट) कार्य : ▶ फ्लिपकार्ट के अधिशासी चेयरमैन और सह-संस्थापक ▶ ET अवार्ड (2012-13)

 डॉ॰ ख्वाजा अब्दुल हमीद	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 31 अक्टूबर, 1898-1972 ▶ अलीगढ़, उत्तर प्रदेश ▶ औषधि निर्माण उद्योगपति कार्य : ▶ संस्थापक प्रोफेसर-जामिया मिलिया इस्लामिया, अलीगढ़ (उ॰ प्र॰) ▶ सिप्ला के संस्थापक (भारत की सबसे पुरानी औषधि निर्माण कंपनी-1935)

खोजकर्ता एवं आविष्कारक

 बेंजामिन फ्रैंकलिन	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 17 जनवरी, 1706 - 17 अप्रैल, 1790 ▶ मिल्क स्ट्रीट, बोस्टन, मसाचुसेट्स, यू. एस. ▶ वैज्ञानिक, आविष्कारक कार्य : ▶ फ्रैंकलिन स्टोव ▶ ग्लास हार्मोनिका ▶ प्रथम व्यक्ति, जिन्होंने बिजली के धनात्मक व ऋणात्मक चार्ज को दिया। ▶ बाईफोकल ग्लासेज
 एलेसान्द्रो वोल्टा	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 18 फरवरी, 1745 - 5 मार्च, 1827 ▶ कोमो, इटली ▶ इटालियन फिजिसिस्ट, केमिस्ट कार्य : ▶ प्रथम आविष्कारक इलेक्ट्रोकेमिकल बैटरी सेल ▶ मीथेन की खोज की
 सैमुअल मोर्से	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 27 अप्रैल, 1791 - 02 अप्रैल, 1872 ▶ पेंटर और आविष्कारक ▶ चार्लस्टोन, मसाचुसेट्स, यू॰एस॰ए॰ कार्य : ▶ एकल टेलिग्राफ वायर की खोज ▶ मोर्स कोड

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

कार्ल बेंज

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 25 नवंबर, 1844 - 04 अप्रैल, 1929
- बाडेन, बुर्टम्बर्ग, जर्मनी
- इंजिन डिजाइनर एवं आटोमोबाइल इंजीनियर

कार्य :
- पेट्रोल पावर्ड कार की खोज

रुडोल्फ डीजल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 18 मार्च, 1858 - 29 सितंबर, 1913
- पेरिस, फ्रांस
- जर्मन आविष्कारक और मैकेनिकल इंजीनियर

कार्य :
- डीजल इंजन के आविष्कारक

जॉन लॉगी बेयर्ड

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 14 अगस्त, 1988 - 14 जून, 1946
- हेलेंसबर्ग, डनबार्टोनशायर, स्कॉटलैंड, यू. के.
- स्कॉटिश इंजीनियर, आविष्कारक

कार्य :
- टेलीविजन के आविष्कारक
- प्रथम बार रिकॉर्डिंग उपकरण का आविष्कार

लुइस जेक्वेश मांडे डाग्यूरे

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 18 नवंबर, 1787 - 10 जुलाई, 1851
- कार्मेल्स-एन-पेरिसिस वाल्ड ओईसे, फ्रांस
- फ्रेंच आर्टिस्ट एवं फोटोग्राफर

कार्य :
- डाग्यूरेयोटाइप प्रासेस ऑफ फोटोग्राफी
- फोटोग्राफी के एक मात्र जनक

इनरिको फेरमी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 29 सितंबर, 1901 - 28 नवंबर, 1954
- रोम, इटली
- इटालियन फिजिसिस्ट

कार्य :
- नाभिकीय रिएक्टर के आविष्कारक
- रेडियोएक्टिविटी की खोज

टिम बर्नर्स ली

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 8 जून, 1955
- लंदन, इंग्लैंड
- अंग्रेजी कम्प्यूटर वैज्ञानिक

कार्य :
- वर्ल्ड वाइड वेब के आविष्कारक
- इंटरनेट के लिए प्रोटोकाल http:// विकसित किया

रेमंड टॉमिलंसन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 23 अप्रैल, 1941 - 05 मार्च, 2016
- एमस्टर्डम, न्यूयॉर्क, यू. एस.

कार्य :
- प्रथम बार ई-मेल प्रणाली के आविष्कारक

एलेग्जेंडर पार्क्स

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 29 दिसंबर, 1813 - 29 जून, 1890
- सुफोक स्ट्रीट, बर्मिंघम, इंग्लैंड
- धातुशोधक, आविष्कारक

कार्य :
- प्रथम व्यक्ति, जिन्होंने प्लास्टिक निर्मित किया।

जोहांसगुटेन-बर्ग

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1398 - 3 फरवरी, 1468
- मेंज, जर्मनी
- लोहार, सुनार, मुद्रक एवं प्रकाशक

कार्य :
- घूमने वाले यांत्रिक मुद्रक (प्रिंटिंग प्रेस) का निर्माण का आविष्कारक

STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 जॉन बॉयड डनलप	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 5 फरवरी 1840 – 23 अक्टूबर 1921 ▶ ड्रेथोर्न, नार्थ आयरशायर, स्कॉटलैंड ▶ स्कॉटिश आविष्कारक **कार्य :** ▶ टायर (हवा भरकर चलने वाले) के पुनः आविष्कारक।
 मेघनाद साहा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 6 अक्टूबर 1893 – 16 फरवरी 1956 ▶ शाओराटोली, ढाका ▶ खगोल भौतिकशास्त्री **कार्य :** ▶ थर्मल आयोनाइजेशन ▶ साहा आयनमण्डल समीकरण
 क्रिस्टोफर कोलंबस	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 1451 – 20 मई, 1506 ▶ जेनोवा, रिपब्लिक ऑफ जेनोवा ▶ इटालियन अन्वेषक, अनुभवी नाविक **कार्य :** ▶ अमेरिका की खोज
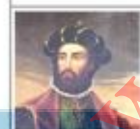 वास्को डि गामा	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 1460 – 24 दिसंबर, 1524 ▶ साइनेस, अलेंतेजो, किंगडम ऑफ पुर्तगाली ▶ पुर्तगाली अन्वेषक **कार्य :** ▶ भारत तक पहुँचने के समुद्री मार्ग की खोज ▶ प्रथम बार यूरोप व एशिया को समुद्री मार्ग से जोड़ा
 एडवर्ड जेनर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 17 मई, 1749 – 26 जनवरी, 1823 ▶ बर्कले, ग्लूकेस्टरशायर, इंग्लैंड ▶ अंग्रेजी चिकित्सक, वैज्ञानिक **कार्य :** ▶ विश्व में प्रथम बार चेचक के टीके की खोज
 मार्को पोलो	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 1254 – जनवरी 8-9, 1324 ▶ वेनिस, रिपब्लिक ऑफ वेनिस ▶ यात्री **कार्य :** ▶ चीन पहुँचने वाले प्रथम यूरोपियन
 डेबिड लिविंगस्टोन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 मार्च, 1813 – 1 मई, 1873 ▶ ब्लैंटायर, साउथ लैनार्कशायर, स्कॉटलैंड, यूनाइटेड किंगडम ▶ अन्वेषक **कार्य :** ▶ अफ्रीका की खोज
 जोसेफ प्रिस्टले	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 24 मार्च 1733 – 6 फरवरी 1804 ▶ बैटले, यार्कशायर ▶ केमिस्ट **कार्य :** ▶ ऑक्सीजन की खोज ▶ खिलाड़ी भाग में जोड़ें
 जॉर्ज स्टीफेंसन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 9 जून 1781 – 12 अगस्त, 1848 ▶ वाइलम, नार्थम्बरलैंड, इंग्लैंड ▶ सिविल इंजीनियर एवं मैकेनिकल इंजीनियर **कार्य :** ▶ विश्व का प्रथम व्यक्ति जिन्होंने भाप इंजन चालन हेतु रेलवे पटरी बनाया ▶ रेलवे के जनक

खेल जगत की हस्तियाँ

 प्रकाश पादुकोन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 10 जून, 1955 ▶ कर्नाटक का उडुप्पी जिला। ▶ बैडमिंटन **कार्य :** ▶ ओलंपिक गोल्ड क्वेस्ट के सह संस्थापक। ▶ भारतीय बैडमिंटन संघ के अध्यक्ष के रूप में सेवा दी। ▶ पहला मुख्य अंतर्राष्ट्रीय खिताब 1978 के राष्ट्रमण्डल खेलों में एडमोंटन कनाडा में जीता। ▶ पहले भारतीय जिन्होंने पुरुष एकल खिताब जीता आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पुलेला गोपीचंद

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 16 नवंबर, 1973
- नागंदला, प्रकसम जिला आंध्रप्रदेश
- बैडमिंटन खिलाड़ी

कार्य :
- भारतीय बैडमिंटन टीम के मुख्य राष्ट्रीय कोच।
- इन्होंने 2001 में ऑल इंग्लैड बैडमिंटन चैंपियनशिप जीता।
- गोपीचंद बैडमिंटन एकेडमी के संस्थापक।

सौरव गांगुली

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 8 जुलाई, 1972
- बेहाला, कोलकाता
- क्रिकेट

कार्य :
- इतिहास के तीसरे बल्लेबाज जिन्होंने 10,000 का आँकड़ा पार किया।
- 318 की सर्वोच्च साझेदारी में राहुल द्रविड़ के साथ शामिल थे। 1999 के क्रिकेट विश्व कप में।

मिलखा सिंह

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1929
- वर्तमान पाकिस्तान के मुजफ्फरगढ़ जिले में
- ट्रैक एवं फील्ड धावक

कार्य :
- 1958 एवं 1962 के एशियन गेम्स में स्वर्ण पदक
- पहले भारतीय एथलेटिक्स जिसने राष्ट्रमण्डल खेलों में व्यक्तिगत रूप में एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता।
- 1960, 400 मीटर ओलंपिक खेल के फाइनल में चौथे स्थान पर समाप्ति की।
- पंजाब के शिक्षा मंत्रालय में खेल के निदेशक के रूप में नियुक्त हुए।

मैरी कोम

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1 मार्च, 1983
- कंगथेइ मणिपुर

कार्य :
- एकमात्र महिला मुक्केबाज जिन्होंने 6 विश्व चैंपियनशिप में सभी में पदक जीता है।
- पहली भारतीय महिला मुक्केबाज जिन्हें 2014 में इंचियोन दक्षिण कोरिया में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक की प्राप्ति हुई।
- 5 बार की विश्व अमेचर मुक्केबाजी चैंपियन।

पी.टी. उषा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 27 जून, 1964
- पथ्योली, कोझीकोडे, केरला
- ट्रेक एवं फील्ड धावक

कार्य :
- 'पथ्योली एक्सप्रेस' के रूप में उपनामित।
- कोइलण्डी में 'उषा स्कूल ऑफ एथलेटिक्स' की संस्थापक।
- इन्होंने सन् 1982 में नई दिल्ली के एशियाई खेलों में 100 मीटर एवं 200 मीटर में रजत पदक हासिल किया।
- 1983, कुवैत में हुए 400 मीटर एशियाई ट्रैक एवं फील्ड चैंपियनशिप (ए. टी. एफ.) में स्वर्ण पदक भी जीता।
- सन् 1983-89 तक उषा में ने 13 स्वर्ण पदक संचित किए, 1986- सियोल में हुए 10वें एशियाई ट्रैक एण्ड फील्ड चैंपियनशिप में 4 स्वर्ण एवं 1 रजत प्राप्त किए।
- 1985 जकार्ता में हुए 6 वें (ए.टी.एफ.) चैंपियनशिप में 5 स्वर्ण पदक जीते।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 पुसरला वेंकट सिंधु (पी.वी. सिंधु)	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 5 जुलाई, 1995 ▶ हैदराबाद, तेलंगाना ▶ बैडमिंटन **कार्य :** ▶ 2009 एशियन सब जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीता। ▶ ईरान फजू अंतर्राष्ट्रीय बैडमिंटन प्रतियोगिता 2010 के महिला एकल में रजत पदक जीता। ▶ एशिया युवा अंडर.19 चैंपियनशिप भी अपने नाम किया (2012) ▶ मकाउ ओपन ग्रैंड प्रिक्स 2013ए विश्व बैडमिंटन प्रतियोगिता के महिला एकल में भारत की ओर से पहला पदक इसने प्राप्त किया। ▶ 2016 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक रियो की महिला एकल स्पर्धा में रजत पदक जीता।
 सुनील गावस्कर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 10 जुलाई, 1949 ▶ मुम्बई (महाराष्ट्र) ▶ क्रिकेटर **कार्य :** ▶ एक टेस्ट की दोनों पारियों में 3 बार शतक लगाने वाले पहले खिलाड़ी। ▶ 10,000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज। ▶ अंतरिम बी.सी.सी.आई. अध्यक्ष, मुख्य रूप से इंडियन प्रीमियर लीग के 7वें सत्र की देखरेख के लिए। ▶ किताबें- 'सनी डेज' (आत्मकथा), 'आइडलस', 'रन एण्ड रूईन्स' 'वन डे वण्डर'।

 कपिलदेव	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 6 जनवरी, 1959 ▶ चण्डीगढ़, पंजाब ▶ क्रिकेटर **कार्य :** ▶ इनकी कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम ने 1983 में विश्व कप जीता। ▶ क्रिकेट के इतिहास में 400 से अधिक विकेट लेने वाले एकलौते खिलाड़ी। (434 विकेट) ▶ टेस्ट में भी 5000 से ज्यादा रन बनाए। ▶ सबसे कम उम्र के टेस्ट क्रिकेटर जिन्होंने 100, 200 और 300 विकेट लिए।
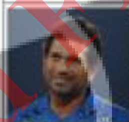 सचिन तेंदुलकर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 24 अप्रैल, 1973 ▶ दादर, मुंबई, महाराष्ट्र ▶ क्रिकेट **कार्य :** ▶ सदी के महानतम् बल्लेबाज के रूप में माने गए। ▶ एकमात्र खिलाड़ी जिन्होंने 100 अंतर्राष्ट्रीय शतक बनाए। ▶ एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में दोहरा शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज। ▶ भारत रत्न 2013 ▶ राज्यसभा के लिए मनोनीत। ▶ "अपनालय" मुंबई स्थित गैर सरकारी संगठन के माध्यम से 200 गरीब बच्चों को हर साल प्रायोजित करते हैं। ▶ आत्मकथा- 'प्लेयिंग इट माय वे'
 राहुल द्रविड	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 11 जनवरी, 1973 ▶ इंदौर, मध्यप्रदेश ▶ क्रिकेट **कार्य :** ▶ साल के सर्वोच्च खिलाड़ी का खिताब (टेस्ट एवं एकदिवसीय) 2004 के आई. सी.सी. पुरस्कार समारोह में प्राप्त हुआ। ▶ पहले और एकमात्र खिलाड़ी जिन्होंने सभी 10 टेस्ट खेलने वाले देशों में शतक जमाया।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

नारायण कार्तिकेयन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 14 जनवरी, 1977
- कोयंबटूर, तमिलनाडु
- फार्मूला वन मोटर रेसिंग ड्राइविंग

कार्य :
- भारत के पहले फार्मूला वन रेसर। (1994)
- पहली ब्रिटिश फार्मूला फोर्ड विंटर सिरिज। पहला फार्मूला एशिया 1996

मिहिर सेन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 16 नवम्बर, 1930 - 11 जून 1997
- पुरूलिया, वेस्ट बंगाल
- तैराकी

कार्य :
- 1958 में डोवर से कैलाइस तक इंगलिश चैनल जीतने वाले पहले भारतीय।
- एक मात्र तैराक जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में (1966) 5 महाद्वीपों के सागर की तैराकी की।
- 'गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड' में शामिल।
- भारत शासन के द्वारा 1967 में ब्लीट्ज नेहरू ट्राफी।

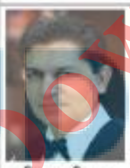

गीत श्रीराम सेठी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 17 अप्रैल, 1961
- दिल्ली
- बिलियड्र्स

कार्य :
- 1985 बी.सी.एस.एफ. ''वर्ल्ड अमेच्युर बिलियर्डस चैंपियनशिप'' जीता।
- वर्ल्ड प्रोफेशनल बिलियर्डस चैंपियन रहे (1992, 1993, 1995, 1998, 2006) में
- लगातार 4 बार भारतीय राष्ट्रीय स्नूकर चैंपियनशिप जीता।
- दुनिया की पहली अमेच्युर स्पर्धा में 147 की अधिकतम ब्रेक।

ध्यानचंद

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 29 अगस्त, 1905 – 3 दिसंबर, 1979
- इलाहाबाद, (उत्तर प्रदेश)
- हॉकी

कार्य :
- अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 400 से ज्यादा गोल किए।
- फील्ड हॉकी में 3 ओलंपिक स्वर्ण पदक (1928, 1932, 1936) प्राप्त किए।
- इनका जन्म दिवस 29 अगस्त भारत में 'राष्ट्रीय खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

धनराज पिल्ले

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 16 जुलाई, 1968
- खड़की, पुणे, महाराष्ट्र
- हॉकी

कार्य :
- वर्तमान में भारतीय हॉकी टीम के प्रबंधक।
- भारतीय हॉकी महासंघ तदर्थ समिति के सदस्य।
- एकमात्र खिलाड़ी जिन्होंने 4 ओलंपिक, 4 विश्वकप, 4 चैंपियंस ट्रफी एवं 4 एशियाई खेलों के प्रतियोगी रहें।
- इनकी कप्तानी में भारत ने एशिया खेल (1998) एवं एशिया कप जीता (2003)।

बाईचुंग भुटिया

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 दिसम्बर, 1976
- तिनकीतम, सिक्किम
- फुटबॉल

कार्य :
- 3 बार भारत में साल के सर्वोच्च खिलाड़ी रहे।
- नेहरू कप, एल.जी. कप, एस.ए.एफ.एफ. चैंपियनशिप 3 बार एवं ए.एफ.सी. चैलेंज कप जीता।
- पहले भारतीय एथलीट जिन्होंने तिब्बती स्वतंत्रता आन्दोलन के समर्थन में ओलंपिक मशाल रिले का बहिष्कार किया।
- बाईचुंग भुटिया फुटबाल स्कूल दिल्ली, के संस्थापक।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अभिनव बिंद्रा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 28 सितंबर, 1982
- देहरादून, उत्तराखण्ड
- शूटिंग

कार्य :
- 2008 बीजिंग ओलंपिक में एकमात्र स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय।
- कामनवेल्थ गेम्स ग्लासगो में भी स्वर्ण पदक हासिल किए।

लिएंडर पेस एड्रियन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 17 जून, 1973
- कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- टेनिस

कार्य :
- 8 युगल एवं 10 मिश्रित युगल के ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।
- 1996 एटलांटा ओलंपिक गेम्स में एकल में भारत के लिए कांस्य पदक जीता।
- डेविस कप युगल की सबसे ज्यादा रिकार्ड जीत इनके नाम।

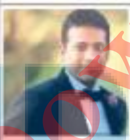

महेश श्रीनिवास भूपति

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 7 जून, 1974
- चेन्नई
- टेनिस

कार्य :
- ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने वाले पहले भारतीय।
- अंतर्राष्ट्रीय प्रीमियर टेनिस लीग के संस्थापक।
- फ्रेंच ओपन एवं विम्बलडन में लिएंडर पेस के साथ 3 युगल खिताब जीते।
- 4 पुरुष एवं 8 मिश्रित युगल ग्रैंड स्लैम में खिताब जीता।

सानिया मिर्जा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 नवंबर, 1986
- मुंबई (महाराष्ट्र)
- टेनिस

कार्य :
- वर्तमान महिला युगल में रैंक – प्रथम।
- 3 बड़े बहु खेल स्पर्धा, एशियाई, कॉमनवेल्थ एवं एफ्रो एशियन खेलों में कुल 14 पदक । इसमें 6 स्वर्ण शामिल हैं।
- भारत में ग्रैंड स्लैम 2006 में वरीयता प्राप्त करने वाली प्रथम महिला।

शुभम जागलान

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 16 अगस्त, 2004
- इसराना, पानीपत, हरियाणा
- गोल्फ

कार्य :
- 2015 में जूनियर, विश्व गोल्फ चैंपियनशिप जीती।
- वर्ष 2013 में "वर्ल्ड मास्टर ऑफ जूनियर गोल्फ का खिताब एवं 2016 में यूरोपियन जूनियर चैंपियनशिप।

साक्षी मलिक

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 3 सितंबर, 1992
- रोहतक, हरियाणा
- फ्री स्टाइल, रेसलर

कार्य :
- ओलंपिक में पदक जीतने वाली भारत की प्रथम महिला पहलवान
- 2016 रियो ओलंपिक के 58 किग्रा. श्रेणी में कांस्य पदक हासिल किया।
- ग्लास्गो, कामनवेल्थ 2014 में रजत पदक।
- 2015 एशियाई रेसलिंग दोहा में कांस्य पदक जीता।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विश्वनाथन आनंद

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 11 दिसंबर, 1969
- मथिलादुथुराई, तमिलनाडु
- शतरंज

कार्य :
- भारत के पहले 'ग्रैंडमास्टर' खिताबधारी 1988 के।
- 2000 से 2002 तक एफ. आई.डी.ई. शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया।
- विश्व शतरंज चैंपियनशिप के 5 बार के विजेता जोकि 2007-2013 तक विश्व रैंकिंग में नम्बर- 1 रहे।

करनम मल्लेश्वरी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1 जून, 1975
- अमदलवलासा, श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश
- भारोत्तोलन

कार्य :
- 54 किग्रा. संभाग में विश्व खिताब सन् 1994, 1995 में जीता।
- 2000 ओलंपिक में कांस्य पदक।
- ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला।

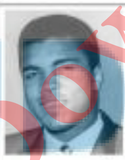

मुहम्मद अली

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1942. जून 3, 2016
- लुइसविल, केंटकी (यू.एस.)
- मुक्केबाजी

कार्य :
- 1960 ग्रीष्म ओलंपिक रोम, 18 साल की उम्र में लाइट हैवीवेट संभाग में स्वर्ण पदक जीता।
- 22 साल की उम्र में 1964 में डब्लू.बी.ए. एवं डब्लू.वी.सी. हैवीवेट खिताब जीता।
- रिकार्ड 56 जीत दर्ज की जिसमें 37 वाकआउट एवं 5 में हारे।

डान ब्रैडमैन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 27 अगस्त, 1908-25 फरवरी, 2001
- कूतामुदरा, साउथव्हेल्स, आस्ट्रेलिया।
- क्रिकेट

कार्य :
- 99.94 की टेस्ट कॅरियर बल्लेबाजी औसत।
- प्रति पारी शतक का सबसे उत्तम अनुपात 36.25%
- एक दिवसीय खेल में भी सबसे ज्यादा 300 रन तिहरा शतक-12

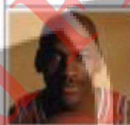

माइकल जैफरी जोरडन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 17 फरवरी, 1963
- ब्रुकलीन, न्यूयार्क
- बास्केटबॉल

कार्य :
- 5 सबसे कीमती खिलाड़ी का खिताब।
- 10 आल एन.बी.ए. की प्रथम वरीयता टीम में शामिल।
- 6 एन.बी.ए. फाइनल में एम. बी. पी. पदक एवं 1988 एन. वी. ए में 'डिफेन्स प्लेयर ऑफ द ईयर' अवार्ड।
- अमेरिका की बास्केटबॉल टीम, जिसने ओलंपिक में 2 स्वर्ण पदक जीता उस टीम में साथ थे।

डीएगो मैराडोना

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 30 अक्टूबर, 1960
- लेनस्, ब्यूनस आयर्स, अर्जेंटिना
- फुटबाल

कार्य :
- पेले के साथ 20वीं सदी के संयुक्त फिफा खिलाड़ी।
- अर्जेंटीना के साथ अंतर्राष्ट्रीय करियर में 91 कैप्स एवं 34 गोल्स की प्राप्ति।
- "गोल्डन बायँ" के नाम से जाने जाते हैं।
- इनकी कप्तानी में मैक्सिको ने 1986 का विश्व कप जीता।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

डैविड बैकहम

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 2 मई, 1975
- लेटनस्टोन, लंदन, इंग्लैंड
- फुटबाल

कार्य :
- पहले इंग्लिश खिलाड़ी जिन्होंने 4 देशों में लीग टाइटल जीता। (इंग्लैंड, स्पेन, यू.एस. और फ्रांस)
- प्रीमियर लीग का पदक 6 बार जीता।
- एफ.ए. कप 2 बार एवं 1999 का यू.इ.एफ.ए. चैंपियन लीग।
- 100 युफ्फा (UFFA) चैंपियंस लीग खेलने वाले पहले इंग्लिश फुटबॉलर।

माइकल शूमाकर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 3 जनवरी, 1969
- हर्थ, वेस्ट जर्मनी
- रेसिंग ड्राइवर

कार्य :
- 7 बार फार्मूला 1 के विश्व विजेता।
- श्रेष्ठ ड्राइवर इ.एस.पी.ए. अवार्ड 2005-2002 एवं वाम्बी मिलेनियम अवार्ड 2014
- लारियस विश्व खेल खिताब साल के सर्वोच्च खिलाड़ी 2002-2004 के।

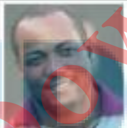

ब्रायन चार्ल्स लारा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 2 मई, 1969
- सांताक्रुज, ट्रिनीडेड, टोबागो
- क्रिकेट

कार्य :
- 501 नाबाद के साथ प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर के लिए अवार्ड एजबेस्टोन 1994 में।
- 2004 एंटीगुआ में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 400 टेस्ट रनों की पारी खेलकर रिकार्ड उच्चतम स्कोर स्थापित किया।
- एकमात्र बल्लेबाज जिन्होंने कभी शतक, दोहरा शतक, तिहरा शतक, चौगुना शतक एवं पंचगुना शतक प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगाया।
- पोर्ट ऑफ स्पेन के राजकुमार के नाम से जाने जाते हैं।

सर विवियन् रिचार्ड्स

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 7 मार्च, 1952
- सेंट जार्ज एंटीगुआ, बारबुडा
- क्रिकेट

कार्य :
- 121 टेस्ट में 8540 रन 50.23 की औसत से बनाए जिसमें 24 शतक भी शामिल हैं।
- एक कप्तान के रूप में 50 में से 27 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की और केवल 2 हारे।
- क्रिकेट में योगदान के लिए नाइट की उपाधि दी गई।

स्टैफी ग्रैफ

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 14 जून, 1969
- मैनहिम, बाडेन-बुरटेमबर्ग, वेस्ट जर्मनी
- टेनिस

कार्य :
- 22 एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता।
- पहली एवं एकमात्र टेनिस खिलाड़ी (पुरुष एवं महिला) जिसने चारों ग्रैंड स्लैम एकल खिताब एवं ओलंपिक में स्वर्ण पदक उसी कैलेंडर वर्ष में जीतकर गोल्डन स्लैम जीता।
- एकमात्र टेनिस खिलाड़ी जिन्होंने हर ग्रैंड स्लैम में कम से कम 4 जीत हासिल की।

कार्ल लेविस

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1 जुलाई, 1961
- बिरमिंघम, अलबामा (यू.एस.)
- ट्रेक एवं फील्ड एथलीट

कार्य :
- 10 ओलंपिक पदक जीती, 9 स्वर्ण सहित एवं
- 10 विश्व चैंपियनशिप पदक, 8 स्वर्ण सहित।
- 100 मीटर में विश्व रिकार्ड स्थापित।
- (4 × 400 एवं 4 × 200 मीटर रिले)

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राफेल नडाल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 3 जून, 1986
- मनसोर, बैलरिक आइलैंड, स्पेन
- टेनिस

कार्य :
- वर्तमान में विश्व में छठा स्थान।
- खिताब- "द किंग ऑफ क्ले"
- 14 ग्रांड स्लैम एकल खिताब जीता।
- 2008 ओलंपिक एकल वर्ग में स्वर्ण पदक जीता।
- ए.टी.पी. वर्ल्ड टूर मास्टर्स 1000 में 28 खिताब एवं 17 खिताब ए.टी.पी. वर्ल्ड टूर 500 टूर्नामेंट में। (रोजर फेडरर के साथ के रिकार्ड)
- 2014 का फ्रेंच ओपन जीता।
- 2016 का बार्सिलोना ओपन जीता।

अंतरिक्ष यात्री

नील आर्मस्ट्रोंग

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 5 अगस्त, 1930 से 25 अगस्त, 2012
- वापकोनेटा, ओहिओ (यू.एस.)
- अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनॉट)

कार्य :
- चाँद पर कदम रखने वाले पहले व्यक्ति।
- अपोलो 11 के कमांडर।
- जुलाई, 1969 का पहला मानवयुक्त लैंडिंग मिशन
- राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित
- कांग्रेस द्वारा अंतरिक्ष सम्मान पदक 1978

क्रिस हैडफिल्ड

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 29 अगस्त, 1959
- सार्निया, ओंटारियो, कनाडा
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- अंतरिक्ष में चलने वाले पहले कनेडियन।
- 14 घंटे 53 मिनट एवं 38 सेकेंड अंतरिक्ष में बिताए।

युरि गागारिन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 9 मार्च, 1934 – 27 मार्च, 1968
- क्लूशिनो, रूस, एस.एफ.एस.आर.
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- बाह्य अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले पहले मानव।
- सोवियत संघ के 'हीरो' (भ्मतव)
- अंतरिक्ष यात्री प्रशिक्षण केन्द्र के उपनिदेशक बने।

माइकल कोलिन्स

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 31 अक्टूबर, 1930
- रोम, इटली
- अंतरिक्ष यात्री और परीक्षण पायलट

कार्य :
- दो बार अंतरिक्ष में उड़ान भरी।
- चौथे व्यक्ति एवं तीसरे अमेरिकी ई.वी.ए. प्रदर्शन करने के लिए।
- (अतिरिक्त वाहन गतिविधि)
- एल.टी.वी. एरोस्पेस के वाइस प्रेसिडेंट 1980

राकेश शर्मा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 13 जनवरी, 1949
- पटियाला, पंजाब
- वायुसेना के पायलट एवं अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले पहले भारतीय
- 7 दिन 21 घंटे ओर 40 मिनट सैल्यूट 7 के पार बिताए।
- सोवियत संघ के हीरो, अशोक चक्र से सम्मानित।

कल्पना चावला

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 17 मार्च 1962, 1 फरवरी 2003
- करनाल, पंजाब
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- अंतरिक्ष में जाने वाली भारतीय मूल की पहली महिला।
- कोलंबिया 1997 में पहले अंतरिक्ष यान में उड़ान भरी।
- 1 फरवरी, 2003 को कोलंबिया आपदा में अंतरिक्ष शटल में मृत्यु।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

सुनिता विलियम्स

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 सितंबर, 1965
- यूक्लिड, ओहायो
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- एक महिला द्वारा सबसे ज्यादा कुल स्पेसवाक (सात) एवं सबसे ज्यादा स्पेसवाक समय (50 घंटे, 40 मिनट) का रिकार्ड इनके द्वारा है।
- मार्च, 2016 की स्थिति के अनुसार विलियम्स ने सात स्पेसवाक बनाए हैं।
- अंतरिक्ष की उड़ान के समय वह पवित्र ग्रंथ गीता साथ रखती थी।

एलीन कोलिन्स

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 19 नवंबर, 1956
- अलमिरा, न्यूयॉर्क, अमेरिका
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- पहली महिला पायलट और पहली महिला कमांडर अंतरिक्ष शटल की।
- 38 दिन, 8 घंटे और 10 मिनट बाहर अंतरिक्ष में बिताए।

बज एल्ड्रिन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 20 जनवरी, 1930
- मोंटन साइड हास्पिटल, ग्लेनरिज, न्यू जर्सी अमेरिका
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- पहले दो मनुष्यों में से एक चंद्रमा में उतरने के लिए और दूसरा उस पर चलने के लिए।
- 21 जुलाई, 1969 को 03:15:16 (यू.टी.सी.) मिशन कमांडर निल आर्मस्ट्रांग का साथ देते।
- किताबें : रिटर्न टू अर्थ (1973)ए मैन फ्रम अर्थ (1989)ए रिचिंग फार द मून (2005)ए लूक टू द स्टार (2009) मैग्निफिशेंट डिसोलेशन (2009)

माए सी. जैमिसन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 17 अक्टूबर, 1956
- डिकेटर, अलाबमा (यू.एस.)
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- अंतरिक्ष में यात्रा करने वाली पहली अफ्रीकी अमेरिकी महिला
- विज्ञान के क्षेत्र में डाक्टरेट, इंजीनियरिंग, पत्रक और मानविकी ऐसे नौ मानद धारण किए हैं।
- 100 वर्ष स्टारशिप के वर्तमान प्राचार्य।

जॉन ग्लेन

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 18 जुलाई, 1921
- कैम्ब्रिज, ओहियो, अमेरिका
- अंतरिक्ष यात्री

कार्य :
- 20 फरवरी, 1962 को ग्लेन ने मैत्री 7 मिशन की उड़ान भरी और पृथ्वी के कक्ष में प्रवेश करने वाले पहले अमेरिकी एवं 5वें व्यक्ति अंतरिक्ष के।
- कांग्रेस अंतरिक्ष सम्मान 1978
- एक पेलोड विशेषज्ञ के रूप में उड़ान भरी, डिस्कवरी मिशन एस.टी.एस.95 पर।

कवि एवं लेखक

होमर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 12वीं और 8वीं शताब्दी के बीच ई.पू.
- लोनिया, सिमरना
- यूनानी कवी

कार्य :
- इलियड और ओडिसी
- यूरोप के साहित्य के पहले जाने माने कवि

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

डांटे

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- सी ई. 1265-1321
- फ्लोरेंस, फ्लोरेंस के गणराज्य, इटली
- इतालवी कवि

कार्य :
- ईश्वरीय सुखान्तिकी
- इतालवी भाषा के जनक

अबुल फजल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1551,12 अगस्त, 1602
- आगरा (यू.पी.)
- मुगल सम्राट अकबर के वजीर एवं लेखक

कार्य :
- अकबर नामा, आईन-ए-अकबरी

गालिब

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 27 दिसंबर, 1797-15 फरवरी, 1869
- काला महल, आगरा
- उर्दू और फारसी कवि

कार्य :
- गजल, कसीदा, रूबाई, कता
- मुगल काल के अंतिम महान कवि।

वेद व्यास

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 5000 साल पहले
- दमौली के तनाही जिले में जो कि अब नेपाल में।
- लेखक

कार्य :
- वेदों का वर्गीकरण
- महाभारत
- गुरु पूर्णिमा इन्हें समर्पित है एवं व्यास पूर्णिमा भी। इस दिन इनका जन्मदिवस माना जाता है।

मुहम्मद इकबाल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 9 नवंबर, 1877 - 21 अप्रैल, 1938
- सियालकोट पंजाब

कार्य :
- पाकिस्तान के अध्यात्मिक पिता।
- असरार-ए-खुदी (1915) रूमुज-आई- बेखुदी, पयाम-ए-मशरिक, जबुर-ए-आजम, बंग-ए-दारा, बाल-ए-जिब्रिल, जर्ब-ए-कलीम, अरमुहान-ए-हिजाज का एक हिस्सा है- सारे जहाँ से अच्छा।

कबीर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1440 सी ई- 1518 सी ई.
- लहरतारा, काशी, वाराणसी
- वीवर, कवि

कार्य :
- भक्ति आन्दोलन को प्रभावित किया, साथ ही संतमत और कबीर पंथी आंदोलन को भी।
- इनके भजन गुरु ग्रंथ साहिब में भी शामिल हैं।
- सिख धर्म के पवित्र शास्त्र आदि ग्रंथ में इनके छंद शामिल किए गए हैं।

कालिदास

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- चौथी शताब्दी ए.डी.
- शास्त्रीय संस्कृत लेखक

कार्य :
- अभिज्ञानशाकुंतलम्, रघुवंश, मेघदूत, विक्रमोर्वसीयम कुमारसंभव।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

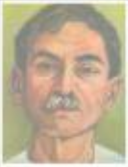

मुंशी प्रेमचंद

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 31 जुलाई, 1880 – 8 अक्टूबर, 1936
- लम्ही, बनारस के पास एक गाँव
- आधुनिक हिंदी एवं उर्दू साहित्य

कार्य :
- 'उपन्यास सम्राट' के रूप में जाना जाता है।
- गोदान, बाजार-ए-हुस्न, कर्मभूमि, शतरंज के खिलाड़ी, गबन।

बंकिम चंद्र चटर्जी:

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 26 जून, 1838 – 8 अप्रैल, 1894
- 24 परगना, नैहाटी, बंगाल
- बंगाली लेखक कवि एवं पत्रकार

कार्य :
- भारत का राष्ट्रीय गीत "वन्देमातरम" की रचना।
- आनंदमठ, दुर्गेशनंदिनी, कपालकुण्डल, मृणालिनी

शरत चंद्र चटर्जी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 15 सितंबर 1876.16 जनवरी 1938
- देवानंद नगर, हुगली, पश्चिम बंगाल
- बंगाली उपन्यासकार

कार्य :
- पल्ली समाज, चोरित्रोहिन, देवदास, निशकृति श्रीकांत, गृहदाह, शेष प्रश्न।

सूरदास

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 1478 ए.डी. – 1581 ए.डी.
- रूनक्ता, मथुरा

कार्य :
- सुर सागर, सूर सारावली, साहित्य लहरी
- सगुण भक्ति कवि माने गए हैं।

बाल्मीकि

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 500 शताब्दी ई.पू.
- प्राचीन भारत में गंगा नदी के किनारे।
- संस्कृत साहित्य के अग्रदूत कवि

कार्य :
- आदि कवि, महर्षि
- रचना-रामायण
- योग वशिष्ठ बाल्मीकि

रवींद्र नाथ टैगोर

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 7 मई, 1861 – 7 अगस्त, 1941
- जोड़ासांको हवेली, कोलकाता
- लेखक, कवि

कार्य :
- 'गुरुदेव' के पद्नाम से जाने जाते हैं।
- पहले गैर यूरोपीय 1913 में साहित्य में नोबेल पुरस्कार प्राप्त करने वाले।
- रचनाएँ – गीतांजलि, गोरा, घर और बाहर, रवींद्र संगीत, अमार शोमार बंगला।
- भारत के राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' एवं बांग्लादेश के "अमार सोमार बंगला को रचना की।

विक्रम सेठ

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :
- 20 जून, 1952
- कोलकाता पश्चिम बंगाल
- उपन्यासकार एवं कवि

कार्य :
- रचनाएँ-अ स्वीटेबल बॉय, गोल्डन गेट, एन इक्वल म्यूजिक, अ स्वीटेबल गर्ल।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 अरूंधति रॉय	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 24 नवंबर, 1961 ▶ शिलांग, मेघालय ▶ लेखिका कार्य : ▶ 1997 में कथा लेखन के लिए सिडनी में 'मैन बुकर पुरस्कार' जीता। ▶ शांति पुरस्कार (2004) एवं नार्मन मेलर पुरस्कार (2011) ▶ रचनाएँ – 'द गाड ऑफ स्माल थिंग्स' 'कल्पना का अंत' 'सत्ता की राजनीति', 'एन आर्डिनरी पर्सन गाइड टू अंपायर', 'चैकबुक' एवं 'क्रूज मिसाइल'।
 मुल्कराज आनंद	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 12 दिसंबर, 1905 – 28 सितंबर, 2004 ▶ पेशावर, पाकिस्तान ▶ लेखक कार्य : ▶ पहले लेखक जिन्होंने पंजाबी एवं हिंदुस्तानी मुहावरों को अंग्रेजी में शामिल किया। ▶ इनकी रचनाएँ– ▶ अनटचेबल्स (1935), 'कुली' (1936), 'टू लिव्स एण्ड अ बड' (1937) ▶ 'द विलेज' (1939), 'अक्रौस द ब्लैक वाटर' (1939), 'द स्वार्ड एण्ड द सिकल' (1942), 'द बिग हार्ट' (1945), 'द प्राइवेट लाइफ ऑफ एन इण्डियन प्रिंस' (1953)

 आर. के. नारायण	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 10 अक्टूबर, 1906 – 13 मई 2001 ▶ चेन्नई, तमिलनाडु ▶ लेखक कार्य : ▶ 'स्वामी एण्ड फ्रेंन्डस्', 'द बेचलर ऑफ आर्टस्', 'द डार्क रूम' ▶ 'द इंग्लिश टीचर', 'मि. संपथ,' 'द फिनेनशियल एक्सपर्ट' ▶ 'वेटिंग फार द महात्मा' 'द गाइड' 'द पेनइटर ऑफ मालगुडी' ▶ 'द वेंडर ऑफ स्वीट्स' 'मालगुडी डेज'।
 सलमान रशदि	समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र : ▶ 19 जून, 1947 ▶ मुंबई, महाराष्ट्र ▶ ब्रिटिश भारतीय उपन्यासकार एवं निबंधकार कार्य : ▶ 1981 में 'मिडनाइट चिल्ड्रन' नामक निबंध के लिए बुकर प्राइज जीता। ▶ अन्य- ग्रीमस (1975), मिडनाइट चिल्ड्रन (1981), शेम (1983), द सतेनीक वर्सेस (1988), द मूरस लास्ट साइ (1995), द ग्राउंड बिनिथ हर फीट (1999), फुरी (2001), शालिमार द क्लाउन (2005), द एनचैंटरेस ऑफ फ्लोरेंस (2008) 2 इयर्स 8 मंथ एण्ड 28 नाइट्स (2015)

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

वी.एस. नायपाल

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 17 अगस्त, 1932
- चागुआनस, करोनी काउंटी, त्रिनिदाद एवं टोबैगो
- उपन्यासकार, यात्री लेखक, निबंधकार

कार्य :

- बुकर पुरस्कार (1971), नोबेल साहित्य पुरस्कार (2001)
- 'ए हाऊस फार मि. बिस्वास', 'इन अ फ्रि स्टेट', 'ए बेन्ड इन द रिवर', 'द इनिग्मा आफ अराईवल।'

खुशवंत सिंह

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 2 फरवरी, 1915 – 20 मार्च, 2014
- हदाली खुशाब जिला- पंजाब
- पत्रकार, लेखक, इतिहासकार, आलोचक।

कार्य :

- द मार्क आफ विष्णु एण्ड अदर स्टोरिस (शार्ट, लघु कहानी), 1950
- 'द हिस्टरी आफ सिक्खम, (1953), ट्रेन टू पाकिस्तान' (नावेल) 1956
- 'द वाइस आफ गोड एण्ड अदर स्टोरिस' (लघु कथा) (1967)
- 'आई शल नांट हियर द नाइटेंगल' उपन्यास (1959)
- 'द सिख टुडे' (1959), 'विथ मैलिस टूवर्ड वन एण्ड आल'
- खिताब राकफेलर ग्राँट 1966, आनेस्ट मैन आफ द ईयर, पंजाब रत्न साहित्य अकादमी फेलोशिप।

निरद चंद्र चौधरी

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 23 नवंबर, 1897 – 1 अगस्त, 1999
- किशोरगंज, बांग्लादेश
- लेखक

कार्य:

- आत्मकथा- 'एन अननोन इंडियन'
- 'द कान्टिनेंट आफ सर्कल', ग्रेट अनार्क!!
- 'द इंटलैक्चुअल इंडिया' (1967)
- 'टू लिव ओर नाट टू लिव' (1971)
- 'स्कालर एक्सट्राआर्डिनरी', 'कलचर इन द वैनिटि बैग' 1976 'क्लाइव आफ इंडिया' (1975)
- हिन्दुत्व : 'अ रिलीजन टू लिव बाय' (1979)

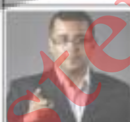

चेतन भगत

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 22 अप्रैल, 1974
- नई दिल्ली
- उपन्यासकार, स्तंभकार

कार्य :

- फाइव पाइंट समवन, वन नाइट एट द काल सेंटर, हॉफ गर्लफ्रेंड, द 3 मिस्टेक्स आफ माय लाइफ, 2 स्टेट्स, द स्टोरी आफ माय मैरिज, रिवल्यूशन 2020ए वन इंडियन गर्ल।

महादेवी वर्मा

समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :

- 26 मार्च, 1907, 11 सितंबर, 1987
- फर्रुखाबाद (उत्तर प्रदेश)
- हिन्दी कवयित्री

रचनाएँ

- नीहार (1930), रश्मि (1932), नीरजा (1934) संध्यागीत (1936)ए दीपशिखा (1939), अग्निरेखा

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

 महाश्वेता देवी	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 14 जनवरी, 1926 – 28 जुलाई, 2016 ▶ ढाका, बांग्लादेश ▶ कथा लेखिका **कार्य :** ▶ हजार चुराशिर माँ, अरण्येर अधिकार, अग्निगर्भ स्तन्यदायनि, छोटि मुण्डा एवं तर तीर, साहित्य अकादमी पुरस्कार (बंगाली)
 रस्किन बांड	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 19 मई, 1934 ▶ कसौली, पंजाब राज्य एजेंसी, ब्रिटिश भारत ▶ लेखक **कार्य :** ▶ अवर ट्रिस, स्टील ग्रो इन देहरा, द ब्लू अमब्रेला, ए फ्लाइट ऑफ पिजन, द नाइट ट्रेन एट देओली। ▶ जॉन लेवेलिन रिज पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, पदम श्री, पदम भूषण।
 चार्ल्स डिकेंस	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 7 फरवरी, 1812 – 9 जून, 1870 ▶ लैंडपोर्ट, हेम्पशायर, इंग्लैंड ▶ लेखक एवं सामाजिक आलोचक **कार्य :** ▶ पिकविक पेपर्स, ओलिवर ट्विस्ट, ए क्रिसमस कैरोल, डेविड कॉपरफील्ड, ब्लीक हाउस, हार्ड टाइम्स, लिटिल डोरिट, ए टेल आफ 2 सिटिज, ग्रेट एक्सपेक्टेशनस्।
 जॉन मिल्टन	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 9 दिसंबर, 1608 – 8 दिसंबर, 1674 ▶ रोटी स्ट्रीट, चीपसाइड, लंदन ▶ अंग्रेजी कवि **कार्य :** ▶ ल एलेग्रो, 11 पेंसिरोसो, लिसिडस, पैराडाइज लास्ट, पैराडाइज रिगेन्ड, सैमसन एगोनिस्टेस।

 जे. के. रॉलिंग	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 31 जुलाई, 1965 ▶ याते, ग्लूस्टरशायर, इंग्लैंड ▶ उपन्यासकार **कार्य :** ▶ हैरी पॉटर श्रृंखला, द कैजुअल वेकेंसी (2012), द कुक्कुस कालिंग (2013), द सिल्कवार्म (2014), एवं द कॅरियर ऑफ इविल (2015)
 जेम्स जॉयस	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 2 फरवरी, 1882 – 13 जनवरी, 1991 ▶ रथर, आयरलैंड गणराज्य ▶ आयरिश उपन्यासकार एवं कवि **कार्य :** ▶ युलिसिस (1922) ▶ ए पोट्रेट आफ आरटिस्ट एस ए यंग मैन (1916) ▶ इन्होंने चेतना की धारा का इस्तेमाल किया।
 विलियम शेक्सपियर	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 26 अप्रैल, 1564 – 23 अप्रैल, 1616 ▶ स्ट्रैटफोर्ड-अपान-एवन वारविकशायर, इंग्लैंड ▶ कवि, नाटककार **कार्य :** ▶ सबसे बड़े अंग्रेजी भाषा के लेखक, प्रख्यात नाटककार। ▶ इंग्लैंड के राष्ट्रीय कवि। ▶ हेमलेट, ओथेलो, किंग लियर और मैकबेथ।
 लियो टाल्सटाय	**समयावधि, स्थान एवं क्षेत्र :** ▶ 9 सितंबर, 1828 – 20 नवंबर, 1910 ▶ यसनया पोलियाना, रूस राज्य ▶ लेखक **कार्य :** ▶ 'वार और पीस', 'अन्ना केरेनिना', 'दी डेथ ऑफ इवान लिच', 'दी किंगडम ऑफ गॉड् इज विथ इन यू'।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM APPS download करे (Google play फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM install करे (google play store) LOGIN करे & OPEN करे SEARCH OPTIONS मे "MEENA" type करे फिर एक link show करेगा जिसे टच करे फिर join पर click करके ग्रूपमे जुड सकते है

ग्रूप मे उपलब्ध सामग्री निम्न प्रकार है

News PAPER /EMPLOYMENT NEWS/Current affairs /Bbc news/Hindu vocabulary /All book competition /Upsc ssc notes/All ncert/ignou/vardman uni/bed/engineering/Medical /computer science almost 10,000 books available in group

नये TELIGRAM INSTALL करने के लिए यहाँ क्लिक करें ▶ TELIGRAM

यदि पहले से TELIGRAM है तो निचे नीली लाईन टच करे ओर ग्रूप मे जुडे

STUDY ALL IN ONE

NEWSPAPERS

MOVIE & NOVEL

EMEMPLOYMENT NEWS

STUDY MASTER
LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded From www.studymasterofficial.com

फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM APPS download करे (Google play फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM install करे (google play store) LOGIN करे & OPEN करे SEARCH OPTIONS मे "MEENA" type करे फिर एक link show करेगा जिसे टच करे फिर join पर click करके ग्रूपमे जुड सकते है

ग्रूप मे उपलब्ध सामग्री निम्न प्रकार है

News PAPER /EMPLOYMENT NEWS/Current affairs /Bbc news/Hindu vocabulary /All book competition /Upsc ssc notes/All ncert/ignou/vardman uni/bed/engineering/Medical /computer science almost 10,000 books available in group

नये TELIGRAM INSTALL करने के लिए यहाँ क्लिक करें ▶ TELIGRAM

यदि पहले से TELIGRAM है तो निचे नीली लाईन टच करे ओर ग्रूप मे जुडे

STUDY ALL IN ONE

NEWSPAPERS

MOVIE & NOVEL

EMEMPLOYMENT NEWS

Downloaded From www.studymasterofficial.com

STUDY MASTER LEARN WHILE ENJOYING

शीर्षस्थ ऐतिहासिक चलन/घटनाएँ/विकास

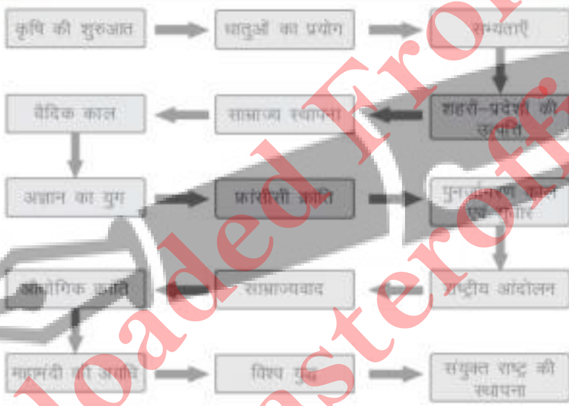

भारतीय इतिहास–कालक्रम

प्राचीन भारत

- सिंधु घाटी की सभ्यता
- वैदिक काल/आर्य
- जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म
- मगध साम्राज्य
- मौर्य वंश
- कुषाण वंश
- गुप्त साम्राज्य
- हर्षवर्धन
- दक्षिण भारतीय राज्य

मध्यकालीन भारत

- दिल्ली सल्तनत
- विजयनगर
- भक्ति एवं सूफी आंदोलन
- मुगल वंश
- यूरोपियन आगमन
- मराठा राज्य

आधुनिक भारत

- ब्रिटिश व्यापार शुरुआत
- इस्ट इंडिया कंपनी
- ब्रिटिश शासन 1857 से पूर्व
- 1857 का सैनिक विद्रोह
- स्वतंत्रता संग्राम:
  - रौलेट एक्ट (1919)
  - जलियाँवाला बाग हत्याकांड (1919)
  - चौरी चौरा (1922)
  - असहयोग आंदोलन (1920–22)
  - सविनय अवज्ञा आंदोलन (1930)
  - भारत छोड़ो आंदोलन (1942)
  - भारत का विभाजन (1947) इत्यादि।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्राचीन भारत का इतिहास

प्रागैतिहासिक काल

- मनुष्य ने जिस काल में घटनाओं का कोई लिखित विवरण उद्धृत नहीं किया उसे 'प्रागैतिहासिक काल' कहते हैं।
- भारतीय प्रागैतिहासिक काल मुख्यतः तीन वर्गों में इस प्रकार विभाजित है–
  पाषाण युग, कांस्य युग और लौह युग।
- पाषाण युग तीन भागों में विभाजित है – पुरा पाषाण युग, मध्य पाषाण युग और नव पाषाण युग।
- ज्ञानी मनुष्य (*होमो सैपियंस*) का प्रादुर्भाव इस धरती पर आज से लगभग तीस या चालीस हजार वर्ष पूर्व माना जाता है।
- मनुष्य ने सबसे पहले ताँबे का प्रयोग प्रारंभ किया था। उसके द्वारा बनाया जाने वाला प्रथम औजार कुल्हाडी था। जिसका प्राप्तिस्थल अतिरम्पक्कम था।
- पूर्व पाषाण युग के मनुष्य की आजीविका का मुख्य आधार शिकार था।
- मानव के अंदर स्वंय की सुरक्षा हेतु निवास बनाने की प्रवृत्ति का विकास नव–पाषाणकाल में हुआ।
- मनुष्य के द्वारा सबसे पहले कुत्ते को पालतू बनाया गया।
- अग्नि का आविष्कार पुरा पाषाणयुग के मानव द्वारा किया गया था। पहिये का आविष्कार नव पाषाणयुग में हुआ था।
- कृषि का आविष्कार नव पाषाणयुग में हुआ था।
- प्रागैतिहासिक अन्न उत्पादक स्थल मेहरगढ़ पश्चिमी बलूचिस्तान में अवस्थित है। कृषि में सबसे पहले अपनाई गई प्राचीन फसल गेहूँ एवं जौ थी।
- **निम्न पुरा–पाषाण युग** : हिम युग का सबसे बड़ा भाग इसके अन्तर्गत आता है।
- इस युग के मानव का भोजन फल, पक्षियों और जानवरों का कच्चा मांस इत्यादि था।
- शिकार करने के लिए हथियार प्रायः कठोर चट्टानों से बनाए जाते थे।
- **मध्य पुरा–पाषाण युगः** इस युग में हथियारों के आकार और रूप में थोड़ा परिवर्तन हुआ। इस युग में पत्थरों और हड्डियों से हथियार बनाए जाने लगे।
- **उच्च पुरा–पाषाण युगः** इस युग के लोग घुमन्तू, शिकारी और संग्रहकर्ता के रूप में रहने लगे।
- **मध्य पाषाण युगः** इस युग में पाषाण युग की माध्यमिक अवस्था थी। इस युग का अंत कृषि के परिचय से हुआ।
- **नव पाषाण युगः** इस युग में तराशे गए हथियारों की संस्कृति विकसित हुई।
- हथियारों का निर्माण लोगों का एक महत्त्वपूर्ण व्यवसाय बन गया और विभिन्न प्रकार के तराशे गए हथियार निर्मित किए जाने लगे।
- लोगों ने मिट्टी के बरतन बनाने की कला सीखी। उनके बरतन अच्छी तरह निर्मित तथा चित्रों से सुसज्जित होते थे।
- उन्होंने पत्थरों के घर्षण से आग को उत्पन्न करने की कला सीखी। चक्के का निर्माण भी इस युग की एक महत्त्वपूर्ण खोज थी।
- **ताम्र पाषाण युगः** ताम्र (तांबा) के प्रयोग के कारण यह युग ताम्र युग कहलाया। अर्थव्यवस्था का आधार कृषि कार्य, पशु-पालन, शिकार और मत्स्य पालन था।
- ताम्र पाषाण युग के लोग आहार के लिए पशुओं का शिकार करने लगे। उन्होंने दुग्ध-पदार्थों के लिए मवेशियों को नहीं पाला। वे पशुओं का न तो दूध निकालते थे और न ही जुताई में प्रयोग करते थे।
- इस युग में कांस्य और पत्थर के हथियार प्रयोग में लाए जाते थे। अब लोगों ने स्वयं के रहने के लिए घरों का निर्माण कर सुव्यवस्थित जीवन जीना शुरू कर दिया।
- **लौह युग** : यह प्रागैतिहासिक काल का अंतिम प्रधान काल था।
- इस काल में लोगों ने लोहे से बने हथियारों एवं औजारों का प्रयोग करना शुरू कर दिया था। इसलिए इस काल को लौह युग कहा जाता है। इस युग में कृषि कार्य, धार्मिक विश्वास एवं कला के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- लौह युग साधारणतः धूसर रंग से रंगे गए बरतनों से सम्बंधित है।
- लौह के उपयोग से समाज, कृषि व्यवस्था, धार्मिक विश्वास और आकर्षक कलात्मक शैली में विभिन्न परिवर्तन हुए।
- इस युग का शुभारंभ 6ठी शताब्दी ईसा पश्चात उत्तरी यूरोप में 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व में केन्द्रीय यूरोप में, एवं 12 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में आधुनिक ईरान, पुरातन भारत एवं पुरातन ग्रीस में हुआ।

सिन्धु घाटी सभ्यता

- भारत का प्राचीनतम नगर मोहनजोदड़ो था। मोहनजोदड़ो का सिंधी भाषा में अर्थ है– मृतकों का टीला।

सिन्धु काल में विदेशों के साथ व्यापार

आयातित वस्तुओं का नाम	क्षेत्र
सीसा	ईरान
ताँबा	बलूचिस्तान, खेतड़ी, ओमान
लाजवर्द	मेसोपोटामिया
सोना	अफगानिस्तान, ईरान एवं कर्नाटक
गोमेद	सौराष्ट्र
चाँदी	ईरान, अफगानिस्तान

- सिन्धु घाटी सभ्यता की सर्वमान्य तिथि 2400 ई० पू० से 1700 ई० पू० मानी जाती है।
- सिन्धु सभ्यता की खोज का श्रेय रायबहादुर दयाराम साहनी को प्रदान किया जाता है।
- सिन्धु सभ्यता के दो प्रमुख बंदरगाह थे। उनके नाम हैं– लोथल एवं सुतकोतदा।
- सिन्धु सभ्यता की सबसे बड़ी इमारत संभवतः मोहनजोदड़ो में पायी गई 'अन्नागार' है।
- सिन्धु सभ्यता के लोग प्रमुखतः गेहूँ एवं जौ की खेती करते थे। रंगपुर एवं लोथल से चावल के दाने मिले हैं जिससे धान की खेती होने का प्रमाण मिलता है।
- सिन्धु सभ्यता के लोग पृथ्वी की पूजा किया करते थे। वे पृथ्वी को 'उर्वरता की देवी' मानते थे।
- सिन्धु सभ्यता के लोग मातृदेवी की सर्वाधिक पूजा किया करते थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के लोग सूती एवं ऊनी वस्त्रों का प्रयोग किया करते थे।
- सिन्धु घाटी सभ्यता के विनाश का कारण संभवतः बाढ़ थी।
- सिन्धु घाटी सभ्यता एक अनोखी कांस्य युगीन सभ्यता थी और पूरे विश्व की नगरीय सभ्यताओं में से एक प्राचीनतम सभ्यता थी।
- यह सभ्यता सिन्धु नदी की घाटियों और इसकी सहायक नदियों (धाराओं) के आसपास पल्लवित हुई, जो आधुनिक पाकिस्तान और उत्तरपश्चिमी भारत में स्थित है।
- सिन्धु सभ्यता की लिपि चित्रात्मक है। यह लिपि दाईं से बाईं ओर लिखी जाती थी। एक से ज्यादा पंक्तियों का अभिलेख होने पर प्रथम पंक्ति दाईं से बाईं ओर तथा दूसरी बाईं से दाईं ओर लिखी जाती थी।
- मुख्य सड़क जरूरत के अनुसार उत्तर से दक्षिण तक 9 फीट से लेकर 34 फीट तक चौड़ी होती थी। विशेष रूप से मोहनजोदड़ो के सड़कों की चौड़ाई 10.5 फीट तक की थी। हड़प्पा के सड़कों की चौड़ाई 30 फीट तक की थी।
- सैंधव सभ्यता के लोग यातायात हेतु दो एवं चार पहियों वाली बैलगाड़ी या भैंसगाड़ी का प्रयोग करते थे।
- घर प्रायः दो मंजिले, बड़े और सड़कों के किनारे कतारों में बने होते थे। घरों में नालियों की सुन्दर व्यवस्था थी। ये नालियाँ ईंटों से बनी पाइप के द्वारा गंदे पानी को घर से बाहर निकालने में सहायक थीं।
- हड़प्पाकालीन सभ्यता के नगरों में लोथल, बालाकोट, सुतकागेंडोर और अल्हादी (पाकिस्तान) आदि स्थलों पर बड़े बंदरगाह थे।
- पालतू पशुओं के अन्तर्गत कुत्ते, बिल्लियाँ, कूबड़ वाले पशु (साँड़), समुद्री जानवर, मुर्गियाँ और संभवतः सूअर, ऊँट और भैंस आदि थे। संभवतः हाथी भी पालतू पशु थे, क्योंकि इनकी हड्डियों और बाह्य दाँतों का प्रयोग प्रचुर मात्रा में किया जाता था।

Download From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- सैंधववासी मीठे के तौर पर शहद का प्रयोग करते थें।
- समाज में स्त्रियों को उच्च सम्मान प्राप्त था। परिवार माता के नाम से चलते थे।
- सैंधव सभ्यता में चार विभिन्न वर्ग थे। समाज इनमें विभाजित था – विद्वान, योद्धा, व्यापारी और मजदूर।
- सिंधु घाटी के लोग सिंचाई पर आधारित कृषि करते थे।
- सैंधव सभ्यता के लोग मनोरंजन हेतु मछली पकड़ने, शिकार करने, पशु-पक्षियों को आपस में लड़ाने तथा चौपड़-पासा खेलने आदि साधनों का प्रयोग करते थे।
- हड़प्पा के लोग हिंदू धर्म को मानने वाले थे। वे मातृदेवी, पशुपति शिव, पवित्र जानवर और वृक्षों आदि की पूजा करते थे।
- सैंधव सभ्यता में शवों को जलाने एवं गाड़ने की, दोनों प्रथाएँ प्रचलित थीं।
- मोहनजोदड़ो में एक भव्य स्नानागार था जिसका प्रयोग सामान्य जनता के द्वारा स्नान के लिए किया जाता था। यह 11.88 मीटर लम्बा, 7.01 मीटर चौड़ा एवं 2.43 मीटर गहरा है।

सिन्धु घाटी सभ्यता के प्रमुख स्थल	समय	उत्खननकर्ता
हड़प्पा	1921	दयाराम साहनी
मोहनजोदड़ो	1922	आर०डी० बनर्जी
सुतकागेंडोर	1927	औरेल स्टैन जॉर्ज
चन्हूदड़ो	1931	एन० जी० मजूमदार
रंगपुर कोटदीजी	1931 1953 1953	वत्स एस० आर० राव फजल अहमद
दवरकोट	1935	मैच्की
किलीगुल मोहम्मद	1950	फैरसेरमिस
कालीबंगन	1953	ए० घोष
रोपड़	1953	वाइ० डी० शर्मा
सुरकोटड़ा	1964	जगतपति घोष
धौलावीरा	1990-91	आर. एस. विष्ट
आलमगीर पुर	1958	वाई० डी० शर्मा

प्रमुख स्थल	वर्तमान क्षेत्र (स्थिति)
मोहनजोदड़ो	सिन्ध (पाकिस्तान)
हड़प्पा	पंजाब प्रान्त (पाकिस्तान)
धौलावीरा	कच्छ का रन (गुजरात)
लोथल	खम्बात की खाड़ी (गुजरात)
राखीगढ़ी	हरियाणा
गनवेरीवाला	पंजाब (पाकिस्तान)

प्रमुख स्थल	आधुनिक क्षेत्र (स्थिति)
बनवाली	हरियाणा
चन्हूदड़ो	सिंध प्रांत (पाकिस्तान)
कालीबंगन	राजस्थान
कोटदीजी	सिन्ध
रोपड़	पंजाब
सुरकोटड़ा	कच्छ
सुतकागेंडोर	पाकिस्तान के मकरान में समुद्र तट के किनारे

वैदिक काल

- वैदिक काल या वैदिक युग उस काल को निर्देशित करता है जब भारत में वैदिक संस्कृत के ग्रंथों की रचना की गयी थी।
- शाब्दिक रूप में आर्य का अर्थ है–'अच्छा' या 'श्रेष्ठ'।
- अनुमानतः आर्य मध्य एशिया से प्रवासी के रूप में भारतीय उपमहाद्वीप में विभिन्न चरणों में 2000 से 1500 ई०पू० के दौरान आए।
- अपना प्रभुत्व सिद्ध करने के क्रम में आर्यों ने अपने आपको 'आर्य' कहा और अपने विरोधियों को उन्होंने 'अनार्य', 'दस्यु' और 'दास' कहा।
- ऋग्वेद (1500-2000 ई०पू०) में 10 मंडल, 1028 सूक्त एवं 10, 462 ऋचाएँ हैं। ये मंत्र विभिन्न देवताओं के सम्मान में गाए जाते थे और होतृ के द्वारा उच्चरित किए जाते थे।
- गायत्री मंत्र को ऋग्वेद से लिया गया है।
- सिन्धु और उसकी सहायक नदियाँ सप्तसिन्धु कही जाती हैं।
- यजुर्वेद यज्ञीय प्रार्थना का एक ग्रंथ है। यह गद्य और पद्य दोनों में लिखा गया है।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- इस ग्रंथ के मंत्र यज्ञ के अवसर पर गाए जाते हैं।
- सामवेद में 1549 मंत्र संकलित हैं।
- अथर्ववेद जादुई सूत्रों का ग्रंथ है जिसमें उस समय के सम्मेलन और अनुष्ठान का वर्णन है।
- **ब्राह्मण** ग्रंथों की रचना वेदों के बाद वेदों के मंत्रों की व्याख्या करने के लिए की गई। ये गद्य में लिखे गए और इनके स्वरूप अनुष्ठानिक हैं।
- वैदिक सभ्यता की समय–सीमा का विभाजन इस प्रकार किया गया है–
  ऋग्वैदिक कालः (1500 – 1000 ई० पू०)
  उत्तर वैदिक कालः (1000–600 ई० पू०)
- पंजाब एवं अफगानिस्तान दो ऐसे क्षेत्र हैं, जहाँ आर्य सर्वप्रथम बसे।
- मैक्स मूलर ने यह माना है कि आर्यों का मूल निवास-स्थान मध्य एशिया था।
- आर्यों के द्वारा विकसित की गई सभ्यता को ही वैदिक सभ्यता के नाम से जाना जाता है।
- आर्यों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा संस्कृत थी।
- आर्यों के समाज को पितृप्रधान माना जाता है।
- स्त्रियाँ भी शिक्षा ग्रहण करती थीं। ऋग्वेद में लोपामुद्रा, घोषा, सिकता, आपला एवं विश्वास जैसी विदुषी स्त्रियों का वर्णन मिलता है।
- वैदिक सभ्यता में बाल-विवाह एवं परदा-प्रथा का प्रचलन नहीं था।
- विधवा स्त्री अपने दिवंगत पति के छोटे भाई अर्थात देवर से विवाह कर सकती थी।
- आर्य 'सोमरस' नामक पदार्थ को पेय पदार्थ के रूप में प्रयोग करते थे। इसका निर्माण वनस्पति से किया जाता था।
- संगीत, घुड़दौड़, रथदौड़ एवं द्यूतक्रीड़ा आर्यों के मनोरंजन के प्रमुख साधन माने जाते थे।
- आर्य मुख्यतः तीन प्रकार के वस्त्र पहनते थे– 1. वास, 2. अधिवास और 3. उष्णीय। अंदर पहनने वाले कपड़े को 'नीवि' कहा जाता था।
- आर्यों का मुख्य व्यवसाय पशुपालन था। आर्य कृषि भी करते थे।
- आर्यों में सर्वाधिक प्रिय देवता इंद्र थे।
- आर्यों का सर्वाधिक प्रिय पशु घोड़ा था।
- आर्य अग्नि देव की पूजा करते थे। उनका मानना था कि अग्नि देव मनुष्य एवं देवता के बीच मध्यस्थ की भूमिका का निर्वाह करते हैं।
- **'सत्यमेव जयते'** मुण्डकोपनिषद से लिया गया है। मुण्डकोपनिषद अथर्ववेद से ग्रहण किया गया है।
- आर्यों द्वारा खोजी गई धातु लोहा थी, जिसे 'श्याम अयस' कहा जाता है।
- गायत्री मंत्र का संबंध ऋग्वेद से है। यह सवितृ नामक देवता को संबोधित मंत्र है।
- वैदिककाल में 'रामायण' एवं 'महाभारत' दो महाकाव्यों का सृजन हुआ।
- 'महाभारत' संसार का सबसे बड़ा महाकाव्य है। इसका पुरातन नाम 'जयसंहिता' है।

वेद और उनके ब्राह्मण

वेद	ब्राह्मण
ऋग्वेद	एतरेय और कौशितिकी या सांख्य
सामवेद	पंचविंश (ताण्ड्य महाब्राह्मण)
षड्विंश	ब्राह्मण, जैमिनिय ब्राह्मण।
यजुर्वेद	शतपथ (सबसे प्राचीन और सबसे बृहद ब्राह्मण) और तैतेरिय
अथर्ववेद	गोपथ (चिकित्सा विज्ञान, सौन्दर्य और जादू पर एक रचना)

- **आरण्यक** मुख्यतः साधु-संतों और जंगलों में रहनेवाले विद्यार्थियों के लिए लिखे गए।
- **गाय को न मारे जाने वाले पशु की श्रेणी में रखा गया था। वेदों में गाय की हत्या करने के लिए मृत्युदंड या देश निकाले की व्यवस्था है।**
- **उपनिषदों** में धार्मिक अनुष्ठान के विपरीत ब्रह्म (ईश्वर) और जीव (प्राणी) के बीच सम्बन्धों के विषय में चर्चा है।
- उपनिषद दार्शनिक संग्रह हैं और इन्हें वेदांत कहा गया है। क्योंकि वेदों के बाद इनकी रचना हुई।
- **वृहदारण्यक** 108 उपनिषदों में सबसे प्राचीन उपनिषद है।
- ऋग्वेद के अनुसार प्रसिद्ध दास-राजन युद्ध या 10 राजाओं के मध्य का युद्ध सूद, तित्सु परिवार में राजा भरत एवं 10 सुप्रसिद्ध

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

जनजातियों के संघ पुरु, यदु, तुर्वस, अनु, द्रुह्यु, अलीने, पाकठ, बह्लन, शिवा, विषनिन के मध्य हुआ।

- परुष्णी नदी के किनारे लड़े गए इस रक्त रंजित और निर्णयात्मक युद्ध में भरत विजयी हुए।
- सभा और समिति (लोकप्रिय सभाएँ) वैदिक राज्यों की कार्यवाहियों को नियंत्रित करती थीं।
- इन दो सभाओं को प्रजापति की दो पुत्रियाँ कहा गया।

आर्यों की प्रशासनिक इकाई क्रमशः पाँच भागों में बंटी थी –

1. कुल – परिवार 2. ग्राम – गाँव
3. विश – गोत्र 4. जन – लोग
5. राष्ट्र – देश

- वैदिक आर्य प्रकृति की शक्तियों की पूजा करते थे, जैसे – पृथ्वी, अग्नि, हवा (वायु), वर्षा (मेघ) और बिजली (वज्र)। उनका मुख्य पेशा पशु-पालन था।
- राजा जनजातियों की सुरक्षा के लिए उत्तरदायी था।
- युद्ध में कबीले का नेतृत्व राजा करता था।
- **वेदांग** की रचना उत्तर वैदिक काल के दौरान हुई। शिक्षा, कल्प, व्याकरण, निरुक्त, छन्द और ज्योतिष ये छः वेदांग हैं।

शिक्षा–	स्वर विज्ञान
कल्प –	अनुष्ठान
व्याकरण –	व्याकरण
निरुक्त –	शब्द शास्त्र
छन्द –	छन्द
ज्योतिष –	ज्योतिष

- **उपवेदों** की रचना वेदांगों के बाद हुई।
- चार उपवेद हैं –

उपवेद	सम्बधित वेद
आयुर्वेद (औषधि)	ऋग्वेद
धनुर्वेद (तीरन्दाजी)	याजुर्वेद
गंधर्ववेद (संगीत)	सामवेद
शिल्पवेद (शिल्प)	अथर्ववेद

- **पुराण** का अर्थ है 'पुराना' और इनकी संख्या 18 है।
- 'अष्टाध्यायी' पाणिनि के द्वारा लिखी गई पूरे विश्व की पहली व्याकरण की पुस्तक है।
- 'रामायण' और 'महाभारत' दो भारतीय महाकाव्य हैं।
- दर्शन, वेदों के सहायक निबन्ध हैं। भारतीय दर्शन की छः शाखाएँ हैं जिन्हें षड्दर्शन कहा जाता है।

षड्दर्शन

न्याय दर्शन	अक्षपाद गौतम
वैशेषिक	महर्षि कणाद
सांख्य दर्शन	कपिल मुनि
योग दर्शन	पतंजलि
पूर्व मीमांसा	जैमिनी
उत्तर मीमांसा	बदरायण ऋषि

- शाब्दिक रूप से स्मृति का अर्थ होता है 'स्मरण'। सभी स्मृतियों की रचना गुप्त काल के दौरान हुई।

ऋग्वैदिककालीन देवता एवं उनका संबंध

देवता	संबंध
पूषण	जानवरों के देवता
अग्नि	देवता एवं मनुष्यों के बीच मध्यस्थ
उषा	प्रगति एवं उत्थान के देवता
वरूण	विश्व के नियामक एवं शासक
मरूत	आँधी–तूफान के देवता
दयौ	आकाश के देवता (सबसे प्राचीन)
इन्द्र	युद्ध एवं वर्षा के देवता
सोम	वनस्पति के देवता
आश्विन	विपत्तियों को दूर करने वाले देवता
विष्णु	विश्व के पालनकर्ता

प्राचीन नदियाँ और उनके आधुनिक नाम

वितस्ता	झेलम
अस्किनी	चिनाव
परुष्णी	रावी
विपाशा	व्यास
सतद्रु	सतलज
गोमती	गोमल
कुभा	काबुल
सदानीरा	गंडक
सरस्वती	घग्गर

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विद्वान और उनके संरक्षक

हेमचन्द्र	अन्हिलवाड़ के चालुक्य कुमारपाल
नागार्जुन	कनिष्क
अमरसिंह	चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
रविकीर्ति	पुलकेशिन
वाक्पतिराज	कन्नौज के यशोवर्मन
भवभूति	कन्नौज के यशोवर्मन
हरिसेन	समुद्रगुप्त
राजशेखर	प्रतिहारों के महीपाल और महेन्द्रपाल
बाणभट्ट	हर्ष
दण्डी	नरसिंहवर्मा पल्लव
भारवि	सिंह विष्णु पल्लव
गुणाढ्य	सातवाहन के हल
जिनसेन	राष्ट्रकूट के अमोघवर्ष
जयदेव	बंगाल के लक्ष्मणसेन
विल्हण	कल्याणी के चालुक्य विक्रमादित्य षष्ठ
लक्ष्मीधर	कन्नौज के गढ़वालों के गोविन्दचन्द्र
कल्हण	कश्मीर के श्रीहर्ष

उत्तर वैदिक काल (1000–600 ई०पू०)

- उत्तर वैदिक काल में समाज चार वर्णों में विभाजित हो गया। ये वर्ण **ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य** और **शूद्र** कहलाए।
- सभी तीन उच्च वर्ण एक जैसे रंग-रूप वाले थे, वे द्विज (पुनः जन्म) के रूप में जाने जाते थे।
- चौथा वर्ण पवित्र धागे (जनेऊ) के समारोह से वंचित था और इस कारणवश शूद्रों के ऊपर अयोग्यता का आरोपण शुरू हो गया।
- शूद्रों के लिए समाज में बुरी स्थिति कायम हो गई। वे दूसरों के नौकर कहे जाने लगे।
- उत्तर वैदिक काल में राजा के राज्याभिषेक के समय 'राजसूय यज्ञ' नामक अनुष्ठान होता था।
- साधारणतः स्त्रियों को निम्न स्थिति प्रदान की गई।
- उत्तर वैदिक काल का 'सांख्य दर्शन' भारत के सभी दर्शनों में सबसे प्राचीन है। इसके अनुसार मूल तत्त्व पच्चीस हैं जिनमें प्रकृति प्रथम तत्त्व है।
- उत्तर वैदिक काल में आश्रम या जीवन के **चार चरणों की रचना की गई।**
  - (i) **ब्रह्मचर्य** या विद्यार्थी जीवन,
  - (ii) **गृहस्थ** या घर का स्वामी,
  - (iii) **वानप्रस्थ** या आंशिक सेवानिवृत्ति,
  - (iv) **संन्यास** या पूर्ण, रूप से संसार के कर्मों से निवृत्ति।
- उत्तर वैदिक काल में वर्ण, व्यक्ति के कार्य या व्यवसाय के बजाय जन्म के आधार पर निर्धारित होने लगे।

ऋग्वेद की रचना के संदर्भ में विभिन्न मत

मैक्समूलर	1200–1800 ई०पू०
बाल गंगाधर तिलक	600 ई०पू०
जैकोबी	3000 ई०पू०
विंटरनित्ज	2500 ई०पू०

शतपथ ब्राह्मण में 12 रत्निन

(1) युवराज
(2) पालागल – राजा का मित्र एवं विदूषक का पूर्वज
(3) सूत – सारथी
(4) क्षत्र – प्रतिहारी
(5) राजा
(6) भागदुघ – कर संग्रह करने वाला
(7) सेनानी – सेनापति
(8) महिषी – पटरानी
(9) ग्रामणी – लड़ने वाले दल का नेता
(10) पुरोहित –मंत्री
(11) संग्रहीता – कोषाध्यक्ष
(12) अक्षावाप – पासे के खेल में राजा का सहयोग करने वाला

विवाह के विभिन्न प्रकार

असुर – कन्या को खरीदकर किया गया विवाह।
गंधर्व – दो पक्षों की स्वीकृति से और प्रायः गुप्त रूप से किया गया विवाह गंधर्व विवाह है। गंधर्व विवाह का विशेष उदाहरण स्वयंवर या स्वेच्छा से चयनित पात्र से विवाह है।
ब्रह्म – कन्या पक्ष के द्वारा उपयुक्त दहेज देकर कन्या के उसी वर्ण के पुरुष के साथ वैदिक संस्कार और अनुष्ठान के साथ किया गया विवाह।
दैव – पिता अपनी पुत्री को यज्ञीय पुरोहितों को शुल्क या दक्षिणा के रूप में दे तो ऐसे विवाह को दैव विवाह कहते हैं।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अर्श – वधू की कीमत के रूप में एक गाय या बैल दिया जाता है।

प्रजापति – दहेज या वधू की कीमत लिए बिना किया गया विवाह।

पैशाच – यदि एक लड़की का सतीत्व हरण उस समय किया गया हो जब वह निद्रा में हो या मानसिक रूप से विक्षिप्त हो या नशे में हो।

राक्षस – कन्या (लड़की) से विवाह उसे पकड़कर या कैद में रखकर करना।

- उत्तर वैदिक काल में प्रजापति (ब्रह्मा) को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था।
- गोत्र नामक संस्था उत्तरवैदिक काल से प्रचलन में आयी।

महाजनपद

महाजनपद	राजधानी	वर्तमान क्षेत्र
गंधार	तक्षशिला	अफगानिस्तान का हिस्सा
कम्बोज	रायपुर	कश्मीर और अफगानिस्तान का हिस्सा
अस्मक	पोतना	गोदावरी घाटी
वत्स	कौशाम्बी	इलाहाबाद
अवन्ति	उज्जैन	मालवा और म० प्र० का एक भाग
सूरसेन	मथुरा	उत्तर प्रदेश में मथुरा
चेदि	सुक्तिमति	मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड
मल्ल	कुशिनारा, पावा	पूर्वी उत्तर प्रदेश
कुरु	हस्तिनापुर इन्द्रप्रस्थ	दिल्ली और मेरठ
मत्स्य	विराट नगरी	जयपुर और अलवर
वज्जी	वैशाली	उत्तर बिहार
अंग	चम्पा	बिहार में भागलपुर और मुंगेर
काशी	बनारस	वाराणसी
कौशल	श्रावस्ती	उत्तर प्रदेश में अवध
मगध	गिरिव्रज, राजगृह	बिहार में पटना और गया
पंचाल	अहिछत्र	उत्तर प्रदेश में रोहिलखण्ड

- छठी और चौथी शताब्दी ई० पू० के दौरान मगध (बिहार) सबसे अधिक शक्तिशाली जनपद बन गया।
- मगध की सबसे प्राचीन राजधानी राजगीर थी जो उस समय गिरिव्रज कही जाती थी।

धार्मिक आन्दोलन

- धार्मिक आन्दोलन 600 ई० पू० में अस्तित्व में आया।
- इस आन्दोलन का मुख्य कारण ब्राह्मणों के आधिपत्य के विरुद्ध प्रतिक्रिया के फलस्वरूप और उत्तरपूर्व में कृषि अर्थव्यवस्था के विस्तार का परिणाम था।

जैन धर्म

- संस्थापक ऋषभदेव (प्रथम तीर्थंकर) थे।
- महावीर स्वामी का जन्म 540 ई० पू० कुण्डग्राम (वैशाली) में हुआ।
- महावीर स्वामी के बचपन का नाम वर्धमान था। इन्होंने 30 वर्ष की अवस्था में माता–पिता की मृत्यु के बाद संन्यास ग्रहण किया।
- महावीर स्वामी ने अपने उपदेश प्राकृत भाषा (अर्द्धमागधी) में दिए।
- जैन धर्म के **त्रिरत्नों** के नाम इस प्रकार हैं– (i) सम्यक दर्शन (ii) सम्यक ज्ञान (iii) सम्यक् आचरण
- जैन धर्म के पंच महाव्रत हैं – अहिंसा, सत्यव्रत, अस्तेय, अपरिग्रह एवं ब्रह्मचर्य।
- जैन धर्म के 23 वें तीर्थंकर काशी के इक्ष्वाकु वंश के राजा अश्वसेन के पुत्र पार्श्वनाथ थे। इनके द्वारा दी गई शिक्षा थी– (i) हिंसा न करना, (ii) सदा सत्य बोलना, (iii) चोरी न करना, एवं (iv) संपत्ति न रखना (v) ब्रह्मचर्य।
- जैन धर्म आत्मा को मान्यता प्रदान करता है।
- खजुराहो के जैन मंदिरों का निर्माण चंदेल वंश के शासकों के द्वारा किया गया था।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- मौर्योत्तर युग में मथुरा जैन धर्म का प्रसिद्ध केन्द्र था।
- जैन धर्म ईश्वर में विश्वास नहीं रखता है।

जैन धर्म के प्रमुख तीर्थंकर एवं प्रतीक- चिह्न

तीर्थंकर का नाम	प्रतीक-चिह्न
ऋषभदेव (पहले)	सांड़
अजितनाथ (दूसरे)	हाथी
संभव (तीसरे)	घोड़ा
संपार्श्व (सातवें)	स्वस्तिक
शांति (सोलहवें)	हिरण
नामि (इक्कीसवें)	नीलकमल
अरिष्टनेमि (बाईसवें)	शंख
पार्श्व (तेईसवें)	सर्प
महावीर (चौबीसवें)	सिंह

- महावीर 24 तीर्थंकरों में अंतिम तीर्थंकर थे। इन्हें 12 वर्षों की कठिन तपस्या के बाद जृम्भिक के पास ऋजुपालिका नदी के तट पर साल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ।
- जैनधर्म चन्द्रगुप्त मौर्य के काल में दो पंथों में विभक्त हो गया— श्वेताम्बर और दिगम्बर।
- पहली परिषद 300 ई० पू० पाटलिपुत्र में स्थूलभद्र के द्वारा आयोजित की गई।
- दूसरी परिषद छठी शताब्दी में वल्लभी (गुजरात) में देवर्धि क्षमाश्रवण के नेतृत्व में हुई।
- 468 ई० पू० बिहार राज्य के पावापुरी (राजगीर) में 72 वर्ष की आयु में महावीर ने निर्वाण (मृत्यु) प्राप्त किया।

बौद्ध धर्म

- बौद्ध धर्म के संस्थापक गौतम बुद्ध थे।
- गौतम बुद्ध का जन्म 563 ईसा पूर्व कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक जगह पर हुआ था।
- गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
- उनके पिता शाक्य गणराज्य के शासक थे, जिनका नाम शुद्धोधन था और माता का नाम महामाया था।
- गौतम बुद्ध का विवाह 16 वर्ष की अवस्था में यशोधरा नामक सुन्दर कन्या के साथ हुआ। इनके पुत्र का नाम राहुल था।
- सिद्धार्थ को कपिलवस्तु का भ्रमण करते समय ये चार दृश्य दिखे –
  (i) एक बूढ़ा व्यक्ति,
  (ii) एक बीमार व्यक्ति,
  (iii) एक मृतक एवं
  (iv) एक संन्यासी
- सिद्धार्थ को 6 वर्ष की कठिन तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में वैशाख की पूर्णिमा की रात्रि निरंजना (फल्गु) नदी के किनारे पीपल के पेड़ के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुई।
- ज्ञान-प्राप्ति के बाद सिद्धार्थ को बुद्ध के नाम से जाना गया। ज्ञान-प्राप्ति का स्थान बोधगया (बिहार) कहलाया।
- गौतम बुद्ध ने प्रथम उपदेश सारनाथ (वाराणसी) नामक स्थान पर दिया था। बौद्ध धर्म में इसे धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया है।
- गौतम बुद्ध ने अपने उपदेश जनसाधारण की भाषा 'पालि' में दिए।
- 'पालि त्रिपिटक' ग्रंथ से हमें बौद्ध धर्म के बारे में विस्तृत जानकारी मिलती है।
- बौद्ध धर्म का ईश्वर में विश्वास नहीं है। इस धर्म में आत्मा की परिकल्पना भी नहीं की गई है। जबकि इस धर्म में पुनर्जन्म की मान्यता है।
- बौद्ध धर्म के त्रिरत्न इस प्रकार हैं— बुद्ध, धम्म एवं संघ।
- तृष्णा क्षीण हो जाने की अवस्था को ही बुद्ध ने निर्वाण कहा है।
- 'विश्व दुखों से भरा है' इस सिद्धान्त को बुद्ध ने उपनिषद से उद्धृत किया।
- बौद्ध धर्म तीन मुख्य पंथों में विभाजित हो गया – हीनयान, महायान और वज्रयान।
- **तीन त्रिपिटक** – विनय पिटक (नियम और कानून जिसे बुद्ध ने फैलाया था), सुत्त पिटक (स्वयं बुद्ध के द्वारा दिए गए भाषण) और अभिधम्म पिटक (बौद्ध दर्शन) पर प्रकार डाला गया है।
- जातक कथाएँ बुद्ध के पुनर्जन्म की कहानियाँ हैं।
- गौतम बुद्ध का महापरिनिर्वाण मल्लों की

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राजधानी कुशीनगर, उत्तर प्रदेश में 483 ई० पू० में 80 वर्ष की अवस्था में हुई।

शैव धर्म

- ऋग्वेद में शिव के लिए 'रूद्र' नामक देवता का उल्लेख है।
- एक संप्रदाय के रूप में शैव धर्म का प्रारंभ, शुंग सातवाहन काल से हुआ।
- शैव संप्रदायों का सर्वप्रथम उल्लेख, पंजजलि के महाभावय में शिव भागवत के नाम से हुआ।
- लिंग पूजा का पहला स्पष्ट वर्णन 'मत्स्यपुराण' में मिलता है।
- दक्षिण भारत में शैवधर्म चालुक्य, राष्ट्रकूट, पल्लव एवं चोलों के काल में लोकप्रिय हुआ।
- शैव धर्म का प्रचार आडियार संतों ने किया, ये संख्या में 63 थे।
- ऐलोरा के प्रसिद्ध कैलाश मंदिर का निर्माण राष्ट्रकूटों के द्वारा करवाया गया था।
- वामन पुराण में शैव संप्रदाय की संख्या चार बताई गई है– 1. शैव, 2. पाशुपत, 3. कापालिक, 4. कालामुख।

वैष्णव धर्म

- वैष्णव धर्म के प्रवर्तक कृष्ण थे।
- छान्दोग्य उपनिषद में श्रीकृष्ण का सर्वप्रथम उल्लेख किया गया।
- इस धर्म का उद्‌भव मौर्योतर काल में हुआ।
- वैष्णव धर्म में सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण भक्ति को माना गया है।
- कृष्ण को मेगस्थनीज ने 'हेराक्लीज' कहा।
- अलवार दक्षिण भारत के वैष्णव संत थे।

इस्लाम धर्म

- इस्लाम धर्म के संस्थापक हजरत मुहम्मद साहब थे।
- पैगंबर मुहम्मद साहब ने कुरान की शिक्षाओं का उपदेश दिया था।
- हजरत मुहम्मद साहब की मृत्यु के उपरान्त इस्लाम धर्म शिया तथा सुन्नी नामक दो पंथों में विभाजित हो गया।
- इब्न ईशाक ने सर्वप्रथम पैगंबर मुहम्मद साहब का जीवन–चरित लिखा।
- पैगंबर मुहम्मद साहब के जन्म–दिन पर ईद–ए–मिलाद–उन–नबी मनाया जाता है।
- कुरान इस्लाम धर्म का पवित्र ग्रंथ है।
- हजरत मुहम्मद साहब को 610 ई० में मक्का के पास हीरा नामक गुफा में ज्ञान प्राप्ति हुई।
- मान्यता है कि देवदूत जिब्रियल ने मुहम्मद साहब को कुरान अरबी भाषा में भेजा था।

ईसाई धर्म

- ईसाई धर्म के संस्थापक ईसा मसीह हैं।
- ईसाई धर्म का प्रमुख धार्मिक ग्रंथ **बाइबिल** है।
- रोमन गवर्नर पोंटियस ने ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया था।
- ईसा मसीह का जन्म–दिवस 'क्रिसमस' के रूप में मनाया जाता है।
- ईसा मसीह की माता का नाम 'मेरी' एवं पिता का नाम 'जोसेफ' था।
- ईसाई धर्म का सबसे पवित्र चिह्न 'क्रॉस' है।
- ईसा मसीह ने अपना जीवन के प्रथम 30 वर्ष एक बढ़ई के रूप में बैथलेहम के निकट नाजरथ में व्यतीत किए।

प्राचीन भारत के महत्त्वपूर्ण वंश

हर्यक वंश (544 – 412 ई० पू०)

- **बिम्बिसार** हर्यक वंश के संस्थापक और प्रथम शासक थे। उनके राज्य की राजधानी राजगृह थी।
- उन्होंने वैवाहिक संधियों से अपनी स्थिति को मजबूत बनाया। उनकी तीन पत्नियाँ थीं – कौशल के राजा की बेटी, चेलना (लिच्छवी राजकुमारी) और मद्र देश, (आधुनिक पंजाब) की राजकुमारी।
- बिम्बिसार ने अवन्ति के राजा प्रद्योत की चिकित्सा के लिए राजवैद्य जीवक को उज्जैन भेजा।
- जैन साहित्य में बिम्बिसार को 'श्रेणिक' की उपाधि प्रदान की गई है।
- बिम्बिसार को दहेज के रूप में 1 लाख की आबादी वाला काशी गाँव मिला।
- बुद्धघोष कहता है कि बिम्बिसार के विशाल साम्राज्य में 8 लाख ग्राम शामिल थे।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- उसने राजगृह नाम के नए नगर की स्थापना की और उसे अपनी राजधानी बनाया।
- बुद्ध से भेंट होने के बाद उसने बौद्ध धर्म को अंगीकार कर लिया।
- 'महावंश' की धारणा के अनुसार उसने 52 वर्ष शासन किया। इतिहासकारों का अनुमान है कि यह काल 543 ई० पू० से 493 ई० तक रहा होगा।
- बिम्बिसार के बाद **अजातशत्रु** ने गद्दी संभाली। उसने अपने पिता को मारा और राजगद्दी पर अपना अधिकार किया।
- अजातशत्रु को उपनाम 'कुणिक' के नाम से जाना जाता है।
- वह भगवान महावीर और भगवान बुद्ध का समकालीन था और बौद्ध धर्म को माननेवाला था।
- अजातशत्रु के बाद उदयिन ने राजगद्दी संभाली।
- उसने पटना में गंगा और सोन के संगम पर एक किला बनवाया।
- उसने राजधानी को राजगृह से पाटलिपुत्र में स्थानांतरित किया।
- उदयिन या उदयभद्र ने 32 वर्ष तक राज्य किया।

शिशुनाग वंश (412 – 344 ई० पू०)

- अन्तिम हर्यक शासक नागदशक को उसके दरबारी शिशुनाग ने अपदस्थ करके 412 ई० पू० में शिशुनाग वंश की स्थापना की।
- शिशुनाग के बाद उनके पुत्र कालाशोक ने राज्य संभाला।
- द्वितीय बौद्ध परिषद वैशाली में आयोजित की गयी।
- इसका आयोजन 383 ई० पू० में कालाशोक ने किया।
- शिशुनाग वंश के अंतिम शासक नन्दीवर्धन थे।
- 'पुराण' और 'दिव्यावदान' यह बताते है कि 'कालाशोक' का एक अन्य नाम 'काकवर्ण' था।
- कालाशोक ने अपनी राजधानी वैशाली से पाटलिपुत्र में स्थापित की।
- यदि 'दीपवंश' और 'महावंश' पर विश्वास किया जाए तो उसने 28 वर्षों तक शासन किया।
- कालाशोक की मृत्यु के बाद उसके उत्तराधिकारियों ने 22 वर्ष तक शासन किया।

नन्द वंश (कौटिल्य/विष्णुगुप्त)

- महापद्मनन्द ने नन्द वंश की स्थापना शक्तिशाली साम्राज्य के रूप में की।
- नन्द वंश के पास एक विशाल सैन्य शक्ति थी जिसमें 2,00,000 पदाति (पैदल), 20,000 घुड़सवार, 2,000 रथ और 3,000 हाथी थे।
- नन्द वंश के अन्तिम शासक धना नन्द थे। वे सिकन्दर के समकालीन थे।
- सिकन्दर ने 326 (ई० पू०) में धना नन्द के शासक काल के दौरान भारत पर आक्रमण किया।
- महाबोधि वंश में प्रथम नन्द राजा को उग्रसेन बताया गया है। पुराणों के अनुसार उसे महापद्म या महापद्मपति कहा गया है।
- 'कर्टियस' कहता है कि नन्द का पिता नाई था जिसके संबंध कालाशोक की पत्नी से थे।
- डायटोरस के अनुसार नाई का पुत्र समझे जाने के कारण नंद का कहीं सम्मान नहीं होता था।
- महापद्म नंद के आठ पुत्र थे। उसका अंतिम पुत्र धनानंद सिकंदर के काल का था। ग्रीक लेखकों ने उसे अग्रमीज एवं जैन्द्रमीज कहा।
- धनानंद का पराभव चंद्रगुप्त मौर्य ने किया।
- धनानंद के शासन के मध्य में सिंकदर ने 322 ई० पू० में पश्चिमी तट पर हमला किया।

मौर्य साम्राज्य (322-185 ई० पू०)

चन्द्रगुप्त मौर्य

- मौर्य साम्राज्य का संस्थापक चंद्रगुप्त मौर्य था।
- उन्होंने चाणक्य की सहायता से राजा धना नन्द को हराया।
- चन्द्रगुप्त का ग्रीक और लैटिन नाम सेन्ड्रोकोटोस या एन्ड्रोकोटस था।
- चंद्रगुप्त की राजधानी पाटलिपुत्र थी।
- चंद्रगुप्त ने 24 वर्षों तक शासन किया।
- चंद्रगुप्त ने 305 ई० पू० में सेल्यूकस निकेटर को हराया।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- सेल्यूकस निकेटर ने अपनी पुत्री कार्नेलिया की शादी चन्द्रगुप्त मौर्य के साथ कर दी और युद्ध की संधि शर्तों के अनुसार चार प्रांत काबुल, कन्धार, हेरात एवं मकरान चन्द्रगुप्त को दे दिए।
- सेल्यूकस ने चन्द्रगुप्त के दरबार में मैगस्थनीज को राजदूत के रूप में भेजा।
- मैगस्थनीज ने 'इंडिका' की रचना की थी।
- चाणक्य (कौटिल्य/विष्णुगुप्त) ने 'अर्थशास्त्र' नामक पुस्तक की रचना की।
- चन्द्रगुप्त मौर्य के बाद बिंदुसार राजा बने।
- चन्द्रगुप्त का महल लकड़ी से बना हुआ था।
- चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपना अंतिम समय कर्नाटक के श्रवणबेलागोल में बिताया।

बिंदुसार

- बिंदुसार को 'अमित्रघात' के नाम से जाना जाता है 'अमित्रघात' का अर्थ 'शत्रु विनाशक' होता है।
- बिन्दुसार के शासन काल में डायमेकस नामक यूनानी राजदूत उसके दरबार में आया था।

अशोक

- बिन्दुसार के बाद उनके पुत्र अशोक ने राज्य संभाला।
- पुराणों में अशोक को अशोकवर्धन के नाम से संबोधित किया गया है।
- अशोक ने बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए अपने पुत्र मेंहद्र एवं पुत्री संघमित्रा को श्रीलंका भेजा।
- भारत वर्ष में शिलालेखों के प्रचलन का श्रेय सम्राट अशोक को प्रदान किया गया है।
- अशोक का सातवां शिलालेख सबसे लंबा है, जिसमें सभी सम्प्रदायों के लिए सहिष्णुता की बात है।
- कलिंग का युद्ध 261 ई० पू० उनके जीवन का एक निर्णायक मोड़ था।
- कलिंग के युद्ध की सामूहिक मृत्यु ने अशोक का हृदय परिवर्तन कर दिया और वह बौद्ध धर्म का अनुयायी बन गया।
- सारनाथ में स्थित अशोक-स्तम्भ को भारत का राष्ट्रीय प्रतीक अधिगृहीत किया गया।
- सांची सारनाथ, तक्षशिला सहित लगभग 84,000 स्तूपों को अशोक के द्वारा निर्मित किया गया।
- अशोक के द्वारा निर्मित धमेक स्तूप (सारनाथ, उत्तर प्रदेश), भरहुत स्तूप (मध्य प्रदेश), महाबोधि मंदिर गया, (बिहार) अत्यंत भव्य हैं।
- अन्तिम मौर्य राजा वृहद्रथ अपने सेनापति पुष्यमित्र के द्वारा मारा गया।
- पुष्यमित्र ने शुंग वंश की स्थापना की।
- मौर्य साम्राज्य के इतिहास के महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं अर्थशास्त्र – कौटिल्य, इंडिका – मेगस्थनीज, राजतरंगिणी – कल्हण, महाभाष्य – पतंजलि।
- दूसरे स्रोत – पुराण, बौद्ध संग्रह, अशोक के अभिलेख, मौर्यों के पत्थरों और स्तम्भों पर (शिलाएँ) अध्यादेश।

संख्या	शासक	शासन
1.	चंद्रगुप्त मौर्य	322 (ई०पू०) से 297 (ई०पू०)
2.	बिंदुसार	298 (ई०पू०) से 272 (ई०पू०)
3.	अशोक	274 (ई०पू०) से 232 (ई०पू०)
4.	दशरथ	232 (ई०पू०) से 224 (ई०पू०)
5.	सम्प्रति	224 (ई०पू०) से 215 (ई०पू०)
6.	शालिसुक	215 (ई०पू०) से 202 (ई०पू०)
7.	देववर्मन	202 (ई०पू०) से 195 (ई०पू०)
8.	सत्तधनवन	195 (ई०पू०) से 187 (ई०पू०)
9.	वृहद्रथ	187 (ई०पू०) से 185 (ई०पू०)

शुंग वंश (185 से 73 ई०पू०)

- पुष्यमित्र शुंग मौर्य साम्राज्य के अन्तिम राजा वृहद्रथ का सेनापति था। उसने वृहद्रथ को मारकर 184 (ई० पू०) में शुंग वंश की स्थापना की।
- वह मगध वंश का था और इसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी लेकिन बाद में शुंग शासकों की राजधानी उज्जयिनी (विदिशा) हुई।

शुंग शासक

- पुष्यमित्र शुंग, अग्निमित्र, वासुज्येष्ठ वसुमित्र, अन्ध्रक पुलिन्दक, घोष, वज्रमित्र, भागभद्र, देवभूति

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- पतंजलि (संस्कृत के व्याकरणाचार्य) पुष्यमित्र शुंग के द्वारा संरक्षित किए गए थे।

कण्व वंश

- संस्थापक – वासुदेव कण्व
- वासुदेव एक ब्राह्मण थे और भगवान विष्णु के अनुयायी थे।
- अन्य शुंग शासक – भूमिमित्र, नारायण, सुशर्मण।
- सुशर्मण सातवाहन शासक के द्वारा मारा गया।

आंध्र सातवाहन वंश

- **संस्थापक** – सिमुक
- आन्ध्र वंश कृष्णा और गोदावरी नदियों के बीच के क्षेत्र में अवस्थित था।
- सबसे शक्तिशाली सातवाहन राजा गौतमीपुत्र शतकर्णी (106 से 130 ई०) थे।
- उन्होंने शकों, यवन (ग्रीक) और पल्लवों (पार्थियन) को पराजित किया।

अन्य वंश

- खरवेला चेदि वंश के सबसे महानतम शासक थे।
- जानकारियों (सूचना) के स्रोत –हाथीगुम्फा स्तम्भ शिलालेख (खरवेला के दवारा निर्मित)।
- खरवेला ने डेमेट्रियसों (बैक्ट्रिया) का विरोध किया और उनको पराजित किया।
- इंडो-ग्रीक, भारत में सोने का सिक्का जारी करने वालों में से पहले थे। सिक्का जारी करने की संख्या कुषाण शासन काल में बढ गई।
- शक मूलतः ईरान के घुमन्तू जनजातियों के दल थे या सीथियन जनजाति के थे जो मध्य एशिया में रहते थे।
- भारत के सबसे प्रसिद्ध शक शासक रुद्रदामन I (130 – 150 ई० पू०) थे।
- उत्तर पश्चिमी भारत में शक राज्यों का अनुकरण पार्थियन (शक पहलव संस्कृत संग्रह में) ने किया।
- सबसे प्रसिद्ध पार्थियन राजा गोंडोफ़ेरनेस थे।
- वे कुषाणों द्वारा पहली शताब्दी दिवतीयार्ध में पराजित किए गए।

संगम राज्य

संगम	संचालन स्थान	प्रमुख	राज्य
पहला	थेनमदुरई	अगस्त्य	पान्डिया
दूसरा	कपटपुरम	पूर्व में अगस्त्य, बाद में तोलकप्पिर (अगस्त्य के शिष्य)	पान्डिया
तीसरा	उत्तर मदुरई	नक्कीरर	पान्डिया

संगमकालीन प्रमुख राजवंश

चेर राजवंश

- चेर वंश का शासन केरल के क्षेत्र पर था। इस वंश का प्रतीक चिह्न धनुष था।
- चेर वंश के संस्थापक उतियन चेरालतन थे।
- चोल वंश के संस्थापक – विजयालय, (850–87 ई०) राजधानी – कावेरीपट्टनम।
- चोल वंश के सबसे अधिक शक्तिशाली राजा – राजराज (985 – 1014) और उनके पुत्र राजेन्द्र I थे।

चोल राजवंश

- चेर, चोल, पाण्ड्य राजवंशों के राजचिह्न क्रमशः धनुष, बाण तथा मछली थे।
- राजेन्द्र I ने नई राजधानी की स्थापना की जिसे गंगैकोंड चोलपुरम् कहा जाता था।
- राजेन्द्र I ने सुमात्रा के राजाओं को नौसेना के अभियान में पराजित किया और उनके राज्य के एक हिस्से को अपने राज्य में मिला लिया।
- चोल वंश के सबसे अन्तिम शासक राजेन्द्र चोल III थे। पाण्ड्य वंश, राजधानी मदुरई।
- सम्पूर्ण चोल साम्राज्य 6 प्रांतों में विभक्त था। प्रांत को मंडलम् कहा जाता था। मंडलम कोट्टयम में, कोटयम नाडु में, नाडु कुर्रमों में विभक्त था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

पांड्य राजवंश

- पाण्ड्य शासक लगातार पल्लवों, चोलों और सीलोन के शासकों से युद्धरत थे।
- तीन संगम महाकाव्य – सिलप्पादिकरम, मितिमेकालई और सिवाग सिडामनई थे।

गुप्त साम्राज्य (320 - 550)

- गुप्त वंश के संस्थापक – श्रीगुप्त।
- गुप्त काल में महान गणितज्ञ आर्यभट्ट हुए थे। इन्होंने शून्य (0) संख्या की खोज की थी और पाइ (π) का मान ज्ञात किया। इन्होंने 'आर्यभटीयम' और 'सूर्यसिद्धांत' की रचना की थी।
- महान चिकित्सक धन्वंतरि का भी इसी युग में जन्म हुआ था।
- संस्कृत भाषा और साहित्य इस काल के दौरान अपने चरमोत्कर्ष पर थे। कवि कालिदास, दण्डी, विशाखदत्त, शूद्रक और भारवि–सब गुप्त युग से संबंधित थे।
- **चंद्रगुप्त** (319 – 335) घटोत्कच के पुत्र और श्रीगुप्त के पौत्र थे।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में चीनी बौद्ध यात्री फाहियान भारत की यात्रा पर आया था।
- कालिदास चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में संस्कृत भाषा के सबसे प्रसिद्ध कवि थे।
- गुप्त संवत (319–320 ई0) की शुरुआत चंद्रगुप्त प्रथम ने की।
- समुद्रगुप्त भगवान विष्णु की पूजा करता था।
- अंतिम गुप्त शासक भानुगुप्त था।
- गुप्तकाल का सबसे महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र उज्जैन था।
- धन्वंतरि चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में रहने वाले आयुर्वेदाचार्य थे।
- गुप्तकाल में मंदिर बनाने की कला का शुभारंभ हुआ।
- कुमारगुप्त प्रथम (415–454 ई०) ने नालन्दा विश्वविद्यालय का निर्माण किया।
- चंद्रगुप्त ने कुमारदेवी से विवाह किया था जो मगध के राजा की पुत्री थी। मगध के राजा ने गुप्त साम्राज्य को शक्तिशाली बनने में मदद की थी।
- चंद्रगुप्त के शासन की जानकारी का मुख्य स्रोत हरिषेण द्वारा लिखित 'प्रयाग प्रशस्ति' है।
- गुप्त संवत् की स्थापना 319–320 में चंद्रगुप्त प्रथम ने की। गुप्त संवत् और शक संवत् के मध्य 241 वर्षों का अंतर था।
- चंद्रगुप्त प्रथम का उत्तराधिकारी **समुद्रगुप्त** हुआ, जो कि 335 ई० में शासन संभाला। इसने आर्यावर्त के 9 शासकों और दक्षिणावर्त के 12 शासकों को हराया, इसी कारण उन्हें 'भारतीय नेपोलियन' कहा जाता है।
- समुद्रगुप्त के बाद उनके पुत्र चंद्रगुप्त विक्रमादित्य राजा बने।
- चंद्रगुप्त द्वितीय ने अपनी पुत्री प्रभावती का विवाह वकाटक राजा के पुत्र से किया। ये राजा ब्राह्मण जाति के थे और मध्य एशिया में शासन करते थे।
- चंद्रगुप्त द्वितीय के दरबार में नवरत्न थे। कालिदास उन नवरत्नों में से प्रमुख थे।
- उन्होंने पश्चिमी मालवा और गुजरात को जीता, जो उस समय लगभग चार शताब्दियों से शक क्षत्रपों से शासित था।
- **कुमारगुप्त** चंद्रगुप्त द्वितीय के पुत्र थे।
- हूणों के सम्पूर्ण उत्तरी भारत पर आक्रमण से कुमारगुप्त के आधिपत्य को बुरी तरह से खतरा हो गया।
- **स्कन्दगुप्त** कुमारगुप्त के पुत्र थे।
- उन्होंने पुष्यमित्र को पराजित किया जो कुमारगुप्त के शासनकाल के दौरान शक्तिशाली हो गए थे। उन्होंने श्वेत हूणों को भी पराजित किया

गुप्त वंश के शासक

गुप्त I	270 ई० – 290 ई०
घटोत्कच	290 ई० – 319 ई०
चंद्रगुप्त I	319 ई० – 335 ई०
समुद्रगुप्त	335 ई० – 375 ई०
चंद्रगुप्त II	375 ई० – 414 ई०
कुमारगुप्त I	415 ई० – 455 ई०
स्कन्दगुप्त I	455 ई० – 467 ई०

- गुप्त काल के दौरान ताम्रलिप्ति महत्त्वपूर्ण व्यापारिक स्थल के रूप में बंगाल में एक बन्दरगाह था।
- गुप्त साम्राज्य में कुमारमात्य सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण अधिकारी होते थे।
- साम्राज्य विभागों में विभाजित होते थे – भुक्ति (उपकारिक के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत था), विश्व (जिला) विश्वपति के अधिकार क्षेत्र के अन्तर्गत था।
- गुप्तकाल में चाँदी के सिक्कों को 'रुप्यका' कहा जाता था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- गुप्तकाल 'प्राचीन भारत के स्वर्णयुग' के रूप में भी जाना जाता है।

गुप्तकाल की महत्त्वपूर्ण साहित्यिक कृतियाँ

महाकाव्य	कवि
रघुवंश, ऋतुसंहार, मेघदूतम	कालिदास
रावण वध	वत्सभट्टि
काव्य दर्शन और दशकुमारचरित	दण्डी
किरातार्जुनीयम्	भारवी
नाटक	
विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, कुमारसम्भवम्,	कालिदास
मृच्छकटिकम्	शूद्रक
स्वप्नवासवदत्तम्, चारुदत्त और प्रतिज्ञायौगन्धरायणम्	भास
मुद्राराक्षस और देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त
स्तम्भ कीर्ति लेख	
प्रयाग प्रशस्ति	हरिसेन
दर्शन	
साख्यकारिका (सांख्य दर्शन पर आधारित) पदार्थ धर्मसंग्रह (वैशेषिक प्रशस्तिपद दर्शन पर आधारित)	ईश्वर कृष्ण आचार्य
व्यास भास (योगदर्शन पर आधारित)	आचार्य व्यास
न्यव भाष्य (नव्य दर्शन पर आधारित)	वात्स्यायन

धार्मिक कृति

इस काल के दौरान दो महान महाकाव्य रामायण और महाभारत को अन्तिम रूप दिया गया।

व्याकरण

अमरकोष	अमरसिंह
चंद्रव्याकरण	चंद्रगोमिन
काव्यादर्श	दण्डी
कथाएँ	
पंचतंत्र	विष्णु शर्मा
हितोपदेश	नारायण पंडित
स्मृतियाँ	
याज्ञवल्क्य स्मृति, पराशरस्मृति, वृहस्पतिस्मृति, नारदस्मृति और कात्यायनस्मृति, गणित और ज्योतिषि आर्यभट्टीय, दशगीतिका सूत्र,	आर्यभट्ट
बृहत्संहिता और पंचसिद्धान्तिका,	वाराहमिहिर
ब्रह्मसिद्धान्तिका	ब्रह्मगुप्त
विभिन्न कृतियाँ	
नीति शास्त्र	कामन्दक
कामसूत्र	वात्स्यायन
काव्यालंकार	भामह
अभिज्ञान शाकुन्तलम, कुमारसंभवम्	कालिदास
मध्यमव्यायोग, दूतवाक्य, बालचरित, प्रतिमा, अभिषेक, अविमार्क, दूतघटोत्कच, कर्णभार, उरूभड्ग, पांचरात्र	भास
भट्टी काव्य या रावण वध	भट्टी
सांख्यकारिका	ईश्वर कृष्ण
प्रमाण समुच्चय	दिड्.नाग
वसुबंधु की जीवनकथा	परमार्थ
'पदार्थ धर्म संग्रह' या 'वैशेषिक पद्धति दर्शन'	प्रशस्तपाद

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

चंद्रगुप्त द्वितीय के नवरत्न

- अमर सिंह (शब्दकोष)
- वेतालभट्ट (जादू)
- शंकु (स्थापत्य)
- वाराहमिहिर (ज्योतिष)
- धन्वंतरि (चिकित्सा)
- कालिदास (नाटक एवं कविता)
- वररुचि (व्याकरण)
- हरिषेण (कविता)
- कहपनक (ज्योतिष)

गुप्तकालीन मंदिर

क्रम संख्या	मंदिर	स्थान
1.	दशावतार मंदिर	देवगढ़ (झांसी, उ० प्र०)
2.	शिव मंदिर	भूमरा (नागोड़, म० प्र०)
3.	पार्वती मंदिर	नचनाकुठार (म० प्र०)
4.	विष्णु मंदिर	तिगवा (जबलपुर, म० प्र०)
5.	लक्ष्मण मंदिर	भीतरगांव (कानपुर, उ० प्र०)
6.	शिव मंदिर	खोह (नागोड़, म० प्र०)

उत्तर गुप्त काल (550 ई० – 647 ई०)

उत्तर भारत

पुष्यभूति वंशः पुष्यभूति (संस्थापक)

- पुष्यभूति वंश ने थानेश्वर में (करनाल, हरियाणा) छठी शताब्दी के प्रारम्भ में शासन स्थापित किया।
- इस वंश के पहले महत्त्वपूर्ण राजा प्रभाकरवर्धन (580 – 605 ई.) थे।
- मौखरी राजा ग्रहवर्मन ने राज्यवर्धन के बहनोई की हत्या कर दी और उनकी बहन राजश्री को मालवा के देवगुप्त और गौड़ के शासक की सहायता से कैदी बना लिया।
- राज्यवर्धन ने देवगुप्त को बुरी तरह से पराजित किया और गौड़ के शासक के द्वारा मारा गया।
- **हर्षवर्धन** उत्तर भारत का अन्तिम हिन्दू शासक था।
- हर्षवर्धन के शासनकाल में ही चीनी यात्री ह्वेनसांग भारत की यात्रा आया था।
- हर्षवर्धन ने 'प्रियदर्शिका', 'रत्नावली' तथा 'नागानंद' नामक तीन संस्कृत नाटक ग्रंथों की रचना की।
- हर्ष के मंत्री परिषद के मंत्री को 'सचिव' या 'आमात्य' कहा जाता था।
- हर्ष के समय में मथुरा को सूती वस्त्रों के निर्माण के लिए जाना जाता था।
- हर्ष के दरबार में बाणभट्ट के अलावा मयूर, दिवाकर एवं जयसेन जैसे विद्वान भी थे।
- हर्ष के समय में नालंदा विश्वविद्यालय का कुलपति 'शीलभद्र' था।
- उसके दरबारी कवि बाणभट्ट ने उसकी जीवनी 'हर्षचरित' के अलावा 'कादम्बरी' लिखी।
- हर्ष ने दो राज्यों थानेश्वर और कन्नौज का एकीकरण किया और अपनी राजधानी को थानेश्वर से कन्नौज स्थानांतरित किया।

दक्षिण भारत

चालुक्य

- चालुक्यों की राजधानी – बदामी (उत्तरी कर्नाटक का बागलकोट जिला) थी।
- **पुलकेशिन I** (535–566 ई०) को साधारणतः प्रथम चालुक्य राजा बनने का श्रेय दिया जाता है।
- **पुलकेशिन II** इस वंश के श्रेष्ठतम शासक थे, जिन्होंने 610–643 ई० तक शासन किया। वे हर्षवर्धन के समकालीन थे। उन्होंने हर्षवर्धन को दक्कन आने से रोका।
- पल्लवों ने प्रारम्भ में थोंडईमंडलम् के क्षेत्र को जीता।
- नरसिंहवर्मन ने महाबलीपुरम के सुन्दर मंदिरों को पूरी तरह से बनवाया।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राष्ट्रकूट (753–973 ई०)

यह वंश **दन्तिदुर्ग** के द्वारा (752 ई०) संस्थापित था। कृष्ण I ने एलोरा में कैलाश मंदिर को बनवाया। अमोघवर्ष, जिसकी तुलना विक्रमादित्य से की जाती है, ने पहली कन्नड़ कविता 'कविराजमार्ग' लिखी। राष्ट्रकूटों को गुहा मंदिर एलीफेन्टा बनाने का श्रेय प्राप्त है जो शिव को समर्पित है।

- इस वंश के प्रमुख शासक थे – कृष्ण प्रथम, ध्रुव, गोविंद तृतीय, अमोघवर्ष, कृष्ण –ii द्वितीय, इंद्र – तृतीय एवं कृष्ण – तृतीय।
- राष्ट्रकूट मुख्यतः शैव, वैष्णव, शाक्त एवं जैन संप्रदाय के उपासक थे

गंग

- उड़ीसा में शासन किया। गंग राजवंश के शासक नरसिंह देव वर्मन ने कोणार्क में सूर्य मंदिर बनवाया। अनंतवर्मन ने पुरी में जगन्नाथ मंदिर बनवाया। केशरी, जिन्होंने गंग वंश के बाद शासन किया, भुवनेश्वर में लिंगराज मंदिर बनवाया।

पल्लव

- **पाल वंश** की स्थापना गोपाल ने 750 ई० में की थी।
- संस्थापक सिंहविष्णु : राजधानी – कांची, सबसे श्रेष्ठतम राजा नरसिंहवर्मन प्रथम, जिन्होंने मामल्लपुरम (महाबलीपुरम) नगर की स्थापना की और 'पत्थर – कटे हुए रथ' और 'सात पेगोडा' बनवाया।
- इस वंश की राजधानी मुंगेर थी। जिसके सबसे महान शासक धर्मपाल ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय की स्थापना की थी और नालन्दा विश्वविद्यालय का पुनरोद्धार किया था।
- प्रतिहारों के सबसे बड़े शासक मिहिर भोज थे।
- खजुराहो के मंदिर **चंदेलों** के शासन के दौरान बुंदेलखंड में बनवाये गए।
- वतापी के चालुक्यों की स्थापना पुलकेशिन I, जो हर्षवर्धन के समकालीन थे, के समय की गई।
- **राजपूत** चार वंशों में विभाजित थे–प्रतिहार (दक्षिणी राजस्थान), चौहान (पूर्वी राजस्थान), चालुक्य/सोलंकी (काठियावाड़), परमार (मालवा)।

चोल

- संस्थापक–**विजयालय**, राजधानी – **तंजौर**
- आदित्य I चोल ने पल्लवों को खदेड़ दिया और पांड्यों को कमजोर बना दिया।
- **पुरान्तक I** ने मदुरई पर अधिकार प्राप्त किया लेकिन राष्ट्रकूटों के शासक कृष्ण III के द्वारा तक्कोलम के युद्ध में पराजित हुए।
- **राजराजा I** (985 – 1014 ई.) ने नौसेना अभियान का नेतृत्व किया। शैलेन्द्र साम्राज्य (मलय द्वीप) के विरुद्ध संघर्ष किया और उत्तरी श्रीलंका को जीता। उन्होंने 'राजराजेश्वरी' (या वृहदेश्वर) शिव के मंदिर को तंजौर में बनवाया।
- **राजेन्द्र I** (1014-1044) ने सम्पूर्ण श्रीलंका को अपने राज्य में सम्मिलित कर लिया, गंगईकोन्डा की उपाधि प्राप्त की और गंगईकोन्डा चोलापुरम् की स्थापना की।
- तमिल साहित्य का विकास हो सका तथा वेंकट माधव द्वारा ऋग्वेद की टीका लिखी गई।
- **शिव** की **नृत्य आकृति (नटराज)** का चोल युग से संबंध है। इस काल में स्थानीय स्वंय शासन अस्तित्व में आया।
- कालक्रमानुसार चोलों की राजधानी थी – उरैयूर, तंजौर, गंगईकोन्डा, चोलापुरम एवं कांची।
- चोल काल में समृद्ध व्यापारी–समूह इन नामों से जाने जाते थे – वलंजियार, नानादैसी एवं मनिग्रामम्।
- कन्नड़ साहित्य के त्रिरत्न इसी कालावधि में हुए – पंप, पोन्न एवं रत्न।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मध्यकालीन भारत का इतिहास

पूर्व मध्यकालीन युग

उत्तर भारत (800–1200 ई.)

- हर्षवर्धन की मृत्यु के बाद भारत के उत्तरी हिस्से और दक्कन (दक्षिण) में तीन वंश अस्तित्व में आए – पाल, गुर्जर, प्रतिहार और राष्ट्रकूट।
- पाल वंश (750 – 1150 ई०) ने बिहार और बंगाल में 8वीं से 12वीं शताब्दी तक शासन किया।
- पाल शासक बौद्ध धर्म के संस्थापक थे।
- गुर्जर प्रतिहार राजपूत थे जिन्होंने गुजरात, राजस्थान और बाद में कन्नौज में शासन किया।
- **नागभट्ट – I** इस वंश के महान शासक थे। उन्होंने अरब की मुस्लिम शक्तियों को पराजित किया।
- इस वंश का **अंतिम राजा यशपाल था।**
- **भोज I** (836 – 880 ई.) ने 'आदिवाराह' की उपाधि धारण की।
- राष्ट्रकूट-संस्थापक – दन्तिदुर्ग, राजधानी – मान्यखेत।
- राजा **अमोघवर्ष I** ने स्वयं 'कविराजमार्ग' के एक हिस्से का लेखन कार्य किया।
- राजा **कृष्ण I** ने एलोरा में प्रसिद्ध कैलाश मंदिर को बनवाया।
- प्राचीन भारत में प्रचलित भूमिदान के प्रकार

त्रिपक्षीय संघर्ष

- तीन दलों का युद्ध प्रतिहार, राष्ट्रकूट और पालों के बीच कन्नौज पर नियंत्रण करने के लिए लड़ा गया।
- कन्नौज गंगा व्यापारिक मार्ग पर अवस्थित था और सिल्क के व्यापारिक मार्ग से जुड़ा हुआ था।
- तीन पक्षों का युद्ध आठवीं शताब्दी के अंत से दसवीं शताब्दी के मध्य तक जारी रहा।
- यह युद्ध (संघर्ष) वत्सराज प्रतिहार के शासन के दौरान प्रारम्भ हुआ था।
- दोनों धर्मपाल (पाल राजा) और वत्सराज (प्रतिहार राजा) कन्नौज के लिए एक-दूसरे के विरुद्ध युद्ध लड़े।
- नागभट्ट II प्रतिहार ने अन्त में चक्रयुद्ध को पराजित किया और कन्नौज की गद्दी पर अधिकार कर लिया।

राजपूत

- 647 ई० और 1192 ई० (500 वर्ष) के मध्य की अवधि को भारत के इतिहास में राजपूत काल के रूप में जाना जाता है।
- सबसे अधिक शक्तिशाली राजपूत गहड़वाल (कन्नौज), परमार (मालवा) और चौहान (अजमेर) थे।
- अन्य छोटे वंश – कलचुरि (जबलपुर) चंदेल (बुंदेलखंड), चालुक्य (गुजरात) और तोमर (दिल्ली) आदि थे।

वंश	क्षेत्र
तोमर	दिल्ली
चालुक्य	गुजरात
चंदेल	बुंदेलखंड
कलचुरि	जबलपुर
प्रतिहार	दक्षिणी राजस्थान
चौहान	पूर्वी राजस्थान
सोलंकी	काठियावाड़ (गुजरात)
परमार	मालवा

- **पृथ्वीराज चौहान** (1178 – 92 ई०) के साम्राज्य के अन्तर्गत पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के क्षेत्र थे।
- उनके दरबारी कवि चन्दबरदाई ने पृथ्वीराज चौहान की जीवनी 'पृथ्वीराज रासो' लिखी।
- पृथ्वीराज चौहान ने शहाबुद्दीन मुहम्मद गौरी को 1191 में तराइन के प्रथम युद्ध में पराजित किया।
- 1192 में तराइन के द्वितीय युद्ध में मुहम्मद गौरी विजयी हुआ और उसने पृथ्वीराज चौहान को मार डाला।
- जयचंद कन्नौज का राजा था। गौरी ने 1194 में चंदावर के युद्ध में जयचंद को पराजित किया और मार डाला।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- राणा कुम्भा पश्चिमी भारत के एक राज्य मेवाड़ राज्य के शासक थे।
- गुजरात के सोलंकियों ने माउंट आबू में दिलवाड़ा मंदिर, विमल वशही और लूना वशही का निर्माण करवाया।

राजपूतों की उत्पत्ति के विषय में विभिन्न विद्वानों के मत

क्रम संख्या	मत	विद्वान
1.	भारतीय उत्पत्ति: अग्निकुण्ड द्वारा उत्पत्ति 'ब्राह्मणों से उत्पत्ति' प्राचीन क्षत्रियों द्वारा उत्पत्ति	चंदबरदाई कृत 'पृथ्वीराजरासो डॉ० दशरथ शर्मा, गौरी शंकर ओझा
2.	विदेशी उत्पत्ति विदेशी मूल के लोगों से, सिथियन जाति से, शक, कुषाण एवं भारतीयों के मिश्रण से	डी० आर० भंडारकर एवं ईश्वरी प्रसाद। कर्नल टॉड। डॉ० वी० ए० स्मिथ

दक्षिणी भारत

- चोल राज्य के संस्थापक विजयालय थे।
- राजराजा चोल (985–1014 ई०) साम्राज्यवादी और चोल शासकों में सबसे महान शासक थे। उन्होंने दूरस्थ देशों बर्मा (म्यांमार), चीन और हिन्द महासागर के पार मलेशिया से कूटनीतिक संधियाँ की।
- उन्होंने राजराजेश्वर के मंदिर को बनवाया।
- राजेन्द्र I ने नई राजधानी बनवाई जिसे गंगईकोंड–चोलपुरम कहा गया।
- यह मण्डलों (प्रान्तों) वालानाडुस (कमिश्नरी), नाडुस (जिला) और कुरम (गाँवों के समूह) में विभाजित था।
- होयसल वंश की स्थापना विष्णुवर्धन ने की थी।
- गंग कण्व वंश से सम्बन्धित थे।
- **यादव वंश** के सबसे पहले शासक भील्लम पंचम थे। इन्होंने देवगिरि को अपनी राजधानी बनाया।
- गणपति काकतीय वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था।

मध्यकालीन भारत

दिल्ली सल्तनत (1206 – 1526 ई०)

दिल्ली सल्तनत के राजवंश

1. गुलाम वंश : 1206 – 1290 ई०
2. खिलजी वंश : 1290 – 1320 ई०
3. तुगलक वंश : 1320 – 1414 ई०
4. सैय्यद वंश : 1414 – 1451 ई०
5. लोदी वंश : 1451 – 1526 ई०

- **मध्यकालीन भारत के इतिहास के स्रोत** : तारिख-ए-फीरोज शाही (जियाउद्दीन बरनी), तुजुक-ए-मुबारक शाही (याहयाबिन अहमद सरहिन्दी), फुतुहात-ए-फिरोज शाही (फिरोज शाह तुगलक) आदि।
- प्रथम मुस्लिम शासक मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई० में भारत पर आक्रमण किया।
- गजनी के सुबुक्तगीन ने 986 ई० में भारत के पश्चिमोत्तर भाग पर आक्रमण किया।
- महमूद गजनवी और मुहम्मद गोरी के आक्रमणों ने भारत में एक नये राजनीतिक अध्याय की शुरुआत की।
- गजनी साम्राज्य की स्थापना अलप्तगीन नामक एक तुर्क सरदार ने की थी।
- महमूद गजनवी ने भारतवर्ष पर 17 बार आक्रमण किया।
- महमूद गजनवी सुबुक्तगीन का पुत्र था। वह 27 वर्ष की उम्र में 997 ई० में शासक बना।
- अलबरूनी, फिरदौसी, उत्बी तथा फरुखी महमूद गजनवी के दरबार में रहते थे।

युद्ध का नाम	वर्ष	पक्ष–विपक्ष	परिणाम
तराइन का प्रथम युद्ध	1191 ई०	गोरी व पृथ्वीराज चौहान	पृथ्वीराज चौहान की जीत
तराइन का द्वितीय युद्ध	1192 ई०	गोरी व पृथ्वीराज चौहान	गोरी विजयी
चन्दावर का युद्ध	1194 ई०	गोरी एवं जयचंद	गोरी विजयी

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- मुहम्मद गोरी के युद्ध अभियानों ने तुर्क और अफगान शासन के लिए एक रास्ते को तैयार किया।
- महमूद गजनवी ने उत्तर भारत के मंदिर वाले नगरों को 'धन के लिए और लोकप्रिय धार्मिक रीति-रिवाजों को खंडित करने के लिए' निशाना बनाया।
- मुहम्मद गोरी ने अपने विश्वसनीय और श्रेष्ठ दास कुतुबुद्दीन ऐबक को भारत में नए जीते गए प्रांतों के शासन के लिए अपना प्रतिनिधि मनोनीत किया।
- दिल्ली तुर्क और अफगान शक्तियों का केन्द्र बन गई।
- तुर्क जो दिल्ली से शासन करते थे, दिल्ली सल्तनत के नाम से जाने गए।
- उत्तरी भारत के इतिहास में 1206 से 1526 तक का काल **'दिल्ली सल्तनत'** के नाम से जाना जाता है।

मम्मूक वंश/गुलाम (1206 से 1290 ई०)

गुलाम वंश के प्रमुख शासक

शासक	शासन काल
कुतुबुद्दीन ऐबक	1206 – 1210 ई०
आराम शाह	1210 – 1211 ई०
रूकनुद्दीन फीरोज	1236 ई०
रजिया सुल्तान	1236 – 1240 ई०
मोइजुद्दीन बहराम	1240 – 1242 ई०
अलाउद्दीन मसूद	1242 – 1246 ई०
नासिरउद्दीन महमूद	1246 – 1266 ई०
गियासउद्दीन बलबन	1266 – 1286 ई०
मोइजुद्दीन कैकुबाद	1286 – 1290 ई०
कयूमर्स	1290 ई०

- 1206 ई० से 1290 ई० तक दिल्ली सल्तनत पर शासन करने वाले तुर्क सरदारों को गुलाम वंश के शासक के रूप में माना जाता है।
- दास वंश का संस्थापक **कुतुबुद्दीन** ऐबक था।
- कुतुबुद्दीन ऐबक का जन्म तुर्किस्तान में हुआ था।
- बचपन में ही एक काजी द्वारा उसे निशापुर ले जाकर दूसरे काजी के पास दास के रूप में बेच दिया गया।
- कुतुबुद्दीन ऐबक कला एवं साहित्य को संरक्षण भी प्रदान करता था। हसन निजामी एवं फख्र–ए–मुदब्बिर को उसके दरबार में संरक्षण की प्राप्ति हुई थी।
- कुतुबुद्दीन ऐबक ने अजमेर में 'ढाई दिन का झोंपड़ा' बनवाया था।
- उसने 'कुतुब मीनार' का निर्माण भी शुरू किया था।
- प्रसिद्ध सूफी सन्त ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी के सम्मान में कुतुब मीनार का निर्माण कार्य प्रारम्भ हुआ था।
- उसे लाख बख्श (लाखों का दान देने वाला) की उपाधि दी गई थी।
- 1210 में जब वह चौगान या पोलो खेल रहा था तब उसकी मृत्यु हो गई।
- कुतुबुद्दीन ऐबक के बाद **आरामशाह** गद्दी पर बैठा।
- आरामशाह कमजोर व अयोग्य शासक सिद्ध हुआ। उसकी संभवतः हत्या कर दी गई। उसने लगभग 8 महीने शासन किया।
- शम्शुद्दीन **इल्तुतमिश** कुतुबुद्दीन ऐबक का एक दास था।
- उसने इक्ता प्रथा की शुरुआत की।
- इल्तुतमिश ने मंगोल आक्रमण को 1221 ई० में रोका–जिसे चंगेज खान ने प्रारम्भ किया था।
- इल्तुतमिश के साथ इल्बारी (शम्शी) वंश का शासन आरंभ हुआ।
- इल्तुतमिश ने 1226 में रणथंभौर पर तथा 1227 ई० में परमारों की राजधानी मंदसौर पर आधिपत्य स्थापित किया।
- बगदाद के खलीफा ने इल्तुतमिश को 'सुल्तान–ए–आजम' की उपाधि से अलंकृत किया।
- इल्तुतमिश ने सोने–चाँदी के अरबी ढंग में सिक्के चलाए। उसने चाँदी का 'टंका' तथा ताँबे का 'जीतल' चलवाया।
- इल्तुतमिश ने अजमेर की मस्जिद का निर्माण करवाया।
- इल्तुतमिश ने अपनी पुत्री **रजिया** को उत्तराधिकारी घोषित किया था।
- रजिया भारत की पहली और एकमात्र मुस्लिम महिला थी।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- रजिया दिल्ली के अमीरों एवं जनता के सहयोग से सिंहासन पर बैठी थी।
- रजिया ने अल्तुनिया से विवाह किया।
- एक हब्शी दास नमालुर्धीदान याकूत में विशेष रुचि दिखाने के फलस्वरूप रजिया से कुछ सामंत नाराज हो गए।
- 1240 में रज़िया एक षडयंत्र का शिकार हो गई और कैथल (हरियाणा) के पास उसे मार दिया गया।
- सुल्तान की शक्ति एवं सम्मान में अभिवृद्धि करने हेतु रजिया सुल्तान ने अपने व्यवहार में परिवर्तन करते हुए परदा प्रथा को त्याग दिया।
- रजिया के शासनकाल में चहलगानी (चालीस) सरदारों ने उसके विरुद्ध षड्यंत्र रचने शुरू कर दिए।
- रजिया के बाद के शासक थे – बहशम शाह, मसूद शाह, नसिरुद्दीन महमूद।
- रजिया के पश्चात तुर्क सरदारों ने उसके भाई व इल्तुतमिश के तीसरे पुत्र मुईजुद्दीन बहरामशाह को सुल्तान बनाया।
- अलाउद्दीन मसूद शाह (1242–46 ई0) इल्तुतमिश का पौत्र था।
- नासिरुद्दीन महमूद ने राज्य की समस्त शक्ति बलबन को सौंप दी।
- **गयासुद्दीन बलबन** 1226 में राज सिंहासन पर बैठा।
- गयासुद्दीन बलबन का वास्तविक नाम बहाउद्दीन बलबन था।
- बलबन ने इल्तुतमिश द्वारा स्थापित 'चालीस' सरदारों के दल को समाप्त किया।
- बलबन ने एक अत्यंत कुशल जासूस व्यवस्था का गठन किया।
- बलबन राजत्व के दैवी सिद्धांत को मानता था।
- वह राजा को धरती पर 'नियामते खुदाई' (ईश्वर का प्रतिबिंब) मानता था।
- बलबन ने 'जिल्ली इल्लाह' (ईश्वर का प्रतिबिंब) की उपाधि धारण की।
- बलबन शरीयत का कट्टर समर्थक था। वह दिन में पाँच बार नमाज पढ़ता था।
- उन्होंने **चालीसा** के प्रभाव को खत्म कर दिया।
- उन्होंने 'सिजदा' और 'पाबोस' की प्रथा की शुरुआत की।
- बलवन के पोते कैकुबाद के शासनकाल में जलालुद्दीन खिलजी शक्तिशाली साबित हुआ।

खिलजी वंश

- **जलालुद्दीन खिलजी** ने 'खिलजी वंश' की स्थापना की।
- उन्होंने रणथम्भोर के किले पर 1290 में आक्रमण किया और 1292 में मंगोलों को हराया।
- अलाउद्दीन खिलजी जलालुद्दीन के दामाद एवं भतीजा था।
- जलालुद्दीन खिलजी की 1296 ई0 में हत्या कर दी।
- वह दिल्ली का पहला तुर्क सुल्तान था जिसने धर्म को राजनीति से अलग किया।
- अलाउद्दीन ने गुजरात (1298), रणथम्भोर (1301), मेवाड़ (1303), मालवा जलोर (1311) को नियंत्रित किया।
- दक्कन में अलाउद्दीन की सेना ने मलिक काफूर के नेतृत्व में रामचन्द, प्रताप रुद्रदेव, वीर बल्लाल-III और वीर पाण्ड्या को पराजित किया।
- बाजार में नियत मूल्य को निर्धारित करने के लिए उन्होंने दीवान-ए-रियासत और शाहना-ए-मण्डी की नियुक्ति की।
- उन्होंने इक्ता की प्रथा, जो शाही सैनिकों को दी जाती थी और नकद के रूप में उनको दिए जाने वाले वेतन को हटा दिया।
- उन्होंने अलाई दरवाजा और दिल्ली में सिरी फोर्ट जैसे स्मारक को निर्मित करवाया।
- अलाउद्दीन खिलजी को 'अली गुरशस्प' भी कहा जाता था।
- अलाउद्दीन खिलजी ने सन् 1307–08 ई0 में देवगिरी पर विजय प्राप्त की। इसका नेतृत्व मलिक काफूर ने किया।
- अलाउद्दीन ने सन् 1309–10 ई0 में वारंगल की विजय प्राप्त की। इसका नेतृत्व मलिक काफूर ने किया था।
- सन 1310–11 ई0 में अलाउद्दीन ने द्वारसमुद्र पर विजय प्राप्त की। इसका नेतृत्व मलिक काफूर ने किया।

तुगलक वंश

- **गाजी मलिक** गयासुद्दीन तुगलक के नाम से 1320 में दिल्ली का सुल्तान बना।

www.studymasterofficial.com Downloaded From
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- उसका पुत्र जौना (उलुग खान) मोहम्मद बिन तुगलक के नाम से उसका उत्तराधिकारी बना।
- **मोहम्मद बिन तुगलक** ने बेहतर डाक प्रणाली का गठन किया।
- उन्होंने अनेक प्रशासनिक सुधारों की शुरुआत करने की कोशिश की; जैसे – दोआब में कर लागू करना (1326), दौलताबाद में राजधानी का स्थानान्तरण (1327), सिक्का मुद्रा की शुरुआत (1329) आदि।
- उन्होंने जहाँपनाह नामक शहर की स्थापना की और दीवान–ए–कोही नामक विभाग की स्थापना की।

फिरोजशाह तुगलक

- एक आदर्श मुसलमान शासक था। वह स्वभाव से दयालु, न्यायप्रिय शासक था, किन्तु सैनिक दृष्टि से अयोग्य होने के कारण उसके शासनकाल में अनेक प्रदेश दिल्ली से स्वतन्त्र हो गए।
- फीरोज शाह तुगलक ने दीवान-ए-खैरात (गरीब और जरूरतमन्द लोगों के विभाग) की स्थापना की और दीवान-ए-बन्दगान (दास विभाग) की भी स्थापना की।
- उन्होंने सिंचाई के लिए कुछ बाँधों का भी निर्माण करवाया।
- 1368 में उन्होंने कुतुब मीनार की मरम्मत करवाई जो भूकम्प से क्षतिग्रस्त हो गया था।
- तुगलक वंश का अन्तिम शासक नासीरुद्दीन महम्मद तुगलक था जिसके काल में 1398 में समरकंद के शासक तैमूर लंग ने आक्रमण किया तथा दिल्ली, हरिद्वार, मेरठ, कांगड़ा व जम्मू में भारी लूटपाट व जनसंहार किया था।

सैय्यद वंश

- सैय्यद वंश का पहला सुल्तान खिज्र खाँ था।
- इस वंश के दूसरे शासक मुबारक शाह (1421 – 1434), मुहम्मद शाह (1434 – 1443), आलम शाह (1443 – 1451) थे।

लोदी वंश

- **बहलोल लोदी** (1451 – 88) एक अफगान सरदार था जिसने लोदी वंश की स्थापना की।
- **सिकन्दर लोदी** ने अपनी राजधानी को दिल्ली से आगरे में स्थानांतरित किया और बिहार और बंगाल को जीता।
- उन्होंने गज-ए-सिकन्दरी (सिकन्दर का गज), जो 32 अंकों का नाप का पैमाना होता था, शुरुआत कृषि की भूमि को नापने के लिए की।
- इब्राहिम लोदी, लोदी वंश का अन्तिम शासक था और दिल्ली का अंतिम सुल्तान भी।
- अन्त में दौलत खाँ लोदी ने जो, पंजाब का राज्यपाल था, बाबर को इब्राहिम लोदी को सुल्तान के पद से हटाने के लिए निमंत्रित किया। बाबर ने इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और 1526 में पानीपत की पहली लड़ाई में इब्राहिम लोदी को बुरी तरह से पराजित किया।

विभाग	कार्य
दिवान-ए-रियासत (विदेश मंत्री)	दीवानी अपील
दीवान-ए-आरिज	सैनिक विभाग
दीवान-ए-ख्वाजा-ए मामलिक	न्याय का विभाग
दीवान-ए-वन्दागन दीवान-ए-इश्तियाक दीवान-ए-मुस्तखराज	दासों का विभाग
दीवान-ए-खैरात	दान विभाग
दीवान-ए-कोही	कृषि विभाग
दीवान-ए-इशा	पत्राचार विभाग

महत्त्वपूर्ण केंद्रीय कर्मचारी

वजीर	राज्य का मुख्य मंत्री
आरिज-ए-मामलिक	सैनिक विभाग का प्रधान
काज़ी	न्यायिक पदाधिकारी
वकील-ए-दार	नियंत्रण करने वाला
बरीद-ए-मामलिक प्रमुख	राज्य के समाचार के
अमीर-ए-मजलिस	शाही भोजों, उत्सवों के प्रमुख

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विजयनगर साम्राज्य (1336–1565 ई०)

राजवंश	संस्थापक	अवधि
संगम वंश	हरिहर एवं बुक्का	1336–1485
सालुव वंश	सालुव नरसिंह	1485–1505
तुलुव वंश	वीर नरसिंह	1505–1570
अराविडु वंश	तिरुमल्ल	1570 से अर्ध 17 वीं शताब्दी

- विजयनगर साम्राज्य एक दक्षिण भारतीय राज्य था जो दक्षिणी में तुंगभद्रा नदी के किनारे बसा हुआ था।
- विजयनगर पर चार वंश शासन करते थे – संगम वंश, सालुव वंश, तुलुव वंश और अराविदु वंश।

संगम वंश (1336–1486)

- हरिहर I (हक्का) और बुक्का (संगम के बेटे) ने विजयनगर राज्य की स्थापना की।
- **हरिहर I संगम वंश का संस्थापक था।**
- हरिहर, होयसल राज्य के उत्तरी हिस्से को नियंत्रित कर रहे थे।
- 1336 ई० में बुक्का अपने भाई का उत्तराधिकारी बना।
- बुक्का का बहमनी राज्य से सदा संघर्ष चलता रहा।
- बुक्का राय ने इक्कीस वर्षों तक शासन किया।
- बुक्का की मृत्यु लगभग 1380 में हुई। इसके बाद हरिहर II ने राज्य संभाला।
- विजयनगर राज्य के अन्य राजा – हरिहर राय II, विरुपाक्ष राय, बुक्का राय II, देव राय I, देव राय II, मल्लिकार्जुन राय, विरुपाक्ष राय II हैं।
- विरुपाक्ष का पुत्र प्रौधाराय एक कमजोर राजा था और उनके सेनापति सालुव नरसिंह ने साम्राज्य को 1485 में नियंत्रण में ले लिया।

सालुव वंश

- सालुव नरसिंह सालुव वंश के संस्थापक थे।
- थिम्मा भूपला, सालुव नरसिंह देव राय के सबसे बड़े बेटे थे।
- नरसिंह राय II (इम्माडी नरसिंह), सेलुभा नरसिंह देव राय के दिवतीय पुत्र थे।
- उसने अपने अल्प व्यस्क पुत्र इम्माडि नरसिंह के संरक्षक के रूप में नासा नायक को नियुक्त किया। अवसर पाते ही नरसा नायक ने संपूर्ण सत्ता पर अधिकर कर लिया और विजयनगर का वास्तविक शासक बन गया।
- तुलुव वंश (1505–1570) वीर नरसिंह (नरसा नायक) ने तुलुव वंश की स्थापना की।
- विजयनगर साम्राज्य के सबसे अधिक प्रसिद्ध राजा **श्री कृष्ण देव राय** थे। वे तुलुव बंश समुदाय के थे।
- उसने विजयनगर साम्राज्य को समृद्ध और उसके गौरव को चरमोत्कर्ष पर पहुँचाया।
- कृष्ण देवराय की मृत्यु के बाद दो अतिसाधारण शासकों आच्युत देव और वेंकट के शासन के बाद सदाशिव ने शासन संभाला, परंतु इन सभी शासकों के शासनकाल में, सही मायने में शासन रामराजा (कृष्ण देवराय का दामाद) के हाथों में था। अंत में तालीकोटा के युद्ध में उसकी पराजय हुई और वह मारा गया।

अरवीडु वंश (1570–1649)

- रामाराजा के भाई तिरुमल ने सदाशिव को गद्दी से हटा दिया ओर स्वंय शासक बनकर अरविडु वंश की स्थापना की।
- तिरुमल के बाद वेंकट द्वितीय राजगद्दी पर बैठा। यह विजयनगर का अंतिम महान शासक था। इसकी अनुमति लेकर राजा ओएडयार ने श्री रंगपट्टम की सूबेदारी नष्ट होने जाने के बाद, मैसूर राज्य की स्थापना की।
- 1565 ई० में तालिकोटा के युद्ध में पराजित होने से विजयनगर साम्राज्य का वैभव नष्ट हो गया।
- इस वंश का अंतिम शासक श्रीरंग तृतीय था।

बहमनी साम्राज्य

- इसकी स्थापना अलाउद्दीन हसन बहमन शाह (असली नाम इस्माइल मुख), जिसे हसन गंगू के नाम से भी जाना जाता है, ने की थी।
- कुल मिलाकर 14 बहमनी सुल्तान हुए जिनमें महत्तपूर्ण थे– अलाउद्दीन हसन, मुहम्मद शाह प्रथम, ताजउद्दीन फिरोज शाह, अहमद शाह वली आदि।
- शुरुआत में बहमनी साम्राज्य की राजधानी गुलबर्गा थी, जिसे अहमद शाह वली ने हटाकर बीदर बना दी।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

महमूद गवां

- यह मुहम्मद शाह तृतीय का वकील और वजीर दोनों था। इसके समय बहमनी साम्राज्य का पुनरुत्थान हुआ।
- असंतुष्ट कुलीन (विषेशकर दक्कनी सामंत), जो अफाकियों (पश्चिमी एशिया के लोग) के आने से खिन्न थे, ने षड्यंत्र करके गवां (जो खुद एक अफाकी था) पर सुल्तान से विश्वासघात का इल्जाम लगाकर, मृत्युदंड की सजा दिलवा दी।
- गवां के बाद बहमनी साम्राज्य बिखरने लगा।

अष्टदिग्गज के कवि एवं उनकी रचनाएँ

क्रम संख्या	कवि	कृतियाँ
1.	तेनालीराम रामकृष्ण	पाण्डुरंग महात्म्य
2.	अल्लसानी पेड्डना	स्वारोचितसंभव या मनुचरित हरिकथा सरसनमू
3.	धूर्जटि	कलहस्तिमहात्म्य
4.	नंदी तिम्मन	पारिजात हरण
5.	अच्युलराजु रामचंद्र	सकलकथा सारसंग्रह
6.	भट्टमूर्ति	नरसभूपालियम (अलंकारशास्त्र से संबंधित)
7.	पिंगली सूरन्न	राघव पाण्डवीय
8.	मादय्यगीर मल्लन	राजशेखर चरित

धार्मिक आन्दोलन

भक्ति आन्दोलन

- **भक्ति** का अर्थ है ईश्वर के प्रति व्यक्तिगत झुकाव। यह व्यक्ति के ईश्वर से एकीकरण पर बल देता है।
- भक्ति आन्दोलन का प्रादुर्भाव 7वीं और 12वीं शताब्दी के मध्य में मूल रूप से दक्षिण भारत में हुआ।
- **नयनार** जो शिव की पूजा करते थे और अलवार जो विष्णु की पूजा करते थे, ने भक्ति के विचार का उपदेश दिया।
- शंकर, रामानुज और माधव जैसे संतों ने ईश्वर और व्यक्तिगत आत्मा पर अपने विचार व्यक्त किए।
- **रामानुज** के उपदेश उपनिषद और भगवद्गीता पर आधारित थे।
- **रामानन्द** रामानुज के शिष्य थे। वे पहले सुधारक थे जिन्होंने हिन्दी में उपदेश दिया।
- **कबीर** रामानन्द के उत्साही शिष्य थे। वे हिन्दुओं और मुस्लिमों के बीच एकता स्थापित करना चाहते थे।
- उन्होंने उपदेश दिया कि हिन्दू और मुस्लिम दोनों एक ईश्वर की संतान हैं।
- कबीर के भक्त कबीरपंथी के रूप में जाने जाते हैं।
- **नामदेव** जन्म से नाविक थे। उन्होंने मराठी में सुन्दर भजनों की रचना की।
- **नानक** सिख धर्म के संस्थापक थे।
- नानक के उपदेश छंद के रूप में होते थे। उन्हें एक पुस्तक के रूप में एकत्रित किया गया है जिसे आदिग्रंथ कहते हैं।
- बाद में 'आदिग्रंथ' को एक लिपि में लिखा गया जिसे 'गुरुमुखी' कहते हैं।
- **चैतन्य** भगवान कृष्ण के एक बड़े भक्त थे, जो बंगाल के एक संत थे।
- **मीराबाई** एक राजपूत राजकुमारी थी। उन्होंने मेवाड़ के राणा से विवाह किया था। वे भगवान कृष्ण की एक पवित्र भक्त थीं।
- **छत्रपति शिवाजी** महान मराठा शासक रामदास के अनुयायी थे।
- **तुकाराम** एक संत थे, जो महाराष्ट्र में रहते थे। उन्होंने बड़ी संख्या में पदयों की रचना की जिसे अभंग कहा जाता है।
- **तुलसीदास** ने प्रसिद्ध रामचरितमानस की रचना हिन्दी में की।
- **सूरदास**, भगवान कृष्ण और राधा के भक्त थे। उनकी रचनाओं के अन्तर्गत सूरसागर, साहित्य रत्न और सूर सारावली निहित हैं।
- **दादू दयाल** कबीर के एक शिष्य थे। उनके अनुयायी दादूपंथी के नाम से जाने जाते हैं।
- **एकनाथ बिठोबा** (विष्णु) के भक्त थे। उन्होंने रामायण पर भावार्थ रामायण नामक टीका लिखी।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

सूफी आन्दोलन

- सूफी वास्तव में एक धर्म है जो जीवन के सत्य पर आधारित है। इस्लाम के रहस्य–साधक को सूफी कहते हैं।
- सूफी चिश्ती के पूर्वज सुहरावर्दी, कादिरी, नक्शबन्दी के संस्थापक मूल रूप से मध्य और पश्चिमी एशिया से आए थे।
- सूफी जिन आश्रमों में रहते थे, वे खानकाह या मठ कहे जाते थे।
- **ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती** ने भारत में चिश्ती सिलसिला की परंपरा का श्रीगणेश किया। इसका मुख्य केन्द्र अजमेर था।
- निजामुद्दीन औलिया बाबा फरीद के महत्त्वपूर्ण शिष्य थे।
- हजरत निजामुद्दीन औलिया के प्रमुख शिष्य थे– शेख सलीम चिश्ती, अमीर खुसरो, अमीर हसन देहलवी।
- श्रेष्ठ सूफी संत ख्वाजा निजामुद्दीन औलिया, गज–ए–शंकर फरीदुद्दीन, कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी और हमीउद्दीन नागौरी थे।
- हजरत निजामुद्दीन फरीदुद्दीन – गज–ए–शंकर के शिष्य थे।
- कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी मोइनुद्दीन चिश्ती के शिष्य और आध्यात्मिक उत्तराधिकारी थे।

मुगल (1526-1540 ई० और 1555-1857 ई०)

बाबर (1526–1530 ई०)

- मुगल युग बाबर के 1526 ई० में पानीपत के प्रथम युद्ध में इब्राहिम लोदी के ऊपर विजय से प्रारम्भ होता है।
- बाबर भारत में मुगल साम्राज्य का प्रथम शासक था।
- वह मंगोल और तुर्की रक्त के मिश्रण के शाही (राज) परिवार से था।
- उसने 1527 में खानवा के युद्ध में मेवाड़ के शासक राणा सांगा को पराजित किया था और चंदेरी (1528) के युद्ध में मेदिनी राय को पराजित किया था।

बाबर दवारा लड़े गए प्रमुख युद्धः एक परिचय

युद्ध	वर्ष	पक्ष–विपक्ष	परिणाम
पानीपत का प्रथम युद्ध	1526 ई०	इब्राहीम लोदी एवं बाबर	बाबर विजयी
खानवा का युद्ध	1527 ई०	राणा साँगा एवं बाबर	बाबर विजयी
चंदेरी का युद्ध	1528 ई०	मेदनी राय एवं बाबर	बाबर विजयी
घाघरा का युद्ध	1529 ई०	अफगान एवं बाबर	बाबर विजयी

- बाबर ने अपनी आत्मकथा लिखी। जो 'तुज्क-ए-बाबरी' के नाम से जानी जाती है।

हुमायूँ (1530– 1556 ई०)

- हुमायूं 23 वर्ष की उम्र में बाबर का उत्तराधिकारी बना।
- वह चौसा के युद्ध (1539) और कन्नौज (बिलग्राम) के युद्ध (1540) में शेरशाह सूरी से पराजित हो गया। शेरशाह सूरी इसके बाद दिल्ली और आगरा का शासक बना।
- 1555 ई० में हुमायूँ पुनः दिल्ली की गद्दी पर बैठा।
- 1556 ई० में दिल्ली में स्थित दीनपनाह स्थान पर पुस्तकालय की सीढ़ियों से गिरकर अचानक उसकी मृत्यु हो गयी।
- हुमायूँ का मकबरा उसकी विधवा हाजी बेगम के द्वारा दिल्ली में बनवाया गया।
- हुमायूँ की बहन गुलबदन बेगम ने 'हुमायूँनामा' लिखा।

शेरशाह सूरी (1540– 1545 ई०)

- शेरशाह का असली नाम 'फरीद' था।
- 1539 ई० में चोसा का युद्ध फरीद उर्फ शेर खां और हुमायूँ के बीच हुआ, जिसमें शेर खां विजयी रहा। इस विजय के बाद ही उसको शेरशाह की उपाधि मिली।
- कलिंजर के किले की घेरेबंदी के दौरान एक तोप के अचानक चलने से 22 मई 1545 में उनकी मृत्यु हो गई।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- उनको सासाराम (बिहार) में दफनाया गया।
- शेरशाह के शासनकाल में मलिक मुहम्मद जायसी ने 'पद्मावत' की रचना की।
- उन्होंने दिल्ली में 'पुराना किला' बनवाया।
- उन्होंने महत्त्वपूर्ण सड़कों का निर्माण करवाया जैसे –

(i) पेशावर से सुनारगाँव तक ग्रांड ट्रंक रोड
(ii) आगरा से मुल्तान वाया बुरहानपुर और दिल्ली
(iii) मुल्तान से लाहौर
(iv) माण्डु से आगरा

अकबर (1556– 1605 ई०)

- अकबर को 13 वर्ष की उम्र में 1556 ई० में कलानौर में ताज पहनाया गया।
- बैरम खान, खान-ए-खाना की उपाधि से राज्य के वकील बन गए।
- पानीपत के द्वितीय युद्ध (1556 ई०) में आदिल शाह के सेनापति हेमू को पराजित करके अकबर ने पुनः दिल्ली और आगरा की गद्दी प्राप्त की।
- अकबर की सेना ने कश्मीर, सिंध, उड़ीसा, मध्य भारत को जीता और इसने गुजरात (1572-1573) और बंगाल (1574-1576) को भी जीता।
- हल्दीघाटी का युद्ध (1576 ई०) मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप और अकबर के बीच हुआ। जिसमें अकबर विजयी हुआ।
- अकबर का अंतिम अभियान असीरगढ़ के विरुद्ध था जिसके परिणामस्वरूप उसने खान देश पर आधिपत्य स्थापित किया।
- उसने फतेहपुर सीकरी में बुलन्द दरवाजा बनवाया।
- भगवान दास (500 जाट) और मान सिंह (700 जाट) को मुगल दरबार में एक विशेष लाभकारी स्थिति प्राप्त थी।
- अकबर ने अनेक भवनों का निर्माण करवाया। जैसे –आगरे का किला (1565), लाहौर महल (1572), फतेहपुर सीकरी, बुलन्द दरवाजा और इलाहाबाद का किला (1583)।

नौ हीरे या अकबर के नवरत्न

1. अब्दुर्रहीम खानखाना
2. अबुल फज़ल
3. बीरबल
4. तानसेन
5. टोडरमल
6. मुल्ला दो प्याजा
7. राजा मान सिंह
8. फैजी
9. फकीर अजीउद्दीन

अकबर के कुछ महत्वपूर्ण कार्य

महत्त्वपूर्ण कार्य	वर्ष
दासप्रथा की समाप्ति	1562
तीर्थयात्रा कर की समाप्ति	1563
जजिया–कर समाप्ति	1564
राजधानी आगरा से फतेहपुर सीकरी	1571
इबादत खाने की स्थापना	1575
दीन–ए–इलाही की स्थापना	1582
इलाही संवत् का प्रारंभ	1583

जहाँगीर (1605–1627 ई०)

- जहाँगीर का असली नाम **'सलीम'** था।
- जहाँगीर ने 'मेहर-उन-निसा' से, जिसे 'नूरजहाँ' (विश्व का प्रकाश) की उपाधि मिली थी, विवाह किया।
- जहाँगीर को सबसे अधिक परेशान करने वाले शत्रु मेवाड़ के राणा अमरसिंह थे, जो अन्त में 1613 ई० में खुर्रम के सैन्य बल से वश में किए गए।
- उसने तीन राज्य–मेवाड़, कांगड़ा तथा दक्षिण भारत में अहमदनगर पर विजय प्राप्त की।
- उसकी पत्नी नूरजहाँ ने इतिमद-उद्-दौला (दूसरा नाम मिर्जा गियास बेग) का आगरा में संगमरमर का मकबरा बनवाया।
- उसने लाहौर में मोती महल और अपने स्वयं के लिए शाहदरा (लाहौर) में महल बनवाया।
- उसने स्वयं अपने पुत्र खुसरो के विद्रोह को कुचला और उसे अंधा बना दिया।

शाहजहाँ (1624–1658 ई०)

- शाहजहाँ 1627 में शासक बना और एक शासक के रूप में आधुनिकीकरण को प्रदर्शित किया।
- उसने दक्कन में विद्रोह का सामना किया और बुंदेलखंड में वीर सिंह बुंदेला के पुत्र जुझार सिंह का भी सामना किया।
- उसने आसफ खाँ की पुत्री जिसका नाम अर्जुमन्द बानो बेगम था और जो मुमताज महल के नाम से जानी जाती थी, से विवाह किया।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- उन्होंने आगरा में 'ताजमहल' और दिल्ली में 'जामा मस्जिद' (बलुआ पत्थर से) का निर्माण करवाया।
- उस्ताद इशा मुख्य शिल्पकार थे, इनके निर्देशन में 'ताजमहल' के नमूने को बनाया गया और आगरे में इसका निर्माण किया गया।
- उन्होंने लाल किला और तख्त–ए–ताउस (मयूर सिंहासन) का शाहजहाँबाद में निर्माण करवाया।
- शाहजहाँ की मृत्यु 1666 ई० में हुई और उसे भी ताजमहल में उसकी पत्नी की कब्र के निकट दफना दिया गया।

औरंगजेब (1658–1707 ई०)

- जब शाहजहाँ बीमार पड़ा, तो उसके पुत्रों (द्वारा, शुजा, औरंगजेब, मुराद बख्श) के बीच उत्तराधिकार का युद्ध आरम्भ हो गया।
- औरंगजेब के सभी को पराजित कर, अपना राज्याभिषेक करवाया।
- औरंगजेब को 'जिन्दा पीर (जीवित संत)' भी कहा जाता था।
- उसे अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। जैसे दक्कन में मराठों की समस्या, उत्तर भारत में जाटों, सतनामियों और राजपूतों और उत्तर–पश्चिम में सिखों की समस्या।
- उसका सीधा ध्यान उत्तर भारत के मामलों पर केन्द्रित था, किन्तु 1681 के दौरान दक्षिण मध्य में उठ रही मराठों की शक्ति के मामले की ओर भी उसको ध्यान देना पड़ा।
- मुगल विजय उसके शासन–काल में चरमोत्कर्ष पर था।
- उसने सिक्कों पर कलमा मुद्रण पर रोक लगाया तथा राजदरबार में संगीत पर प्रतिबंध लगाया।
- उन्होंने झरोखा दर्शन और नवरोज के उत्सव को बंद करवाया, जजिया (गैर मुस्लिमों पर लगे हुए कर) को फिर से शुरू करवाया।
- उन्होंने बीबी का मकबरा भी बनवाया जो उसकी पत्नी रबिया–उद्–दौला का औरंगाबाद में बना मकबरा है।
- 1707 में औरंगजेब की मृत्यु हुई।

उत्तरवर्ती मुगल

- मौजम बहादुर शाह की उपाधि से मुगल ताज का उत्तराधिकारी बना।
- इनको शाह आलम I की उपाधि भी मिली।
- उन्होंने शांतिवादी की नीति अपनाई और शाह बेखबर कहे गए।

मुगल साम्राज्य के अन्य उत्तराधिकारी

जहाँदार शाह, फर्रुखशियर, मोहम्मद शाह, अहमद शाह, आलमगीर शाह II, अकबर II, बहादुर शाह जफर (1837 – 1857 ई०)

- फर्रुखशियर सैय्यद बन्धुओं, अब्दुल्लाह खान और हुसैन खान की सहायता से ताज का उत्तराधिकारी बना।
- नादिर शाह ने 1738–39 में भारत पर आक्रमण किया और मोहम्मद शाह (1719–48) के शासन काल के दौरान मयूर सिंहासन और कोहिनूर हीरा अपने साथ ले गया।
- बक्सर का युद्ध (1764) शाह आलम द्वितीय के शासन काल के दौरान लड़ा गया।
- **बहादुर शाह जफर** अन्तिम मुगल बादशाह थे।
- 1857 के विद्रोह के दौरान विद्रोहियों ने उन्हें सम्राट घोषित किया था और उन्हें दूसरे विद्रोहियों के साथ राष्ट्र निर्वासन में रंगून भेज दिया गया था।
- मुगल काल के प्रसिद्ध चित्रकार ख्वाजा अब्दुल समद, मीर सैय्यद अली, मंसूर आदि थे।
- तानसेन, अकबर के दरबार के संगीतज्ञ थे।
- यूरोप और दूसरे अन्य देशों में निर्यात की जानेवाली मुख्य वस्तुएँ नील, अफीम और काली मिर्च आदि थे।
- आयात में आई हुई वस्तुओं में घोड़े, चीनी मिट्टी के बर्तन और अफ्रीकन दास आदि थे।
- औरंगजेब की मृत्यु मुगल साम्राज्य के तीव्र पतन का कारण बनी।

मुगल परिवार की स्त्रियाँ

गुलबदन बेगम	हुमायूँ की बहन
नूरजहाँ (महेरून्निसा)	जहाँगीर की पत्नी
मुमताज महल (अर्जुमन्द बेगम)	शाहजहाँ की पत्नी, 14 बच्चों की माता
जहाँआरा	शाहजहाँ की पुत्री
रबिया-उल-दौरानी (दिलरस बानु बेगम)	औरंगजेब की पहली पत्नी

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मुगलकालीन महल

हुमायूँ का मकबरा (दिल्ली)	बेगा बेगम
बुलंद दरवाजा (फतेहपुर सीकरी)	अकबर
सलीमपुर बाग (श्रीनगर)	जहाँगीर
अकबर का मकबरा (सिकन्दरा आगरा)	अकबर के द्वारा शुरू किया गया और जहाँगीर के द्वारा पूरा किया गया।
इतमाद-उद्-दौला का मकबरा (आगरा)	नूरजहाँ
जहाँगीर का मकबरा (शाहदरा बाग, लाहौर)	शाहजहाँ
ताजमहल (आगरा)	शाहजहाँ
शालीमार बाग (लाहौर)	शाहजहाँ
लालकिला (दिल्ली)	शाहजहाँ
बीबी का मकबरा (औरंगाबाद)	औरंगजेब
सलीम चिश्ती का मकबरा (फतेहपुर सीकरी)	अकबर

पुस्तक	लेखक
तुजकी बाबरी	बाबर
हुमायूँनामा, अकबरनामा	गुलबदन बेगम
आइने-अकबरी	अबुल फजल

युद्ध तथा उससे संबंधित शासक

लड़ाइयाँ	काल	व्यक्ति
पानीपत की पहली लड़ाई	1526	बाबर और इब्राहिम लोदी
खानवा की लड़ाई	1527	बाबर और राणा सांगा
चौसा की लड़ाई	1540	शेरशाह सूरी और हुमायूँ
पानीपत की दूसरी लड़ाई	1556	अकबर और हेमू
हल्दीघाटी की लड़ाई	1576	राजा मान सिंह (मुगल सैनिक) और राणा प्रताप
सामूगढ़ की लड़ाई	1658	औरंगजेब और दाराशिकोह
खानवा की लड़ाई	1659	औरंगजेब और भाई शाह शुजा
करनाल की लड़ाई	1740	नादिर शाह और मुहम्मद शाह (मुगल)

विदेशी यात्री	शासन काल
मार्को पोलो	पांड्य राज्य
इब्न बतूता	मुहम्मद बिन तुगलक
निकोलो कोन्टी	देव राय I
अब्दुर्रजाक	देव राय II
निकतिन	बहमनी राज्य
राल्फ फिच	अकबर
न्यूनिज	कृष्ण देव राय
विलियम हॉकिन्स	जहाँगीर
थामस रो	जहाँगीर
पीटर मंडी	शाहजहाँ
टवेरनियर	औरंगज़ेब
बरनियर	औरंगजेब
निकोलो मनुक्की	औरंगज़ेब

मुगल काल में आयातित एवं निर्यातित वस्तुएँ

आयातित वस्तु	निर्यातक देश
उच्च नस्ल के घोड़े	ईरान (अरब)
ऊनी वस्त्र	फ्रांस
कालीन	फारस
काँच के बरतन	ईरान
सोना–चाँदी	अफ्रीका
रेशम	इटली एवं फारस

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

निर्यातित वस्तु	आयातक देश
चीनी, शोरा	अफ्रीका
सूती कपड़े	यूरोपीय देश
नमक	इटली एवं अन्य देश
मसाले	अरब
नील, अफीम	फ्रांस

मराठा राज्य (1674 – 1817)

- शिवाजी का जन्म 1627 ई० में शिवनेर, पूना में हुआ।
- शिवाजी भारत के मराठा साम्राज्य के संस्थापक थे। उनके नेतृत्व में 17 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में मराठा शक्ति का उदय हुआ।
- **शाहजी भोंसले** उनके पिता थे और जीजाबाई उनकी माता थीं।
- शिवाजी को 1637 में पूना की जागीर अपने पिता से उत्तराधिकार में मिली।
- शिवाजी के अभिभावक दादा जी कोंडदेव की मृत्यु के बाद उन्होंने अपनी जागीर को पूर्ण अधिकार में ले लिया।
- सन् 1659 में बीजापुर के सुल्तान आदिल शाह ने शिवाजी को पराजित करने हेतु सेनापति अफजल खाँ को भेजा, परंतु शिवाजी ने उसकी हत्या कर दी।
- 'अष्ट प्रधान मण्डल' शिवाजी के दरबार के आठ मंत्रियों का एक मंत्रि परिषद् था।
- **अष्ट प्रधान** – पेशवा (प्रधानमंत्री), मजुमदार (वित्त मंत्री), सुरनविस (भूमि लगान के लिए मंत्री), वाकनविस (आन्तरिक और बाह्य गुप्त सूचनाओं के लिए मंत्री) दबीर (बाह्य कार्यवाही के लिए मंत्री), सर-ए-नौबत (मुख्य सेनापति), न्यायाधीश (न्याय विभाग का मुख्य प्रबंधक)।
- 1680 में शिवाजी को मृत्यु हो गई।
- शिवाजी के बाद मराठों की कमान उनके बड़े पुत्र शम्भू जी ने संभाली जो 1688 में मुगलों से पराजित होकर मारा गया।
- उसके बाद शिवाजी का दूसरा पुत्र राजाराम शासक बना।

सिख धर्म गुरु

- **गुरु नानक** (1469–1539 ई०) ने सिख धर्म की स्थापना की।
- **गुरु अंगद** (1539–1552 ई०) ने गुरुमुखी लिपि का आविष्कार किया।
- **गुरु अमरदास** (1552–1574 ई०) ने सती प्रथा और परदा प्रथा के विरोध में संघर्ष किया और 22 गद्दियों की स्थापना धर्म के प्रचार के लिए की।
- **गुरु रामदास** (1574–1581 ई०) ने 1577 में अमृतसर की स्थापना की। अकबर ने जमीन दी थी।
- **गुरु अर्जुन सिंह** (1581–1606 ई०) ने स्वर्ण मंदिर (गोल्डन टेम्पल) की स्थापना की।
- **गुरु हरगोविन्द सिंह** (1606–1645 ई०) ने अकाल तख्त की स्थापना की।
- **गुरु हर राय** (1645–1661 ई०)
- **गुरु हरकिशन** (1661–1664 ई०)
- **गुरु तेग बहादुर** (1664–1675 ई०)
- **गुरु गोविन्द सिंह** (1675–1708 ई०) अन्तिम गुरु थे। इन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की। उनके बाद सिखों के गुरु परंपरा की समाप्ति हो गई।
- सुकरचकिया मिसल से संबंधित रणजीत सिंह ने 18 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में सिख राज्य की स्थापना की।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

आधुनिक भारत का इतिहास

यूरोपीय कंपनियों का भारत आगमन

यूरोपीय कंपनियों का भारत में आगमन का क्रम

पुर्तगाली (1498) → डच (1602) → अंग्रेज (1608) → डेन (1616) → फ्रांसीसी (1664)

पुर्तगाली (1498)

वास्को–डि–गामा:

- 1498 – अब्दुल मुनीद (गुजराती पथ प्रदर्शक) की मदद से वास्को–डि–गामा भारत के कालीकट तट पहुंचा। अरब व्यापारियों द्वारा उसका विरोध किया। किंतु, कालीकट हिन्दू राजा (जेमोरिन) ने उसका स्वागत किया तथा मसाले एवं जड़ी–बूटिया लेने जाने की आज्ञा दी। इस यात्रा से वास्कोडिगामा को 60 गुणा लाभ प्राप्त हुआ।
- 1500 में पेड्रो अल्वरेज केब्रल के नेतृत्व में दूसरी पुर्तगाली अभियान भारत आया 1502 में वास्को–डि–गामा का पुनः आगमन हुआ।
- 1503 में पहली पुर्तगाली फैक्ट्री (कोचीन) तथा 1505 में किन्नौर में दूसरी फैक्ट्री तथा पहला किला (फोर्ट सेंट एंजेल) स्थापित किया गया।

डच 1602

- 1595–96 कार्नेलियस हाउटमैन में नेतृत्व में पहला अभियान भारत आया।
- 1602 में डच कंपनियों को मिलाकर 'यूनाइटेड ईस्ट इण्डिया कंपनी ऑफ नीदरलैंड' की स्थापना हुई।
- हालैण्ड द्वारा 21 वर्षों के लिए भारत व पूर्वी देशों के साथ व्यापार और आक्रमण एवं विजय प्राप्त करने का अधिकार मिला।
- इस कंपनी का मूल नाम **'बेरिंगिदे ओस्त इण्डिशे कंपनी'** था।
- डचों की भारत से अधिक रूची इंडोनेशिया के मसाले व्यापार पर था।
- 1660 में डच गवर्नर ने अपना मुख्यालय पुलीकट से नेगापट्टम हस्तांतरित कर दिया।
- 1759 में बेदरा (बंगाल) में अंग्रेजो के साथ हुए युद्ध शक्ति समाप्त हो गई।

अंग्रेज (1608)

- अंग्रेजो के भारत में आरंभिक अभियान – जेम्स लटास्तर (1593), बेंजामिन (1596) एवं जोन (1599) द्वारा संचालित किए गए।
- 1599 में, अंग्रेजो की व्यापारी कंपनी **'गवर्नर एंड कंपनी ऑफ लण्डन ट्रेडिंग इन टू द ट्रेड'** का गठन किया गया तथा महारानी एलिजाबेथ–प्रथम द्वारा **15 वर्षों तक** पूर्वी देशों के साथ व्यापार करने का आज्ञापत्र दिया गया।
- 1708 में, **'न्यू कंपनी' (1698), 'जनरल सोसाइटी'** (1698) **'इंग्लिश कंपनी ट्रेडिंग इन द ईस्ट'** तथा **'गवर्नर एंड कंपनी ऑफ लण्डन ट्रेडिंग इन टू द ट्रेड'** को मिलकर **'द यूनाइटेड कंपनी ऑफ मर्चेंटस ऑफ लण्डन ट्रेडिंग टू द ईस्ट'** का गठन किया गया।
- 1833 में, एक चार्टर के द्वारा **'द यूनाइटेड कंपनी ऑफ मर्चेंटस ऑफ लण्डन ट्रेडिंग टू द ईस्ट'** कंपनी का नाम बदलकर **'ईस्ट इंडिया कंपनी'** कर दिया गया।
- 1608 में, सम्राट जेम्स–प्रथम ने कैप्टन हाकिन्स (जो, हेक्टर नामक अंग्रेजी जहाज से सूरत पहुंचा) को जहांगीर के दरबार में भेजा। हाकिन्स ने फारसी भाषा में बात की, जिससे प्रसन्न होकर जहांगीर ने उसे 400 का मनसब किया और प्रारंभ में सूरत में फैक्ट्री लगाने की अनुमति दे दी। किंतु, सौदागरों के विरोध तथा पुर्तगालियों के शत्रुतापूर्ण कारनामों के कारण, जहांगीर ने अनुमति रद्द कर दी।
- 1611 में कैपटन मिडल्टन द्वारा स्वाल्ली में पुर्तगालियों का जहाजी बेड़ा परास्त कर दिया गया। इससे प्रसन्न होकर जहांगीर द्वारा अंग्रेजो को सूरत में स्थायी फैक्ट्री लगाने (1613) की अनुमति मिल गई।
- 1615 में सर टामस रो का जहांगीर के दरबार में आगमन हुआ तथा वह अंग्रेजी व्यापार के लिए सुविधाएं प्राप्त करने में सफल रहा।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

डेन (1616)

- 1616 में 'डेनमार्ग ईस्ट इण्डिया कंपनी' की स्थापना की गई। 1620 में त्रैकोबार (तमिलनाडु) में पहली डच कंपनी स्थापित की गई।
- 1676 में सेरामपुर (बंगाल) में व्यापारिक कोठियां स्थापित की गई। 1845 में, मजबूरन अपनी व्यापारिक कंपनियो को अंग्रेजो को बेचना पड़ा।

फ्रांसीसी (1664)

- 1664 में लुई–14 के मंत्री कॉलबर्ट 'फ्रेंच ईस्ट इण्डिया कंपनी' (कम्पने इण्डेस ओरियण्टलेस) की स्थापना की गई। राज्य से विशेषाधिकार एवं वित्तीय संसाधनों की प्राप्ति के कारण, इस कंपनी को सरकारी कंपनी की संज्ञा दी गई।
- 1668 में फ्रांसिस कैरो के नेतृत्व में सूरत में पहली फैक्ट्री स्थापित की गई। 1669 में गोलकुण्डा सुल्तान की स्वीकृति से मसुलीपट्टम में दूसरी फैक्ट्री स्थापित की गई।
- 1672 में कंपनी निदेशक फ्रांसिस मार्टिन द्वारा वलिकोण्डापुर से सूबेदार शेरखां लोदी से पर्दुचरी (पाण्डिचेरी) की प्राप्ति हुई। 1693 में अंग्रेजों की सहायता से डचों का पाण्डिचेरी पर अधिकार हो गया। 1697 में रिजविक की संधि से पाण्डिचेरी पुनः फ्रांसीसियों को प्राप्त हुआ। 1701 में, पाण्डिचेरी को मुख्यालय तथा मार्टिन को कंपनी का महानिदेशक नियुक्त किया गया।
- 1673 में बंगाल में शाइस्ता खां (मुगल सूबेदार) की अनुमति से चन्द्रनगर की स्थापना की। 1742 में चन्द्रनगर में गवर्नर डुप्ले की नियुक्ति से फ्रांसीसी प्रभावी बने।

ईस्ट इण्डिया कम्पनी

- कम्पनी शासन भारत में वास्तव में 1757 में **प्लासी के युद्ध** के बाद से शुरु हुआ।
- बंगाल के नवाब ने प्लासी के युद्ध के बाद कम्पनी को अपना आधिपत्य समर्पित कर दिया।
- कम्पनी को बंगाल और बिहार में 1765 में दीवानी प्रदान की गई या कर इकट्ठा करने का अधिकार दिया गया।
- जब कम्पनी ने एक राजधानी कलकत्ता में स्थापित की तो **वारेन हेस्टिंग** उसके **प्रथम गवर्नर जनरल** बनाए गए।
- 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद 1858 तक भारत में कम्पनी का शासन चला।
- बंगाल का अन्तिम स्वतंत्र शासक **सिराज – उद्दौला** था उसकी राजगद्दी का उत्तराधिकारी अलीवर्दी खान था।
- उनके शासन काल की समाप्ति भारत में स्वतंत्र शासक की समाप्ति को सूचित (चिह्नित) करता है और उसके बाद कम्पनी का शासन शुरू हो गया, जो बिना शक्तिहीन हुए अगले दो सौ वर्षों तक लगातार चला।
- मीर जाफर अली खान बहादुर सामान्यतया मीर जाफर के नाम से जाना जाता है। भारत में कम्पनी शासन के अन्तर्गत बंगाल का प्रथम नवाब बना।
- सिराज के पतन के बाद 1757 में ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के द्वारा मीर जाफर को बंगाल के नवाब के रूप में पदासीन किया गया।
- मीर कासिम 1760 से 1763 तक बंगाल का नवाब था।
- 23 अक्टूबर, 1764 में हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में ईस्ट इण्डिया कम्पनी और मीर कासिम, बंगाल के नवाब, अवध के नवाब और मुगल शासक सम्राट शाह आलम II की संयुक्त सेना के बीच बक्सर की लड़ाई लड़ी गई। इस युद्ध में मीर कासिम परास्त हुआ।

ब्रिटिश गर्वनर और गवर्नर जनरल के शासन

बंगाल के गवर्नर जनरल

- **रार्बट क्लाइव (1757-60 एवं 1765-67 ई०)** : रार्बट क्लाइव ने बंगाल में दो बार शासन किया। मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय को इलाहाबाद की द्वितीय संधि (1765 ई०) से संरक्षण में लिया। बंगाल के समस्त क्षेत्र के लिए दो उप दीवान मुहम्मद रजा (बंगाल) और राजा शिताब राय (बिहार) नियुक्त किये गए। (1760 के पश्चात यह पद हेनरी वेनिसिट्टार्ट को क्लाइव के दोबारा पद ग्रहण (1765) तक सौंपा गया।)
- **अन्य गवर्नर** : वेरेल्स्ट (1767-69 ई०) कार्टियर (1769-72 ई०)

Download from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

लार्ड कार्नवालिस (1786-93 ई०) :

- इस काल में तृतीय आंग्ल मैसूर युद्ध (1789-92 ई०) हुआ। टीपू से श्रीरंगपट्टनम संधि (1792)।
- जिले के सभी अधिकार कलक्टर को सौंपे गए।
- 1793 में स्थायी बन्दोबस्त लागू।
- कार्नवालिस कोड बना जिसके माध्यम से शक्ति पृथक्करण सिद्धांत सामने लाया जा सका।
- **सर जॉन शोर (1793-98 ई०) :** कॉर्नवालिस का उत्तराधिकारी बना तथा उसने देशी राज्यों के मामले में हस्तक्षेप न करने की नीति का अनुकरण किया।
- **लॉर्ड वेलेजली (1798-1805 ई०) :** इसे बंगाल के गवर्नर जनरलों में सबसे अधिक मेधावी माना जाता है। इसने सहायक संधि की पद्धति शुरू की।
- **लॉर्ड कार्नवॉलिस (1805 ई०) :** यह शासक दूसरी बार फिर से गवर्नर जनरल बनकर वापस आया।
- **जॉर्ज बार्लो (1805-1807 ई०) :** 1806 ई० का वेल्लोर सिपाही विद्रोह इसके काल की महत्वपूर्ण घटना है।
- **लॉर्ड मिन्टो-I (1807-13 ई०) :** इसका शासन पर्शिया के शाह के साथ संधि और रणजीत सिंह के साथ अमृतसर की संधि (1809), के लिए प्रसिद्ध है।
- **हेस्टिंग्स (1813-1823 ई०) :** ये पहले गवर्नर थे जिन्होंने भारतीयों को उत्तरदायित्व के उच्चतम पद पर नियुक्त किया। स्थानिक (वर्नाकुलर) भाषा का पहला समाचार पत्र 'समाचार पत्रिका' उनके शासन काल के समय प्रकाशित हुआ।
- **लॉर्ड एमहेर्स्ट (1823-1828 ई०) :** उनका शासन पहला एंग्लो बर्मीज युद्ध (1824–26) और बैरकपुर के विद्रोह (1824) के लिए जाना जाता है।

भारत के गवर्नर जनरल

- **लॉर्ड बिलियम बेंटिक (1828-35 ई०) :** अंग्रेजी को मैकाले की सिफारिश के बाद निर्देश के लिए माध्यम स्वीकार किया गया; 1835 में कोलकाता में मेडिकल कॉलेज; 1833 में चार्टर एक्ट पारित हुआ और वे भारत के प्रथम गवर्नर जनरल बनाए गए; 1829 में सती प्रथा का उन्मूलन।
- **सर चार्ल्स मेटकैफ (1835-36 ई०) :** उन्होंने स्थानीय भाषा के प्रेस पर नियन्त्रण को दूर किया।
- **लॉर्ड आकलैंड (1836-42 ई०):** प्रथम अफगान युद्ध का भड़क उठना। प्रेस पर से प्रतिबंध हटाया और अंग्रेज, रणजीत सिंह और अफगानिस्तान के शाह शुजा के बीच, त्रिपक्षीय संधि पर हस्ताक्षर करना इनके शासन काल की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ थीं।
- **लॉर्ड एलेनबरो (1842-44 ई०) :** इसका शासन काल प्रथम अफगान युद्ध की समाप्ति और सिन्ध का ब्रिटिश राज्य में विलय (1843) के लिए जाना जाता है।
- **लॉर्ड हार्डिंग प्रथम (1844-48 ई०) :** इसके शासन काल की महत्त्वपूर्ण घटना प्रथम सिख युद्ध (1845–46 ई०) है।
- **लॉर्ड डलहौजी (1848-56 ई०) :** हड़पनीति, द्वितीय बर्मा युद्ध, द्वितीय एंग्लो सिक्ख युद्ध, शिमला को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाना, 1853 में बम्बई से थाना तक की पहली रेलवे लाइन बिछाया जाना।

भारत के वायसराय

- **लॉर्ड केनिंग (1856-1862 ई०) :** अवध का विलय, हिन्दू विधवा पुनर्विवाह विधेयक 1857 का कानून के रूप में लागू होना, 1857 में बम्बई, कोलकाता तथा मद्रास में विश्वविद्यालय की स्थापना, 1857 में मद्रास और बम्बई का विद्रोह, कम्पनी शासन का ब्रिटिश सरकार में स्थानान्तरण, लॉर्ड केनिंग को भारत का प्रथम वायसराय नियुक्त किया गया।
- **लॉर्ड एल्गिन प्रथम (1862-63 ई०) :** वहाबी आंदोलन का दमन।
- **लॉर्ड जॉन लारेंस (1864-69 ई०) :** दो अकाल का भारत पर कहर, प्रथम 1866 में उड़ीसा में और द्वितीय 1866–69 में बुंदेलखंड और राजपूताना में।
- सर हेनरी केम्पबेल की अध्यक्षता में अकाल आयोग की स्थापना की गई।
- **लॉर्ड मेयो (1869-72 ई०) :** प्रथम जनगणना का आयोजन किया गया, जो 1871 में स्थापित हुआ और भारत में वित्त के विकेन्द्रीकरण की

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्रक्रिया शुरू की गई। कृषि और वाणिज्य के विभाग की स्थापना की गई।

- **लॉर्ड नार्थब्रुक (1872-76 ई०)** : पंजाब का कूका आन्दोलन, प्रिन्स वेल्स का आगमन, बिहार और बंगाल में अकाल (1873–74 ई०)।
- **लॉर्ड लिट्टन (1876-80 ई०)** : ब्रिटेन की महारानी विक्टोरिया के सम्मान में दिल्ली दरबार, का आयोजन 1 जनवरी, 1877 को और वर्नाकुलर प्रेस कानून 1878 में पारित।
- **लॉर्ड रिपन (1880-84 ई०)** : प्रथम कारखाना अधिनियम (1881) स्थानीय स्वशासन 1882 में लागू किया गया। वर्नाक्यूलर प्रेस कानून (Vernacular Press act) को औपचारिक रूप से रद्द कर दिया गया।
- **लॉर्ड डफरिन (1884-88 ई०)** : तृतीय एंग्लो–बर्मीज युद्ध, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की 1885 में स्थापना।
- **लॉर्ड लैंस डाऊन (1888-94 ई०)** : 1891 के फैक्ट्री एक्ट ने साप्ताहिक छुट्टी अनुदानित की और स्त्रियों तथा बच्चों के कार्य अवधि को निर्धारित किया गया। नागरिक सेवा को तीन भागों में विभाजित किया गया — केंद्रीय, प्रादेशिक और अधीनस्थ सेवाएँ, इण्डियन काउन्सिल एक्ट 1892 पारित। ब्रिटिश भारत और अफगानिस्तान (अभी पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच) के बीच डूरण्ड रेखा 1893 ई० में निश्चित की गई।
- **लॉर्ड एल्गिन II (1894-99 ई०)** : 1899 का दक्षिणी विद्रोह, 1896–97 का महा अकाल तथा अकाल से संबंधित लियाल आयोग की स्थापना।
- **लॉर्ड कर्जन (1899-1905 ई०)** : अकाल आयोग, पूसा, दिल्ली में कृषि अनुसंधान संस्थान स्थापित, 1905 में बंगाल का विभाजन।
- **लॉर्ड मिन्टो II (1905-10 ई०)** : 1909 में मिन्टो–मार्ले सुधार, स्वदेशी आन्दोलन (1905–08), मुस्लिम लीग की नींव (1906), सूरत का सत्र और कांग्रेस का विभाजन (1907)।
- **लॉर्ड हार्डिंग II (1910-16 ई०)** : ब्रिटेन के सम्राट जॉर्ज पंचम और इंगलैंड की रानी मेरी के सम्मान में दिल्ली में राज्याभिषेक दरबार आयोजित किया गया। देश की राजधानी 1911 ई० में कोलकाता से दिल्ली स्थानांतरित करने की घोषणा की गई।
- प्रथम विश्व युद्ध 1914 में प्रारंभ।
- **लॉर्ड चेम्सफोर्ड (1916-21 ई०)** : भारत सरकार, 1919 (मांटेग्यु चेम्सफोर्ड सुधार), रौलेट एक्ट (1919) लागू होना, जलियाँवाला बाग की त्रासदी (1919), असहयोग आन्दोलन (1920) की शुरुआत।
- **लॉर्ड रीडिंग (1921-26 ई०)** : रौलेट एक्ट का रद्द होना, चौरी–चौरा घटना (1922), मोपला विद्रोह (1921), काकोरी रेल डकैती (1925), मुल्तान, अमृतसर तथा दिल्ली में 1923–25 के सांप्रदायिक दंगे।
- **लॉर्ड इरविन (1926-31 ई०)** : 1928 में साइमन कमीशन आया, 1931 में गांधी इरविन समझौता, प्रथम गोलमेज सम्मेलन (1930)।
- **लॉर्ड विलिंग्डन (1931-36 ई०)** : द्वितीय गोल मेज सम्मेलन (1931), रैम्जे मेकडोनल्ड द्वारा सांप्रदायिक अधिनिर्णय (1932), पूना एक्ट, तृतीय गोल मेज सम्मेलन 1932।
- **लॉर्ड लिनलिथगो (1936-43 ई०)** : द्वितीय विश्व युद्ध की शुरुआत (1939), क्रिप्स मिशन का आगमन (1942), भारत छोड़ो आन्दोलन की शुरुआत (1943)।
- **लॉर्ड वेवेल (1944-47 ई०)** : शिमला समझौता (1945) केबिनट मिशन (लॉरेन्स, क्रिप्स और अलेक्जेंडर) 16 अगस्त, 1946 को प्रत्यक्ष कार्यवाही दिवस लार्ड क्लीमेंट एटली की घोषणा (1947)।
- **लॉर्ड माउंटबेटेन (मार्च 1947 से जून 1948 ई०)** : ब्रिटिश भारत का अन्तिम वायसराय और स्वतंत्र भारत का प्रथम गवर्नर जनरल जिसने 3 जून 1947 को घोषणा की कि भारत और पाकिस्तान के रूप में भारत का विभाजन ही समस्या का हल है इसी को कार्यकाल में भारतीय स्वतन्त्रता विधेयक ब्रिटिश संसद में 4 जुलाई 1947 को प्रधानमंत्री एटली द्वारा प्रस्तुत किया गया था इस विधेयक में भारत और पाकिस्तान दो स्वतन्त्र राष्ट्रों के निर्माण की बात कही गई थी।

चक्रवर्ती राजगोपालाचारी (1948–50)

लॉर्ड माउंटबेटन के वापसी के बाद 21 जून 1948 को चक्रवर्ती राजगोपालाचारी भारत के गवर्नर–जनरल बनाए गये थे वे स्वतन्त्र भारत के प्रथम भारतीय व अन्तिम गवर्नर–जनरल थे।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

1857 का विद्रोह

- **राजनैतिक कारण** – राज्य हड़प की नीति।
- **नाना साहिब** की पेंशन अस्वीकृत हो गई, क्योंकि वे पेशवा बाजीराव I के दत्तक पुत्र थे।
- रानी लक्ष्मीबाई के पुत्र को ईस्ट इण्डिया कम्पनी के द्वारा झांसी राज्य के उत्तराधिकारी के रूप में मान्यता नहीं दी गई।
- बहादुरशाह के उत्तराधिकारी को लाल किले में रहने का अधिकार नहीं दिया गया।
- **आर्थिक कारण** – अत्यधिक कर (भुगतान) प्रणाली, बेदखली, भारतीय उत्पादनों के साथ भेदभाव, आयात शुल्क नीति, पारम्परिक हस्तकला का विनाश।
- **सैनिक भेदभाव** – ब्रिटिश और भारतीय सैनिकों के बीच भेदभाव।
- **धार्मिक भेदभाव** – इनफिल्ड रायफल का प्रयोग, जिसके कारतूस में पशुओं की चरबी मिली होती थी, इसने आग की चिंगारी का काम किया।
- मार्च 29, 1857 के दिन मंगल पाण्डे नाम के एक सैनिक ने बैरकपुर में गाय की चर्बी वाले कारतूसों को मुंह से काटने से स्पष्टतया इनकार कर दिया अपने वरिष्ठ पर (19 वीं और 34वीं देशी पैदल सेना) गोली चला दी।
- 10 मई, 1857 के दिन मेरठ की पैदल टुकड़ी द्वारा 1857 की क्रांति की शुरुआत हुई।

सामाजिक एवं सांस्कृतिक सुधार

- **राजा राममोहन राय** ने 1828 ई० में कलकत्ता में **ब्रह्म समाज** की स्थापना की। इसकी स्थापना हिन्दू धर्म की शुद्धता और अद्वैतवाद के प्रसार के लिए की गई।
- उन्होंने 1815 ई० में आत्मीय सभा की स्थापना की।
- 1829 में सती प्रथा को दंडनीय अपराध घोषित करने में राजा राममोहन राय ने लार्ड विलियम बेंटिक की सहायता की।
- **हेनरी लुइस विवियन डेरोजियो** 'युवा बंगाल आन्दोलन' के संस्थापक थे।
- **आर्य समाज** की स्थापना 1875 में बम्बई में **'स्वामी दयानन्द सरस्वती'** ने की।
- उन्हें विश्वास था कि वेद सच्चे ज्ञान के स्रोत हैं। उनका ध्येय वाक्यांश था 'वेदों की ओर वापस चलो।'
- वे मूर्ति पूजा, बाल विवाह, जन्म पर आधारित जाति प्रथा के विरोधी थे।
- सबसे पहले दयानन्द एंग्लो वैदिक (DAV) स्कूल की स्थापना लाहौर में 1886 ई० में हुई।
- **प्रार्थना समाज** की स्थापना 1867 ई० में बम्बई में **डॉ० आत्माराम पांडुरंग** के द्वारा हुई।
- न्यायाधीश एम० जी० रानाडे और आर० जी० भण्डारकर 1870 ई० में इससे जुड़े और इसमें नई शक्ति संचारित की।
- न्यायाधीश रानाडे ने **दक्कन एजुकेशन सोसाइटी को प्रोत्साहित किया।**
- **स्वामी विवेकानन्द** का मूल नाम नरेन्द्र नाथ दत्त था। (1863–1902)
- वे रामकृष्ण परमहंस के प्रसिद्ध शिष्य थे।
- **स्वामी विवेकानन्द** ने सितम्बर, 1893 ई० में शिकागो (USA) में आयोजित "पार्लियामेंट ऑफ रिलिजन" (धर्म महासभा) में भाग लिया और भारत तथा हिन्दू धर्म की प्रतिष्ठा को बहुत ऊँचा उठाया।
- विवेकानंद ने 1896 ई० में न्यूयार्क में वेदांत सोसायटी तथा 1897 ई० में रामकृष्ण मिशन की स्थापना की।
- 1875 ई० में न्यूयार्क (USA) में मैडम एच० पी० ब्लावत्स्की, एक रूसी महिला और एक अमेरिकन कर्नल हेनरी स्टील आलकॉट्ट ने **थियोसोफिकल सोसाइटी** की स्थापना की।
- **पंडित ईश्वर चंद्र विद्यासागर** ने बेथ्यून विद्यालय की स्थापना के लिए जे० डी० बेथ्यून की मदद की।
- **ज्योतिबा फुले** ने 1873 ई० में **'सत्यशोधक समाज'** की स्थापना की।
- भारत में मुस्लिमों के सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए सर सैय्यद अहमद खान (1817–98) ने अलीगढ़ आन्दोलन की शुरुआत की।
- बाबा दयाल दास ने निरंकारी आन्दोलन की स्थापना की।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- बाबा राम सिंह के द्वारा नामधारी आन्दोलन की स्थापना की गई

स्वतंत्रता आन्दोलन

- एलियन ओक्टावियन ह्यूम के द्वारा 28 दिसम्बर, 1885 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना की गई।
- कांग्रेस के पहली मीटिंग की कार्य–योजना पुणे में आयोजित होने वाली थी लेकिन वहाँ प्लेग फैलने के कारण बैठक बाद में बम्बई स्थानान्तरित की गई।
- व्योमेश चन्द्र बनर्जी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रथम अध्यक्ष थे।
- 28–31 दिसम्बर 1885 INC (Indian National Congress) का पहला सत्र आयोजित हुआ और इसमें 72 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।
- बंगाल के विभाजन के निर्णय की घोषणा भारत के वायसराय लॉर्ड कर्जन ने जुलाई, 1905 में की।
- 16 अक्टूबर, 1905 को विभाजन हुआ और मुस्लिम बहुल पूर्वी इलाके को हिन्दू बहुल पश्चिमी इलाके से अलग कर दिया गया।
- 1911 में फिर से बंगाल का एकीकरण हो गया।
- मुख्यत: 26 दिसम्बर 1907 को सूरत सत्र में कांग्रेस दल का नरम दल और गरम दल में विभाजन हो गया, जिसे सूरत फूट के नाम से जाना जाता है।
- गरम दल का नेतृत्व लोकमान्य तिलक, लाला लाजपत राय और बिपिनचन्द्र पाल कर रहे थे और नरम दल का नेतृत्व गोपाल कृष्ण गोखले, फिरोज शाह मेहता और सुरेन्द्रनाथ बनर्जी कर रहे थे।
- विभाजित कांग्रेस 1916 ई० में लखनऊ सत्र में फिर से एक हो गई।
- इण्डियन काउन्सिल एक्ट 1909 सामान्यत: मार्ले मिन्टो सुधार के नाम से जाना जाता है। मार्ले मिन्टो सुधार ब्रिटेन के संसद का एक अधिनियम था, जो ब्रिटिश भारत की सरकार में भारतीयों की भागीदारी एक सीमित मात्रा में बढ़ाने के लिए लाया गया था।
- यह एक्ट (अधिनियम) जॉन मोर्ले के द्वारा सूत्रबद्ध किया गया, जो भारत के राज्य सचिव थे।
- लॉर्ड मिन्टो भारत के ब्रिटिश वायसराय थे, (1905–10 तक)।
- एक्ट ने इन्डियन काउन्सिल एक्ट 1861 और 1892 को संशोधित किया।
- **स्वदेशी आन्दोलन,** भारत के वायसराय लॉर्ड कर्जन के द्वारा 1905 में बंगाल के विभाजन के साथ शुरू किया गया।
- पहले के गांधीवादी आन्दोलनों में यह सबसे अधिक सफल था। इसके मुख्य संस्थापक अरविंदो घोष, लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक, बिपिन चन्द्र पाल, लाला लाजपत राय, वी० ओ० चिदम्बरम, पिल्लई, बाबु जेनु थे।
- **ऑल इन्डिया मुस्लिम लीग** 30 दिसम्बर, 1906 ई० में स्थापित हुआ।
- यह सुधारक और मुस्लिम विद्वान सर सैय्यद अहमद खान (1817–98) की मदद से स्थापित हुआ।
- **गदर पार्टी** के संस्थापक अध्यक्ष सोहन सिंह भाकना और उप–संस्थापक लाला हरदयाल थे।
- इस पार्टी के सदस्य अमेरिका और कनाडा के अप्रवासी सिक्ख थे।
- **कोमागता मारु त्रासदी,** कनाडा में भारतीयों के प्रवेश से संबंधित विवाद था। इसके बाद 1914 में लाला हरदयाल यूरोप भाग गए। क्रांतिकारी साहित्य को फैलाने के अभियोग में अमेरिकी सरकार ने उन्हें बंदी बनाने का आदेश दिया था। देश में 1916 ई० में दो होम रुल आंदोलन छेड़े गए। इनमें से एक बाल गंगाधर तिलक के नेतृत्व में और दूसरा एनी बेसेंट के नेतृत्व में हुआ था।
- **होम रुल लीग** का उद्देश्य था – **ब्रिटिश** साम्राज्य में भारत के लिए स्व–शासन की स्थापना।
- भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रमुख, मराठा नेता बाल गंगाधर तिलक तथा आल इंडिया मुस्लिम लीग के प्रमुख मुहम्मद अली जिन्ना ने लखनऊ समझौता (दिसम्बर, 1916) पर हस्ताक्षर किए।
- पैक्ट भारत सरकार की संरचना और हिन्दू–मुस्लिम समुदाय के सम्बन्ध, से जुड़ा हुआ था।
- लखनऊ पैक्ट के बाद, ब्रिटिश नीति घोषित की गई, जिसका उद्देश्य था शासन की

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

सभी शाखाओं में भारतीयों की सहभागिता में वृद्धि करना और प्रगतिशील कार्य के लिए भारत में उत्तरदायी सरकार बनाना, जो ब्रिटिश साम्राज्य का एक संगठित भाग हो। 20 अगस्त 1917 को मोंटेग्यु चेमसफोर्ड ने ब्रिटेन की संसद में एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया जो **अगस्त उद्घोषणा** कहलाया।

- अराजक और क्रांतिकारी अपराध एक्ट 1919 लोकप्रिय रूप से **रौलेट एक्ट** के नाम से जाने जाते हैं।
- रौलेट एक्ट दिल्ली में 21 मार्च 1919 ई० में शाही विधान परिषद (इम्पिरियल लेजिस्लेटिव काउन्सिल) के द्वारा पारित हुआ।
- इस कानून ने वास्तव में सरकार को अधिकार दिया कि किसी भी मनुष्य पर अगर आतंकवादी होने का संदेह हो और जो राज्य में दो साल से अधिक बिना जाँच के रह रहा हो, सरकार उसे गिरफ्तार कर सकती है।
- कांग्रेस के दो नेता डॉ० सत्यपाल और डॉ० सैफुद्दीन किचलू को गिरफ्तार किया गया और एक अनजान जगह पर भेज दिया गया।
- 13 अप्रैल को आस-पास के गाँवों के लोग अमृतसर में बैशाखी दिवस मनाने के लिए एकत्रित हुए। जिससे 1919 का कुख्यात **जलियाँवाला बाग हत्याकांड** घटित हुआ। ब्रिगेडियर जनरल डायर के आदेश से सेना भीड़ पर दस मिनट तक गोलियाँ चलाती रही।
- **ऊधम सिंह** ने 13 मार्च 1940 ई० को कैक्सटन हॉल लंदन में माइकल ओ डायर को मारा।
- **खिलाफत आन्दोलन**, 20वीं शताब्दी के प्रारंभ में भारत में उठा। इसका कारण था इस्लाम की एकता के प्रति मुस्लिम भय।
- इटली (1911) और बलखान का (1912–13) तुर्की पर आक्रमण ने मुस्लिमों को भयभीत कर दिया क्योंकि तुर्की के सुल्तान खलीफा, सम्पूर्ण विश्व के मुस्लिम समुदाय के धार्मिक प्रमुख थे और विश्व युद्ध में तुर्कियों की हार हुई थी।
- खलीफा की रक्षा के लिए एक अभियान छिड़ा जिसका नेतृत्व भारत में दो भाइयों शौकत व मुहम्मद अली तथा अबुल कलाम आजाद के द्वारा किया गया।
- महात्मा गांधी के द्वारा **असहयोग आन्दोलन** का नेतृत्व किया गया।
- जलियाँवाला बाग की घटना के बाद गांधी जी ने असहयोग आन्दोलन प्रारम्भ किया।
- विरोध–प्रदर्शनकारियों ने (विदेशी) ब्रिटिश वस्तुओं को खरीदने से इनकार कर दिया। स्थानीय हस्तशिल्प से बने सामान का प्रयोग करना प्रारंभ किया, शराब की दुकानों पर धरना देना शुरू किया।
- 5 फरवरी, 1922 ई० को चौरी–चौरा पुलिस चौकी को भीड़ ने आग लगा दिया जिससे 22 पुलिसकर्मियों की मृत्यु हो गयी।
- असहयोग आन्दोलन चौरी–चौरा की घटना के कारण स्थगित कर दिया गया।
- स्वराज पार्टी, भारतीय राजनीतिक पार्टी 1922 के उत्तरार्ध और 1923 के पूर्वार्ध में इण्डियन नेशनल कांग्रेस के सदस्यों के द्वारा स्थापित की गई। यह विशेष रूप से मोतीलाल नेहरू, उत्तर भारत के एक वरिष्ठ वकील और बंगाल के राष्ट्रवादी राजनीतिज्ञ चितरंजन दास के द्वारा स्थापित की गई।
- 1927 ई. में **साइमन कमीशन** की नियुक्ति हुई जिसे इण्डिया एक्ट 1919 के द्वारा स्थापित भारतीय संविधान के कार्यों का विवरण देना था।
- कमीशन सात सदस्यों से बनी थी; सर जॉन साइमन और क्लेमेन्ट एटली संयुक्त सचिव थे।
- 3 फरवरी 1928 को साइमन कमीशन को प्रदर्शनकारियों की भीड़ का सामना करना पड़ा।
- लाहौर में हुए विरोध का नेतृत्व भारतीय राष्ट्रवादी लाला लाजपत राय ने किया। जिन्हें स्थानीय पुलिस के द्वारा बुरी तरह से पीटा गया। उनकी मृत्यु 17 नवम्बर, 1928 ई. को हो गई।
- **नेहरू रिपोर्ट (अगस्त, 1928)** एक ज्ञापन था जिसमें भारत के संविधान को प्रभुत्व सम्पन्न बताते हुए इसके वैधानिक आधार की रूपरेखा प्रस्तुत की गयी थी।
- सर्वदलीय सम्मेलन की समिति द्वारा इसे तैयार किया गया था, जिसके अध्यक्ष मोतीलाल नेहरू तथा सचिव जवाहरलाल नेहरू थे।
- **डांडी मार्च** नमक सत्याग्रह के नाम से भी जाना जाता है। यह 12 मार्च, 1930 को गांधी जी के नेतृत्व में शुरू हुआ। यह भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- गांधी ने 6 अप्रैल, 1930 को प्रातः 6.30 बजे नमक कानून को तोड़ा।
- तीन गोल मेज सम्मेलन (1930–32) यह भारत में संवैधानिक सुधार पर बहस करने के लिए ब्रिटिश सरकार द्वारा आयोजित किया गया था।
- **प्रथम गोल मेज सम्मेलन : (नवंबर 1930–जनवरी 1931)** लॉर्ड इरविन के द्वारा नियमानुसार लंदन में 12 नवम्बर, 1930 को प्रारम्भ किया गया था और इसकी अध्यक्षता ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रेमसे मेकडोनाल्ड ने किया।
- **द्वितीय गोल मेज सम्मेलन:** (सितम्बर–दिसम्बर 1931)।
- महात्मा गांधी ने दूसरे सत्र में भाग लिया।
- **तृतीय गोल मेज सम्मेलन: (नवंबर–दिसंबर 1932)** में सिर्फ 46 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, क्योंकि भारत के अधिकतम मुख्य राजनीतिज्ञ उपस्थित नहीं थे।
- **गांधी इरविन पैक्ट** एक राजनैतिक सहमति थी। इस पर महात्मा गांधी और भारत के उस समय के वायसराय लॉर्ड इरविन ने 5 मार्च, 1931 को हस्ताक्षर किए थे।
- इस पर दूसरे गोल मेज सम्मेलन प्रारम्भ होने के पहले लंदन में हस्ताक्षर किए गए थे।
- 16 अगस्त, 1932 को ब्रिटिश प्रधानमंत्री रेमसे मेकडोनल्ड के द्वारा **'कम्युनल अवार्ड'** देने का विचार किया गया।
- इसके अनुसार– उच्च जाति, निम्न जाति, मुस्लिम, बौद्ध, सिक्ख, भारतीय ईसाई, एंग्लो इन्डियंस, यूरोपी और दलितों के लिए अलग–अलग प्रतिनिधित्व की व्यवस्था की गयी।
- **पूना समझौता** डॉ० बाबा साहब अम्बेडकर और महात्मा गांधी के बीच 24 सितम्बर, 1932 को यरवदा जेल पुणे में एक सहमति पर हस्ताक्षर से संबंधित था।
- डॉ० अम्बेडकर ने अछूतों के लिए अलग मतदान क्षेत्र के विचार को उठाया।
- ब्रिटिश सरकार, अम्बेडकर के कथन से सहमत हो गई और ब्रिटिश प्रधानमंत्री रेमसे मेकडोनल्ड के कम्यूनल अवार्ड, जो दलित वर्ग को दिए जाने वाले थे, वे ब्रिटिश सरकार के शासन में संविधान में समाविष्ट हो गए।
- गांधी जी ने कम्यूनल अवार्ड का सख्ती से विरोध किया, उनका आधार था कि इस अवार्ड से हिन्दू समाज विखंडित हो जाएगा। यरवदा केन्द्रीय कारावास में उन्होंने अनिश्चितकालीन भूख–हड़ताल प्रारम्भ की। 24 सितम्बर, 1932 को गांधी जी और अम्बेडकर के बीच एक समझौता किया गया।
- मार्च, 1940 में कांग्रेस ने युद्ध में ब्रिटिश सरकार को समर्थन देने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया, यदि केन्द्र में अस्थायी राष्ट्रीय सरकार की स्थापना हो।
- कांग्रेस ने अगस्त प्रस्ताव को पसंद नहीं किया।
- चौधरी रहमत अली ने अपने पाकिस्तान घोषणा में 'पाकिस्तान' के नाम का प्रस्ताव रखा।
- मुस्लिम लीग के लाहौर सत्र में पाकिस्तान की अलग राज्य के रूप में मांग की गई। यह दो राज्यों के सिद्धांत पर आधारित था।
- अबुल कलाम आजाद ने अलग राज्य की माँग का विरोध किया और वे साम्प्रदायिक प्रवृत्तियों का विरोध करने तथा भारतीय जनता की स्वतंत्रता के लिए लड़े।
- मार्च के उत्तरार्ध में **क्रिप्स मिशन** ब्रिटिश सरकार के द्वारा एक प्रयास था। इस मिशन के द्वारा सरकार भारतीयों से द्वितीय विश्वयुद्ध में पूर्ण सहयोग और समर्थन निश्चित रूप से पाना चाहती थी। इस मिशन के प्रमुख सर स्टेफोर्ड क्रिप्स थे।
- क्रिप्स ने युद्ध के बाद प्रभुत्व की स्थिति तथा चुनाव कराने का वादा किया था।
- कांग्रेस और लीग दोनों बड़े दलों ने इस प्रस्ताव का परित्याग कर दिया और मिशन असफल सिद्ध हो गया।
- **भारत छोड़ो आन्दोलन** मोहनदास करमचन्द गांधी के द्वारा 8 अगस्त, 1942 में भारत में छेड़ा गया था।
- गांधी जी ने नारा दिया **'करो या मरो'**!
- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान दक्षिणपूर्व एशिया में भारतीय राष्ट्रवादी के द्वारा 1942 में बनाई गई सशस्त्र सेना इन्डियन नेशनल आर्मी थी। इस सेना का उद्देश्य जापान के सहयोग से भारत को स्वतंत्र करना था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- प्रारम्भ में **आई० एन० ए०** (इन्डियन नेशनल आर्मी) 1942 में बनाई गई। 1943 में सुभाष चन्द्र बोस के नेतृत्व में इसे पुनर्जीवित किया गया।
- आई० एन० ए० की तीन टुकड़ियाँ थीं – गांधी ब्रिगेड, आजाद ब्रिगेड और नेहरू ब्रिगेड।
- लक्ष्मी सहगल ने रानी झांसी रेजिमेंट बनाई थी। इसमें मलाया और वर्मा से महिला स्वयंसेवकों को तैयार किया गया था।
- इंग्लैंड के तीन केबिनेट मंत्रियों से **केबिनेट मिशन** बनाया गया –

  (i) सर पेथिक लारेंस, (ii) सर स्टेफोर्ड क्रिप्स (iii) एलेक्जेन्डर।
- यह मिशन 24 मार्च, 1946 में शुरू हुआ। इस मिशन का यह उद्देश्य था कि वह स्वतंत्र भारत के संविधान के दस्तावेज तैयार करने के लिए कुछ नया तरीका निकाले।
- मुस्लिम लीग ने अन्तर्देशीय सरकार के विचार का परित्याग किया।
- 27 जुलाई को मुस्लिम लीग काउन्सिल बम्बई में मिला, जहाँ जिन्ना ने पाकिस्तान की माँग को दुहराया।
- जुलाई 29 को मुस्लिम लीग ने योजना को अस्वीकृत कर दिया और मुसलमानों को प्रत्यक्ष कार्रवाई के सहारे अपने सपने की धरती 'पाकिस्तान' को प्राप्त करने के लिए आह्वान किया।
- 2 सितम्बर, 1946 को भारत के नए चुने गए चुनाव क्षेत्र सभा से भारत में अंतरिम सरकार गठित की गई।
- यह 15 अगस्त, 1947 तक अस्तित्व में रही।

अंतरिम सरकार

बाह्य मामले और कॉमनवेल्थ सम्बन्ध	जवाहर लाल नेहरू
रक्षा	बलदेव सिंह
गृह (सूचना और प्रसारण सहित)	वल्लभभाई पटेल
वित्त	लियाकत अली खान
डाक और वायु	अब्दुर रब निस्तार
खाद्य और कृषि	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
श्रम	जगजीवन राम
परिवहन और रेलवे	मोहम्मद आसिफ अली
उद्योग और आपूर्ति	जॉन मथाई
शिक्षा और कला	सी० राजगोपालाचारी
खनन और शक्ति	सी० राजगोपालाचारी
वाणिज्य	आई० आई० चुन्दरीगर
कानून	जोगिन्दर नाथ मंडल
स्वास्थ्य	गजनफर अली खान

- 1934 में एम० एन० राय के द्वारा भारत के चुनाव क्षेत्र की सभा के लिए एक विस्तार प्रस्तुत किया गया।
- संविधान सभा, जिसमें कि अप्रत्यक्ष रूप से चुने हुए सदस्य थे, की स्थापना एक संविधान के निर्माण हेतु की गई। (पाकिस्तान और बांग्लादेश को सम्मिलित करते हुए)।
- सभा 9 दिसम्बर, 1946 को नई दिल्ली में पहली बार आयोजित की गई।
- सच्चिदानन्द सिन्हा संविधान सभा के प्रथम अध्यक्ष (अस्थायी अध्यक्ष) थे।
- राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के प्रथम स्थायी राष्ट्रपति थे।

महत्त्वपूर्ण दिवस

9 दिसम्बर, 1946	संविधान सभा की प्रथम बैठक
11 दिसम्बर, 1946	डॉ. राजेन्द्र प्रसाद और एच० सी० मुखर्जी एसेम्बली के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष चुने गए।
22 जुलाई, 1947	राष्ट्रीय ध्वज अधिगृहीत किया गया।
24 जुलाई, 1950	'जन–गन–मन' राष्ट्रीय गान के रूप में अधिगृहीत किया गया, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद भारत के प्रथम राष्ट्रपति चुने गए।

मुख्य सभाएँ और अध्यक्ष

कार्य प्रणाली नियम समिति	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
प्रारूप समिति	बी० आर० अम्बेडकर
संचालन समिति	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
वित्त तथा स्टाफ समिति	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्रत्यय समिति ऐय्यर	अल्लादी कृष्णस्वामी
सदन समिति रमैया	बी० पट्टामी सीता
तदर्थ समिति	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
राज्य समिति	जवाहर लाल नेहरू
संघ शक्ति समिति	जवाहर लाल नेहरू
संघीय संविधान समिति	जवाहर लाल नेहरू

- सभा ने संविधान के दस्तावेज के नियत कार्य को दो वर्ष, ग्यारह महीने और अठारह दिनों में पूरा किया।
- **भारतीय स्वतंत्रता एक्ट 1947** को 3 जून प्लान, या माउंटबेटेन योजना भी कहा जाता है।
- माउंटबेटेन प्लान ने घोषित किया था कि भारत और पाकिस्तान को सत्ता 15 अगस्त 1947 को सौंपी जाएगी।
- 15 अगस्त, 1947 को नियुक्त दिवस, भारत और पाकिस्तान के विभाजन के रूप में घोषित किया गया।
- इस कानून को राजनीतिक स्वीकृति 18 जुलाई, 1947 को मिली और पाकिस्तान 14 अगस्त तथा भारत 15 अगस्त को अस्तित्व में आया।
- दो प्रभुत्व संपन्न राज्यों के बीच की सीमा रेखाएँ, सीमा–रेखा कमीशन के द्वारा अधिकृत रूप से निर्धारित की गईं। इस कमीशन का नेतृत्व सर सायरिल रेडक्लिफ ने किया था।
- पाकिस्तान, पश्चिमी पंजाब, पूर्वी बंगाल, सिन्ध का भू क्षेत्र, पश्चिमी सीमांत प्रांत, सियालहट-असम का डिवीजन, भावलपुर, खैरपुर, बलूचिस्तान की अन्य 8 देशी रियासतें।
- दोनों देशों की संवैधानिक सभाएँ अपने–अपने देशों का संविधान बनाने के लिए स्वतंत्र थी।
- जवाहर लाल नेहरू भारत के प्रधानमंत्री बने और सरदार वल्लभ भाई पटेल गृहमंत्री बने।
- मुहम्मद अली जिन्ना पाकिस्तान के गवर्नर जनरल बने और लियाकत अली खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने।

कांग्रेस अधिवेशन के अध्यक्षों की सूची

अध्यक्ष	वर्ष	स्थान
सी विजयराघवाचार्य	1920	नागपुर
हकीम अजमल खान	1921	अहमदाबाद
देशबन्धु चितरंजन दास	1922	गया
मोहम्मद अली जौहर	1923	काकिनाड़ा
अबुल कलाम आजाद	1923	दिल्ली (विशेष सत्र)
मोहनदास करमचंद गांधी	1924	बेलगाम
सरोजिनी नायडू	1925	कानपुर
एस० श्रीनिवास आयंगर	1926	गौहाटी
मुख्तार अहमद अंसारी	1927	मद्रास
मोतीलाल नेहरू	1928	कलकत्ता
जवाहरलाल नेहरू	1929 और 1930	लाहौर
वल्लभ भाई पटेल	1931	कराची
मदन मोहन मालवीय	1933	कलकत्ता
नलिनी सेनगुप्ता	1933	कलकत्ता
राजेन्द्र प्रसाद	1934 और 1935	बम्बई
जवाहर लाल नेहरू	1936	लखनऊ

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

जवाहर लाल नेहरू	1936 और 1937	फैजपुर
सुभाष चन्द्र बोस	1938	हरिपुरा
सुभाष चन्द्र बोस (इस्तीफा दिया)	1939	त्रिपुरा
डॉ० राजेन्द्र प्रसाद, अबुल कलाम आजाद	1940-1946	रामगढ़
जे० बी० कृपलानी	1946	मेरठ
पट्टाभि सीता रमय्या	1948 और 1949	जयपुर
पुरुषोत्तम दास टण्डन	1950	नासिक
जवाहर लाल नेहरू	1953	हैदराबाद
जवाहर लाल नेहरू	1954	कलकत्ता

समाचार पत्र तथा पत्रिकाएं व उनके संस्थापक

समाचार पत्र	संस्थापक
बंगाल गजट (1780) (भारत का पहला समाचार पत्र)	जे० के० हिक्की
केशरी	बी० जी० तिलक
अमृत बाजार पत्रिका वन्दे मातरम्	शिशिर कुमार घोष और मोतीलाल घोष अरविन्दो घोष
कविवचन सुधा	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
राष्ट गोफ्तर (गुजरात का सबसे पहला समाचार पत्र)	दादाभाई नौरोजी
स्टेट्समेन	रॉबर्ट नाइट
हिन्दू	वीर राघवाचार्य और जी० एस० ऐयर
युगांतर	भूपेन्द्रनाथ दत्ता और बैरिन्दर कुमार घोष
बाम्बे क्रोनिकल	फिरोज शाह मेहता
हिन्दुस्तान	एम० एम० मालवीय
मुखनायक	बी० आर० अम्बेडकर
कॉमरेड	मुहम्मद अली
तहजीब–उल–अखलाक	सर सैय्यद अहमद खान
अल हिलाल	अबुल कलाम आजाद
अल बालाघ	अबुल कलाम आजाद
इनडिपेंडेन्ट	मोतीलाल नेहरु
पंजाबी	लाला लाजपत राय
न्यू इंडिया (डेली)	एनी बेसेंट
प्रताप	गणेश शंकर विद्यार्थी
संवाद कौमुदी (बंगाली)	राजा राममोहन राय
मिरत–उल–अकबर	राजा राममोहन राय (पहला पर्सियन समाचार पत्र)
यंग इंडिया	एम० के० गांधी
हरिजन	एम० के० गांधी
हिन्दुस्तान टाइम्स	के० एम० पन्निकर

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विश्व इतिहास

विश्व इतिहास - काल क्रम

विश्व इतिहास

प्राचीन

- मेसोपोटामिया की सभ्यता (5000–900 बी सी)
- मिस्त्र की सभ्यता (500–30 बी सी)
- इजराइल की सभ्यता (1300–63 बी सी)
- यूनान की सभ्यता (776–388 बी सी)
- रोमन सभ्यता (753 बी सी – 476 ए डी)
- क्रिश्चियन सभ्यता
- पारसी सभ्यता

मध्य

- मध्यकालीन यूरोप सभ्यता
- अफ्रीकन सभ्यता
- मंगोल साम्राज्य की सभ्यता
- अरब सभ्यता और इस्लाम
- मध्यकालीन चीन

आधुनिक

- पुनर्जागरण
- सुधार
- विश्व की प्रमुख क्रांतियाँ
  - गौरवशाली क्रांति
  - औद्योगिक क्रांति
  - अमेरिकन क्रांति
  - फ्रांसीसी क्रांति
  - रूस की क्रांति
- विश्व युद्ध पर एक दृष्टि
- विश्व के प्रमुख युद्ध
  - ट्रोजन युद्ध
  - पारसीयन युद्ध
  - पेलोपोनेसियन युद्ध
  - प्यूनिक युद्ध
  - सौ साल का युद्ध
  - रूस–जापान युद्ध
  - वियतनाम का युद्ध
  - इराक का युद्ध

विश्व इतिहास पुनर्जागरण

- पुनर्जागरण का प्रारंभ इटली के **फ्लोरेंस नगर** से माना जाता है।
- इटली के महान कवि **दाँते** (1260–1321 ई०) को पुनर्जागरण का अग्रदूत माना जाता है। इनका जन्म फ्लोरेन्स नगर में हुआ था।
- दाँते के बाद पुनर्जागरण की भावना का प्रश्रय देनेवाला दूसरा व्यक्ति **पेट्रॉक** (1304–1367) था।
- पेट्रॉक को **मानववाद** का संस्थापक माना जाता है। वह **इटली** का निवासी था।
- इटालियन गद्य का जनक कहानीकार **बोकेशियो** (सन् 1313–1375 ई०) को माना जाता है।
- आधुनिक विश्व का प्रथम राजनीतिक चिन्तक फ्लोरेंस निवासी **मैकियावेली** (1469–1567 ई०) को माना जाता है।
- **मैकियावेली की प्रसिद्ध पुस्तक है: द प्रिन्स**, जो राज्य का एक नवीन चित्र प्रस्तुत करती है।
- पुनर्जागरण की भावना की पूर्ण अभिव्यक्ति इटली के तीन कलाकारों की कृतियों में मिलती है। ये कलाकार थे– **लियोनार्दो द विंची, माइकेल एंजलो** और **राफेल**।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- लियोनार्दो द विंची एक बहुमुखी प्रतिभासम्पन्न व्यक्ति था। वह चित्रकार, मूर्तिकार, इंजीनियर, वैज्ञानिक, दार्शनिक, कवि और गायक था।
- लियोनार्दो द विंची 'द लास्ट सपर' और 'मोनालिसा' नामक अमर चित्रों के रचयिता होने के कारण प्रसिद्ध है।
- माइकल एंजलो भी एक अद्‌भुत मूर्तिकार एवं चित्रकार था।
- **द लास्ट जजमेंट** एवं **द फाल ऑफ मैन माइकल एंजलो** की कृतियाँ हैं।
- राफेल भी इटली का एक चित्रकार था, इसकी सर्वश्रेष्ठ कृति जीसस क्राइस्ट की माता **मेडोना** का चित्र है।
- पुनर्जागरण काल में चित्रकला का जनक **जियाटो** को माना जाता है।
- **मार्टिन लूथर** ने जर्मन भाषा में बाइबिल का अनुवाद प्रस्तुत किया है।
- **'रोमियो एण्ड जुलियट'** शेक्सपीयर (इंगलैंड) की अमर कृति है।
- **पृथ्वी सौरमंडल का केन्द्र है:** इस का खंडन सर्वप्रथम पोलैंड निवासी **कोपरनिकस** ने किया।
- न्यूटन (1642–1726 ई०) ने **गुरुत्वाकर्षण के नियम** का पता लगाया।
- धर्म–सुधार आन्दोलन की शुरुआत 16वीं सदी में हुई।
- धर्म–सुधार आन्दोलन का प्रवर्तक **मार्टिन लूथर** था, जो जर्मनी का रहने वाला था। इसने बाइबिल का अनुवाद जर्मन भाषा में किया।
- धर्म–सुधार आन्दोलन की शुरुआत इंगलैंड में हुई।
- अमरीका की **खोज क्रिस्टोफर कोलम्बस** ने की थी।
- अमेरिगो वेस्पुसी (इटली) के नाम पर अमेरिका का नाम अमेरिका पड़ा।
- समुद्री मार्ग से सम्पूर्ण विश्व का चक्कर लगानेवाला प्रथम व्यक्ति **मैगलन** था।

अमेरिका का स्वतंत्रता-संग्राम

- अमेरिका में ब्रिटिश औपनिवेशिक साम्राज्य की नींव **जेम्स प्रथम** के शासनकाल में डाली गयी।
- **रेड इंडियन** अमेरिका के मूल निवासी थे।
- अमेरिका को पूर्ण स्वतंत्रता 4 जुलाई, 1776 ई० को मिली।
- अमेरिका स्वतंत्रता–संग्राम का नायक **जॉर्ज वाशिंगटन** थे, जो बाद में अमेरिका का प्रथम राष्ट्रपति बने।
- अमेरिका स्वतंत्रता–संग्राम का तात्कालिक कारण **'बोस्टन की चाय पार्टी'** थी, जो 16 दिसम्बर, 1773 ई० को हुई थी। इसी घटना से अमेरिका का स्वतंत्रता–संग्राम प्रारंभ हुआ। इस घटना का नायक **सैम्युल एडम्स** था।
- संसार में सर्वप्रथम **लिखित संविधान** संयुक्त राज्य अमेरिका में 1789 ई० में लागू हुआ।
- अमेरिका **विश्व का पहला देश था**, जिसने **मनुष्यों की समानता तथा उसके** मौलिक **अधिकारों की घोषणा** की।
- अमेरिका में दासों के आयात को 1808 ई० में अवैध घोषित किया गया।
- अब्राहम लिंकन अमेरिका के राष्ट्रपति 1860 ई० में हुए।
- अमेरिका में गृह–युद्ध की शुरुआत 12 अप्रैल, 1861 ई० में दक्षिण एवं उत्तरी राज्यों के बीच हुई। दक्षिणी राज्य दासता के समर्थक एवं उत्तरी राज्य उसके विरोधी थे।
- अमेरिकी गृह–युद्ध की शुरुआत दक्षिणी कैरोलिना राज्य से हुई। इसी युद्ध के फलस्वरूप ही दासप्रथा का अंत हुआ।
- 1 जनवरी, 1863 ई० को अब्राहम लिंकन ने दास–प्रथा का उन्मूलन किया।
- अब्राहम लिंकन की हत्या **जॉन विल्कीज बूथ** नामक व्यक्ति ने 4 मार्च, 1865 ई० को कर दी।

फ्रांस की राज्यक्रांति

- फ्रांस की राज्यक्रांति 1789 ई० में लूई सोलहवाँ के शासनकाल में हुई। इस समय फ्रांस में सामन्ती व्यवस्था थी।
- 14 जुलाई, 1789 ई० को क्रांतिकारियों ने बास्तील के कारागृह के फाटक को तोड़कर बंदियों को मुक्त कर दिया। तब से 14

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

जुलाई को फ्रांस में 'राष्ट्रीय दिवस' के रूप में मनाया जाता है।
- समानता, स्वतंत्रता और बन्धुत्व का नारा फ्रांस की राज्यक्रांति की देन है।
- लूई सोलहवाँ 1774 ई० में फ्रांस की गद्दी पर बैठा।
- फ्रांसीसी क्रांति में **वाल्टेयर, मॉटेस्क्यू** एवं **रूसो** ने सर्वाधिक योगदान किया।
- 'सौ चूहों की अपेक्षा एक सिंह का शासन उत्तम है' यह उक्ति वाल्टेयर की है।
- माप–तौल की **दशमलव प्रणाली** फ्रांस की देन है।
- नेपोलियन का जन्म 15 अगस्त, 1769 ई० को **कोर्सिका द्वीप** की राजधानी **अजासियो** में हुआ था।
- नेपोलियन 1799 ई० में प्रथम कॉन्सल बना और 1802 ई० में जीवनभर के लिए कॉन्सल बना।
- 1804 ई० में नेपोलियन फ्रांस का सम्राट बना।
- आधुनिक फ्रांस का निर्माता नेपोलियन को माना जाता है।
- नेपोलियन ने ही सर्वप्रथम इंग्लैंड को **'बनियों का देश'** कहा था।
- ट्राल्फगर का युद्ध 21 अक्टूबर, 1805 ई० में इंगलैंड एवं नेपोलियन के बीच हुआ।
- यूरोप के राष्ट्रों ने मिलकर 1813 ई० में नेपोलियन को **लिपजिग** नामक स्थान पर हरा दिया और उसे बन्दी बनाकर एल्बा के टापू पर भेज दिया गया; परन्तु वह एल्बा से भाग निकला और पुनः फ्रांस का सम्राट बना।
- अन्ततः मित्रराष्ट्रों की सेना ने नेपोलियन को 18 जून, 1815 ई० को वाटरलू के युद्ध में पराजित कर बन्दी बना लिया और उसे सेंट हेलना द्वीप पर भेज दिया। वहाँ 1821 ई० में उसकी मृत्यु हो गयी। नेपोलियन **लिट्ल कारपोरल** के नाम से जाना जाता है।
- नेपोलियन के पतन का कारण था, उसका रूस पर आक्रमण करना।
- विएना कॉंग्रेस समझौता के तहत यूरोप के राष्ट्रों ने 1815 ई० में फ्रांस के प्रभुत्व को समाप्त किया।

इटली का एकीकरण

- 19वीं सदी के पूर्वार्द्ध में इटली में 13 राज्य थे।
- इटली के एकीकरण का जनक **जोसेफ मेजिनी** को माना जाता है।
- इटली के एकीकरण में सबसे बड़ा बाधक **आस्ट्रिया** था।
- इटली के एकीकरण का श्रेय **मेजिनी, काऊण्ट कावूर** और **गैरीबाल्डी** को दिया जाता है।
- 'यंग इटली' की स्थापना 1831 ई० में **जोसेफ मेजिनी** ने की।
- इटली के एकीकरण की शुरुआत **लोम्बार्डी** और **सार्डिनिया** राज्यों के मेल से हुई।
- इटली राष्ट्र का जन्म 2 अप्रैल, 1860 ई० को माना जाता है।
- 1871 ई० में **रोम** को संयुक्त इटली का राजधानी घोषित किया गया।
- इटली का एकीकरण 1871 ई० में **काऊंण्ट कावूर** ने किया।

जर्मनी का एकीकरण

- जर्मनी का एकीकरण बिस्मार्क ने किया। बिस्मार्क प्रशा के शासक **विलियम प्रथम** का प्रधानमंत्री था।
- जर्मनी का सबसे शक्तिशाली राज्य **प्रशा** था।
- विलियम को जर्मन संघ के सम्राट का ताज 8 फरवरी, 1871 ई० में पहनाया गया।
- बिस्मार्क को सबसे अधिक भय **फ्रांस** से था।
- जर्मनी राष्ट्रीय सभा को डायट के नाम से जाना जाता था, यह **फ्रेंकफर्ट** में होती थी।
- 1815 ई० से 1850 ई० के बीच जर्मन साम्राज्य पर आस्ट्रिया का आधिपत्य था।
- आस्ट्रिया का चान्सलर **मेटरनिख** था।
- एकीकृत जर्मन राष्ट्र के निर्माण में **राके, बोमर, लसर** इत्यादि दार्शनिकों ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- 23 सितम्बर, 1862 ई० को **बिस्मार्क** प्रशा का चांसलर बना।
- फ्रांस एवं प्रशा के बीच सेडान का युद्ध 15 जुलाई, 1870 ई० को हुआ।
- नेपोलियन तृतीय ने प्रशा के आगे 1 सितम्बर, 1870 को आत्मसमर्पण किया।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- बिस्मार्क ने जर्मनी के सम्राट **विलियम प्रथम** का राज्याभिषेक वर्साय के राजमहल में किया।
- फ्रैंकफर्ट की संधि 10 मई, 1871 ई० को फ्रांस और प्रशा के बीच हुई।
- सूडान के युद्ध के बाद **जर्मनी का एकीकरण** संभव हो सका।

रूसी क्रांति

- समाजवाद शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम **राबर्ट ओवेन** ने किया था। वह वेल्स का रहनेवाला था।
- आदर्शवादी समाजवाद का प्रवक्ता **राबर्ट ओवेन** को माना जाता है।
- वैज्ञानिक समाजवाद का संस्थापक **कार्ल मार्क्स** था। कार्ल मार्क्स **जर्मनी** का निवासी था।
- कार्ल मार्क्स ने **दास कैपिटल** और **कम्युनिस्ट मैनीफेस्टो** नामक पुस्तक लिखी है।
- 'दुनिया के मजदूरों एक हों' का नारा **कार्ल मार्क्स** ने दिया।
- रूस के **शासक को 'जार'** कहा जाता था। यह जारशाही व्यवस्था मार्च, 1917 ई० में समाप्त हुई।
- रूस का अंतिम जार शासक **जार निकोलस द्वितीय** था।
- 1917 ई० में हुई रूसी क्रांति का तात्कालिक कारण प्रथम विश्व में युद्ध में रूस की पराजय थी।
- 7 नवम्बर, 1917 ई० की **वोल्शेविक क्रांति** का नेता लेनिन था।
- रूसी साम्यवाद का जनक **प्लेखानोव** को माना जाता है।
- सोशल डेमोक्रेटिक दल की स्थापना 1903 ई० में रूस में हुई।
- यह दल दो गुटों में विभाजित था—वोल्शेविक और मेन्शेविक।
- वोल्शेविक का अर्थ 'बहुसंख्यक' एवं मेन्शेविक का अर्थ 'अल्पसंख्यक' होता है।
- वोल्शेविक दल का नेता **लेनिन** था।
- आधुनिक रूस का निर्माता **स्टालिन** को माना जाता है।

- औद्योगिक क्रांति की शुरुआत **इंगलैंड** में हुई, क्योंकि इंगलैंड के पास उपनिवेशों के कच्चे माल और पूँजी की अधिकता थी।
- इंगलैंड में औद्योगिक क्रांति की शुरूआत सूती कपड़ा उद्योग से हुई।
- सबसे पहले स्कॉटलैंड के मैकेडम नामक व्यक्तियों ने पक्की सड़कें बनाने की विधि निकाली।
- 1761 ई० में ब्रिंडले नामक इंजीनियर ने **मैनचेस्टर से वर्सले** तक नहर बनायी।
- 1814 ई० में जॉर्ज स्टीफेंसन ने रेल द्वारा खानों से बन्दरगाहों तक कोयला ले जाने के लिए भाप—इंजन का प्रयोग किया।
- औद्योगिक क्रांति की दौड़ में **जर्मनी** इंगलैंड का प्रतिद्वन्द्वी था।

इंगलैंड में क्रांति

- इंगलैंड में **गौरवपूर्ण क्रांति** 1688 ई० में हुई। उस समय इंगलैंड का शासक जेम्स द्वितीय था।
- **सौ वर्षीय युद्ध** इंगलैंड एवं फ्रांस के बीच हुआ था।
- इंगलैंड के सामन्तों ने राजा जॉन को सन् 1215 ई० में एक अधिकार—पत्र पर हस्ताक्षर करने को मजबूर किया। इस अधिकार—पत्र को **मैग्नाकार्टा** कहा जाता है। यह सर्वसाधारण के अधिकारों का घोषणा—पत्र था।
- इंगलैंड के राजा **चार्ल्स प्रथम** को फाँसी की सजा दी गयी।

प्रथम विश्वयुद्ध

- प्रथम विश्व युद्ध की शुरुआत 28 जुलाई, 1914 ई० को हुई। यह चार वर्षों तक चला। इसमें 37 देशों ने भाग लिया।
- प्रथम विश्वयुद्ध में सम्पूर्ण विश्व दो खेमों में बँट गया—मित्रराष्ट्र एवं धुरी राष्ट्र।
- धुरी राष्ट्रों का नेतृत्व जर्मनी ने किया। इसमें शामिल अन्य देश थे—आस्ट्रिया, हंगरी और इटली आदि।
- मित्रराष्ट्रों में इंगलैंड, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस एवं फ्रांस शामिल था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- आस्ट्रिया, जर्मनी एवं इटली के बीच त्रिगुट का निर्माण 1882 ई० में हुआ।
- प्रथम विश्वयुद्ध के दौरान जर्मनी ने रूस पर आक्रमण 1 अगस्त, 1914 ई० में एवं फ्रांस पर आक्रमण 3 अगस्त, 1914 ई० में किया।
- 8 अगस्त, 1914 को इंगलैंड प्रथम विश्व युद्ध में शामिल हुआ।
- 26 अप्रैल, 1915 ई० को इटली मित्रराष्ट्रों की ओर से प्रथम विश्व युद्ध में शामिल हुआ।
- अमेरिका 6 अप्रैल, 1917 ई० को प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुआ।
- प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति 11 नवम्बर, 1918 ई० को हुई।
- 18 जून, 1919 ई० को पेरिस शांति सम्मेलन हुआ, जिसमें 27 देश भाग ले रहे थे; मगर शांति–संधियों की शर्तें केवल तीन देश–ब्रिटेन, फ्रांस और अमेरिका तय कर रहे थे।
- पेरिस शांति सम्मेलन में शांति–संधियों की शर्तें निर्धारित करने में जिन राष्ट्राध्यक्षों ने मुख्य भूमिका निभाई, वे थे– अमेरिकी राष्ट्रपति **वुडरो विल्सन**, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री **लायड जार्ज** और फ्रांस के प्रधानमंत्री **जॉर्ज क्लेमेंसो**।
- वर्साय की संधि 28 जून, 1919 ई० को जर्मनी के साथ हुई।

चीनी क्रांति

- 1911 ई० में हुई चीनी क्रांति का नायक **सनयात सेन** था।
- 1905 ई० में सनयात सेन ने तुंग–मेंग दल की स्थापना की, जिसका उद्देश्य चीन में मंचू वंश के शासन को समाप्त करना था।
- 1911 ई० की क्रांति के बाद चीन में **गणतंत्र शासन–पद्धति** की स्थापना हुई।
- 1912 ई० में सनयात सेन ने कुओमिनतांग पार्टी की स्थापना की। इस पार्टी के पुनर्गठन के लिए सेन ने माइकेल बोरोदिन को आमंत्रित किया।
- डॉ० सनयात सेन को चीन का **राष्ट्रपिता** कहा जाता है।
- चीन में गृह–युद्ध 1928 ई० में शुरू हुआ।
- 1925 ई० को हूनान के विशाल किसान आन्दोलन का नेतृत्व माओत्से तुंग ने किया।
- माओत्से तुंग का जन्म 1893 ई० में हुनान में हुआ था।
- माओत्से तुंग के नेतृत्व में 1 अक्टुबर, 1949 ई० जनवादी गणराज्य की स्थापना चीन में की गई।
- चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 1921 ई० में हुई।

तुर्की

- तुर्की को **'यूरोप का मरीज'** कहा जाता है।
- आधुनिक तुर्की का निर्माता **मुस्तफा कमाल पाशा** को माना जाता है। इसे **'अतातुर्क'** (तुर्की का पिता) के उपनाम से भी जाना जाता है।
- **मुस्तफा कमाल पाशा द्वारा किए गए महत्वपूर्ण कार्य निम्न हैं:**
  (i) 1932 ई० में तुर्की भाषा परिषद् की स्थापना
  (ii) 1933 ई० में तुर्की में प्रथम पंचवर्षीय योजना का लागू होना
  (iii) 1924 ई० में तुर्की को धर्मनिरपेक्ष राज्य की घोषणा
  (iv) इस्ताम्बुल में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना
  (v) ग्रिगोरियन कैलेंडर क प्रचलन (26 दिसम्बर, 1925 ई० से लागू)

इटली में फासिस्टों का उदय

- फासिज्म का उदय सर्वप्रथम इटली में हुआ। इसका जन्मदाता **मुसोलिनी** को माना जाता है।
- फासीवादी राष्ट्रवाद का समर्थन करते थे।
- मुसोलिनी ने अक्टूबर 1922 ई० में रोम पर और 1935 ई० में अबीसीनिया पर आक्रमण किया।
- जापान एवं जर्मनी के साथ मुसोलिनी ने **रोम–बर्लिन–टोकियो** धुरी का निर्माण 1936 ई० में किया।
- मुसोलिनी ने 10 जून, 1939 ई० को द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान मित्रराष्ट्रों के विरुद्ध युद्ध की घोषणा की। इटली में फासीवाद का अन्त 28 अप्रैल, 1945 ई० को माना जाता है।

जर्मनी में नाजीवाद का उदय

- जर्मनी में नाजी दल का उत्थान **हिटलर** के नेतृत्व में हुआ।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- हिटलर का जन्म 20 अप्रैल, 1889 ई० को **वॉन** में हुआ था।
- 1920 ई० में हिटलर ने **नेशनल सोशलिस्ट पार्टी** या नाजी दल की स्थापना की।
- हिटलर की आत्मकथा का नाम My Kemf (मेरा संघर्ष) है।
- हिटलर ने 30 अप्रैल, 1945 ई० को आत्महत्या की।

जापानी साम्राज्यवाद

- जापान के साम्राज्यवाद को सबसे पहला शिकार **चीन** हुआ।
- 1863 ई० में एक अमेरिकी नाविक **पेरी** ने बल–प्रयोग कर जापान का द्वार अमेरिकी व्यापार के लिए खोला।
- जापान उमें आधुनिकीकरण की प्रक्रिया की शुरुआत **मूतसुहीतों** ने की।
- 1872 ई० में जापान में सैनिक सेवा अनिवार्य कर दी गई।
- जापान–रूस युद्ध की समाप्ति 5 सितम्बर, 1905 को **पार्ट्समाऊथ की संधि** के द्वारा हुई।
- 20 मार्च, 1933 ई० को जापान ने राष्ट्रसंघ की सदस्यता त्याग दी।
- **पीत आतंक** से जापान को संबोधित किया जाता था।

- अमेरिका ने जापान पर पहला अणु बम 6 अगस्त, 1945 ई० को हिरोशिमा पर गिराया था।
- द्वितीय विश्वयुद्ध में 10 सितम्बर, 1945 ई० को जापान ने आत्मसमर्पण किया।
- हिरोशिमा और नागासाकी पर अणु बम गिराए जाने के कारण जापान ने द्वितीय विश्वयुद्ध में आत्मसमर्पण किया था।

द्वितीय विश्वयुद्ध

- द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत 1 सितम्बर, 1939 ई० को हुई। यह 6 वर्षों तक लड़ा गया। इसका अन्त 2 सितम्बर, 1945 ई० को हुआ। इसमें 61 देशों ने भाग लिया।
- द्वितीय विश्वयुद्ध का तात्कालिक कारण **जर्मनी का पोलैंड पर आक्रमण** था।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जर्मन जनरल **रोम्मेल** का नाम डेजर्ट फॉक्स रखा गया था।
- द्वितीय विश्व युद्ध के समय इंगलैंड का प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल एवं अमेरिका का राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी० रुजवेल्ट था।
- द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी की पराजय का श्रेय रूस को दिया जाता है।
- अन्तरराष्ट्रीय क्षेत्र में द्वितीय विश्वयुद्ध का सबसे बड़ा योगदान **संयुक्त राष्ट्रसंघ** की स्थापना है।

STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राजनीति

☞ भारत ☞ विश्व

शीर्षस्थ राजनीतिक प्रवृत्तियाँ/ घटनाएँ/ विकासक्रम
(जिन्होंने विश्व के परिदृश्य को बदला)

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारतीय-राजव्यवस्था एक दृष्टि

भारतीय संविधान

संविधान का निर्माण
- महत्त्वपूर्ण अधिनियम
- संवैधानिक सभा
- कानून और उसका लागू होना

संविधान की महत्त्वपूर्ण रूपरेखा
- भूमिका
- प्रारम्भिक रूपरेखा
- महत्त्वपूर्ण उद्धरण
- स्रोत

भारतीय संविधान का स्वरूप
- अनुच्छेदों की सूची
- अनुसूचियों की सूची
- संशोधनों की सूची (अब तक)

संवैधानिक ढाँचा
- भूमिका
- संघ और क्षेत्र
- नागरिकता
- मौलिक अधिकार, मौलिक कर्त्तव्य और निति निदेशक तत्व
- संघ और राज्य कार्यकारिणी समिति
- संघ और राज्य गठन
- उच्चतम न्यायालय एवं उच्च न्यायालय
- भारतीय दंड संहिता
- पंचायती राजव्यवस्था और नगरपालिकाएँ
- केन्द्र राज्य संबंध
  - सूची- I, II, III
  - अंतर्राज्यीय परिषद
  - मंडलीय परिषद
- अनुच्छेद 370 जम्मू और कश्मीर
- समान नागरिक संहिता कश्मीर

संवैधानिक निकाय
- चुनाव आयोग
- संघ लोक सेवा आयोग/राज्य लोक सेवा आयोग
- वित्त आयोग
- महालेखा नियंत्रक और महालेखा परीक्षण
- राष्ट्रीय आयोग
- महाधिवक्ता

विधिक निकाय
- लोकपाल और लोकयुक्त
- राष्ट्रीय दलित आयोग
- नीति आयोग
- राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग

भारतीय सरकार

सरकार के प्रकार
- लोकतांत्रिक
- संसदीय
- संघीय

संस्थानिक ढाँचा
- विधान सभा
- कार्यपालिका
- न्यायपालिका

सरकार का स्तर
- संघ
- राज्य
- क्षेत्रीय

चुनाव
- चुनावी प्रणाली
- चुनावी सुधार

राजनीतिक दल एवं प्रभावी समूह
- रचना (निर्माण)

विदेश
- नीतियाँ और उद्देश्य
- लुक इस्ट पॉलिसी
- गुजराल सिद्धांत
- परमाण्विक नीति

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारतीय राजव्यवस्था

संवैधानिक सभा का निर्माण

- सन् 1935 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने प्रथम बार आधिकारिक रूप से एक संविधान सभा की माँग की। इस विचार के प्रतिपादक एम. एन. रॉय थे।
- ब्रिटिश सरकार ने सन् 1940 के 'अगस्त प्रस्ताव' के माध्यम से इस माँग को स्वीकार किया। अंततः सन् 1942 में संविधान के निर्माण से संबंधित क्रिप्स प्रस्ताव अस्तित्व में आया।
- नवंबर 1946 में 'कैबिनेट मिशन प्लान' के तहत संविधान सभा अस्तित्व में आई।

इसकी मुख्य विशेषताएँ निम्नलिखित थीं-

(1) कुल संख्या = 389
इनमें से 296 सीटें ब्रिटिश भारत के लिए एवं 96 सीटें देशी रियासतों के लिए आवंटित थीं।

(2) प्रत्येक प्रान्त एवं रियासत को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सीटें आवंटित थीं।

(3) ब्रिटिश लोगों की सीटें मुस्लिम, सिख और सामान्य वर्ग के लोगों को बाँटी गई थीं।

(4) प्रत्येक समुदाय के प्रतिनिधि प्रान्तीय संविधान सभा में मतदान के द्वारा निर्वाचित किए गए थे।

(5) रियासतों के प्रमुखों ने अपने सदस्य नामांकित किए।

निर्वाचन जुलाई-अगस्त, 1946 में घटित हुए।

- 09 दिसंबर, 1946 को प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। इसमें सब केवल 211 सदस्य थे।
(मुस्लिम लीग ने इस बैठक का बहिष्कार किया।)
- देशी रियासतों ने इस बैठक से दूर रहने का निर्णय किया। अतः उनकी सीटें रिक्त रहीं।
- 03 जून, 1946 को माउंटबेटन योजना की स्वीकृति के बाद अधिकांश देशी रियासतें संविधान सभा में सम्मिलित हो गईं। दूसरे महत्त्वपूर्ण परिवर्तन संविधान सभा को एक संपूर्ण प्रभुतासम्पन्न संकाय एवं वैधानिक संकाय घोषित कर रहे थे।

कार्य प्रणाली

संवैधानिक सभा ने संविधान के निर्माण के साथ ही साथ निम्न कार्य भी किए-

- इसने मई, 1949 के कॉमनवैल्थ में भारत की सदस्यता सुनिश्चित की।
- 22 जुलाई, सन् 1947 को राष्ट्रीय ध्वज को स्वीकार किया गया। इसका डिजाइन पिंगली वेंकैय्या ने तैयार किया था।
- 24 जनवरी, सन् 1950 को राष्ट्रीय गान को स्वीकार किया गया।
- 24 जनवरी, सन् 1950 को राष्ट्रीय गीत को स्वीकार किया गया।
- 24 जनवरी, सन् 1950 को डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति निर्वाचित किया गया।

प्रारूप समिति

- 22 जनवरी 1947 को उद्देश्य प्रस्ताव की स्वीकृति के बाद संविधान सभा ने संविधान निर्माण हेतु अनेक समितियाँ नियुक्त कीं। इन सबमें सबसे महत्त्वपूर्ण प्रारूप समिति थी।
- इसकी स्थापना 29 अगस्त सन् 1947 को की गई। इसे नए संविधान के प्रारूप को तैयार करने का कार्य दिया गया।

समिति के सात सदस्य थे:

(1) डॉ. बी. आर. अंबेडकर (अध्यक्ष)
(2) एन. गोपालस्वामी आयंगर
(3) डॉ. के.एम. मुंशी
(4) टी. टी. कृष्णमचारी
(5) सैयद मोहम्मद सदुल्लाह
(6) एन. माधव राव
(7) अल्लादि कृष्णस्वामी अय्यर

- संविधान का प्रथम प्रारूप फरवरी, 1948 में प्रकाशित हुआ। प्रारूप के बारे में बहस करने के लिए लोगों के पास 8 महीने थे। बहस के बाद सुझावों के आधार पर प्रस्तावित संशोधन किए गए। संविधान सभा के द्वारा अंततः

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

एक दूसरा प्रारूप तैयार किया गया। द्वितीय प्रारूप अक्टूबर, 1948 में प्रकाशित हुआ। प्रारूप समिति ने 141 दिन तक विचार-विमर्श किया एवं प्रारूप तैयार करने में छः महीने से कम समय लिया।

- संविधान के प्रारूप पर कुल 114 दिन बहस हुई। संविधान निर्माण कार्य में कुल मिलाकर ₹ 63,96,729 व्यय हुए।

संविधान का निर्माण

- संविधान सभा का प्रथम अधिवेशन 9 दिसंबर 1946 को संपन्न हुआ । 11 दिसबंर 1946 को डॉ. राजेन्द्र प्रसाद संविधान सभा के स्थायी सदस्य नियुक्त किए गए।
- संविधान का निर्माण 26 नवंबर, 1949 को हुआ। यह 26 जनवरी, 1950 को लागू हुआ। इसके कुछ भाग 26 नवंबर, 1949 को लागू किए गए।
- संविधान सभा के सारे 284 सदस्यों ने भारतीय संविधान की आधिकारिक प्रति पर हस्ताक्षर किए जो 26 जनवरी, 1950 को लागू हुई।
- 26 नवंबर, 1949 ई० को संविधान को स्वीकार किया गया। इसमें 22 भाग, 395 अनुच्छेद एवं 08 अनुसूचियाँ सम्मिलित थी।
- संविधान सभा को संविधान को तैयार करने में 2 वर्ष, 11 माह एवं 18 दिन लगे।

संविधान सभा की प्रमुख समितियाँ एवं उनके अध्यक्ष

1.	संचालन समिति	डॉ० राजेन्द्र प्रसाद
2.	संघ संविधान समिति	पं० जवाहर लाल नेहरू
3.	प्रांतीय संविधान समिति	सरदार वल्लभ भाई पटेल
4.	प्रारूप समिति	डॉ० भीमराव अम्बेडकर
5.	संघ शक्ति समिति	पं० जवाहर लाल नेहरू

- संविधान सभा की अंतिम बैठक 24 जनवरी, 1950 ई० को हुई और उसी दिन संविधान सभा के द्वारा डॉ० राजेन्द्र प्रसाद को भारत का प्रथम राष्ट्रपति चुना गया।
- कैबिनेट मिशन के सदस्य सर स्टेफोर्ड क्रिप्स, लॉर्ड **पेंथिक लारेंस तथा ए० वी० एलेग्जेण्डर थे।**

कैबिनेट मिशन (1945 ई०) के प्रस्ताव का गठित अन्तरिम मंत्रिमंडल

1.	जवाहर लाल नेहरू	कार्यकारी परिषद् के उपाध्यक्ष, विदेशी मामले तथा राष्ट्रमंडल
2.	वल्लभ भाई पटेल	गृह, सूचना तथा प्रसारण
3.	बलदेव सिंह	रक्षा
4.	जान मथाई	उद्योग तथा आपूर्ति
5.	सी० राजगोपालाचारी	शिक्षा
6.	सी०एच० भाभा	खान एवं बन्दरगाह
7.	राजेन्द्र प्रसाद	खाद्य एवं कृषि
8.	आसफ अली	रेलवे
9.	जगजीवन राम	श्रम

मंत्रिमंडल में शामिल मुस्लिम लीग के सदस्य

10. लियाकत अली खाँ	वित्त
11. आई० आई० चुन्दरीगर	वाणिज्य
12. अब्दुल रब नश्तर	संचार
13. जोगन्द्र नाथ मंडल	विधि
14. गजान्तर अली खाँ	स्वास्थ्य

नोट : 26 जुलाई, 1947 को गवर्नर जनरल ने पाकिस्तान के लिए पृथक संविधान सभा की स्थापना की घोषणा की।

प्रस्तावना

- भारतीय संविधान की प्रस्तावना जवाहर लाल नेहरू के 'वैकल्पिक प्रस्ताव' पर आधारित थी। जवाहर लाल नेहरू ने 13 दिसंबर, 1946 को एक वैकल्पिक प्रस्ताव पेश किया। इसे 22 जनवरी, 1947 को संविधान सभा द्वारा स्वीकार किया गया।
- संविधान सभा की निर्माण समिति ने वैकल्पिक प्रस्ताव के संदर्भ में प्रस्तावना बनाते समय यह महसूस किया कि प्रस्तावना को नए राज्य को परिभाषित करने एवं इसके मूलभूत सामाजिक-राजनैतिक उद्देश्यों को परिभाषित करने

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

से रोका जाना चाहिए। यह भी महसूस किया गया कि संविधान के मुख्य भाग में प्रस्ताव से संबद्ध तथ्य प्रदान किए जा सकते हैं।

- समिति ने वैकल्पिक प्रस्ताव में पेश किए गए 'संप्रभुतासम्पन्न स्वतंत्र गणतंत्र' के स्थान पर 'संप्रभुतासम्पन्न लोकतंत्रिक गणतंत्र' को स्वीकार किया।
- प्रस्तावना में लिखित शब्द "हम भारत के लोग...... इस संविधान को" अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। भारतीय लोगों की सर्वोच्च सप्रंभुता का उद्घोष है।
- समिति ने भ्रातृत्व शब्द को जोड़ा जो वैकल्पिक प्रस्ताव में सम्मिलित नहीं था। समिति ने यह भी महसूस किया कि भ्रातृत्व भावना की जितनी जरूरत वर्तमान में है, उतनी अतीत में नहीं थी।
- कथन प्रस्तावना का अर्थ विधि का परिचय है। यह संविधान का परिचयात्मक भाग है।
- अंततः प्रस्तावना का मसौदा श्री बी॰एन॰ राव के द्वारा 30 मई, 1947 के अनुस्मारक में तैयार किया गया। बाद में इसे 07 अक्टूबर, 1947 के मसौदे में पुनः सम्मिलित किया गया।
- संविधान सभा की विवेचना के संदर्भ में प्रस्तावना में सुधार किया गया।
- प्रस्तावना संविधान को कोई शक्ति प्रदान नहीं करती है अपितु यह उसे दिशा एवं उद्देश्य प्रदान करती है।
- यह संपूर्ण संविधान के उद्देश्य को रेखांकित करती है। प्रस्तावना में संविधान के मूलभूत तथ्य सम्मिलित रहते हैं। किसी एक्ट की प्रस्तावना मुख्य उद्देश्यों का निर्धारण करती है जिन्हें कि विधायिका प्राप्त करना चाहती है।

प्रस्तावना इस प्रकार से है-

"हम भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई॰ को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, **अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।"**

- संविधान की प्रस्तावना में समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष तथा अखंडता शब्द 42 वें संविधान संशोधन एक्ट, 1976 के द्वारा जोड़े गए हैं। संविधान में यह भी संशोधन किया गया कि 'राष्ट्र की एकता' को 'राष्ट्र की एकता एवं अखंडता' पढ़ा जाए।
- संविधान की प्रस्तावना का लक्ष्य न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं भ्रातृत्व' को सुनिश्चित करता है।
- संविधान की प्रस्तावना का वास्तविक उद्देश्य 'किसी व्यक्ति के गौरव को सुरक्षित रखना एवं राष्ट्र की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण रखना है।'

कुछ विशेषताएँ

- मूलतः हमारे संविधान में 395 अनुच्छेद हैं जो 22 भाग एवं 8 अनुसूचियों में विभक्त हैं।
- प्रारंभ से ही हमारा संविधान संसार का सर्वाधिक लम्बा व विस्तृत संविधान है।
- संविधान में इसके वर्तमान रूप में एक प्रस्तावना, 24 भाग जिनमें कि 448 अनुच्छेद, 12 अनुसूचियाँ, 05 परिशिष्ट एवं अद्यतन 98 संशोधन सम्मिलित हैं।
- इसका ढाँचा इस प्रकार से बनाया गया है कि सामान्य समय में यह संघ सरकार की तरह एवं आपातकाल में ऐकिक सरकार की तरह कार्य करता है।
- यह भारत में सरकार के एक संसदीय तंत्र की स्थापना करता है।
- यह वयस्क मताधिकार के साथ ही भारत सरकार के तंत्र को भी प्रस्तुत करता है।
- यह भारत से अस्पृश्यता का उन्मूलन करता है।
- यह भारत के सभी नागरिकों के लिए मूल अधिकार सुनिश्चित करता है।
- यह राष्ट्र की विधायिका एवं कार्यपालिका के दिग्दर्शन हेतु नीति निर्देशक तत्वों की व्याख्या करता है।
- यह विधायिका की कार्यपालिका से स्वतंत्रता स्थापित करता है।
- यह हिंदी को भारत की राष्ट्र भाषा घोषित करता है जो कि यथाशीघ्र अंग्रेजी का स्थान ले लेगा।
- विभिन्न सेवाओं में भरती के लिए संघ लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई।
- संविधान में संशोधन करने के लिए प्रावधानों का निर्माण किया गया।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

संविधान के प्रावधान एवं उनके स्रोत:

भारतीय संविधान के अंतर्गत विश्व के अनेक देशों के संवैधानिक प्रावधानों को समाहित किया गया है। भारतीय शासन अधिनियम 1935 के आधार पर ज्यादातर अनुच्छेदों को सटीक तौर पर या मामूली परिवर्तन के साथ ग्रहण किया गया है।

भारत के संविधान के निर्माण में निम्नलिखित प्रावधानों के लिए जिन विभिन्न देशों के संविधानों से मदद ली गई है उसकी सूची इस प्रकार है।

1. **संयुक्त राज्य अमेरिका :** प्रस्तावना, मौलिक अधिकार निष्पक्ष न्याय व्यवस्था, सर्वोच्च न्यायालय का अधिकार एवं गठन की प्रक्रिया, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, राष्ट्रपति का चुनाव एवं उस पर महाभियोग, उपराष्ट्रपति पद।

2. **ब्रिटेन:** संसदीय शासन-व्यवस्था, एकल नागरिकता, कानून निर्माण पद्धति, संसद का विशेष अधिकार, मंत्रि परिषद का उत्तरदायित्व, भारतीय सेवा प्रणाली का अखिल भारतीय स्वरूप।

3. **आयरलैंड :** राज्य के नीति निर्देशक सिद्धान्त, राष्ट्रपति चुनाव प्रक्रिया, राज्यसभा सदस्यों का चुनाव, विभिन्न क्षेत्रों से माननीय व्यक्तियों का राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा में मनोनीत किया जाना।

4. **फ्रांस :** गणतंत्र पद्धति, बराबरी का दर्जा, प्रेम व भाईचारे की उत्कृष्ट भावनाओं का समावेश होना।

5. **ऑस्ट्रेलिया :** समवर्ती सूची प्रावधान, संसदीय विशेषाधिकार, राज्य व केंद्र के मध्य संबंध, व्यापार वाणिज्य स्वतंत्रता।

6. **जर्मनी :** आपातकालीन स्थिति में राष्ट्रपति की शक्तियाँ।

7. **जापान :** कानूनी प्रक्रिया का स्थापित स्वरूप।

8. **कनाडा :** संघीय शासन व्यवस्था, अवशिष्ट शक्तियों का केंद्र में विलय, राज्यपाल की नियुक्ति केंद्र व राज्य के मध्य शक्ति विभाजन।

9. **रूस :** मौलिक कर्तव्यों एवं नियोजन प्रणाली में आदर्श स्थापित होना।

10. **दक्षिण अफ्रीका :** संविधान में संशोधन की प्रक्रिया, राज्य सभा सदस्यों का निर्वाचन।

भारतीय संविधान के प्रमुख अनुच्छेद

अनुच्छेद 1-4: संघ एवं राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 5-11: नागरिकता की प्राप्ति
अनुच्छेद 12-35: मूल अधिकारों का विनिर्देशन
अनुच्छेद 36-51: राज्य के नीति निर्देशक सिद्धातों का विनिर्देशन।
अनुच्छेद 51-A: नागरिकों के मूलभूत अधिकार
अनुच्छेद 52-151: संघ
अनुच्छेद 152-237: राज्य
अनुच्छेद 239-242: संघ राज्य क्षेत्र
अनुच्छेद 245-263: केन्द्र राज्य संबंध
अनुच्छेद 301-307: भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता
अनुच्छेद 308-323: संघ एवं राज्यों के अधीन सेवाएँ
अनुच्छेद 324-329: निर्वाचन
अनुच्छेद 343-351: राजभाषा
अनुच्छेद 352-360: आपात उपबंध
अनुच्छेद 368: संविधान का संशोधन
अनुच्छेद 369-392: अस्थायी संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध

भारतीय संविधान के महत्त्वपूर्ण अनुच्छेद

भाग-1: अनुच्छेद 1 से अनुच्छेद 4 तक

अनुच्छेद 1 :संघ का नाम एवं उसका क्षेत्र।
अनुच्छेद 2 :नये राज्यों का प्रवेश एवं स्थापना।
अनुच्छेद 3 :नये राज्यों का निर्माण एवं पुराने राज्यों के क्षेत्रफल, सीमा एवं नाम में परिवर्तन।

भाग-2: अनुच्छेद 5 से अनुच्छेद 11

अनुच्छेद 5 : संविधान के आरंभ में नागरिकता।
अनुच्छेद-6 : ऐसे लोगों की नागरिकता का अधिकार जो पाकिस्तान से भारत में प्रवास कर रहे हैं।
अनुच्छेद-10:नागरिकता के अधिकार की निरंतरता।
अनुच्छेद-11:संसद नागरिकता के अधिकार को विधि द्वारा विनियमित कर सकती है।

भाग-3: अनुच्छेद 12 से अनुच्छेद 35

अनुच्छेद-12:राज्य की परिभाषा
अनुच्छेद-13:नैतिक मूल्य में ह्रास के कारण असंगत नियम।

- मूलत: संविधान ने 07 मूलभूत अधिकार प्रदान किए थे। अब केवल 06 मूलभूत अधिकार हैं। 44 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1978 के अनुसार संपत्ति का अधिकार U/A

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

31 को मूल अधिकारों की सूची से हटा दिया गया है। संविधान के भाग 12 में यह एक कानूनी अधिकार U/A 300-A ही रह गया है।

कुछ महत्त्वपूर्ण मूल अधिकार हैं:

समता का अधिकार : अनुच्छेद 14 से अनुच्छेद 18

अनुच्छेद-14: विधि के समक्ष समता

अनुच्छेद-15: धर्म, मूलवंश, जाति, लिंग या जन्म स्थान के आधार पर विभेद का प्रतिषेध

अनुच्छेद-16: लोक नियोजन के विषय में अवसर की समता

अनुच्छेद-17: अस्पृश्यता का उन्मूलन

अनुच्छेद-18: उपाधियों का उन्मूलन

स्वतंत्रता का अधिकार: अनुच्छेद 19 से अनुच्छेद 22

अनुच्छेद-19: सभी नागरिकों को छः अधिकारों की गारंटी देता है:

1. वाक् स्वातंत्र्य और अभिव्यक्ति-स्वातंत्र्य का अधिकार।
2. बिना हथियारों के शांतिपूर्वक एकत्र होने की स्वतंत्रता।
3. संस्था या संघ बनाने की स्वतंत्रता का अधिकार।
4. भारत के राज्यक्षेत्र के अंदर भ्रमण करने की स्वतंत्रता का अधिकार।
5. भारत के राज्यक्षेत्र के अंदर निवास करने और प्रतिस्थापित होने की स्वतंत्रता।
6. किसी वृत्ति को अपनाने या किसी उपजीविका, व्यापार या कारोबार को जारी रखने की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-20: अपराधों के लिए दोष सिद्धि के संदर्भ में संरक्षण।

इसके तहत निम्नलिखित तीन प्रकार की स्वतंत्रता दी गई है-

(i) एक व्यक्ति को एक अपराध के लिए सिर्फ एक बार सजा मिलेगी।

(ii) अपराधी को अपराध करने के समय जो कानून है उसी के तहत सजा मिलेगी न कि पहले और बाद में बनने वाले कानून के तहत।

(iii) किसी भी व्यक्ति को न्यायालय में स्वयं के विरुद्ध गवाही देने के लिए बाध्य नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद-21: प्राण एवं दैहिक स्वतंत्रता की रक्षा।

अनुच्छेद-21 (क): राज्य 6 से 14 वर्ष तक की आयु के समस्त बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा उपलब्ध कराएगा। (86 वां संविधान संशोधन, 2002)

अनुच्छेद-22 : गिरफ्तारी के विरुद्ध सुरक्षा एवं कुछ मामलों में नजरबंदी के विरुद्ध सुरक्षा।

यदि किसी व्यक्ति को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया गया हो तो उसे तीन प्रकार की स्वतंत्रता प्रदान की गई है-

(i) गिरफ्तार करने का कारण बताना होगा।

(iii) गिरफ्तार किए गए व्यक्ति को 24 घंटों के भीतर (आने-जाने के समय को छोड़कर) दंडाधिकारी के समक्ष पेश किया जाएगा।

(i) गिरफ्तार हुए व्यक्ति को अपनी पसंद के वकील से सलाह लेने का अधिकार होगा।

शोषण के विरुद्ध अधिकार: अनुच्छेद 23 एवं अनुच्छेद 24

अनुच्छेद-23: मानव के दुर्व्यापार और बलात्श्रम का प्रतिषेध।

अनुच्छेद-24: चौदह वर्ष से कम उम्र के बालकों को कारखानों या खानों में रोजगार देने का प्रतिषेध।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार: अनुच्छेद 25 से अनुच्छेद 28

अनुच्छेद-25: अंतःकरण की और धर्म के अबाध रूप से मानने, आचरण और प्रचार करने की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-26: धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-27: किसी विशिष्ट धर्म की अभिवृद्धि के लिए करों के संदाय के बारे में स्वतंत्रता।

अनुच्छेद-28: कुछ शिक्षा संस्थाओं में धार्मिक शिक्षा या धार्मिक उपासना में उपस्थित होने के बारे में स्वतंत्रता।

संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार : अनुच्छेद 29 एवं अनुच्छेद 30

अनुच्छेद-29: अल्पसंख्यकों के हितों की रक्षा।

अनुच्छेद-30: शिक्षा संस्थाओं की स्थापना और प्रशासन करने का अल्पसंख्यक वर्गों का अधिकार।

अनुच्छेद-31: 44 वें संविधान संशोधन द्वारा यह अनुच्छेद निरसित हो चुका है।

अनुच्छेद-32: मौलिक अधिकारों को प्रवर्तित कराने के लिए उपचार।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भाग-4: राज्य की नीति के निदेशक तत्व: अनुच्छेद 36 से अनुच्छेद 51 तक।

अनुच्छेद-36: राज्य के नीति निदेशक तत्व की परिभाषा।

अनुच्छेद-37: इस भाग में अंतर्विष्ट तत्वों का लागू होना दर्शाया गया है।

अनुच्छेद-38: नागरिक को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय प्राप्ति हेतु राज्य, लोक कल्याण की अभिवृद्धि के लिए सामाजिक व्यवस्था बनाएगा।

अनुच्छेद-39A: समान न्याय एवं नि:शुल्क विधिक सहायता।

अनुच्छेद-39B: सार्वजनिक धन का स्वामित्व तथा नियंत्रण इस प्रकार करना ताकि सार्वजनिक हित का साधन सिद्ध हो।

अनुच्छेद-40: ग्राम पंचायतों का संगठन।

अनुच्छेद-41: कुछ दशाओं में नागरिकों को काम, शिक्षा और लोक सहायता पाने का अधिकार।

अनुच्छेद-42: काम की न्यायसंगत और मानवोचित दशाओं का तथा प्रसूति सहायता का उपबंध।

अनुच्छेद-43: कर्मकारों के लिए निर्वाह मजदूरी एवं कुटीर उद्योग को प्रोत्साहन।

अनुच्छेद-43A: उद्योगों के प्रबंध में कर्मकारों का भाग लेना।

अनुच्छेद-44: नागरिकों के लिए एक समान सिविल संहिता।

अनुच्छेद-45: 6 वर्ष तक के बालकों के लिए नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का उपबंध।

अनुच्छेद-46: अनुसूचित जातियां, अनुसूचित जनजातियां और अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की अभिवृद्धि।

अनुच्छेद-47: पोषाहार स्तर और जीवन स्तर को ऊँचा उठाने तथा जन स्वास्थ्य का सुधार करने का राज्य का कर्तव्य।

अनुच्छेद-48: कृषि और पशुपालन का संगठन।

अनुच्छेद-48A: पर्यावरण संरक्षण, वन तथा वन्य जीवों की रक्षा।

अनुच्छेद-49: राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों, स्थानों और वस्तुओं का संरक्षण।

अनुच्छेद-50: कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के कार्य का पृथक्करण।

अनुच्छेद-51: अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा की अभिवृद्धि।

मूल कर्तव्य : भाग 4A अनुच्छेद-51A

- मूलत: इसमें 10 कर्तव्य सम्मिलित थे। 86 वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2002 द्वारा अब इसमें 11 कर्तव्य हो गए हैं।

भाग-5: संघ : अनुच्छेद 52 से अनुच्छेद 151 तक

अनुच्छेद-52: भारत का राष्ट्रपति

अनुच्छेद-53: संघ की कार्यपालिका शक्ति

अनुच्छेद-54: राष्ट्रपति का निर्वाचन

अनुच्छेद-55: राष्ट्रपति निर्वाचन की कार्य पद्धति

अनुच्छेद-61: राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाने की प्रक्रिया

अनुच्छेद-63: भारत का उपराष्ट्रपति

अनुच्छेद-64: उपराष्ट्रपति का राज्य सभा का पदेन सभापति होना।

अनुच्छेद-66: उपराष्ट्रपति का चुनाव

अनुच्छेद-72: राष्ट्रपति की क्षमादान शक्ति

अनुच्छेद-74: राष्ट्रपति को सलाह और सहायता देने के लिए मंत्रिपरिषद

अनुच्छेद-76: भारत का महान्यायवादी

अनुच्छेद-79: संसद का गठन

अनुच्छेद-80: राज्य सभा की संरचना

अनुच्छेद-81: लोक सभा की संरचना

अनुच्छेद-83: संसद के सदनों की अवधि

अनुच्छेद-93: लोक सभा का अध्यक्ष और उपाध्यक्ष।

अनुच्छेद-105: संसद के सदनों की शक्तियाँ, विशेषाधिकार आदि।

अनुच्छेद-109: धन विधेयकों के संबंध में विशेष प्रक्रिया।

अनुच्छेद-110: कोई भी धन विधेयक जब राष्ट्रपति के समक्ष अनुमति प्राप्त करने हेतु उपस्थित किया जाता है तो उस पर लोकसभा के अध्यक्ष के हस्ताक्षर सहित उसके धन विधयक होने का प्रमाण पत्र अनिवार्य है। धन विधेयक केवल लोकसभा में तथा केवल राष्ट्रपति की संस्तुति पर प्रस्तावित किया जा सकता है।

अनुच्छेद-112: वार्षिक वित्तीय बजट

अनुच्छेद-114: विनियोग बिल

अनुच्छेद-123: संसद के विश्रांतिकाल में अध्यादेश प्रख्यापित करने की राष्ट्रपति की शक्ति।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अनुच्छेद-124: उच्चतम न्यायालय की स्थापना
अनुच्छेद-125: न्यायाधीशों के वेतन
अनुच्छेद-129: उच्चतम न्यायालय को अभिलेख न्यायालय का स्थान प्रदान करना।
अनुच्छेद-130: उच्चतम न्यायालय का स्थान
अनुच्छेद-136: अपील के लिए उच्चतम न्यायालय की विशेष इजाजत
अनुच्छेद-137: उच्चतम न्यायालय द्वारा निर्णयों या आदेशों का पुनरावलोकन।
अनुच्छेद-141: उच्चतम न्यायालय के निर्णयों का सभी न्यायालयों पर आबद्धकर होना।
अनुच्छेद-148: भारत का नियंत्रक-महालेखापरीक्षक
अनुच्छेद-149: नियंत्रक- महालेखापरीक्षक के कर्तव्य और शक्तियाँ

भाग-6: राज्य : अनुच्छेद 152 से अनुच्छेद 237 तक

अनुच्छेद-153: राज्यों के राज्यपाल
अनुच्छेद-154: राज्यपाल की कार्यपालिका शक्ति।
अनुच्छेद-161: राज्यपाल की क्षमादान शक्ति
अनुच्छेद-165: राज्य का महाधिवक्ता
अनुच्छेद-213: राज्यपाल को अध्यादेशों को प्रख्यापित करने की शक्ति।
अनुच्छेद-214: राज्यों के लिए उच्च न्यायालय
अनुच्छेद-215: उच्च न्यायालयों का अभिलेख न्यायालय होना।
अनुच्छेद-226: उच्च न्यायालय की कुछ याचिकाएँ जारी करने की शक्ति।
अनुच्छेद-231: संसद विधि द्वारा दो या दो से अधिक राज्यों और किसी संघ राज्य क्षेत्र के लिए एक ही उच्च न्यायालय स्थापित कर सकती है। वर्तमान में पंजाब एवं हरियाणा, असम, नागालैंड मेघालय, मणिपुर, त्रिपुरा, मिजोरम तथा अरुणाचल प्रदेश, महाराष्ट्र गोवा, दादर और नागर हवेली, दमन तथा दीव, पश्चिम बंगाल , अंडमान एवं निकोबार दीप समूह आदि के लिए एक ही उच्च न्यायालय है।
अनुच्छेद-233: जनपद न्यायाधीशों की नियुक्ति
अनुच्छेद-235: अधीनस्थ न्यायालयों पर नियंत्रण

भाग-7: अनुच्छेद 238-निरसित

भाग-8: अनुच्छेद 239-242 संघ राज्यक्षेत्र

भाग-9: अनुच्छेद 243 पंचायत

भाग-9 A: अनुच्छेद 243 त-243 (य, छ) - नगरपालिकाएँ

भाग-10: अनुसूचित एवं जनजाति क्षेत्र

भाग-11: केन्द्र-राज्य संबंध-245-263

भाग-12: वित्त, संपत्ति, संविदाएँ और वाद

अनुच्छेद-266: संचित निधियाँ और लोक लेखे
अनुच्छेद-267: भारत की आकस्मिकता निधि
अनुच्छेद-280: वित्त आयोग
अनुच्छेद-300: क- संपत्ति का अधिकार

भाग-13: भारत के राज्यक्षेत्र के भीतर व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता (301-307)

अनुच्छेद-301: व्यापार, वाणिज्य और समागम की स्वतंत्रता।
अनुच्छेद-302: व्यापार, वाणिज्य और समागम पर निर्बंधन अधिरोपित करने की संसद की शक्ति।

भाग-14: संघ एवं राज्य के अधीन सेवाएँ (308-323)

अनुच्छेद-312: अखिल भारतीय सेवाएँ
अनुच्छेद-315: संघ और राज्यों हेतु लोक सेवा आयोग

भाग-18: आपात उपबंध (352-360)

अनुच्छेद-352: इसके अंतर्गत आपात काल की उद्घोषणा होती है, जिसके निम्नलिखित प्रभाव होते हैं-
(i) राज्य की कार्यपालिका शक्ति, संघीय कार्यपालिका के आधीन हो जाती है।
(ii) संसद की विधायी शक्ति का राज्य सूची से सम्बद्ध विषयों तक विस्तृत होना।
(iii) संविधान के अनुच्छेद 19 में दी गई स्वतंत्रताओं का स्थगित होना।
(iv) राष्ट्रपति को यह अधिकार प्राप्त हो जाता है कि वह संविधान के अनुच्छेद 20-21 में उल्लिखित अधिकारों के क्रियान्वयन हेतु

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

न्यायपालिका की शरण लेने के अधिकार को स्थगित कर दें।

अनुच्छेद-356: राज्य आपात (राष्ट्रपति शासन)

अनुच्छेद-360: वित्तीय आपात

भाग-19: विविध

अनुच्छेद-361: राष्ट्रपति और राज्यपालों का संरक्षण

भाग-20: संविधान का संशोधन (368)

अनुच्छेद-368: संविधान का संशोधन करने की संसद की शक्ति

भाग-21: अस्थायी, संक्रमणकालीन और विशेष उपबंध (369-392)

अनुच्छेद-370: जम्मू और कश्मीर हेतु विशेष उपबंध

अनुच्छेद-371A: नागालैंड राज्य के लिए विशेष उपबंध

अनुच्छेद-371J: हैदराबाद और कर्नाटक क्षेत्रों को विशेष दर्जा

भाग-22: संक्षिप्त नाम, प्रारंभ, हिंदी में प्राधिकृत पाठ और निरसन (392-395)

अनुच्छेद-393: संक्षिप्त नाम- इस संविधान को भारतीय संविधान कहा जा सकता है।

राज्य पुनर्निर्माण एक्ट 1956

राज्य पुनर्निर्माण एक्ट 1956 को भारत सरकार के द्वारा अपनाया गया। इसके परिणामस्वरूप नए राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों का गठन हुआ।

सन् 1956 के बाद गठित राज्य व संघशासित क्षेत्र

	राज्य/संघशासित क्षेत्र	वर्ष
(1)	महाराष्ट्र एवं गुजरात	1960
(2)	दादरा एवं नगर हवेली	1961
(3)	गोवा दमन एवं दीव	1962
(4)	पुडुचेरी	1962
(5)	नागालैण्ड	1963
(6)	हरियाणा, चंडीगढ़	1966
(7)	हिमाचल प्रदेश (राज्य का दरजा)	1971
(8)	मणिपुर, त्रिपुरा एवं मेघालय (राज्य का दरजा)	1972
(9)	सिक्किम (पूर्ण राज्य का दरजा)	1975
(10)	अरुणाचल प्रदेश मिजोरम एवं गोवा	1987
(11)	छत्तीसगढ़, उत्तराखंड एवं झारखंड	2000
(12)	तेलंगाना	2014

नागरिकता

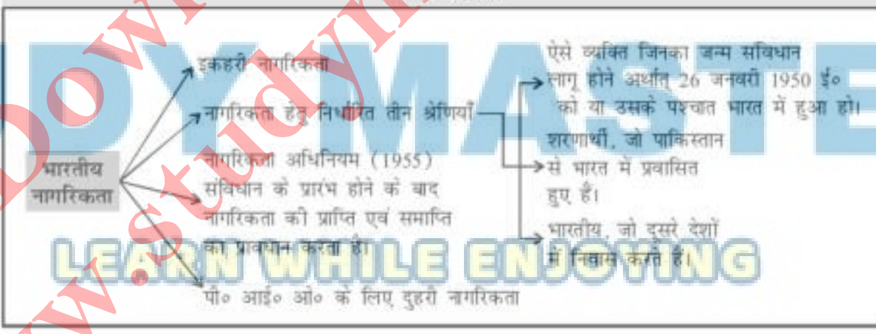

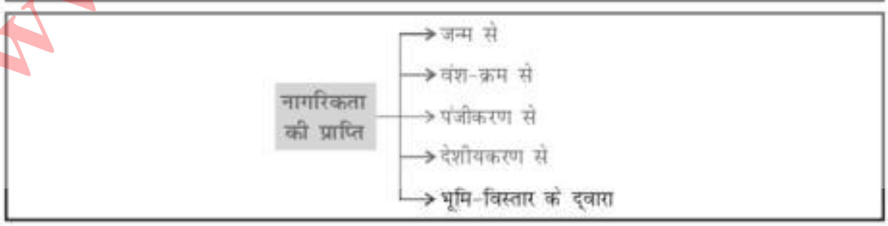

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

नागरिकता को खोना

- परित्याग द्वारा
- दूसरे देश की नागरिकता की प्राप्ति से
- नागरिकता को छीनकर

मौलिक अधिकार

संविधान का भाग-3
अनुच्छेद (12-35)

- यह लोकतंत्र का हॉलमार्क माना जाता है। मौलिक अधिकार व्यक्ति के साथ-साथ समाज के विकास के लिए भी बनाए गए हैं।
- इनकी प्रकृति न्याय प्रदान करने वाली है। (विधि के न्यायालय द्वारा ये वैधानिक रूप से लागू किए जा सकते हैं)
- यह राजनीतिक स्वतंत्रता का समर्थन करता है।
- मौलिक अधिकार अपने आप में संपूर्ण नहीं हैं। इनकी कुछ सीमा-रेखाएँ भी हैं।
- संसद मौलिक अधिकारों में संशोधन कर सकती है। लेकिन संसद उन प्रावधानों को परिवर्तित नहीं कर सकती है जो संविधान की मूलभूत संरचना का निर्माण करते हैं।
- राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकार लागू नहीं होते हैं (अनुच्छेद 21 व 22 के अतिरिक्त)। मौलिक अधिकारों को हम निम्न समूहों में विभाजित कर सकते हैं:

समानता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)

- **अनुच्छेद-14:** राज्य सभी व्यक्तियों के लिए एक समान कानून बनाएगा तथा उन पर एक समान लागू करेगा।
- **अनुच्छेद-15:** इसके अंतर्गत धर्म, नस्ल, जाति, लिंग, जन्म-स्थान के आधार पर कोई भेदभाव नहीं।
- **अनुच्छेद-16:** सार्वजनिक रोजगार के मामलों में अवसर की समानता।
- **अनुच्छेद-17:** अस्पृश्यता का उन्मूलन
- **अनुच्छेद-18 :** उपाधियों का उन्मूलन

शिक्षा का अधिकार (अनुच्छेद 21-A)

- इसे 86 वें संविधान संशोधन द्वारा हाल ही में जोड़ा गया है। अत: संविधान में एक नया अनुच्छेद 21-A सम्मिलित हुआ है।
- राज्य 06 वर्ष से 14 वर्ष के सारे बच्चों को मुफ्त एवं आवश्यक शिक्षा वैसे ही देगा जैसा कि राज्य विधि द्वारा निर्धारित करेगा।

स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)

हमारा संविधान अनुच्छेद 19 के अंतर्गत हमारे लिए छ: मौलिक अधिकार सुनिश्चित करता है। ये स्वतंत्रताएँ (i) स्वतंत्र भाषण, विचार- विनिमय की स्वतंत्रता के साथ ही साथ प्रेस की स्वतंत्रता (ii) बिना शस्त्र के एकत्रित होने और सभा या सम्मेलन करने की स्वतंत्रता (iii) किसी भी प्रकार के संघ निर्मित करने की स्वतंत्रता (iv) देश से कहीं भी आने-जाने की स्वतंत्रता (v) निवास की स्वतंत्रता और (vi) व्यापार, व्यवसाय एवं रोजगार की स्वतंत्रता को भी सुनिश्चित करती हैं। फिर भी ये स्वतंत्रताएँ अपने-आप में संपूर्ण नहीं हैं। राष्ट्रीय आपात के दौरान इन स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध लग जाता है।

शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)

- शोषण के विरूद्ध अधिकार बलात श्रम के सभी प्रकारों को रोकने के साथ-साथ मानव तस्करी को भी रोकता है। इनमें से किसी भी प्रावधान का अतिक्रमण विधि के अंतर्गत एक दंडनीय अपराध है।
- चौदह वर्ष से कम उम्र के बालकों को किसी कारखाने, खान या किसी खतरनाक व्यवसाय में संलग्न करने को रोका जाना।

धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)

- संविधान प्रत्येक नागरिक को अंतरात्मा की स्वतंत्रता, किसी व्यवसाय की स्वतंत्रता एवं किसी धर्म का प्रचार करने की स्वतंत्रता प्रदान करता है।
- यह प्रत्येक धार्मिक समूह को धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता प्रदान करता है।
- राज्य द्वारा किसी भी व्यक्ति को ऐसे कर देने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता, जिसकी आय किसी विशेष धर्म या धार्मिक संप्रदाय की उन्नति में व्यय करने के लिए निश्चित कर दी गई है।
- संविधान कहता है कि जिन शिक्षण संस्थानों का रखरखाव पूर्णतया राज्य के कोष से किया जाता है, वे शिक्षण संस्थाएँ अपने विद्यार्थियों को किसी धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने या किसी धर्मोपदेश को बलात् सुनने के लिए बाध्य नहीं कर सकते।

संस्कृति एवं शैक्षिक अधिकार (अनुच्छेद 29-30)

- अनुच्छेद 29 एवं 30 नागरिकों को उनकी संस्कृति एवं भाषा को संरक्षित रखने, बनाए

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER
LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

रखने एवं बढ़ाए जाने की गारंटी प्रदान करता है।

- संविधान अल्पसंख्यकों को इस बात की स्वतंत्रता देता है कि वे अपनी इच्छानुसार शैक्षिक संस्थान स्थापित करें एवं उनका रखरखाव करें।
- अनुच्छेद 29 एवं 30 यह अधिकार प्रदान करता है कि किसी शैक्षिक संस्थान को वित्तीय सहायता प्रदान करते समय राज्य इस आधार पर कोई भेदभाव नहीं करेगा कि यह एक अल्पसंख्यक समुदाय के द्वारा चलाया जा रहा है।
- ये अधिकार यह सुनिश्चित करते हैं कि अपनी भाषा एवं संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए अल्पसंख्यकों को राज्य द्वारा सहायता प्रदान की जाएगी।

संवैधानिक उपचारों का अधिकार: (अनुच्छेद 32)

- डॉ अम्बेडकर के अनुसार भारतीय संविधान का अनुच्छेद-32 सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण प्रावधान है। कभी-कभी राज्य, किसी संस्था या व्यक्तिविशेष के द्वारा इन अधिकारों का अतिक्रमण किया जाता है। संविधान का अनुच्छेद 32 हमें इन सब अधिकारों की रक्षा हेतु वैधानिक उपचार प्रदान करता है।
- यह भारत के नागरिकों को यह अधिकार प्रदान करता है कि वे इन अधिकारों को लागू कराने हेतु उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय में जाएँ। यदि कोई नियम मौलिक अधिकारों का विरोधाभासी होगा तो वह अमान्य होगा। इस संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय को निम्नलिखित पाँच रिटें (याचिकाओं) की शक्ति प्राप्त है।

याचिकाओं के प्रकार

क्रम संख्या	याचिका	अर्थ	उद्देश्य
1.	बंदी प्रत्यक्षीकरण	इस शब्द का अर्थ 'सशरीर उपस्थिति' है।	यह उस साधारण व्यक्ति के लिए एक उपचार है जब वह संवैधानिक संस्तुति के बिना कैदी बनाया जाता है।
2.	परमादेश	इस शब्द का अर्थ 'हम आदेश देते हैं' है।	जब कोई व्यक्ति, लोक प्राधिकारी, सरकार, निगम आदि अपने विधिक कर्तव्यों का पालन करने में उपेक्षा बरतते हैं। तब न्यायालय द्वारा उनको यह आदेश दिया जाता है कि वे अपने विधिक कर्तव्यों का पालन करें अथवा कोई कार्य-विशेष नहीं करें।
3.	प्रतिषेध	मना करना	प्रतिषेध एक याचिका है जो उच्च न्यायालय तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा स्थानीय न्यायालयों को जारी किया जाता है। यह उनको उस केस को आगे बढ़ाने से रोकता है जो इसके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है। जब एक अधीनस्थ न्यायालय या न्यायाधिकरण अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करता है तो न्यायालय में पेशी से पूर्व सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालय द्वारा प्रतिषेध जारी किया जाता है।
4.	उत्प्रेषण	इसका अर्थ 'सूचित करना' है।	इसके द्वारा अधीनस्थ न्यायालयों को निर्देश दिया जाता है कि वे अपने पास लंबित मुकदमों को न्याय निर्णयन हेतु वरिष्ठ न्यायालय को भेजें।
5.	अधिकार पृच्छा	इसका अर्थ 'आपका अधिकार क्षेत्र क्या है?' है।	जब कोई व्यक्ति ऐसे पदाधिकारी के रूप में कार्य करने लगता है, जिसके रूप में उसे कार्य करने का वैधानिक रूप से अधिकार नहीं है। तब न्यायालय अधिकार-पृच्छा आदेश के तहत उससे पूछता है कि वह किस अधिकार से कार्य कर रहा है।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मूल अधिकार

मूल अधिकार

- भारत का मैग्ना कार्टा
- भाग 3 (अनुच्छेद 12 से 35)
- यू०एस०ए० एवं फ्रांस से लिए गए
- आपात काल के दौरान अनुच्छेद 20 एवं 21 के अलावा अन्य अधिकार निलंबित किए जा सकते हैं
- मूलभूत अधिकार नागरिकों को प्रदत्त, अनुच्छेद 15, 16, 19, 29, 30

समानता का अधिकार → अनुच्छेद (14–18)

(14) विधि के समक्ष समानता एवं विधि की समान रक्षा।

(15) धर्म, जाति एवं लिंग इत्यादि के आधार पर भेदभाव की रोकथाम।

(16) सार्वजनिक रोजगार की स्थिति में अवसरों की समानता।

(17) अस्पृश्यता का उन्मूलन

(18) उपाधियों का उन्मूलन

स्वतंत्रता का अधिकार → अनुच्छेद (19–22)

(19) 6 अधिकार : बोलने एवं भावाभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, एकत्र होने, संयुक्त होने, गति करने, निवास करने एवं व्यवसाय की स्वतंत्रता।

(20) अपराधों के अभियोग के संदर्भ में रक्षा।

(21) जीवन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा।

(22) कुछ मामलों में गिरफ्तारी एवं नजरबंदी से बचाव।

शोषण के विरुद्ध अधिकार → अनुच्छेद (23–24)

(23) मनुष्यों की तस्करी एवं बलात् श्रम को रोकना।

(24) फैक्ट्री इत्यादि में बच्चों के रोजगार को रोकना।

धर्म को चुनने का अधिकार → अनुच्छेद (25–28)

(25) अंत:करण की स्वतंत्रता तथा किसी भी धर्म को मानने एवं प्रचार करने की स्वतंत्रता।

(26) धार्मिक मामलों के प्रबंध की स्वतंत्रता।

(27) धार्मिक अभिवृद्धि के लिए सहाय की स्वतंत्रता।

(28) • राज्य द्वारा पोषित किसी शिक्षा संस्था में कोई धार्मिक शिक्षा नहीं दी जा सकती।
• विद्यार्थियों को किसी धार्मिक कार्य के लिए बाध्य नहीं कर सकते।

सांस्कृतिक एवं शैक्षिक अधिकार → अनुच्छेद (29–30)

(29) अल्पसंख्यकों के अधिकारों का संरक्षण।

(30) अल्पसंख्यकों को यह अधिकार प्रदान करना कि वे शैक्षिक संस्थानों की स्थापना एवं प्रशासन कर सकें।

संवैधानिक उपचारों का अधिकार → अनुच्छेद (32)

इसमें याचिकाएँ सम्मिलित हैं–

(1) बंदी प्रत्यक्षीकरण

(2) परमादेश

(3) प्रतिषेध

(4) उत्प्रेषण

(5) अधिकार पृच्छा

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मूल कर्तव्य

भाग 4 (क), अनुच्छेद 51-A, 42 वें संविधान संशोधन (1976 ई०)के द्वारा जोड़ा गया। यह कहता है कि भारत के प्रत्येक नागरिक के ग्यारह मौलिक कर्तव्य हैं:

1. संविधान का पालन करना एवं इसके सिद्धांतों तथा संस्थाओं, राष्ट्रीय ध्वज एवं राष्ट्रीय गान का आदर करना।
2. उन आदर्शों को मानना एवं उनका अनुसरण करना जिन्होंने हमारी स्वतंत्रता के राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित किया।
3. भारत की संप्रभुता, एकता एवं अखंडता को बनाए रखना एवं उसकी रक्षा करना।
4. देश की रक्षा करना एवं जब कहा जाए तो देश की सेवा करना।
5. भारत के सभी लोगों के मध्य धार्मिक, भाषिक, क्षेत्रीय एवं पंथीय भेदभाव के बिना समान विचारधारा को बढ़ावा देना एवं समबंधुत्व की भावना को विकसित करना। महिलाओं के प्रति अपमानजनक व्यवहार का त्याग करना।
6. हमारी मिश्रित संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्व देना एवं उसे सुरक्षित करना।
7. प्राकृतिक पर्यावरण जैसे कि वन, झील, नदी एवं वन्य जीवों की रक्षा करना एवं उसमें सुधार करना, जीवित प्राणियों के प्रति सहानुभूति की भावना रखना।
8. वैज्ञानिक प्रकृति, मानवीयता, अन्वेषण एवं सुधार की भावना को विकसित करना।
9. सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा को छोड़ना।
10. व्यक्तिगत एवं सामूहिक क्रियाकलापों में सर्वोत्कृष्टता के लिए संघर्ष करना ताकि राष्ट्र उपलब्धियों के क्षेत्र में नियमित रूप से उच्च स्तर को प्राप्त कर सके।
11. चाहे माता-पिता हों या अभिभावक, छः वर्ष से चौदह वर्ष तक के बच्चों को शिक्षा का अवसर उपलब्ध कराना (86 वें संविधान संशोधन एक्ट, 2002 से सम्मिलित)।

संघ (अनुच्छेद 51-151)

भारत का राष्ट्रपति

- अनुच्छेद 52 कहता है कि 'भारत का एक राष्ट्रपति होगा।'
- अनुच्छेद 53 कहता है कि केन्द्र की समस्त कार्यपालक शक्तियाँ राष्ट्रपति में निहित होंगी।
- भारत सरकार के समस्त कार्यपालिका संबंधी कार्य राष्ट्रपति के नाम से ही संचालित होते हैं।
- **योग्यताएँ** : भारतीय संविधान के अनुच्छेद 58 के अनुसार भारत के राष्ट्रपति को भारत का नागरिक होना चाहिए। उसकी आयु 35 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए। उसमें लोकसभा सदस्य बनने की योग्यता होनी चाहिए। उसे लाभ के किसी पद पर नहीं होना चाहिए। (राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्य का राज्यपाल, केंद्रीय या राज्य मंत्री के अलावा।)
- **चुनाव** : भारत में राष्ट्रपति एक निर्वाचक मंडल के द्वारा चुना जाता है। इसमें आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली को अपनाया जाता है। इसमें गुप्त मतदान द्वारा एकल हस्तांतरणीय मतदान प्रणाली का प्रयोग किया जाता है। निर्वाचक मंडल में होते हैं : (i) संसद के दोनों सदनों के चुने गए सदस्य, (ii) राज्यों की विधान सभाओं के चुने गए सदस्य। चुनाव में विभिन्न राज्यों के प्रतिनिधित्व की सादृश्यता होनी चाहिए। राज्य एवं केंद्र के मध्य समता को बरकरार रखा जाना चाहिए। अनुच्छेद 57 : राष्ट्रपति पुनर्निर्वाचन के योग्य होता है।
- **70वें संविधान संशोधन एक्ट,** 1992 के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली एवं संघशासित क्षेत्र पांडिचेरी विधान सभा के सदस्यों को राष्ट्रपति चुनाव में मतदान करने का अधिकार प्रदान किया गया।

राष्ट्रपति का त्यागपत्र/महाभियोग

- राष्ट्रपति अपने कार्यकाल से पूर्व उपराष्ट्रपति को अपने हस्तलिखित पत्र के द्वारा त्यागपत्र दे सकता है। यह त्यागपत्र उपराष्ट्रपति द्वारा लोक सभा अध्यक्ष के पास भेजा जाना चाहिए।
- राष्ट्रपति को उसके कार्यकाल से पूर्व संवैधानिक अतिक्रमण की पृष्ठभूमि के अंतर्गत महाभियोग (अनुच्छेद 56 एवं 61) के द्वारा हटाया जा सकता है।

  महाभियोग की प्रक्रिया संसद के किसी भी सदन में 14 दिन की पूर्व सूचना के साथ शुरू की जा सकती है। बशर्ते उस सदन के एक चौथाई सदस्य अपनी सहमति लिखित प्रस्ताव द्वारा व्यक्त करें।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राष्ट्रपति

स्थिति
- राज्य का कार्यकारी प्रमुख
- भारत का प्रथम नागरिक

अवधि
- 5 वर्ष
- पुनर्मतदान के लिए उपयुक्त

शपथ
- भारत के मुख्य न्यायाधीश या सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठतम न्यायाधीश के द्वारा

प्राप्तियाँ
- ₹ 1.5 लाख प्रति माह
- ₹ 9 लाख वार्षिक की पेंशन

योग्यता
- भारत का नागरिक
- 35 वर्ष की आयु पूरे किए हों।
- लोक सभा सदस्य के चुनाव हेतु अर्ह।
- भारत सरकार के अधीन किसी लाभ के पद पर न हो।

चुनाव
- चुनाव संस्था द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से निर्वाचित।
- इसमें ससंद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, राज्य विधान सभाओं में निर्वाचित सदस्य होते हैं।
- इसके लिए निम्न सूत्र का प्रयोग करते हैं:

रिक्ति
- कार्यकाल के समाप्त होने पर।
- मृत्यु होने पर
- त्यागपत्र देने पर
- महाभियोग से

शक्तियाँ
- कार्यकारी
- विधायी
- न्यायिक
- आपात

$$\text{किसी MLA के मत का मूल्य} = \frac{\text{राज्य की संपूर्ण जनसंख्या}}{\text{राज्य विधान परिषद के निर्वाचित सदस्य}} \times \frac{1}{1000}$$

$$\text{किसी MP के मत का मूल्य} = \frac{\text{सभी राज्यों में सभी MLAs के मत मूल्य}}{\text{निर्वाचित MPs की कुल संख्या}}$$

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- **कार्य काल :** राष्ट्रपति जिस दिन कार्य काल ग्रहण करता है, उससे पाँच साल तक अपने पद पर बना रहता है। राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति को किसी भी समय लिखित त्यागपत्र दे सकता है। जब राष्ट्रपति का पद रिक्त होता है तो उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करता है।
- राष्ट्रपति की रिक्ति को 6 महीने के भीतर पूर्ण करना होता है।
- राष्ट्रपति पद की रिक्ति जब 5 वर्ष की समाप्ति पर हुई है, तो निर्वाचन पदावधि समाप्ति से पहले ही कर लिया जाता है। (अनुच्छेद 62 (1))। यदि पद पर नियुक्ति में विलंब होता है तो राष्ट्रपति अपने उत्तराधिकारी के आने तक अपने पद पर बना रहेगा।

शक्तियाँ एवं कार्य प्रणाली

कार्यपालिका शक्तियाँ

- संघ की संपूर्ण कार्यकारी शक्तियाँ उसमें सन्निहित रहती हैं। इन शक्तियों का उसके द्वारा या अधीनस्थ अधिकारियों द्वारा संविधान के अनुसार अनुपालन कराया जाता है।
- संविधान के अनुच्छेद 14 के अनुसार संविधान की कार्यकारी शक्तियों का उपयोग किया जाता है।
- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं दूसरे मंत्रियों को नियुक्त करता है और वे राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बने रहते हैं।
- वह भारत के महान्यायवादी, नियंत्रक एवं महालेखा निरीक्षक, मुख्य चुनाव आयुक्त, संघ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्य, वित्त आयोग के अध्यक्ष और सदस्य की नियुक्ति करता है।
- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के मामलों की जाँच करने के लिए राष्ट्रपति एक आयोग की नियुक्ति कर सकता है।
- भारत का राष्ट्रपति किसी सजायाफ्ता अभियुक्त को माफ कर सकता है या किसी व्यक्ति के मृत्युदंड को एक बार कम कर सकता है। विशेषकर मृत्युदंड के मामलों में वह ऐसा कर सकता है।

विधायी शक्तियाँ

- राष्ट्रपति संसद के किसी सत्र को आहूत कर सकता है या संसद के किसी सत्र का अंत करके लोकसभा को भंग कर सकता है।
- सामान्य निर्वाचन के बाद प्रथम सत्र की घोषणा के बाद वह संसद को संबोधित कर सकता है एवं प्रत्येक वर्ष के प्रथम सत्र को भी संबोधित कर सकता है।
- वह संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठकों को आहूत कर सकता है, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा का अध्यक्ष करता है।
- राष्ट्रपति लोकसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता करने के लिए एक सदस्य की नियुक्ति कर सकता है। अध्यक्ष के साथ ही साथ उपाध्यक्ष का पद भी रिक्त रहता है।
- जब अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष के पद रिक्त रहते हैं तो वह लोकसभा के किसी सदस्य को इसकी प्रक्रियाओं की अध्यक्षता के लिए नियुक्त करता है। वह कला, साहित्य, विज्ञान एवं समाजसेवा क्षेत्र के अतिविशिष्ट गुणों वाले किन्हीं बारह सदस्यों को राज्यसभा में नामित करता है। वह एंग्लो-इंडियन समुदाय के दो सदस्यों को भी लोकसभा के लिए नामित करता है।
- किसी भी बिल को राज्यसभा में प्रस्तुत करने के लिए उसकी पूर्व अनुमति की जरूरत होती है। वह बिल के संदर्भ में अपनी राय दे सकता है, राय को रोक सकता है या बिल को संसद में पुनर्विचार हेतु वापस भेज सकता है। (यदि यह धन विधेयक या सांविधानिक संशोधन बिल न हो तो)
- जब एक बिल राज्य विधानमंडल द्वारा पास होता है तो यह राज्यपाल द्वारा राष्ट्रपति के अनुमोदन के लिए रखा जा सकता है, राष्ट्रपति बिल के संदर्भ में अपनी राय दे सकता है, बिल के संदर्भ में अपनी राय रोक सकता है या राज्यपाल से बिल को वापस करने हेतु कह सकता है (यदि वह धन विधेयक न हो तो) ताकि राज्य विधानमंडल इस पर पुनर्विचार कर सके।
- जब संसद के दोनों सदनों का अधिवेशन न चल रहा हो तो राष्ट्रपति अध्यादेशों की घोषणा कर सकता है। इन विधेयकों को इनकी पुनर्प्रस्तुति के छः महीने बाद स्वीकृत किया जाना आवश्यक है। संविधान के अनुच्छेद

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

123 के अनुसार विधेयक अधिकतम छः महीने और छः सप्ताह के लिए प्रभावी हो सकता है।

आपातकालीन शक्तियाँ

- जब राष्ट्रपति यह महसूस करता है कि युद्ध, आंतरिक संघर्ष एवं राजद्रोह के कारण देश में एक गंभीर स्थिति पैदा हो गई है तो वह पूरे देश में या भारत के किसी भाग में आपातकाल लागू कर सकता है।
- संविधान के अनुच्छेद - 360 के अंतर्गत देश में यदि आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न होती है तो राष्ट्रपति अपनी विशिष्ट शक्तियों का प्रयोग कर वित्तीय आपात की घोषणा कर सकता है। अभी तक भारत में वित्तीय आपात घोषणा की आवश्यकता नहीं पड़ी है।

राष्ट्रपति तीन प्रकार के आपातकाल की घोषणा कर सकता है:

राष्ट्रीय आपातकाल

- संपूर्ण भारत में या इसके क्षेत्र के किसी भाग में युद्ध, आंतरिक संघर्ष या सशस्त्र विद्रोह के कारण राष्ट्रीय आपात की स्थिति पैदा होती है।
- राष्ट्रपति देश में राष्ट्रीय आपातकाल तब घोषित कर सकता है जब कैबिनेट मंत्रियों की एक लिखित प्रार्थना आई हो एवं इसका प्रधान प्रधानमंत्री हो। इस अपील को संसद द्वारा एक महीने की अवधि में स्वीकृत किया गया हो।
- इसे छः महीने के लिए लगाया जा सकता है। इसे संसद की पुनर्स्वीकृति के बाद छः महीने के लिए बढ़ाया जा सकता है। यह अधिकतम तीन वर्ष के लिए लागू किया जा सकता है।
- राष्ट्रीय आपात के दौरान भारत के नागरिकों के मूल अधिकार निलंबित रहते हैं।
- जीवन के अधिकार एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार को निलंबित नहीं किया जा सकता है।

आपातकाल तीन घटनाचक्रों में लगा-

- 1962 (भारत-चीन युद्ध)
- 1971 (भारत-पाकिस्तान युद्ध)
- 1975 से 1977 (इंदिरा गांधी के द्वारा आंतरिक अशांति के कारण घोषित किया गया।)

राज्य आपातकाल या राष्ट्रपति शासन

राज्य आपातकाल निम्न स्थितियों में लगाया जाता है :

(1) संविधान के अनुच्छेद 356 के अनुसार यदि कोई राज्य संविधान को लागू करने में असफल हो जाए या सांविधानिक तंत्र असफल हो गया हो तो आपातकाल लगाया जाता है।

(2) संविधान के अनुच्छेद 356 के अनुसार यदि वह राज्य संघ सरकार के दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुसार काम न कर रहा हो।

(3) इस प्रकार के आपातकाल को संसद द्वारा दो माह के लिए स्वीकृत किया गया हो।

- यह छः माह से तीन वर्ष की अवधि के लिए आरोपित किया जाता है। प्रत्येक छः महीने के बाद इसे पुनः **संसदीय स्वीकृति** की जरूरत होती है।
- **यदि आवश्यक हो तो** आपातकाल एक संविधान संशोधन के द्वारा तीन वर्ष से अधिक समयावधि के लिए लगाया जा सकता है। उदाहरण के लिए पंजाब एवं जम्मू तथा कश्मीर के मामले में।
- इस प्रकार के आपातकाल के दौरान राज्यपाल राष्ट्रपति के नाम से राज्य की सेवा करता है। विधान सभा को भंग किया जा सकता है या वे निलंबित अवस्था में रह सकते हैं। संसद राज्य नीति के विषयों पर विधि का निर्माण करती है। सभी धन विधेयकों को स्वीकृति के लिए संसद के पास भेजा जाता है।

वित्तीय आपात-अनुच्छेद 360 :

यदि भारत का वित्तीय स्थायित्व या भारत की साख या इसमें किसी भाग को चुनौती दी जाती है तो राष्ट्रपति वित्तीय आपात लागू कर सकता है।

- यह अपील संसद के द्वारा दो महीनों में स्वीकृत की जाय।
- इस प्रकार का आपातकाल कभी घोषित नहीं किया गया है।

वित्तीय शक्तियाँ

- एक वित्तीय बिल राष्ट्रपति की अनुमति के बाद ही संसद में पेश किया जा सकता है।
- राष्ट्रपति राष्ट्रीय वित्त पत्र को पेश करता है। जैसे : केन्द्रीय बजट संसद के सम्मुख।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- राष्ट्रपति अनदेखे व्ययों की पूर्ति के लिए भारत की आकस्मिकता निधि में बढ़ोतरी कर सकता है।
- राष्ट्रपति प्रत्येक पाँच वर्ष में एक वित्त आयोग का गठन करता है ताकि केन्द्र एवं राज्य के मध्य करों का बँटवारा सुनिश्चित किया जा सके।

कूटनीतिक शक्तियाँ

- अंतर्राष्ट्रीय संधियाँ एवं सहमतियाँ राष्ट्रपति की तरफ से हस्ताक्षरित की जाती हैं। फिर भी उनकी संसद से मंजूरी आवश्यक होती है।
- राष्ट्रपति अंतर्राष्ट्रीय फोरमों एवं मामलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकता है। वह नौकरशाहों को इसमें भेज सकता है, जैसे कि राजदूतों एवं उच्चायुक्तों को।

सैन्य सेवाएँ

- राष्ट्रपति भारत के प्रतिरक्षा बलों का सर्वोच्च सेनानायक होता है।
- राष्ट्रपति युद्ध एवं शांति की घोषणा करके उसे संसद की स्वीकृति के लिए भेज सकता है।
- राष्ट्रपति थलसेना, नौसेना एवं वायुसेना में प्रमुखों की नियुक्ति करता है।

न्यायिक शक्तियाँ

- राष्ट्रपति संघ न्यायिक क्षेत्र के मुख्य न्यायाधीश एवं अन्य न्यायाधीशों को मुख्य न्यायाधीश की सलाह से नियुक्त करता है।
- राष्ट्रपति न्यायाधीशों को तभी पदच्युत करता है जब संसद के दोनों सदन प्रस्ताव को दो-तिहाई बहुमत से पास करें।
- संविधान के अनुच्छेद 72 के अंतर्गत राष्ट्रपति के पास क्षमादान करने की शक्ति है।
- राष्ट्रपति सैन्य प्रशासन द्वारा प्राप्त सजा या कोर्ट-मार्शल की सजा को भी माफ कर सकता है।
- राष्ट्रपति के कार्यकाल के दौरान उसके खिलाफ कोई आपराधिक प्रक्रिया चालू नहीं की जा सकती।
- राष्ट्रपति अपने कर्तव्यों के प्रयोग हेतु उत्तरदायी नहीं है।

वीटो शक्ति

भारत के राष्ट्रपति के पास तीन वीटो शक्तियाँ हैं
(i) पूर्ण वीटो
(ii) निलंबनकारी वीटो
(iii) जेबी वीटो

पूर्ण वीटो

यह राष्ट्रपति की उस शक्ति को प्रस्तुत करता है जिसमें वह संसद द्वारा पास किसी बिल के बारे में अपनी सहमति बनाए रखता है। इस प्रकार के बिल का अंत हो जाता है एवं वह एक्ट नहीं बनता है।

(1) सन् 1954 में राष्ट्रपति डॉ॰ राजेन्द्र प्रसाद ने पेप्सू (PEPSU) एप्रोप्रिएसन बिल के संदर्भ में अपनी राय रोककर रखी, बिल पास तब हुआ जब (PEPSU) में राष्ट्रपति शासन लागू था।
(2) पुनः सन् 1991 में राष्ट्रपति आर॰ वेंकटरमन ने अपनी सहमति सांसदों के वेतनमान, भत्ते एवं पेंशन के संदर्भ में रोके रखी।
(3) बिल संसद के द्वारा पास किया गया। (लोकसभा के भंग होने से एक दिन पूर्व) इसके लिए राष्ट्रपति की पूर्व स्वीकृति प्राप्त नहीं की गई।

निलंबनकारी वीटो

इसके अंतर्गत बिल को पुनः पुनरावलोकन के लिए भेजना होता है। जो एक सामान्य बहुमत के द्वारा विधानसभा में लाया जाता है।

जेबी वीटो

इस मामले में राष्ट्रपति बिल को न प्रमाणित करता है, न अस्वीकृत करता है और न वापस करता है। वह एक अनिश्चित समयावधि के लिए बिल को विचाराधीन रखता है। सन् 1986 में राष्ट्रपति ज्ञानी जैलसिंह ने भारतीय डाक (संशोधन एक्ट), 1986 के संबंध जेबी वीटो का प्रयोग किया। 24वें संविधान संशोधन अधिनियम, 1971 के अनुसार राष्ट्रपति हेतु यह अनिवार्य कर दिया गया कि वह संविधान संशोधन अधिनियम के अनुसार अपनी सहमति दें। संविधान के अनुच्छेद 123 के अंतर्गत जब संसद के दोनों सदनों का अधिवेशन न हो तो राष्ट्रपति अध्यादेशों का प्रकाशन कर सकता है।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारत के राष्ट्रपति

क्र०	राष्ट्रपति	कार्यकाल
1.	डॉ. राजेंद्र प्रसाद	26.01.1950 – 13.05.1962
2.	डॉ. एस. राधाकृष्णन	13.05.1962 – 13.05.1967
3.	डॉ. जाकिर हुसैन	13.05.1967 – 03.05.1969
4.	वी. वी. गिरि	24.08.1969 – 24.08.1974
5.	फखरूद्दीन अली अहमद	24.08.1974 – 11.02.1977
6.	नीलम संजीव रेड्डी	25.07.1977 – 25.07.1982
7.	ज्ञानी जैल सिंह	25.07.1982 – 25.07.1987
8.	आर. वेंकटरमण	25.07.1987 – 25.07.1992
9.	डॉ. शंकरदयाल शर्मा	25.07.1992 – 25.07.1997
10.	के. आर. नारायणन	25.07.1997 – 25.07.2002
11.	डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम	25.07.2002 – 25.07.2007
12.	प्रतिभा पाटिल	25.07.2007 – 25.07.2012
13.	प्रणव मुखर्जी	25.07.2012 – ......
	कार्यवाहक राष्ट्रपति	
1.	वी.वी. गिरि – 03.05.1969 – 20.07.1969	
2.	न्यायमूर्ति मुहम्मद हिदायतुल्ला – 20.07.1969 – 24.08.1969	
3.	बी.डी. जत्ती – 11.02.1977 – 25.07.1977	

उपराष्ट्रपति

- संविधान का अनुच्छेद 63 यह कहता है कि भारत में एक उपराष्ट्रपति होना चाहिए। उपराष्ट्रपति बनने के लिए आवश्यक वही अर्हताएँ निर्धारित की गई हैं, जोकि राष्ट्रपति के लिए हैं। उपराष्ट्रपति का चुनाव भी अप्रत्यक्ष, आनुपातिक प्रतिनिधित्व पद्धति के अनुसार एकल संक्रमण मत द्वारा होता है।
- राष्ट्रपति बनने के लिए किसी व्यक्ति को लोक सभा का सदस्य बनने के लिए निर्धारित अर्हताएँ प्राप्त करना चाहिए, लेकिन उपराष्ट्रपति बनने के लिए राज्य सभा के सदस्य के रूप में निर्वाचित होने के लिए योग्यताएँ पूरी करना चाहिए।
- राष्ट्रपति तथा उपराष्ट्रपति बनने के लिए व्यक्ति की न्यूनतम आयु 35 वर्ष होनी चाहिए।
- उपराष्ट्रपति का निर्वाचन लोक सभा व राज्य सभा के सदस्य करते हैं, इसमें राज्यों की विधान सभा के सदस्य निर्वाचन में भाग नहीं लेते।
- उपराष्ट्रपति राज्य सभा का एक पदेन अध्यक्ष होगा। (अनुच्छेद 64)
- उपराष्ट्रपति को अपना पद ग्रहण करने से पहले राष्ट्रपति अथवा उसके द्वारा नियुक्त किसी व्यक्ति के समक्ष शपथ लेनी पड़ती है।
- उपराष्ट्रपति राज्य सभा के एक प्रस्ताव के द्वारा अपने पद से हटाया जा सकता है। इस प्रस्ताव को राज्य सभा के सदस्यों द्वारा बहुमत के द्वारा सहमति दी गई हो। (अनुच्छेद 67, 68 तथा 71 के अनुसार)
- उपराष्ट्रपति को प्रतिमाह ₹1,25,000 का वेतन एवं अन्य भत्ते प्राप्त होते हैं।
- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 65 के अनुसार 'असामान्य स्थिति' में उपराष्ट्रपति को राष्ट्रपति का कार्य अधिकार सौंपा जाता है।
- असामान्य स्थिति का तात्पर्य है- जब राष्ट्रपति अनुपस्थित है, अस्वस्थता या अन्य किसी कारण से अपना दायित्व निभा पाने में असमर्थ है, उसकी पदच्युति हो गई है या उसने त्यागतत्र दे दिया है या उसका निधन हो गया है।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- भारतीय संविधान के अनुच्छेद 65 के अनुसार जब उप राष्ट्रपति, राष्ट्रपति के रूप में कार्य करेगा तब वह राज्यसभा के सभापति के पद से जुड़े कर्त्तव्यों का पालन करने का अधिकारी नहीं है।
- अब तक के कार्यकाल में राष्ट्रपति डॉ. जाकिर हुसैन तथा फखरूद्दीन अली अहमद के निधन के उपरांत क्रमशः राष्ट्रपति का पद उप राष्ट्रपति वी.वी. गिरी एवं बी.डी. जत्ती ने ग्रहण किया था।

भारत के उपराष्ट्रपति

क्र०	उपराष्ट्रपति	कार्यकाल
1.	डॉ. एस. राधाकृष्णन	1952-1962
2.	डॉ. जाकिर हुसैन	1962-1967
3.	वी.वी. गिरि	1967-1969
4.	गोपाल स्वरूप पाठक	1969-1974
5.	बी.डी. जत्ती	1974-1979
6.	न्यायमूर्ति मो. हिदायतुल्ला	1979-1984
7.	आर. वेंकटरमण	1984-1987
8.	डॉ. शंकरदयाल शर्मा	1987-1992
9.	के.आर. नारायणन	1992-1997
10.	कृष्णकांत	1997-2002
11.	भैरो सिंह शेखावत	2002-10.8.2007
12.	हामिद अंसारी	11.08.2007 से 25.07.2012
	पुनः निर्वाचित: 07.08.2012 से..........	

मंत्रिपरिषद

- संविधान का अनुच्छेद 74 यह कहता है कि प्रधानमंत्री के साथ एक मंत्रिपरिषद होगी। ये राष्ट्रपति की मदद करेंगे एवं उसे सलाह देंगे। राष्ट्रपति इनकी सलाह से काम करेगा।
- संविधान के अनुच्छेद 75 के अनुसार प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त किया जाएगा। दूसरे मंत्री राष्ट्रपति के द्वारा प्रधानमंत्री की सलाह से नियुक्त किए जाएँगे।
- मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बने रहेंगे। लेकिन लोकसभा में बहुमत होने के कारण उनको हटाया नहीं जा सकता। वास्तव में संविधान के अनुसार मंत्री सामूहिक रूप से लोक सभा के लिए उत्तरदायी होते हैं।
- जब लोकसभा अविश्वास प्रस्ताव पास करती है तो संपूर्ण मंत्रिमंडल को प्रधानमंत्री सहित त्यागपत्र देना पड़ता है। अविश्वास प्रस्ताव एक विधायिका शक्ति है जिसे लोक सभा में मंत्रियों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है। यह मंत्रिपरिषद में विश्वास की कमी को इंगित करता है। मंत्रिपरिषद की कार्यप्रणाली प्रधानमंत्री की कार्यप्रणाली के समान है।
- कैबिनेट या मंत्रिपरिषद मंत्रियों का एक विशाल अंग होती है। पिछले कुछ वर्षों में देखा गया है कि कैबिनेट स्तर के 20 या 25 लोगों ने महत्त्वपूर्ण मंत्रालयों को सँभाल रखा है।
- इसके बाद मंत्रियों का एक समूह आता है, जिन्हें राज्यमंत्री कहा जाता है। इनमें से कुछ के पास मंत्रालय के महत्वपूर्ण प्रकार होते हैं। उनमें से कुछ कैबिनेट मंत्रियों से जुड़े रहते हैं। कैबिनेट की मीटिंग में कैबिनेट स्तर के मंत्री ही उपस्थित होते हैं। यदि जरूरत होती है तो इस प्रकार की मीटिंग में भाग लेने के लिए राज्य मंत्रियों को भी बुलाया जा सकता है।
- मंत्री तीन श्रेणी के होते हैं- कैबिनेट, राज्य एवं उपमंत्री। कैबिनेट मंत्री विभाग के अध्यक्ष होते हैं।
- मंत्रियों को किसी सदन के सदस्यों में से लिया जा सकता है। मंत्री जो कि किसी सदन का सदस्य है उसे यह अधिकार प्राप्त है कि वह दूसरे सदन के बारे में बात कर सके या उसकी गतिविधियों में भाग ले सके। लेकिन वे जिस सदन के सदस्य नहीं हैं, उसमें मतदान नहीं कर सकते हैं।
- पद ग्रहण से पहले प्रधानमंत्री सहित प्रत्येक मंत्री को राष्ट्रपति के सामने पद और गोपनीयता की शपथ लेनी होती है।
- सभी मंत्रियों, राज्य मंत्रियों और उपमंत्रियों को निःशुल्क आवास व अन्य सुविधाएँ प्राप्त होती हैं।
- केन्द्रीय मंत्रिमंडल में सबसे लंबी अवधि तक जगजीवन राम (32 वर्ष तक) रहे।
- एक व्यक्ति जो किसी भी सदन का सदस्य नहीं है, वह 6 माह से ज्यादा समय के लिए मंत्री नहीं बन सकता है जब तक कि वह संसद के किसी सदन में चुनाव द्वारा या नामांकन द्वारा एक सीट अर्जित न कर ले। {अनुच्छेद 75(5)}
- मंत्रिपरिषद सामूहिक रूप से संसद के प्रति उत्तरदायी होगी। {अनुच्छेद 75(3)}

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER - LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- अनुच्छेद 75(2) वैयक्तिक उत्तरदायित्व के सिद्धांत का प्रतिपादन करता है। इसके अनुसार कोई भी मंत्री राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत अपने पद पर बना रहता है।

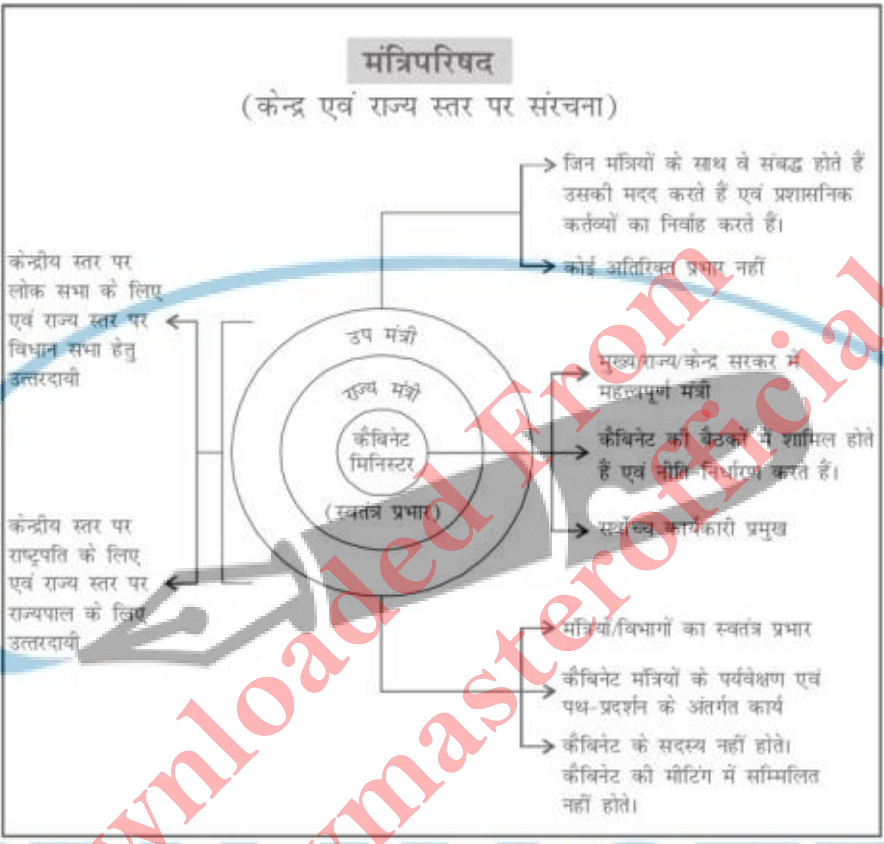

प्रधानमंत्री

संविधान का अनुच्छेद 74 एवं 75 प्रधानमंत्री की नियुक्ति, उसके कार्यकाल की अवधि एवं उसकी जिम्मेदारियों के बारे में बताता है।

- **अनुच्छेद 74(1):** यह कहता है कि "प्रधानमंत्री के साथ एक मंत्रिपरिषद होगी। प्रधानमंत्री इसका प्रधान होगा। प्रधानमंत्री राष्ट्रपति को सलाह देगा। राष्ट्रपति सलाह के अनुसार कार्य करेगा।"
- **अनुच्छेद 75(1)** : प्रधानमंत्री की नियुक्ति राष्ट्रपति करेगा। दूसरे मंत्री प्रधानमंत्री की सलाह पर राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त किए जाएँगे।
- प्रधानमंत्री एक श्रेष्ठ स्थिति में रहता है। राष्ट्रपति के बाद उसी का स्थान आता है।
- **प्रधानमंत्री राष्ट्रपति के लिए मुख्य सलाहकार की भूमिका अदा करता है। उसके पास बहुत सारी शक्तियाँ रहती हैं।**
- वह एक वास्तविक कार्यकारी प्रमुख है।
- दूसरे मंत्रियों की तरह वह भी लोकसभा के प्रति उत्तरदायी होता है। व्यक्तिगत रूप से वह राष्ट्रपति के प्रति उत्तरदायी होता है।
- प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति एवं कैबिनेट के मध्य एक कड़ी के रूप में काम करता है।
- **अनुच्छेद 78:** प्रधानमंत्री द्वारा राष्ट्रपति को दी जाने वाली सूचना के संदर्भ में कर्तव्य का उल्लेख करता है।
- लोक सभा में बहुमत प्राप्त दल के नेता को प्रधानमंत्री नियुक्त किया जाता है। परंतु जब **लोकसभा में किसी भी दल को बहुमत नहीं**

Downloaded From www.studymasterofficial.com STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

प्राप्त होता है तो राष्ट्रपति स्वविवेक से प्रधानमंत्री की नियुक्ति करता है।

- प्रधानमंत्री लोकसभा में शासन संबंधी प्रमुख नीतियों व कार्यों की घोषणा करता है। वह लोक सभा के सदस्यों द्वारा गंभीर मुद्दों से संबंधित पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देता है।
- राज्यों के राज्यपालों की नियुक्ति प्रधानमंत्री द्वारा ही किया जाता है।
- प्रधानमंत्री नीति आयोग का अध्यक्ष होता है। 'भारत रत्न', 'पद्म विभूषण', 'पद्म भूषण' एवं 'पद्म श्री' आदि उपाधियां प्रधानमंत्री की स्वीकृति पर ही दी जाती हैं।

- **भारत के वर्तमान प्रधानमंत्री :** नरेन्द्र दामोदर दास मोदी
- **भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री :** इंदिरा गांधी दो अलग-अलग अवधियों में प्रधानमंत्री पद पर रहने वाली एक मात्रा प्रधानमंत्री भी रहीं।
- जवाहर लाल नेहरू भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे। उनका कार्यकाल सबसे लंबा (16 साल 9 माह 13 दिन तक) रहा।
- गुलजारी लाल नंदा भारत के प्रथम एवं केवल कार्यकारी प्रधानमंत्री थे। ये दो बार कार्यकारी प्रधानमंत्री रहे।
- लालबहादुर शास्त्री भारत के प्रथम प्रधानमंत्री थे जिनका विदेश-यात्रा के दौरान ताशकंद में निधन हुआ।
- चौधरी चरणसिंह भारतवर्ष के एकमात्र ऐसे प्रधानमंत्री रहे जिन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान संसद का सामना नहीं किया।
- मोरारजी देसाई भारतवर्ष के सबसे बुजुर्ग प्रधानमंत्री एवं राजीव गांधी सबसे युवा प्रधानमंत्री थे।
- अटल बिहारी बाजपेई सरकार (मई 1996-जून 1996) का सबसे कम कार्यकाल (13 दिन का) रहा।

भारत के प्रधानमंत्री

क्र०सं०	प्रधानमंत्री	कार्यकाल	पार्टी
1.	जवाहरलाल नेहरू	1947-64	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
2.	गुलजारी लाल नंदा	1964	" " "
3.	लाल बहादुर शास्त्री	1964-66	" " "
4.	गुलजारी लाल नंदा	1966-66	" " "
5.	इंदिरा गांधी	1966-67	" " "
6.	मोरारजी देसाई	1977-79	जनता दल
7.	चौधरी चरण सिंह	1979-80	जनता दल (सेक्यूलर)
8.	इंदिरा गांधी	1980-84	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
9.	राजीव गांधी	1984-89	" " "
10.	वी.पी. सिंह	1989-90	जनता दल (नेशनल फ्रंट)
11.	चन्द्रशेखर	1990-91	समाजवादी जनता पार्टी
12.	पी.वी. नरसिंहा राव	1991-96	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
13.	अटल बिहारी वाजपेयी	1996	भारतीय जनता पार्टी
14.	एच. डी. देवेगौड़ा	1996-97	जनता दल (सेक्यूलर)
15.	इंद्र कुमार गुजराल	1997-98	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
16.	अटल बिहारी वाजपेयी	1998-2004	भारतीय जनता पार्टी
17.	मनमोहन सिंह	2004-14	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
18.	**नरेंद्र मोदी**	**2014- अब तक**	**भारतीय जनता पार्टी**

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

संघ विधानमंडल

संविधान का भाग-5 संसद से संबद्ध है। संविधान के अनुच्छेद 79 के अनुसार संघ के लिए एक संसद होनी चाहिए। इसमें सम्मिलित हैं :

- भारत का राष्ट्रपति
- दो सदन जिसमें राज्य परिषद (राज्य सभा या उच्च सदन तथा लोक सभा या निम्न सदन) सम्मिलित हैं।
- यह एक महत्त्वपूर्ण तथ्य है कि राष्ट्रपति का बनाया जाना संसद की एक प्रक्रिया है। यह सरकार के संसदीय रूप के समरूप है।
- संसद का काम-काज या तो हिंदी में या अंग्रेजी में सम्पादित होता है। फिर भी उसके सदस्यों को यह अधिकार प्राप्त होता है कि वे सदन को अपनी मातृभाषा में संबोधित करें।

राज्य सभा (राज्य परिषद)

संसद के उच्च सदन को राज्य सभा के नाम से जाना जाता है। इसका गठन 03 अप्रैल, 1952 को तथा पहली बैठक 13 मई 1952 को सपन्न हुई।

- संविधान का अनुच्छेद 80 संसद के उच्च सदन के तौर पर राज्य सभा का उल्लेख करता है।
- राज्य सभा में अधिकतम 250 सदस्य होंगे।
- राज्य सभा की वर्तमान सदस्य संख्या 245 है। इसमें से 233 सदस्य राज्य एवं दिल्ली तथा पांडिचेरी संघशासित क्षेत्रों के प्रतिनिधि होते हैं। 12 सदस्य राष्ट्रपति के द्वारा नामित किए जाते हैं।
- राष्ट्रपति के द्वारा नामित सदस्य ऐसे व्यक्ति होते हैं जिनको साहित्य, विज्ञान, कला एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में विशेष ज्ञान एवं व्यावहारिक अनुभव प्राप्त होता है।
- संविधान की चौथी अनुसूची राज्य सभा में राज्य एवं संघशासित क्षेत्रों को सीटें प्रदान करती है।
- सीटों का आवंटन प्रत्येक राज्य की जनसंख्या के आधार पर किया जाता है।
- राज्यसभा, लोकसभा के साथ संयुक्त रूप से कानून बनाती है, संविधान में संशोधन करती है।
- राज्य सभा कभी विघटित नहीं होती है। राज्य सभा के सदस्य छः वर्ष के लिए निर्वाचित किए जाते हैं।
- राज्य सभा के एक-तिहाई सदस्य प्रत्येक 2 वर्ष में अवकाश ग्रहण करते हैं एवं उनके स्थान पर नए सदस्य निर्वाचित किए जाते हैं।
- अवकाश ग्रहण करने वाले सदस्य पुनर्निर्वाचित किए जा सकते हैं। किसी व्यक्ति को राज्य सभा का सदस्य बनने के लिए (i) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए। (ii) उसे कम-से-कम तीस वर्ष का होना चाहिए।
- राज्य सभा की एक सत्र की अंतिम बैठक तथा अगले सत्र की प्रथम बैठक में छः महीने से अधिक का अंतराल नहीं होना चाहिए।
- राष्ट्रपति वर्ष में कम से कम दो बार राज्य सभा का अधिवेशन आहूत कर सकता है एवं संसद के सदनों का सत्रावसान कर सकता है।
- राष्ट्रपति लोकसभा को भंग कर सकता है। वह राज्यसभा को भंग नहीं कर सकता है चूंकि यह संसद का स्थायी सदन होता है।

लोक सभा (जन सदन)

- लोकसभा को निम्न सदन या लोगों का सदन कहते हैं।
- लोक सभा संसद का लोकप्रिय सदन होता है। इसका कारण यह है कि इसके सदस्य सीधे जनता द्वारा निर्वाचित होते हैं।
- सामान्यतया लोकसभा के तीन वार्षिक सत्र आयोजित होते हैं। इनको बजट सत्र, मानसून सत्र एवं शीतकालीन सत्र कहते हैं।
- संसद का बजट सत्र तीनों सत्रों में सबसे अधिक महत्त्वपूर्ण एवं सबसे लम्बा सत्र होता है। सामान्यतया यह फरवरी के तृतीय सप्ताह में शुरू होता है एवं मई के मध्य में इसका सत्रावसान होता है।
- संसद का मानसून सत्र जुलाई के मध्य में शुरू होता है एवं अगस्त के तृतीय सप्ताह में इसका सत्रावसान होता है।
- संसद का शीतकालीन सत्र नवंबर के मध्य में शुरू होता है एवं दिसंबर के अंतिम सप्ताह में इसका सत्रावसान होता है।
- संसद के दो एंग्लो-इंडियन समुदाय के सदस्यों के सिवाय संसद में सभी सदस्यों को सामान्यतया निर्वाचित किया जाता है। दो एंग्लो-इंडियन समुदाय के सदस्य राष्ट्रपति के द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं।
- संविधान में यह प्रावधान रखा गया है कि इसमें सदस्यों की संख्या 552 से अधिक नहीं हो सकती। इनमें से 530 सदस्य राज्यों से, 20 संघशासित क्षेत्रों से एवं 02 एंग्लो- इंडियन समुदाय से नामांकित किए जाते हैं।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- इनमें 543 निर्वाचन क्षेत्रों के लोगों में प्रतिनिधि, वयस्क मताधिकार के आधार पर प्रत्यक्ष मतदान के द्वारा चुने जाते हैं। ये सभी सदस्य संसद भवन, नई दिल्ली के लोक सभा कक्षों में एक-दूसरे से मिलते हैं।
- संविधान के अनुच्छेद 81 के अंतर्गत राज्यों से 530 से अधिक सदस्य, संघशासित क्षेत्रों से 20 से अधिक सदस्य एवं एंग्लो- इंडियन समुदाय के दो से अधिक सदस्य सम्मिलित नहीं होंगे। (अनुच्छेद 331) कुल: 552
- वर्तमान नियमों के अंतर्गत लोकसभा की वर्तमान सदस्य संख्या 545 है। इनमें एंग्लो-इंडियन समुदाय की 02 आरक्षित सीटें सम्मिलित हैं।
- कुल उपलब्ध 131 सीटों में से (18.42%) सीटें (84 सीटें) अनुसूचित जाति के लिए एवं 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधियों हेतु आरक्षित रहती हैं।
- सन् 2014 में संपन्न हुए 16 वीं लोक सभा के निर्वाचनों में भारतीय जनता पार्टी (एन॰ डी॰ ए॰ का घटक) को 543 सीटों में से 282 सीटों का स्पष्ट बहुमत मिला था।
- संविधान लोकसभा को यह अधिकार देता है कि वह शक्ति को पुनर्संयोजित करे।
- सत्तारूढ़ दल के बाद सबसे ज्यादा सदस्यों वाली एवं लोक सभा की सदस्य-संख्या का 1/10 भाग रखने वाली पार्टी को विरोधी दल के नाम से जाना जाता है।
- वर्तमान में सदस्य-संख्या के हिसाब से उत्तर प्रदेश का सर्वोच्च स्थान है। इसके बाद महाराष्ट्र एवं फिर पश्चिम बंगाल का नाम आता है। यू॰ पी॰ में 82, महाराष्ट्र में 48, पश्चिम बंगाल में 42, आन्ध्र प्रदेश में 42 एवं तमिलनाडु में 39 लोक सभा सदस्य हैं।
- मतदान: लोक सभा के सदस्य वयस्क मताधिकार के द्वारा सीधे निर्वाचित किए जाते हैं। सिक्किम के मामले में लोक सभा में इसके प्रतिनिधि इसकी विधान सभा सदस्यों द्वारा निर्वाचित किए जाते हैं। अनुच्छेद 371 f(e)

योग्यताएँ : संविधान का अनुच्छेद 84 हमें यह बताता है कि संसद की सदस्यता के लिए क्या योग्यता होती है। इसके अनुसार-

- उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।
- उसे 25 वर्ष से कम उम्र का नहीं होना चाहिए।
- उसे भारत में किसी संसदीय क्षेत्र में पंजीकृत मतदाता होना चाहिए।
- उसे भारत सरकार अथवा राज्य सरकार के किसी लाभ के पद पर नहीं होना चाहिए।

संसद में विधायी प्रक्रिया : संसद में जो विधेयक पारित किए जाते हैं वे निम्नलिखित प्रकार के होते हैं:-

(i) सामान्य विधेयक

(ii) धन विधेयक

सामान्य विधेयक : संविधान के अनुच्छेद 107 के अनुसार सामान्य विधेयकों को किसी भी सदन में प्रस्तुत किया जा सकता है।

- प्रथम वाचन : सदन में प्रस्तावित विधेयक का प्रारूप प्रेषित किया जाता है। अध्यक्ष के माध्यम से उस विधेयक पर पूर्ण वाद-विवाद तथा मतदान करवाया जाता है। इसके पश्चात यदि सदन द्वारा विधेयक को मंजूरी दे दी जाती है तो यह माना जाता है कि प्रथम वाचन में यह विधेयक सदन द्वारा स्वीकृत कर लिया गया है।
- द्वितीय वाचन : कुछ अवधि के पश्चात प्रस्तावक पुन: विधेयक को प्रस्तुत करता है। इस प्रस्तुति को द्वितीय वाचन कहा जाता है।

धन विधेयक : संविधान के अनुच्छेद 110 में धन विधेयक को परिभाषित किया गया है।

- लोक सभा से पास होने के बाद धन विधेयक राज्य सभा के पास जाता है, जिसके पास चार विकल्प उपस्थित होते हैं: बिल को उसके मूल स्वरूप में पास करे, बिल को अस्वीकृत करे, चौदह दिन तक कोई कार्रवाई न करे, बिल को सुझावात्मक संशोधनों के साथ लोक सभा में भेज दे।
- लोकसभा, राज्यसभा की किसी संस्तुति को अगर स्वीकृत कर लेती है तब यह स्पष्ट हो जाएगा कि धन विधेयक राज्यसभा द्वारा संस्तुति किए गए एवं लोकसभा द्वारा स्वीकृत किए गए संशोधनों सहित पास कर दिया गया है।
- राज्यसभा की किसी संस्तुति को अगर लोकसभा द्वारा स्वीकृत नहीं किया जाता है तो धन

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विधेयक राज्यसभा द्वारा सिफारिस किए गए किसी संशोधन के बिना उस रूप में दोनों सदनों द्वारा पारित समझ लिया जाता है जिस रूप में वह लोकसभा द्वारा परित किया गया था।

- धन विधेयक के लोक सभा एवं राज्य सभा से पारित होने के बाद इस बात का कोई प्रावधान नहीं है कि संसद की कोई संयुक्त बैठक बुलाई जाए। धन विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा जाता है। राष्ट्रपति अन्य बिलों को रोक सकता है लेकिन इस बिल को नहीं रोक सकता। (अनुच्छेद 111)

वित्त विधेयक : वित्त विधेयक उतना ही अच्छा होता है जितना कि अन्य विधेयक। वित्त विधेयक को राष्ट्रपति की अनुमति के बिना पेश नहीं किया जा सकता। वित्त विधेयक को केवल लोक सभा में ही पेश किया जा सकता है।

- इस प्रकार वित्त विधेयक एक सामान्य विधेयक के पारित होने के लिए उपलब्ध कराई गई सामान्य प्रक्रिया के अनुसार पारित होता है।
- राजस्व एवं व्ययों से संबंधित कोई बिल, जोकि लोक सभा अध्यक्ष द्वारा धन विधेयक के रूप में प्रमाणित नहीं होता है, धन विधेयक कहलाता है।

वित्त विधेयक दो प्रकार के होते हैं :

(1) बिल, जिसमें अनुच्छेद 110 में उल्लिखित सामग्री उपलब्ध हों, लेकिन यह उन मामलों से मुख्यरूप से संबंधित न हो।

- एक बिल, जिसमें कर-निर्धारण उपधारा उपस्थित हो, लेकिन वह पूर्ण रूप से कर-निर्धारण के लिए प्रयुक्त न हो।

इसे प्रथम श्रेणी का वित्त विधेयक कहते हैं।

(2) एक सामान्य बिल में भारत के संगृहीत कोश से खर्च संबंधी प्रावधानों का समावेश रहता है। इसे द्वितीय श्रेणी का वित्त विधेयक कहते हैं।

संविधान संशोधन बिल: संविधान का अनुच्छेद 368 संसद की उस शक्ति का उल्लेख करता है जोकि संविधान को संशोधित करने के संदर्भ में है।

- इसके लिए यह बिल किसी भी सदन (लोक सभा या राज्य सभा) में प्रस्तुत किया जा सकता है।

लोकसभा का अध्यक्ष

- संविधान के अनुच्छेद: 93 के अनुसार एक नई लोक सभा के गठन के बाद राष्ट्रपति एक अध्यक्ष नियुक्त करता है जो सदन का वरिष्ठतम सदस्य होता है।
- अध्यक्ष की अनुपस्थिति में कार्य करने के लिए एक उपाध्यक्ष की नियुक्ति भी की जाती है।
- अध्यक्ष लोकसभा का मुख्य संचालन अधिकारी होता है। किसी भी विषय को लेकर प्रस्तुत किया जाने वाला 'कार्य स्थगन प्रस्ताव' उसकी अनुमति से ही पेश किया जा सकता है।
- अध्यक्ष सदन की बैठकों की अध्यक्षता करता है। सदन में उसके निर्णय सर्वमान्य होते हैं, वह विचाराधीन विधेयक पर बहस रुकवा सकता है।
- उसका यह उत्तरदायित्व होता है कि वह सदन के गौरव एवं प्रतिष्ठा को बरकरार रखे।
- उसे विभिन्न विधेयकों व प्रस्तावों पर मतदान करवाना, परिणाम घोषित करना एवं मतों की समानता होने पर निर्णायक मत देने का अधिकार है।
- अध्यक्ष की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष अध्यक्ष के कर्तव्य का निर्वाह करता है।
- लोक सभा के भंग होने से लेकर नई लोक सभा के गठन तक अध्यक्ष कार्यालय सँभाले रहता है।
- अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष को सदन के द्वारा एक प्रस्ताव पास करके बहुमत के साथ एवं चौदह दिन की पूर्व सूचना देकर हटाया जा सकता है।
- मीरा कुमार लोक सभा की प्रथम महिला अध्यक्ष रहीं। (2009-2014 तक)
- जी॰ एम॰ सी॰ बालयोगी प्रथम अध्यक्ष थे, जिनका कार्यकाल के दौरान निधन हुआ।
- डॉ॰ बलराम जाखड़ देश के सबसे लम्बी अवधि तक काम करने वाले अध्यक्ष थे। (1980-1989 तक)
- श्री एम॰ ए॰ आयंगर लोक सभा के प्रथम उपाध्यक्ष थे। (1952-1956)
- जी॰ वी॰ मावलनकर लोक सभा के प्रथम अध्यक्ष थे।
- सुमित्रा महाजन सन् 2014 से लोकसभा की वर्तमान अध्यक्षा हैं।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

लोक सभा अध्यक्ष

लोकसभा	अध्यक्ष
पहली	गणेश वासुदेव मावलंकर, एम अनंतशयनम आयंगर
दूसरी	एम अनंतशयनम आयंगर
तीसरी	हुकम सिंह
चौथी	नीलम संजीव रेड्डी, गुरदयाल सिंह ढिल्लो
पांचवीं	गुरदयाल सिंह ढिल्लो, बलिराम भगत
छठी	नीलम संजीव रेड्डी, के. एस. हेगड़े
सातवीं	बलराम जाखड़
आठवीं	बलराम जाखड़
नौवीं	रवि राय
दसवीं	शिवराज वी. पाटिल
ग्यारहवीं	पी. ए. संगमा
बारहवीं	जी. एम. सी. बालयोगी
तेरहवीं	जी. एम. सी. बालयोगी, मनोहर गजानंद जोशी
चौदहवीं	सोमनाथ चटर्जी
पन्द्रहवीं	मीरा कुमार
सोलहवीं	सुमित्रा महाजन

भारत की न्यायपालिका

सर्वोच्च न्यायालय

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- भारत के संविधान के अंतर्गत एवं संवैधानिक पुनरावलोकन के अंतर्गत सर्वोच्च न्यायालय भारत का सर्वोच्च न्यायाधिकरण है एवं यह अपील करने का अंतिम न्यायालय है।
- इसमें सर्वोच्च न्यायाधीश के साथ 30 अन्य न्यायाधीश सम्मिलित रहते हैं।
- इसके पास मूल, पुनर्विचार संबंधी एवं परामर्शदात्री अधिकारिता होती है।
- एक डिविजन बेंच में दो से तीन न्यायाधीश सम्मिलित रहते हैं। एक संवैधानिक बेंच में पाँच या पाँच से ज्यादा न्यायाधीश सम्मिलित रहते हैं।

कार्यकाल, योग्यता एवं वेतन :

सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति संघ के मंत्रिमंडल की सलाह से राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।

इसके लिए आवश्यक योग्यताएँ हैं:

- भारत का नागरिक जो किसी उच्च न्यायालय अथवा दो या दो से अधिक न्यायालयों में लगातार कम से कम 05 वर्ष तक न्यायाधीश रह चुका हो।
- उच्च न्यायालय में लगातार 10 वर्षों की अवधि तक कार्य कर चुका अधिवक्ता।
- राष्ट्रपति की राय में एक प्रतिष्ठित वकील।
- सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश पैंसठ वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं। यह उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति उम्र से 3 वर्ष अधिक है। इस प्रकार सर्वोच्च न्यायालय का एक न्यायाधीश, जोकि एक उच्च न्यायालय से पदोन्नत होकर आता है, सर्वोच्च न्यायालय में कम से कम 3 वर्ष की अवधि तक अधिक काम करता है।
- संसद का अनुच्छेद 125 भारतीय संसद को यह शक्ति प्रदान करता है कि वह सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के वेतन एवं दूसरे भत्तों का निर्धारण करे।
- संसद इन प्रावधानों या अधिकारों में कोई ऐसा परिवर्तन नहीं करेगी जो उनके लिए अलाभकारी हो। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश को ₹ 90,000 मासिक वेतन एवं मुख्य न्यायाधीश को ₹ 100,000 मासिक वेतन मिलता है।
- टी.एस. ठाकुर भारत के वर्तमान मुख्य न्यायाधीश हैं।
- **महाभियोग** : सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश संविधान की सीमा के अंतर्गत प्रमाणित दुर्व्यवहार या अक्षमता की स्थिति में ही हटाया जा सकता है। इसके लिए राष्ट्रपति के आदेश की जरूरत होती है। लोकसभा के 100 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित या राज्य सभा के 50 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित एक नोटिस को प्रत्येक सदन में 213 बहुमत के द्वारा पारित कराया जाता है।

अधिकारिता

उच्चतम न्यायालय की आरंभिक अधिकारिता: संविधान के अनुच्छेद 131 के अंतर्गत (i) भारत संघ तथा एक या एक से अधिक राज्यों के बीच उत्पन्न विवादों में, (ii) दो या अधिक राज्य या विभिन्न राज्यों के मामलों के संदर्भ में, सर्वोच्च न्यायालय के पास विशिष्ट आरंभिक अधिकारिता होती है।

- **पुनर्विचार संबंधी अधिकारिता** : संविधान का अनुच्छेद 132 पुनर्विचार संबंधी अधिकारिता से संबद्ध है। सर्वोच्च न्यायालय देश का सबसे बड़ा न्यायालय है। इसकी अधिकारिता में संवैधानिक मामले, सिविल मामले एवं आपराधिक मामले सम्मिलित रहते हैं।
- सर्वोच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश न्यायमूर्ति फातिमा बीबी थीं (सन् 1987 में)।
- सर्वोच्च न्यायालय की द्वितीय महिला न्यायाधीश ग्यान सुधा मिश्रा थीं (सन् 2010 में)।
- भारत के प्रथम मुख्य न्यायाधीश एच॰ जे॰ कानिया थे।
- सबसे छोटा कार्यकाल के॰ एन॰ सिंह का रहा (25 नवंबर, 1991–12 दिसंबर, 1991 तक)।
- **सलाहकारी अधिकारिता:** सर्वोच्च न्यायालय के पास उन मामलों में विशेष सलाहकारी अधिकारिता रहती है जिन्हें भारत का राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 143 के द्वारा इंगित करता है।
- सुप्रीम कोर्ट दस्तावेजों का एक न्यायालय है।
- संविधान के अनुच्छेद 139(A) के अनुसार (44 वें संविधान संशोधन द्वारा जोड़े गए) सर्वोच्च न्यायालय एक उच्च न्यायालय से दूसरे उच्च न्यायालय में मामले को स्थानान्तरित कर सकता है, यदि इन मामलों से कानून पर महत्त्वपूर्ण प्रश्नचिह्न लगते हैं।

भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक :

नियंत्रयक एवं महालेखा परीक्षक (सी॰ ए॰ जी॰) की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति द्वारा संविधान के अनुच्छेद 148 से 151 के अधीन की जाती है। उसे उसके पद से केवल उसी रीति से और उन्हीं आधारों पर हटाया जाएगा जिस रीति से एवं जिन आधारों पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया जाता है।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- सी॰ ए॰ जी॰ भारत सरकार या राज्य सरकार के व्ययों के खातों के लेखा परीक्षण करने के लिए उत्तरदायी होता है। सी॰ ए॰ जी॰ यह सुनिश्चित करता है कि धन न्यायसम्मत रूप से एवं वैधानिक रूप से व्यय किया जाए एवं वित्तीय अनियमितताओं की भी जाँच की जाए।
- नियंत्रक महालेखा परीक्षक को सार्वजनिक धन का संरक्षक माना जाता है।
- सी॰ ए॰ जी॰ का कार्यकाल 06 वर्ष एवं सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष है।
- भारत के प्रथम नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक वी॰ नरहरि राव थे।

भारत का महान्यायवादी

- संविधान के अनुच्छेद 76 के अनुसार भारत का महान्यायवादी सरकार का मुख्य विधिक सलाहकार होता है। वह भारत के सर्वोच्च न्यायालय में प्राथमिक अधिवक्ता होता है।
- भारत के प्रथम महान्यायवादी एम॰ सी॰ सेतलवाड़ थे।
- भारत के महान्यायवादी का वेतन ₹ 90,000 प्रतिमाह है।
- भारत के महान्यायवादी को भारत के राष्ट्रपति के द्वारा नियुक्त किया जाता है। वह तब तक अपने पद पर रहता है जब तक राष्ट्रपति चाहता है।
- वह सर्वोच्च न्यायालय का न्यायाधीश बनने की योग्यता रखता है।
- महान्यायवादी भारत सरकार को ऐसे मामलों में राय देता है जो वैधानिक हों। इसके साथ ही साथ वह राष्ट्रपति के द्वारा प्रदत्त वैधानिक कर्तव्यों के पालन के लिए भी उत्तरदायी होता है।
- महान्यायवादी को भारत के राज्य क्षेत्र के सभी न्यायालयों में सुनवाई का अधिकार है।
- मुकुल रोहतगी भारत के वर्तमान पदग्राही महान्यायवादी हैं।

भाग 6

राज्य (अनुच्छेद 152–237)

राज्यपाल (अनुच्छेद 153–162)

- राज्य के राज्यपाल की नियुक्ति भारत के राष्ट्रपति के द्वारा की जाती है। (अनुच्छेद 155)
- भारतीय संसदीय प्रणाली के अंतर्गत राज्यपाल राज्य व्यवस्थापिका का अभिन्न अंग होता है।
- एक ही राज्यपाल एक से ज्यादा राज्यों में राज्यपाल का पदभार ग्रहण कर सकता है। (अनुच्छेद 153-162)
- संविधान के अनुच्छेद 156 के अनुसार राज्य का राज्यपाल राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त अपने पद पर बना रहता है।
- राज्यपाल पाँच वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।
- **योग्यताएँ**

  (i) उसे भारत का नागरिक होना चाहिए।

  (ii) कम से कम 35 वर्ष की उम्र हो।

  (iii) अपने कार्यकाल के दौरान किसी लाभ के पद पर न हो।
- राष्ट्रपति की तरह राज्यपाल राज्य विधि के अंतर्गत सजा पा चुके व्यक्तियों को माफ कर सकता है या उनकी सजा स्थगित कर सकता है। (अनुच्छेद – 161)
- राज्यपाल की पदावधि के दौरान उसके विरुद्ध किसी भी न्यायालय में किसी प्रकार की आपराधिक कार्यवाही प्रारंभ नहीं की जा सकती।
- संविधान के अनुच्छेद 163 के अंतर्गत राज्यपाल के पास विवेकाधीन शक्तियाँ होती हैं। न्यायालय उसकी विवेकाधीन शक्तियों पर प्रश्नचिह्न नहीं लगा सकता है।
- संविधान के अनुच्छेद 171 के अनुसार राज्यपाल साहित्य, विज्ञान, कला, सहकारी आंदोलन एवं सामाजिक सेवाओं में से कुछ लोगों को नामांकित कर सकता है।
- राज्यपाल अध्यादेशों को जारी कर सकता है।

महत्त्वपूर्ण अधिकारी	मासिक वेतन
1. राष्ट्रपति	₹ 1, 50, 000
2. उप राष्ट्रपति	₹ 1, 25, 000
3. लोक सभा अध्यक्ष	₹ 1, 25, 000
4. राज्यपाल	₹ 1, 10, 000
5. सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	₹ 1, 00, 000
6. सर्वोच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश	₹ 90, 000
7. उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश	₹ 90, 000
8. उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीश	₹ 80, 000
9. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक	₹ 90, 000
10. मुख्य चुनाव आयुक्त	₹ 90, 000
11. महान्यायवादी	₹ 90, 000

Download From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मुख्यमंत्री

राज्य में निर्वाचित सरकार का प्रमुख मुख्यमंत्री होता है जिसकी नियुक्ति राज्यपाल करता है।, जिस राजनीतिक दल का विधान सभा में बहुमत होता है, उसी के नेता को मुख्यमंत्री नियुक्त कर दिया जाता है, लेकिन यदि विधान सभा में किसी भी राजनीतिक दल का बहुमत नहीं होता तो राज्यपाल स्वविवेक से मुख्यमंत्री की नियुक्ति करता है। मुख्यमंत्री कब तक कार्य करेगा इसका कुछ भी निश्चित नहीं है, यह इस बात पर निर्भर करता है कि केन्द्र में उसी के दल की सरकार है या किसी और दल की सरकार है। मुख्यमंत्री के चयन में तथा यहाँ तक कि उसके मंत्रियों के चयन में उसके राजनीतिक दल के प्रमुखों का दबाव बना रहता है।

शक्तियाँ एवं कार्य

- मुख्यमंत्री राज्यपाल के माध्यम से मंत्रियों की नियुक्ति करवाता है। उनमें किसी प्रकार का मतभेद उत्पन्न होने पर उनके बीच समन्वय स्थापित करता है।
- विधान सभा का मुख्य नेता होने के कारण विधानमंडल, राज्यपाल तथा मंत्रिपरिषद के मध्य संपर्क सूत्र का कार्य करता है।
- मुख्यमंत्री की सलाह पर ही राज्यपाल द्वारा की जाने वाली सभी नियुक्तियाँ संचालित होती हैं।

उच्च न्यायालय (अनुच्छेद 214-232)

- उच्च न्यायालय किसी राज्य का प्रधान न्यायाधिकरण होता है।
- संविधान के अनुच्छेद 214 में यह प्रावधान है कि प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय होगा।
- किसी राज्य में न्यायपालिका के अंतर्गत उच्च न्यायालय एवं अधीनस्थ न्यायालय आते हैं।
- संसद एक या ज्यादा राज्यों के लिए और एक या ज्यादा संघशासित क्षेत्रों के लिए एक सर्वनिष्ठ उच्च न्यायालय की स्थापना कर सकता है। (अनुच्छेद 215)
- भारत में कुल इक्कीस उच्च न्यायालय हैं।
- कलकत्ता उच्च न्यायालय भारत का सबसे पुराना उच्च न्यायालय है। इसकी स्थापना सन् 1862 में की गई। मुंबई उच्च न्यायालय एवं मद्रास उच्च न्यायालय भी इसी वर्ष स्थापित हुए।
- छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय, उत्तराखंड (नैनीताल) उच्च न्यायालय एवं झारखंड उच्च न्यायालय (राँची) सन् 2000 में स्थापित किए गए।

उच्च न्यायालय: स्थिति एवं न्यायाधिकारिता

नाम	स्थापना वर्ष	क्षेत्रीय अधिकारिता	स्थिति
1. इलाहाबाद	1866	उत्तर प्रदेश	इलाहाबाद (बेंच लखनऊ में)
2. आन्ध्र प्रदेश	1954	आन्ध्र प्रदेश	हैदराबाद
3. मुंबई	1862*	महाराष्ट्र, दादरा एवं नगर हवेली, गोवा, दमन और दीव	मुंबई (नागपुर, पणजी एवं औरंगाबाद में बेंचें)
4. कोलकाता	1862*	पश्चिम बंगाल, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	कोलकाता (पोर्ट ब्लेयर में बेंच)
5. दिल्ली (संघशासित क्षेत्र)	1966	दिल्ली	दिल्ली
6. गुवाहाटी	1948	असम, मणिपुर, मेघालय, नागालैन्ड, त्रिपुरा, मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश	गुवाहाटी (कोहिमा, इम्फाल, अगरतला और शिलांग में बेंचें)
7. गुजरात	1948	गुजरात	अहमदाबाद
8. हिमाचल प्रदेश	1971	हिमाचल प्रदेश	शिमला

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

9. जम्मू एवं कश्मीर	1928	जम्मू एवं कश्मीर	श्रीनगर और जम्मू
10. कर्नाटक	1884	कर्नाटक	बेंगलौर
11. केरल	1958	केरल व लक्षद्वीप	एर्नाकुलम
12. मध्य प्रदेश	1956	मध्य प्रदेश	जबलपुर (इंदौर और ग्वालियर में बेंचें)
13. मद्रास	1862*	तमिलनाडु और पांडिचेरी	चेन्नई (मदुरै में बेंच)
14. उड़ीसा	1948	उड़ीसा	कटक
15. पटना	1916	बिहार	पटना
16. पंजाब एवं हरियाणा	1975	पंजाब, हरियाणा एवं चंडीगढ़	चंडीगढ़
17. राजस्थान	1949	राजस्थान	जोधपुर (बेंच जयपुर में)
18. सिक्किम	1975	सिक्किम	गंगटोक
19. छत्तीसगढ़	2000	छत्तीसगढ़	बिलासपुर
20. उत्तरांचल	2000	उत्तरांचल	नैनीताल
21. झारखंड	2000	झारखंड	रांची

* सबसे पुराने उच्च न्यायालय हैं।

पंचायती राज (अनुच्छेद 243-0)

- स्वतंत्र भारत में पंचायती राज का शुभारम्भ 2 अक्टूबर, 1959 को भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू ने राजस्थान राज्य के नागौर जिले में किया।
- 73 वें संविधान संशोधन एक्ट, 1993 के बाद पंचायती राज अधिनियम का निर्माण करने वाला प्रथम राज्य कर्नाटक है।
- 1991- पी॰ वी॰ नरसिम्हा राव सरकार राज्य सभा ने बिल को स्वीकार किया।
- 1993-20 अप्रैल, 1993 में 17 राज्यों की स्वीकृति के बाद भारत के राष्ट्रपति ने इस पर हस्ताक्षर किए।
- इसने पंचायत राज तंत्र को एक संवैधानिक आधार प्रदान किया।
- संशोधन के बाद संविधान की 11 वीं अनुसूची के साथ पंचायती राज को जोड़ा गया।
- संविधान के अनुच्छेद 243(G) में पंचायतों से संबंधित 29 मदें सम्मिलित हैं।

स्थानीय शासन का त्रिचक्रीय तंत्र

- ग्राम पंचायत-ग्राम स्तर पर
- पंचायत समिति-ब्लॉक स्तर पर
- जिला परिषद-जिला स्तर पर
- नागालैंड, मेघालय और मिजोरम के सिवाय सारे राज्यों में पंचायती तंत्र उपलब्ध कराया गया है।
- दिल्ली के सिवाय इसका सारे संघशासित क्षेत्रों में अस्तित्व है।
- पंचायत तंत्र उन सभी राज्यों में उपलब्ध कराया जाता है जिसकी जनसंख्या 2 मिलियन से ज्यादा होती है।
- प्रत्येक पंचायत इसकी पहली मीटिंग की तारीख से पाँच वर्ष तक चल सकती है।

प्रमुख कार्य एवं अधिकार :

- पंचायत समिति द्वारा नियोजन कार्यों के क्रियान्वयन हेतु ब्लॉक स्तर पर बी.डी.ओ. के अधीन सहायक अधिकारी तथा ग्राम विकास कर्मचारी होता है।
- पंचायत समिति द्वारा क्षेत्रीय विकास के लिए योजना एवं कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है तथा राज्य सरकार की सहमति से इसे लागू किया जाता है।
- इसके माध्यम से सामुदायिक विकास कार्यक्रम का क्रियान्वयन होता है।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- यह संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य, प्राथमिक शिक्षा, स्वच्छता एवं संचार व्यवस्था आदि के विकास हेतु प्रमुख रूप से कार्य करती है।
- पंचायत समिति ग्राम सभा के कार्यों का निरीक्षण करने के साथ ही ग्राम पंचायत के बजट पर भी विचार करती है। आवश्यकतानुसार महत्त्वपूर्ण सुझाव भी देती है।

पंचायत तंत्र में सुधार हेतु समितियाँ

नाम	स्थापना वर्ष	संस्तुति
बलवंतराय मेहता	1957	स्थानीय निकायों की स्थापना करना, शक्ति एवं अधिकारों को सौंपना, विकेंद्रीकृत सरकार की मूलभूत इकाई ब्लॉक/समिति का होना, पंचायती राज तंत्र का त्रिस्तरीय तंत्र के रूप में होना।
अशोक मेहता	1978	योजना के लिए जिले का एक समर्थ प्रशासनिक इकाई के रूप में होना, पंचायत राज का मंडल पंचायत और जिला परिषद के रूप में होना।
पी० वी० के० राव	1985	पंचायती राज को लागू करना एवं सहयोग करना, ग्रामीण विकास में ब्लॉक विकास कार्यालय का केंद्रीय रूप में होना।
एल० एम० सिंघवी	1986	संवैधानिक रूप से स्थानीय स्वशासन की व्यवस्था, न्याय पंचायत गठन एवं वित्तीय संसाधन की उपलब्धता।
पी. के. थुंगन समिति	1989	जिला नियोजन के अंतर्गत राजनीतिक एवं प्रशासनिक संरचना, पंचायती राज को संवैधानिक दर्जा।

नगरपालिका (अनुच्छेद 243 (त) से 243 (य, छ))

- संविधान का भाग 9 (क) (अनुच्छेद 243 त से य, छ) शहरी क्षेत्रों में स्थानीय स्वशासन का एक संवैधानिक आधार प्रदान करता है।
- नगरपालिका के लिए अधिकांश प्रावधान संविधान के भाग 9 में उल्लिखित प्रावधानों के समान हैं। जैसे: संरचना, सीटों का आरक्षण, कार्य प्रणाली, आय का स्रोत इत्यादि।
- नगर पंचायत ऐसे क्षेत्रों के लिए होती है जो ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में परिवर्तित होते हैं।
- नगर परिषद एक अपेक्षाकृत छोटे शहरी क्षेत्र के लिए होती है।
- नगर निगम एक अपेक्षाकृत बड़े शहरी क्षेत्र के लिए होता है। यह सर्वोत्कृष्ट शहरी स्थानीय निकाय है।
- एक नगरपालिका के सदस्य सामान्यतया प्रत्यक्ष मतदान के द्वारा चुने जाते हैं।
- किसी राज्य की विधायिका नगरपालिका में प्रतिनिधित्व प्रदान करती है—
  उन व्यक्तियों को जिनका नगरपालिका प्रशासन में विशेष ज्ञान या अनुभव होगा।
- भारत में नगरनिकाय प्रशासन पहली बार मद्रास में सन् 1688 में शुरू हुआ। सन् 1726 में मुंबई और कलकत्ता कार्पोरेशन की स्थापना हुई।

नगरपालिका के कार्य :

- आर्थिक, सामजिक विकास हेतु योजनाओं का क्रियान्वयन।
- समाज के पिछड़े वर्ग के विकास हेतु कार्य करना। विकलांग तथा मानसिक तौर पर विक्षिप्त व्यक्तियों की मदद हेतु उचित व्यवस्था करना।
- नगरीय सुख-सुविधाएँ, जैसे कि सड़क मरम्मत, बिजली, पीने का पानी, सीवरेज आदि की उचित व्यवस्था करना।

केंद्र एवं राज्यों के संबंध (अनुच्छेद 245–263)

सन् 1983 में केन्द्र-राज्य संबंधों में सुधार के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने सरकारिया आयोग का गठन किया। इस आयोग ने 1988 में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें केन्द्र राज्य संबंधों में सुधार हेतु निम्नलिखित संस्तुतियाँ थीं–

(1) एक स्थायी अंतर्राज्यीय परिषद (अनुच्छेद - 263) का गठन किया जाना चाहिए, जिसमें राज्यों के मुख्यमंत्री भी शामिल हों।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

(2) करों की वसूली एवं बँटवारे द्वारा भी केन्द्र एवं राज्यों के बीच वित्तीय संबंध निर्धारित किया जाता है। यह संबंध निम्न प्रकार के होंगे-

(क) ऐसे कर जो संघ द्वारा अधिरोपित एवं संग्रहित किए जाते हैं। परंतु उन्हें राज्यों के हवाले कर दिया जाता है। जैसे- कृषि भूमि कर, उत्तराधिकार कर, संपत्ति पर कर, समाचार पत्रों पर कर इत्यादि।

(ख) ऐसे कर जिसका अधिरोपण संघ द्वारा तो किया जाता है किन्तु उनका संग्रहण व उपयोग राज्यों द्वारा किया जाय। जैसे- दवाइयों एवं मादक द्रव्यों पर कर, विनिमय, हुण्डी, चेक आदि पर कर।

(ग) ऐसे कर जिन्हें संघ द्वारा अधिरोपित एवं संग्रहित तो किया जाय परंतु उनका बँटवारा केन्द्र एवं राज्यों के बीच किया जाय। जैसे- आयकर, दवाएँ तथा शृंगार की वस्तुओं आदि पर।

(3) राज्यों द्वारा संघ की संपत्ति पर संसद द्वारा कानून बनाए जाने पर ही कर लगाया जाए। यही नहीं संसद की अनुमति के बिना रेलवे या भारत सरकार द्वारा उपयोग की जाने वाली बिजली पर कोई कर नहीं लगाया जा सकता।

(4) राज्यों को विकास योजनाओं को लागू करने, बाढ़, भूकम्प एवं सूखे की स्थिति से निबटने तथा बजट घाटा दूर करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा अनुदान दिया जाए।

अनुच्छेद 262: अन्तर्राज्यीय नदियों एवं नदी-घाटियों के जल से संबद्ध विवादों का निर्णय करता है।

अनुच्छेद 263: अन्तर्राष्ट्रीय समिति

वित्त, संपत्ति, संविदा एवं वाद (अनुच्छेद 264-300(क))

अनुच्छेद 266: भारत का संयुक्त कोश

अनुच्छेद 267: भारत का आकस्मिक कोश

भाग 13

अंतरराज्यीय व्यापार एवं वाणिज्य (अनुच्छेद 301–307)

- **अनुच्छेद 301:** व्यापार, वाणिज्य एवं पारस्परिक मेलजोल की स्वतंत्रता।
- **अनुच्छेद 302:** संसद के पास यह शक्ति कि वह व्यापार, वाणिज्य एवं पारस्परिक मेलजोल पर प्रतिबंध लगाए।
- **अनुच्छेद 303:** व्यापार एवं वाणिज्य के संदर्भ में राज्य एवं संघ की विधायी शक्तियों पर प्रतिबंध।
- **अनुच्छेद 304:** राज्यों के बीच व्यापार, वाणिज्य एवं पारस्परिक मेल-जोल पर प्रतिबंध लगाना।
- **अनुच्छेद 305:** विद्यमान विधियों और राज्य के एकाधिकार का उपबंध करने वाली विधियों की व्यावृत्ति।
- **अनुच्छेद 306:** पहली अनुसूची के भाग ख के कुछ राज्यों की व्यापार और वाणिज्य पर निर्बंधनों के अधिरोपण की शक्ति।
- **अनुच्छेद 307:** अनुच्छेद 301 से अनुच्छेद 304 के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए प्राधिकारी की नियुक्ति।

भाग 14

संघ एवं राज्य के अधीन सेवाएँ (अनुच्छेद 308–323)

अनुच्छेद 312: अखिल भारतीय सेवाएँ

अनुच्छेद 315: संघ एवं राज्यों के लिए लोक सेवा आयोग की स्थापना।

संघ लोक सेवा आयोग

- सन् 1926 में प्रथम लोक सेवा आयोग की स्थापना की गई। लोक सेवा आयोग की स्थापना हेतु 1924 ई० में विधि आयोग ने सिफारिश की थी।
- सन् 1935 में संघीय लोक सेवा आयोग एवं प्रांतीय लोक सेवा आयोग की स्थापना के लिए गवर्नमेंट ऑफ इंडिया एक्ट बनाया गया।
- संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- आयोग के आधे सदस्य वे लोकसेवक हैं जिनके पास कम से कम 10 वर्ष का केन्द्रीय या प्रांतीय सेवा का अनुभव है।
- प्रत्येक सदस्य का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की उम्र, जो पहले हो, है।
- संघ लोक सेवा आयोग के सदस्य राष्ट्रपति के द्वारा दुर्व्यवहार का आरोप लगाने की स्थिति में हटाए जा सकते हैं।
- राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष एवं सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष की उम्र तक होता है। उच्चतम न्यायालय के प्रतिवेदन पर तथा अनुच्छेद- 317 के अंतर्गत राष्ट्रपति द्वारा इन्हें बीच में भी पदमुक्त किया जा सकता है।
- संघ लोक सेवा आयोग के वर्तमान अध्यक्ष श्री दीपक गुप्ता हैं।
- संघ लोक सेवा आयोग कार्मिकों की नियुक्ति के लिए परीक्षाएँ आयोजित करता है।
- स्थानांतरण एवं पदोन्नति में योगदान देता है।

चुनाव आयोग

अनुच्छेद (324–329)

संविधान के **अनुच्छेद 324** के अंतर्गत निर्वाचन के अधीक्षण, निर्देशन एवं नियंत्रण की शक्तियाँ चुनाव आयोग में सन्निहित रहती हैं।

अनुच्छेद 325: प्रत्येक संसदीय क्षेत्र के लिए एकल मतदान प्रणाली उपलब्ध कराता है। किसी भी व्यक्ति के साथ नस्ल, धर्म, जाति या लिंग के आधार पर कोई भेदभाव नहीं किया जाएगा।

अनुच्छेद 326: लोकसभा तथा विधान सभाओं में निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होंगे।

- चुनाव (निर्वाचन) आयोग का गठन राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा तथा विधानसभा हेतु स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया की व्यवस्था हेतु किया गया है।
- मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है।
- मुख्य चुनाव आयुक्त का कार्यकाल 6 वर्ष या 65 वर्ष की आयु, जो भी पहले हो, तक रहता है। अन्य चुनाव आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष या 62 वर्ष, जो भी पहले हो, तक रहता है।
- चुनाव आयोग अक्टूबर 1993 से तीन सदस्यीय बना दिया गया है। पहले यह एक सदस्यीय आयोग था।

निर्वाचन आयोग के प्रमुख कार्य :

- चुनाव क्षेत्रों का सीमांकन करना, जो प्रत्येक 10 वर्ष के बाद होने वाली जनगणना से संभव होता है।
- राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय राजनीतिक दलों को मान्यता प्रदान करना एवं विशेष चुनाव चिह्न प्रदान करना।
- मतदाता सूची को तैयार करवाना।
- चुनाव कराने की व्यवस्था करना एवं उसे रद्द करने की घोषणा भी करना।
- राजनीतिक दलों के लिए आचारसंहिता तैयार करना।

राष्ट्रीय दल का दर्जा प्राप्त करने की आवश्यक शर्तें

- लोक सभा चुनाव अथवा विधान सभा चुनाव में किन्हीं चार अथवा अधिक राज्यों में कुल डाले गये वैध मतों का 6 प्रतिशत प्राप्त करना जरूरी है।
- किसी एक राज्य अथवा राज्यों से विधान सभा की कम से कम 4 सीटें जीतनी होंगी।
- लोक सभा में 2 प्रतिशत सीटें प्राप्त की हों और ये सीटें कम से कम तीन विभिन्न राज्यों में हासिल की गई हों।

राजनीतिक दल

- जन प्रतिनिधित्व एक्ट, 1951 के अनुसार राजनीतिक दल भारत के निर्वाचन आयोग से पंजीकृत होते हैं।
- सन् 1985 में दल-बदल विरोधी कानून लागू हुआ। यह लोगों द्वारा चुने गए सांसदों एवं विधायकों को एक दल बनाने या एक नए दल को स्वीकार करने से रोकता है, जब तक कि विधायिका में उनकी संख्या मूल दल के 2/3 भाग से ज्यादा न हो जाए।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

राष्ट्रीय दल

क्र.सं.	नाम	संकेत	निर्माण वर्ष	वर्तमान नेता	वर्तमान लोक सभा में सीटें
(1)	भारतीय जनता पार्टी	कमल	1980	अमित शाह	282/543
(2)	भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस	हाथ	1885	सोनिया गांधी	44/543
(3)	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी)	हथौड़ा, हँसिया और तारा	1964	सीताराम येचुरी	9/534
(4)	भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी	मक्के की बालियाँ एवं हँसिया	1925	एस. सुधाकर रेड्डी	1/543
(5)	बहुजन समाज पार्टी	हाथी (सारे राज्यों एवं संघशासित क्षेत्रों में असम और सिक्किम को छोड़कर, जहाँ प्रत्याशी अन्य संकेत चुनेंगे)	1984	मायावती	0/543
(6)	राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी	घड़ी	1999	शरद पवार	–

लोकपाल

भारतवर्ष में स्वीडिश शब्द इंस्टीट्यूसन ऑफ ऑम्बड्समैन को लोकपाल का नाम प्रदान किया गया है। इसे एक भ्रष्टाचार विरोधी इकाई माना जाता है। लोकपाल की उत्पत्ति की अवधारणा का उदय 1968 में हुआ। 1 जून 2013 को बिल को राज्य सभा की सहमति प्रदान हुई। संसद के द्वारा पारित यह बिल केन्द्र में लोकपाल की नियुक्ति का प्रावधान रखता है। इसमें 1 अध्यक्ष एवं 8 सदस्य सम्मिलित होंगे। इन सदस्यों में से आधे सदस्यों के पास उच्च न्यायपालिकीय अनुभव होंगे एवं दूसरे आधे सदस्य लोक प्रशासन, वित्त, बीमा, बैंकिंग, भ्रष्टाचार विरोधी एवं सतर्कता से संबद्ध होंगे। लोकपाल के आधे सदस्य अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक एवं महिलाएँ होंगी।

लोकपाल के अध्यक्ष एवं सदस्य एक नियुक्ति समिति के द्वारा नियुक्त किए जाएँगे। इसमें प्रधानमंत्री, लोक सभा अध्यक्ष, लोकसभा में विपक्ष का नेता, भारत के मुख्य-न्यायाधीश एवं एक विद्वान विधिवेत्ता सम्मिलित होता है। यह जाँच के पूर्ण होने में 60 दिन की अवधि सुनिश्चित करता है। केन्द्रीय जाँच ब्यूरो के द्वारा जाँच पूर्ण होने के लिए 6 माह का समय रखा गया है।

लोकायुक्त

लोकायुक्त की भ्रष्टाचार विरोधी संस्था की स्थापना राज्य स्तर पर की गई है। वह राज्य के राज्यपाल के द्वारा नियुक्त किया जाता है। अधिकांश राज्यों में लोकायुक्त हेतु आयु सीमा 5 वर्ष या 65 वर्ष की उम्र जो पहले हो, रखी गई है।

महत्त्वपूर्ण संवैधानिक शब्दावली

- **ध्यानाकर्षण :** राज्यसभा में ध्यानाकर्षण प्रक्रिया का अस्तित्व नहीं रहता है। इसके स्थान पर प्रस्ताव पत्र का प्रयोग किया जाता है।
  फ्लोर क्रॉसिंग : फ्लोर क्रॉसिंग से आशय किसी संसद सदस्य के जिस पार्टी से वह चुना गया है, से दूसरी पार्टी में दल बदल करने से है। दल-बदल की प्रवृत्ति का आशय पार्टी का

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

अपने सदस्यों पर कम होते प्रभाव से है। इस प्रक्रिया से सरकार में अस्थिरता पैदा होती है तथा जनादेश का अपमान होता है।

- **निलंबित संसद** : जब एक आम चुनाव में कोई राजनीतिक दल या राजनीतिक दलों का गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं होता है, तब इस प्रकार की संसद निलंबित संसद कहलाती है।
- **अंतरिम सरकार** : यह सरकार देश के इतिहास के संक्रमणकालीन दौर में निर्मित होती है। यह एक पूर्ण सरकार होती है एवं यह नीति के संदर्भ में कोई भी निर्णय ले सकती है। भारत में 15 अगस्त को इन्डिपेन्डैन्स ऑफ इंडिया एक्ट के द्वारा अंतरिम सरकार सत्ता में आई थी एवं इसका अंत मार्च, 1952 में हुआ था।
- **अल्पसंख्यक सरकार** : यह सरकार का एक ऐसा रूप है जो लोकसभा में खुद पर विश्वास साबित नहीं कर पाती है। यह सरकार बाहर से दूसरे राजनीतिक दलों के समर्थन पर निर्भर करती है। उदाहरण के लिए सन् 1990-1991 में चंद्रशेखर सरकार, 1996-1997 के दौरान देवगौड़ा और आई० के० गुजराल की सरकार बाहर से कांग्रेस के समर्थन पर निर्भर रही।
- **अध्यादेश:** अध्यादेश एक ऐसा कानून है जिसे राज्य का मुखिया जरूरत होने पर लागू करता है, जब विधायिका कानून बनाने की स्थिति में नहीं होती है क्योंकि यह या तो सत्र में नहीं होती है या विघटित होती है। अध्यादेश वही कार्य करता है जोकि विधायिका द्वारा बनाया गया कानून करता है। यह एक अस्थायी प्रावधान होता है। यह आवश्यक होता है कि विधायिका द्वारा इसे दी गई समयावधि में पारित किया जाय, अन्यथा इसका संचालन रुक जाता है।
- **प्रश्न काल** : संसद की बैठकों के दौरान प्रतिदिन प्रथम एक घंटा (सामान्यतया 11:00 a.m - 12:00 a.m) सदस्यों के लिए आवंटित होता है। इस समयावधि में वे प्रश्न पूछते हैं, जिनका उत्तर मंत्री देते हैं। इस समयावधि को प्रश्नकाल कहते हैं। संसद में इसके सदस्यों द्वारा प्रश्न पूछे जाने के लिए 10 दिन पहले पूर्व सूचना देनी आवश्यक होती है।
- **कोरम** : कोरम किसी संगठन के न्यूनतम उपस्थित सदस्यों की संख्या को कहते हैं जोकि इसकी बैठक के लिए आवश्यक होते हैं। इनसे इसकी कार्यप्रणाली चलती है। उदाहरण के लिए संसद की बैठक आहूत करने के लिए सदस्यों की उपस्थिति (कोरम) जरूरी होती है। कोरम की अनुपस्थिति में बैठक बर्खास्त हो जाती है एवं कोई कार्य नहीं होता है।
- **व्हिप** : यह किसी राजनीतिक दल द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश होता है। यह विधायिका में किसी दल विशेष के सदस्यों के व्यवहार को नियंत्रित करने एवं दिशा-निर्देश देने के लिए जारी किया जाता है। यदि पार्टी का कोई सदस्य व्हिप का उल्लंघन करता है तो गलती करने वाले सदस्य के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाती है।
- **शून्य काल** : यह वह समयावधि है जो प्रश्न काल के बाद शुरू होती है। यह तब अस्तित्व में आता है जब सदस्य लोक महत्व के किसी मामले को छोटी सूचना या बिना किसी सूचना के उठाते हैं। इस प्रक्रिया को संसद के नियम एवं प्रक्रियाओं के अंदर नहीं रखा जाता है। यह सन् 1970 से औपचारिक हो गया है।
- **स्थगन प्रस्ताव** : यदि आकस्मिक रूप से राष्ट्रीय स्तर पर कोई महत्त्वपूर्ण घटना या दुर्घटना घट जाए तो सदन के सदस्य यह प्रस्ताव रख सकते हैं कि उस समय विचाराधीन मामले को कुछ समय के लिए रोक कर उस घटना पर विचार कर लिया जाए, इसे स्थगन प्रस्ताव कहते हैं। इस प्रकार का प्रस्ताव न्यूनतम 50 सदस्यों की स्वीकृति पर ही रखा जा सकता है। उठाया जाने वाला मसला इतना गम्भीर होना चाहिए कि सदन के लिए अपने सामान्य कार्य को रोककर उस पर तुरन्त विचार करना आवश्यक व उचित हो। अध्यक्ष को इस सम्बन्ध में पूरा अधिकार है कि वह उस मामले पर वाद-विवाद की अनुमति दे या न दे। स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से संसद सदस्यों को यह मौका मिलता है कि मंत्रियों के कार्यों एवं भूलों को प्रकाश में ला सकें।
- **मिली-जुली सरकार** : जब किसी प्रजातन्त्र में दो या दो से अधिक राजनीतिक दल मिलकर

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

सरकार बनाते हैं, तो ऐसी सरकार मिली-जुली सरकार कहलाती हैं, जैसाकि भारत में जनता पार्टी व अकाली दल की मिली-जुली सरकार बनी थी।

- **अविश्वास प्रस्ताव** : किसी सरकार के विरुद्ध विरोधी दल द्वारा रखा गया प्रस्ताव, जिसमें सरकार की भर्त्सना की गई हो, अविश्वास प्रस्ताव कहलाता है। अध्यक्ष इसका निर्णय वाद-विवाद के उपरांत मतदान कराकर करता है।
- **फिलिबस्टर** : मतदान के लिए प्रस्तुत किसी मुद्दे को विलम्बित करने के लिए आवश्यकता से अधिक समय तक भाषण करना, जो लगभग अप्रासंगिक होता है, को फिलिबस्टर कहते हैं, अमरीकी राजनीतिक व्यवस्था में सीनेट में इसका बहुलता से प्रयोग होता है।
- **गेरीमैन्ड्रिंग** : अमरीकी राजनीतिक व्यवस्था के विशेष संदर्भ में प्रयुक्त होने वाला एक शब्द जिसका आशय निर्वाचन क्षेत्रों (Electoral Regions) के इस प्रकार पुनर्गठन से है जिससे किसी दल विशेष के अधिकतम समर्थक एक ही निर्वाचन क्षेत्र की परिधि में आ जाएँ और उस दल के प्रत्याशी के विजय की सम्भावनाएं बढ़ जाए।
- **गुलोटीन** : यह फाँसी पर चढ़ने वालों के सिर काटने का एक उपकरण था, जिसका उपयोग 18वीं तथा 19वीं शताब्दी में फ्रांस में होता था । अब यह बंद कर दिया गया है, इसका आविष्कार फ्रांसीसी क्रान्तिकाल में शीघ्रता से वध करने की दृष्टि से गुलोटीन नामक व्यक्ति ने किया था। सर्वप्रथम उपकरण के निर्माता को ही उस पर फाँसी दी गई थी, इसलिए उसका नाम गुलोटीन पड़ा । किसी विषय पर निर्धारित समय समाप्ति पर वाद-विवाद को एक साथ समाप्त कर दिया जाता है, इसे भी गुलोटीन कहते हैं।
- **लेम-डक सेशन** : यह व्यवस्थापिका का वह सत्र (Session) है जब नई व्यवस्थापिका का चुनाव हो गया हो, परन्तु पुरानी व्यवस्थापिका अपनी अन्तिम बैठक कर रही हो । यथार्थ में 'लेम-डक', व्यवस्थापिका के उन सदस्यों को कहते हैं जो नई व्यवस्थापिका में पुनर्निर्वाचित न हो सके हों।

नीति (NITI) आयोग : नेशनल इंस्टीट्यूसन ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (NITI) आयोग भारत सरकार का एक नीतिविचारक केंद्र है, जो योजना आयोग का स्थान ग्रहण करता है। यह राज्यों को भारत के आर्थिक नीति निर्धारण का उद्देश्य प्रदान करता है।

- यह केन्द्र एवं राज्य सरकार को कूटनीतिक एवं तकनीकी सलाह प्रदान करता है। प्रधानमंत्री अध्यक्ष के रूप में इसके प्रमुख होते हैं।
- नेशनल इंस्टीट्यूसन ऑफ ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (NITI) आयोग के अंतर्गत प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के तीन उपसमूहों का निर्माण किया है।
- **प्रथम उपसमूह** : यह 66 केन्द्र प्रायोजित योजनाओं का अध्ययन करेगा एवं बताएगा कि कौन-सी योजना जारी रहेगी, कौन-सी योजना स्थानान्तरित हो जाएगी एवं कौन-सी योजना जारी नहीं रहेगी।
- **द्वितीय उपसमूह** : यह राज्य के अंतर्गत कौशल विकास एवं कार्यकुशल मानवशक्ति की उत्पत्ति करता है।
- **तृतीय उपसमूह** : यह 'स्वच्छ भारत अभियान' हेतु संस्थानिक प्रक्रिया का निर्धारण करता है।

राष्ट्रीय विकास परिषद (NDC)

- राष्ट्रीय विकास परिषद (NDC) का निर्माण सन् 1952 में किया गया था। यह योजनाओं के निरूपण में राज्यों को संयुक्त करता है।
- संघीय कैबिनेट के सभी सदस्य, राज्यों के मुख्यमंत्री, संघशासित क्षेत्रों के प्रशासक एवं नीति (NITI) आयोग के सभी सदस्य राष्ट्रीय विकास परिषद के सदस्य होते हैं।

राष्ट्रीय विकास परिषद के निम्नलिखित कार्य हैं:

- राष्ट्रीय योजना की कार्यप्रणाली का पुनरावलोकन करना।
- राष्ट्रीय योजना के उद्देश्यों की पूर्ति हेतु साधनों की संस्तुति करना।
- यह अतिरिक्त सांविधानिक एवं अतिरिक्त विधिक संकाय है।
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय विकास परिषद का पदेन अध्यक्ष होता है।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

वित्त आयोग

- वित्त आयोग की स्थापना भारतीय संविधान के अनुच्छेद 280 के अंतर्गत की गई है।
- यह एक अर्ध न्यायिक निकाय है।
- इसमें एक अध्यक्ष एवं चार दूसरे सदस्य होते हैं।
- प्रत्येक पाँच वर्ष के पूर्ण होने के पश्चात राष्ट्रपति एक वित्त आयोग का गठन करेगा।
- आयोग का यह कर्तव्य होगा कि वह निम्न मामलों में राष्ट्रपति की संस्तुति उपलब्ध कराए-
  - संघ एवं राज्यों के बीच करों का विभाजन, जिनको कि उनके मध्य बाँटा जाना है।
  - इन सिद्धांतों के तहत कि भारत के संचित कोश से राज्यों को दिए जाने वाले राजस्व अनुदान को नियंत्रित करना चाहिए।
- भारत के 14वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ॰ वाई॰ वी॰ रेड्डी हैं।

आधिकारिक भाषा

अनुच्छेद 343–351

- संघ की आधिकारिक भाषा देवनागरी लिपियुक्त हिंदी होगी। लेकिन संघ के आधिकारिक मामलों में भारतीय अंकों का अंतर्राष्ट्रीय रूप प्रयोग किया जाएगा {अनुच्छेद 343(1)}
- यह राज्य तथा राज्य एवं संघ तथा राज्य के मध्य आधिकारिक भाषा के प्रयोग के बारे में उपबंध प्रस्तुत करता है। (अनुच्छेद 346)
- संविधान का अनुच्छेद 345 यह बताता है कि राज्य की विधायिका राज्य में प्रयोग के लिए किसी एक भाषा या ज्यादा भाषाओं को स्वीकार कर सकती है।
- अनुच्छेद 344 यह बताता है कि आधिकारिक भाषा के चुनाव के लिए एक आयोग का गठन किया जा सकता है।

संविधान का संशोधन (अनुच्छेद 368)

संविधान का संशोधन करने के लिए तीन प्रकार के बिलों का अनुसरण किया जाता है।

(1) वे बिल जो संसद द्वारा सामान्य बहुमत से पारित किए जाते हैं।

(2) वे बिल जो संसद द्वारा विशेष बहुमत से पारित किए जाते हैं।

(3) वे बिल जिनको विशेष बहुमत से पारित कराना होता है एवं जिनको राज्य विधायिका के द्वारा आधे या आधे से ज्यादा बहुमत से प्रमाणित करना होता है।

महत्त्वपूर्ण संशोधन :

भारतीय संविधान का प्रथम संशोधन एक्ट 1951 में बना। इसके अनुसार अनुच्छेद 15, 19, 85, 87, 174, 176, 341, 342 एवं 376 का संशोधन किया गया। अनुच्छेद 31 A एवं 31 B सम्मिलित किए गए एवं नवीं अनुसूची को जोड़ा गया।

- **संविधान (24 वाँ संशोधन) एक्ट, 1971 :** इसमें संसद को संविधान के किसी भाग को संशोधित करने की शक्ति को सुनिश्चित किया गया है। इस संशोधन के बाद राष्ट्रपति संविधान संशोधन बिल स्वीकृत करने के लिए बाध्य होता है। इस संशोधन के द्वारा शिक्षा को समवर्ती सूची में स्थानान्तरित किया गया।
- **संविधान (31 वाँ संशोधन) एक्ट, 1973 :** इस एक्ट के अनुसार लोक सभा की निर्वाचक शक्ति 525 से बढ़कर 545 हो गई। इस एक्ट के अनुसार राज्य के प्रतिनिधियों की उच्च सीमा 500 से बढ़कर 525 हो गई। संघशासित क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की संख्या 25 से घटकर 20 हो गई।
- **संविधान (36 वाँ संशोधन) एक्ट, 1975 :** इस एक्ट के अनुसार सिक्किम भारतीय संघ का 22 वाँ राज्य बन गया।
- **संविधान (37 वाँ संशोधन) एक्ट, 1975 :** इसे संसद द्वारा 26 अप्रैल, सन् 1975 को पारित किया गया। इसका उद्देश्य अरुणाचल प्रदेश के लिए एक विधान सभा एवं मंत्रिपरिषद उपलब्ध कराना था। अरुणाचल प्रदेश तब संघशासित क्षेत्र था।
- **संविधान (39 वाँ संशोधन) एक्ट, 1975 :** लोक सभा के द्वारा बिल पारित किया गया एवं इसे राष्ट्रपति की सम्मति 09 अगस्त, सन् 1975 को मिली। इस एक्ट के अनुसार राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव को न्यायालय में चुनौती नहीं दी जा सकती।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- **संविधान (42 वाँ संशोधन) एक्ट, 1976** : यह आंतरिक आपातकाल के दौरान अस्तित्व में आया। इसे संसद द्वारा 11 नवंबर, सन् 1976 को पारित किया गया एवं इसे 18 दिसंबर, सन् 1976 को राष्ट्रपति की सम्मति मिली।
- इस संशोधन ने भारतीय संसद की सरकार के अन्य भागों पर सर्वोच्चता स्थापित की। मूलभूत अधिकारों से निदेशक सिद्धांतों को वरीयता दी गई। इसने प्रथम बार 10 मूल कर्तव्यों की प्रतिस्थापना की।
- **संविधान (43 वाँ संशोधन) एक्ट, 1978** : इस अधिनियम द्वारा 42 वें संशोधन से स्थापित अनुच्छेद 31 (घ) का लोप किया गया। इस अधिनियम पर आधे से अधिक राज्य विधानमंडलों का अनुमोदन प्राप्त किया गया। इस अधिनियम द्वारा अनुच्छेद 31 (घ) को भी, जिसके द्वारा राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के कतिपय कानून बनाने के लिए संसद को विशेष शक्तियाँ दी गई थीं, हटा दिया गया।
- **संविधान (44 वाँ संशोधन) एक्ट, 1978** : राष्ट्रीय आपात के दौरान अनुच्छेद 20 और अनुच्छेद 21 के द्वारा प्रदान किए जा रहे मूलभूत अधिकारों का निलंबन नहीं किया जा सकता।
- सम्पत्ति के अधिकार को मूल अधिकार की सूची से हटाया गया। अब यह संविधान के अंतर्गत केवल एक कानूनी अधिकार है।
- **संविधान (45 वाँ संशोधन) एक्ट, 1980** : यह एक्ट संसद एवं राज्य विधानसभा में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों की उपलब्धता निर्धारित करता है। यह एक्ट यह भी बताता है कि एंग्लो-इंडियन प्रतिनिधियों का चुनाव 10 वर्षों के लिए किया जाएगा।
- **संविधान (55 वाँ संशोधन) एक्ट, 1987** : यह अरुणाचल प्रदेश को राज्य का दरजा प्रदान करता है। वह भारत संघ का 24 वाँ राज्य बना।
- **संविधान (56 वाँ संशोधन) एक्ट, 1987** : यह गोआ को राज्य का दरजा प्रदान करता है एवं एक नए संघशासित क्षेत्र दमन और दीव की रचना करता है। इस प्रकार गोवा भारत संघ का 25 वाँ राज्य बना।
- **संविधान (61 वाँ संशोधन) एक्ट, 1989** : इस एक्ट ने मतदान की उम्र को 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दिया।
- **संविधान (62 वाँ संशोधन) एक्ट, 1989** : यह संसद एवं राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षण को 10 वर्ष तक आगे बढ़ाने के साथ ही साथ एंग्लो-इंडियन के लिए नामांकन द्वारा आरक्षण प्रदान करता है।
- **संविधान (63 वाँ संशोधन) एक्ट, 1989** : इसने संविधान के 59 वें संशोधन को खत्म किया। इसके तहत सरकार को पंजाब में आपात काल लगाने की शक्ति प्रदान की गई थी।
- **संविधान (64 वाँ संशोधन) एक्ट, 1990** : इसने पंजाब में राष्ट्रपति शासन को 6 महीने के लिए बढ़ाया।
- **संविधान (66 वाँ संशोधन) एक्ट, 1990** : संविधान की नवीं अनुसूची के अंतर्गत भूमि सुधार करना।
- **संविधान (69 वाँ संशोधन) एक्ट, 1991** : दिल्ली को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र बनाया गया। इस एक्ट ने दिल्ली के लिए विधानसभा एवं एक मंत्रिपरिषद का प्रावधान रखा।
- **संविधान (72 वाँ संशोधन) एक्ट, 1992** : इसने त्रिपुरा की राज्य विधानसभा में अनुसूचित जनजाति के लिए सीटों की संख्या के निर्धारण का अस्थायी प्रावधान रखा। जब तक कि सीटों का पुनर्संयोजन सन् 2000 के बाद होने वाली जनगणना के आधार पर अनुच्छेद 170 के अंतर्गत न हो।
- **संविधान (73 वाँ संशोधन) एक्ट, 1992** : इसको यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया था कि पंचायत की सभी सीटों पर प्रत्यक्ष चुनाव हो, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की सीटों को उनकी जनसंख्या के अनुसार आरक्षित किया जाय, पंचायतों में महिलाओं के लिए एक तिहाई से ज्यादा स्थान आरक्षित रखे जाएँ।
- **संविधान (74 वाँ संशोधन) एक्ट, 1992** : इसे यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया कि नगरपालिका एवं नगर निगम की सभी सीटों पर प्रत्यक्ष मतदान हो।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- **संविधान (78 वाँ संशोधन) एक्ट 1995:** यह भूमि सुधार बिल को संविधान की नवीं अनुसूची में शामिल करता है ताकि उनको किसी न्यायालय में चुनौती न दी जा सके।
- **संविधान (79 वाँ संशोधन) एक्ट 1999 :** यह लोक सभा एवं राज्य सभा में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजातियों एवं एंग्लो-इंडियन हेतु सीटों के आरक्षण को अगले 10 वर्ष के लिए बढ़ाता है।
- **संविधान (82 वाँ संशोधन) एक्ट, 2000 :** इस अधिनियम के द्वारा पदों पर पदोन्नति देने के लिए अनुसूचित जातियों एवं जनजातियों के सदस्यों के पक्ष में किसी परीक्षण के अर्हता अंकों में अथवा मूल्यांकन स्तरों में नरमी बरतने की व्यवस्था की गई।
- **संविधान (83 वाँ संशोधन) एक्ट, 2000 :** इस एक्ट ने अनुच्छेद 243 M को संशोधित करने के साथ कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में, जहाँ की संपूर्ण जनसंख्या जनजातीय है, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति को पंचायत में कोई आरक्षण प्रदान नहीं किया जाएगा।

संविधान की अनुसूचियाँ

- **प्रथम अनुसूची :** राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की सूची
- **द्वितीय अनुसूची :** राष्ट्रपति, राज्यपाल, मुख्य न्यायाधीश, उच्च न्यायालय एवं सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का वेतन।
- **तृतीय अनुसूची :** विभिन्न पदाधिकारियों द्वारा पद ग्रहण के समय ली जाने वाली शपथ एवं स्वीकृतियाँ।
- **चतुर्थ अनुसूची :** भारत के प्रत्येक राज्य हेतु राज्य सभा में सीटों का आवंटन।
- **पाँचवीं अनुसूची :** अनुसूचित क्षेत्रों एवं जनजातियों का प्रशासन एवं नियंत्रण।
- **छठी अनुसूची :** असम, मेघालय, त्रिपुरा, मिजोरम एवं अरुणाचल प्रदेश के जनजातीय क्षेत्रों हेतु प्रशासन का प्रावधान।
- **सातवीं अनुसूची :** संघ एवं राज्य के बीच शक्तियों एवं कार्यप्रणालियों का निर्धारण। इसमें 3 सूचियाँ सम्मिलित हैं (1) संघ की सूची (केन्द्र सरकार के लिए) 97 विषय (2) राज्य की सूची (राज्य सरकार की (शक्तियाँ) 66 विषय (3) समवर्ती सूची (संघ एवं राज्य दोनों) 47 विषय।
- **आठवीं अनुसूची :** संविधान द्वारा मान्यताप्राप्त भारत की 22 भाषाओं की सूची

(1) असमी	(2) बंगाली
(3) गुजराती	(4) हिंदी
(5) कन्नड़	(6) कश्मीरी
(7) मणिपुरी	(8) मलयालम
(9) कोंकणी	(10) मराठी
(11) नेपाली	(12) उड़िया
(13) पंजाबी	(14) संस्कृत
(15) सिंधी	(16) तमिल
(17) तेलुगू	(18) उर्दू
(19) संथाली	(20) बोडो
(21) मैथिली	(22) डोगरी

- 21 वें संविधान संशोधन विधेयक के द्वारा सन् 1967 में सिंधी को सम्मिलित किया गया।
- 71 वें संविधान संशोधन अधिनियम द्वारा सन् 1992 में कोंकणी, मणिपुरी एवं नेपाली को सम्मिलित किया गया। 92 वें संविधान संशोधन के द्वारा संथाली, मैथिली, बोडो और डोगरी को सन् 2003 में सम्मिलित किया गया।

नवीं अनुसूची : सन् 1951 में प्रथम संशोधन के द्वारा इसे सम्मिलित किया गया। इसमें भूमि पट्टा, भूमि कर, रेलवे, उद्योग सम्मिलित हैं (अब संपत्ति का अधिकार मूल अधिकार नहीं है।)

दसवीं अनुसूची : इसे सन् 1985 में 52 वें संविधान संशोधन के द्वारा जोड़ा गया। दल-बदल के आधार पर अयोग्य घोषित करने का प्रावधान।

ग्यारहवीं अनुसूची : संविधान में 73 वें संशोधन, 1992 के द्वारा। इसमें पंचायती राज के प्रावधान भी सम्मिलित हैं।

बारहवीं अनुसूची : सन् 1993 में 74 वें संशोधन के द्वारा। इसमें नगर निगम के प्रावधान सम्मिलित हैं।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

ई-गवर्नेन्स

- ई-गवर्नेन्स का अर्थ है टेक्नोलॉजी के द्वारा संपन्न कार्य। द्वितीय प्रशासनिक सुधार आयोग ई-गवर्नेन्स को प्रोत्साहित करती है।
- 15 अगस्त, 2000 को सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय में ई- गवर्नेंस केंद्र की स्थापना की ताकि सरकारी कार्यों में तीव्रता, पारदर्शिता, उत्तरदायित्व एवं संवेदन-शीलता लायी जा सके।
- इसका नेटवर्क राष्ट्रव्यापी है, जो केन्द्रीय विभागों को राज्य तथा जिला स्तरीय कार्यालय को जोड़ता है।

इसकी प्रणाली इन्सेट उपग्रह पर आधारित है।

उपयोग

- भूमि रिकॉर्डों का कंप्यूटरीकरण किया जा रहा, जिसमें आंध्र प्रदेश, राजस्थान और बिहार आदि राज्य के भूमि रिकॉर्ड का कार्य जारी है।
- आनलाइन फार्म भरने, परीक्षा देने और परिणाम प्राप्त करने में उपयोगिता।
- कर संग्रहण, कर संबंधी रिटर्न दाखिल करने में सहूलियत।
- राशन कार्ड बनाने, नगर सुविधाओं में बढ़ोतरी, स्वास्थ्य सेवा आदि व्यवस्था में उपयोगिता।
- देश में समस्त पुलिस थानों को इंटरनेट के माध्यम से जोड़ने से पुलिस प्रशासन में सुधार।

ई-गवर्नेन्स के पाँच मॉडल : राष्ट्रीय ई-गवर्नेन्स योजना भारत सरकार की एक ऐसी योजना है जो संपूर्ण सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के द्वारा सभी लोगों को उपलब्ध कराती है।

कुछ प्रचलित धाराएँ

धारा 120 : अपराध करने के लिए किसी वस्तु के डिजाइन को छिपाना। इसको अपराध माना गया है एवं इसके लिए कारावास का प्रावधान भी रखा गया है।

धारा 120A एवं B : आपराधिक षड्यंत्र की परिभाषा एवं आपराधिक षड्यंत्र हेतु दंड।

धारा 146 एवं 147 : दंगा एवं दंगे के लिए दंड।

धारा 169 : लोक सेवकों के द्वारा गैरकानूनी रूप से संपत्ति को खरीदा जाना एवं बोली लगाना।

धारा 171(b) : घूस।

धारा 279 : तीव्र गति से वाहन चलाना एवं लोक पथ पर वाहन चलाना।

धारा 295 : किसी वर्ग के धर्म को अपमानित करने के लिए उनके पूजा-स्थल को नुकसान पहुँचाना या विरूपित करना।

धारा 298 : किसी व्यक्ति की धार्मिक भावनाओं को चोट पहुँचाने के लिए अलग-अलग प्रकार से शब्दों का प्रयोग करना।

धारा 300 : हत्या।

धारा 304B : दहेज हत्या।

धारा 307 : हत्या का प्रयास।

धारा 317 : अभिभावक या देखभाल करने वाले व्यक्ति के द्वारा बारह वर्ष से कम उम्र के बालक को त्याग देना।

धारा 369 : 10 वर्ष से कम उम्र के बालक को चुराने के उद्देश्य से अगवा करना।

धारा 372 : वेश्यावृत्ति कराने के उद्देश्य से किसी अल्पवयस्क को बेचना।

धारा 373 : वेश्यावृत्ति कराने के उद्देश्य से किसी अल्पवयस्क को खरीदना।

धारा 378 : चोरी।

धारा 375 : बलात्कार।

धारा 376 : बलात्कार हेतु दंड।

धारा 383 : रंगदारी वसूल करना।

धारा 390 : लूट।

धारा 397 : किसी व्यक्ति को मारने या गंभीर रूप से घायल करने के प्रयास के साथ लूट या डकैती डालना।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारत और इसके पड़ोसी

भारत और म्यांमार

- म्यांमार भारत और दक्षिण पूर्व एशिया के बीच ज़मीनी पुल का कार्य करता है।
- म्यांमार भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है क्योंकि यह अपने स्वयं के आर्थिक क्षेत्रों का दायरा सृजित कर दक्षिण पूर्व एशिया में चीन की मौजूदगी को रोकता दिखाई देता है।
- भारत म्यांमार के सबसे बड़े निर्यात बाजारों में से एक है और दोनों देशों में निवेश को बढ़ावा देने, मुक्त व्यापार तथा दोहरे कराधान से बचाव के लिए कई द्विपक्षीय संधियाँ हुई हैं।
- दो मुद्दों ने नई दिल्ली–नयपियदा व्यापार संबंधों में वृद्धि में अहम भूमिका निभाई है –
  (i) भारत, म्यांमार और थाइलैंड को जोड़ने के लिए त्रिपक्षीय राजमार्ग परियोजना।
  (ii) भारत द्वारा म्यांमार के रेखिन राज्य में कलादन मल्टीमॉडल ट्रांजिट ट्रांसपोर्ट की शुरुआत की गई है।
- दोनों देशों ने सीमा सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत और पाकिस्तान

कई महत्त्वपूर्ण मुद्दों पर असहमति की वज़ह से संबंधों में तनाव आया है।

शांति और सहयोग के आधार पर पाकिस्तान के साथ रिश्तों को मजबूत बनाने की भारत की दीर्घकालिन नीति के मद्देनजर, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री श्री नवाज़ शरीफ को अन्य सार्क नेताओं के साथ 26 मई, 2014 को नई भारत सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था।

नए 10 – बिन्दु व्यापक द्विपक्षीय संवाद (सीडीबी) में निम्नलिखित तत्व शामिल हैं –

- शांति और सुरक्षा सीबीएम
- जम्मू एवं कश्मीर
- सियाचिन
- सर क्रीक सीमा विवाद
- वूलर बैराज/तुलबुल नेविगेशन परियोजना
- आर्थिक तथा वाणिज्यिक सहयोग
- आतंकवाद को रोकना, नशीली दवाओं पर नियंत्रण, लोगों के बीच परस्पर आदान–प्रदान
- मानवीय मुद्दे
- धार्मिक पर्यटन
- पाकिस्तान ने भारत को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता प्रदान किए जाने का विरोध किया था।

भारत और श्रीलंका

- श्रीलंका दक्षिण एशिया में भारत का सबसे बड़ा कारोबारी साझीदार है। इसके साथ ही, भारत श्रीलंका का सबसे बड़ा वैश्विक कारोबारी साझीदार है।
- चार मुख्य मुद्दे – तमिलनाडु कारक, सत्ता हस्तांतरण और तमिल हित, मछुआरों का असमंजस और भारतीय महासागर तथा समुद्री सुरक्षा – भारत–श्रीलंका रिश्ते को प्रभावित करते हैं।
- भारत ने रेलवे के अपग्रेडेशन के लिए 318 मिलियन अमेरिकी डॉलर का ऋण दिया है, श्रीलंका के रुपये को स्थिरता प्रदान करने में मदद करने और त्रिनकोमाली को लंका आईओसी (श्रीलंका में इंडियन ऑयल कार्पोरेशन की सहायक कंपनी) और सेलोन पेट्रोलियम कारपोरेशन के साथ मिलकर क्षेत्रीय पेट्रोलियम हब के रूप में विकसित करने के लिए 1.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर का मुद्रा विनिमय समझौता किया है।
- दोनों देशों ने आधिकारिक पासपोर्ट धारकों के लिए वीज़ा से छूट, युवाओं के आवागमन, सीमाशुल्क समझौता और भारत की सहायता से रूहुना विश्वविद्यालय में रवीन्द्रनाथ टैगोर सभागार का निर्माण संबंधी चार समझौतों पर भी हस्ताक्षर किए हैं।

भारत और अफगानिस्तान

- अफगानिस्तान में भारत के विकास कार्यों में शामिल हैं – जारांज देलाराम राजमार्ग
- हार्ट प्रांत में सल्मा बाँध है (यह अफगान–भारत दोस्ती बाँध के रूप में भी जाना जाता है)
- अफगानिस्तान का नया संसद भवन
- चिकित्सा देखभाल, खाद्य सहायता और अफगान विद्यार्थियों तथा नीति निर्माताओं के लिए स्कॉलरशिप।
- भारत सबसे बड़ा क्षेत्रीय दानी है और अफगानिस्तान भारतीय सहायता का दूसरा सबसे बड़ा प्राप्तकर्ता है।
- अफगानिस्तान भारत के लिए मध्य एशिया में ऊर्जा बहुल गंतव्यों का द्वार है।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

भारत और बंगला देश

- भारत की सबसे लम्बी भूमि सीमा बंगलादेश के साथ लगती है, जोकि सामरिक दृष्टि से भारत के उत्तर–पूर्व क्षेत्र और देश के शेष हिस्से के बीच स्थित है।
- सीमा विभाजन चिह्नित नहीं होने और गलत सीमा–नक्शे के साथ ही, संसाधन साझेदारी और अवैध तस्करी की समस्याओं ने प्रायः संबंधों को खराब किया है।
- तीन बीघा कोरिडोर में, बंगलादेशी नागरिकों को दाहरग्राम और अंगोरपेटा की ओर 24–घंटे जाने की अनुमति प्रदान की गई थी।
- भारत ने बंगलादेश के विशाल गारमेंट उद्योग के लिए अपने बाजार भी खोल दिए हैं।
- दोनों देशों के बीच हाल ही में हस्ताक्षर किए गए अधिकांश समझौते संपर्क सुधारने पर केंद्रित हैं। नए बस तथा रेल मार्गों की योजना बनाई गई है, मोंगला तथा चित्तागोंग पत्तन का उपयोग इसके विकास के लिए आवश्यक है।
- भारत और बंगलादेश सार्क, बिमस्टेक तथा क्षेत्रीय सहयोग के लिए बंगलादेश–चीन–भारत–म्यांमार मंच में साझीदार हैं।
- भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और बंगलादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना, दोनों ने संयुक्त रूप से पेट्रापोल इंटीग्रेटिड चैक पोस्ट का उद्घाटन किया था। यह लोगों के सामान तथा परिवहन के सुगम सीमा–पार आवागमन और सुरक्षा, सीमाशुल्क, आव्रजन, संगरोधन आदि जैसे कार्यों के कुशल तथा प्रभावी निर्वहन के लिए बेहतर सुविधाएँ प्रदान करेगी।

भारत और नेपाल

- नेपाल सुरक्षा की दृष्टि से भारत के लिए महत्त्वपूर्ण है। तिब्बत में चीन की भारी सेना मौजूदगी स्थापित किए जाने के बाद, यह चीन के सापेक्ष एक महत्त्वपूर्ण प्रतिरोधक हो गया है।
- नेपाल में जल विद्युत के लिए दक्षिण एशिया में सबसे अधिक संभावना है और भारत सबसे बड़ा संभावित ग्राहक है।
- दक्षिण एशिया के दो महत्त्वपूर्ण शहरों को जोड़ने के लिए पोखरा (नेपाल) और नई दिल्ली (भारत) के बीच पहली सीधी बस सेवा शुरू की गई थी।
- विनिर्माण क्षेत्र में, भारत की मौजूदा विकास साझेदारी में व्यापार संवर्धन तथा सुविधा प्रदान करने हेतु चार एकीकृत चैक पोस्ट और पाँच स्थानों पर सीमा पार रेल संपर्क शामिल हैं।
- भारत और नेपाल बाढ़ संबंधी आपदाओं, प्रमुख सीमावर्ती नदियों विशेषतः कोसी तथा गंडक तटबंधों, जिन्हें द्विपक्षीय समझौतों के तहत भारत द्वारा अनुरक्षित किया जाता है, पर मरम्मत और अनुरक्षण कार्य सहित, मिलकर कार्य करते हैं।
- भारत, नेपाल का अडिग साझीदार है जो इसे नमक से लेकर पेट्रोलियम उत्पादों तक आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति कर रहा है। भारत नेपाल की परिवहन लागतों को कम करने के अलावा भावी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रक्सौल से अमलेखगंज तक पेट्रोलियम पाइपलाइन का निर्माण कर रहा है।

भारत और चीन

- चीन–भारत संबंधों में सहयोग, प्रतिस्पर्धात्मक एवं चिंता का विषय बनता जा रहा है।
- प्रमुख उत्तेजक विषय है – सीमा विवाद, चीन–पाकिस्तान गठजोड़, अरुणाचल प्रदेश से चीन की यात्रा करने वाले भारतीयों को स्टेपल्ड वीजा जारी करना और तिब्बत में यारलुंग तसांगपो पर बांध बनाकर भारत के पानी की आपूर्ति को बाधित करने के लिए चीन द्वारा किए गए प्रयास, भारत के उत्तर–पूर्वी राज्यों के सीमावर्ती क्षेत्रों और भारतीय महासागर में चीन की गतिविधियाँ।
- भारत और चीन ने जम्मू एवं कश्मीर में चुशुल मालदो में सिनो–भारत सहयोग 2016 नाम से प्रथम संयुक्त नीतिगत कार्यवाही की।

भारत और मालदीव

- मालदीव के विकास में भारत के योगदान में शामिल हैं – इंदिरा गांधी मेमोरियल अस्पताल का निर्माण, इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संकाय, और आतिथ्य एवं पर्यटन अध्ययन संकाय के साथ–साथ मालदीव में शिक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी अंगीकरण कार्यक्रम की स्थापना। हालांकि इसका अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र का बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, भारत मालदीव के द्वीप रिसोर्टों, समुद्री उत्पाद निर्यातों, कारोबारी उद्यमों तथा वाणिज्यिक परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए ऋण सहायता प्रदान करता रहा है।
- रक्षा तथा सुरक्षा क्षेत्र में, मालदीव के लिए राष्ट्रीय रक्षा बल के प्रशिक्षण, उपकरण आपूर्ति, क्षमता निर्माण, संयुक्त गश्त, आकाशीय तथा समुद्री निगरानी, और चिकित्सा उपचार में भारत की सहायता सहयोगपूर्ण रही है।
- 2016 में, दोहरे कराधान से बचाव, प्राचीन मस्जिद के पुनर्निर्माण, पर्यटन तथा रक्षा के क्षेत्रों में द्विपक्षीय समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विश्व राजनिति

संयुक्त राष्ट्र संघ

- संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन 24 अक्टूबर, 1945 को हुआ था। यह एक वैश्विक संगठन है। इसकी स्थापना द्वितीय विश्व युद्ध के बाद तब हुई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति रूजवेल्ट, ब्रिटिश प्रधनमंत्री चर्चित तथा विश्व के अन्य नेताओं ने शांति हेतु एक वैश्विक संगठन के गठन का निर्णय लिया।
- प्रारंभ में सदस्य देशों की संख्या 51 थी परंतु अब 193 हो गयी है। 193वें सदस्य के रूप में दक्षिणी सूडान शामिल हुआ है। संयुक्त राष्ट्र संघ का मुख्यालय न्यूयॉर्क में है। नैरोबी (केन्या), जेनेवा (स्विटजरलैंड) तथा वियना (ऑस्ट्रिया) में भी संयुक्त राष्ट्र संघ के कार्यालय हैं। आधिकारिक तौर पर जिन भाषाओं का प्रयोग लेखन तथा वाचन के लिए होता है, वे हैं– अरबी, चीनी, अंग्रेजी, फ्रेंच, रूसी तथा स्पेनिश। परंतु कार्यकारी भाषा के रूप में केवल अंग्रेजी तथा फ्रेंच का इस्तेमाल होता है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ का ध्वज हल्का नीला है जिस पर सफेद रंग से प्रतीक रूप में दो जैतून की वक्राकार शाखाएँ बनी हैं, जो ऊपर की ओर खुली हैं, उनके बीच विश्व का मानचित्र है।
- संयुक्त राष्ट्र संघ में नीति निर्माण तथा परिचर्चा हेतु महासभा महत्त्वपूर्ण स्थान है।
- सुरक्षा परिषद अंतरिक शांति तथा सुरक्षा के लिए उत्तरदायी होता है। सुरक्षा परिषद में सदस्यों की संख्या 15 है। इनमें 5 स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य हैं।
- चीन, फ्रांस, रूस, इंग्लैण्ड तथा यू०एस०ए० सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य हैं। प्रथम जनवरी से प्रारंभ होने वाले सत्र में 2 वर्ष की अवधि के लिए दस अस्थायी सदस्यों का चयन किया जाता है।

सुरक्षा परिषद के दस अस्थायी सदस्य

क्रमांक	देश	अवधि प्रारंभ	समाप्त
1.	उरूग्वे	2016	2017
2.	यूक्रेन	2016	2017
3.	स्वीडन	2017	2018
4.	सेनेगल	2016	2017
5.	कजाखस्तान	2017	2018
6.	जापान	2016	2017
7.	इटली	2017	2018
8.	इथोपिया	2017	2018
9.	मिस्र	2016	2017
10.	बोलिविया	2017	2018

- वर्ष 2013 में प्रतिरोध के रूप में सऊदी अरब ने अस्थायी सदस्यता लेने से इंकार कर दिया, क्योंकि इसके अनुसार विश्व समुदाय ने सीरिया के खिलाफ कार्यवाही नहीं की। इसके स्थान पर 2014-15 की अवधि के लिए जॉर्डन को सुरक्षा परिषद की सदस्यता दी गयी।
- अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय हेग (नीदरलैण्ड) में स्थित है। यह संयुक्त राष्ट्र का प्रमुख न्यायाधिकरण है। इसकी स्थापना संयुक्त राष्ट्रसंघ के चार्टर द्वारा की गयी। स्थायी अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के रूप में इसने 1946 में कार्य करना प्रारंभ कर दिया।
- नार्वे के त्रिग्वेली (1946-52) संयुक्त राष्ट्रसंघ के प्रथम महासचिव थे।
- दक्षिण कोरिया के बान–की–मून वर्तमान महासचिव हैं।

संयुक्त राष्ट्र संघ के निम्नलिखित 6 अंग हैं–

1. महासभा, 2. सुरक्षा परिषद, 3. आर्थिक एवं सामाजिक परिषद, 4. न्यास परिषद, 5. अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय, 6. सचिवालय

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद : इस परिषद का गठन जून, 2006 में किया गया। यह मानवाधिकार आयोग के स्थान पर कार्य करती है।

- इस परिषद में 47 सदस्य हैं–
- एशिया–13, अफ्रीका–13, पूर्वी यूरोप–6, पश्चिमी यूरोप–7, लैटिन अमेरिका एवं कैरीबियाई देशों की संख्या–8
- इस परिषद का कार्यकाल 3 वर्ष निर्धारित है परंतु इसके एक तिहाई सदस्य प्रतिवर्ष अवकाश ग्रहण करेंगे।
- इसका मुख्यालय जेनेवा में है।
- यह संस्था सीधे तौर पर महासभा के अधीन होगी, जबकि मानवाधिकार आयोग संयुक्त राष्ट्र संघ की आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के अधीन था।

LEARN WHILE ENJOYING

Downloaded from www.studymasterofficial.com

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

संयुक्त राष्ट्र संघ के महासचिव तथा उनके कार्यकाल

महासचिव	राष्ट्र	कार्यकाल
त्रिग्वेली	नॉर्वे	1946-1952
डैग हैमरजोल्ड	स्वीडन	1953-1961
यू-थांट	म्यांमार	1961-1971
कुर्त-वाल्दहीम	ऑस्ट्रिया	1972-1981
जेवियर पेरेज डी क्यूलर	पेरू	1982-1991
बुतरस घाली	मिस्र	1992-1996
कोफी अन्नान	घाना	1997-2006
बान-की-मून	दक्षिण कोरिया	2007-2016
एंटोनियो गुटेरेस	पुर्तगाल	2017-जारी है

हथियार नियंत्रण संधियाँ

सीमित परीक्षण प्रतिबंध संधि

वातावरण, खुले आकाश और पानी के नीचे परमाणु हथियारों के परीक्षण पर प्रतिबंध लगाया गया है। 5 अगस्त, 1963 को मास्को में अमेरिका, ब्रिटेन और रूस ने इस पर हस्ताक्षर किए थे। यह 10 अक्टूबर 1963 से लागू हुई थी।

परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी)

यह संधि परमाणु हथियार वाले देशों को ही परमाणु हथियार रखने की अनुमति देती है और अन्य देशों को इसके संग्रह से रोकती है। एनपीटी के प्रयोजनों के लिए, परमाणु हथियार देश वह है जिसने 1 जनवरी, 1967 से पहले किसी परमाणु हथियार अथवा अन्य परमाणु विस्फोट डिवाइस का निर्माण और विस्फोट किया हो। इस तरह पाँच परमाणु हथियारों वाले देश हैं अमेरिका, संयुक्त सोवियत संघ (रूस), ब्रिटेन, फ्रांस और चीन। इस संधि पर 1 जुलाई, 1968 को वाशिंगटन, लंदन और मॉस्को में हस्ताक्षर किए गए थे। यह संधि 5 मार्च 1970 से लागू हुई थी। इसे 1995 में अनिश्चितकाल के लिए विस्तारित किया गया था।

सामरिक हथियार सीमित करने संबंधी बातचीत 1 (एसएएलटी-1)

सामरिक हथियार सीमित करने संबंधी बातचीत का पहला दौर नवम्बर, 1969 में शुरू हुआ था। सोवियत नेता लियोनिड ब्रेजनेव और अमेरिकी राष्ट्रपति रिचर्ड निक्सन ने 26 मई, 1972 को मॉस्को में निम्नलिखित पर हस्ताक्षर किए थे – (क) एंटी-बैलेस्टिक मिसाइल प्रणालियों को सीमित करने पर संधि (एबीएम संधि); और (ख) सामरिक आक्रामक हथियारों को सीमित करने पर अंतरिम समझौता। इसे 03 अक्टूबर, 1972 को लागू किया गया।

सामरिक हथियार सीमित करने संबंधी बातचीत 2 (एसएएलटी-2)

दूसरा दौर नवम्बर, 1972 में शुरू हुआ था। अमेरिकी राष्ट्रपति जिम्मी कार्टर और सोवियत नेता लियोनिड ब्रेजनेव ने 18 जून, 1979 को वियना में सामरिक आक्रामक हथियारों को सीमित करने की संधि पर हस्ताक्षर किए थे।

सामरिक हथियार कटौती संधि 1 (एसटीएआरटी-1)

सामरिक आक्रामक हथियारों की कटौती और सीमित करने पर सोवियत संघ (रूस) के राष्ट्रपति मिखाइल गोर्बाच्योव और अमेरिकी राष्ट्रपति जॉर्ज बुश (सीनियर) द्वारा 31 जुलाई, 1991 को मॉस्को में संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

सामरिक हथियार कटौती संधि 2 (एसटीएआरटी-2)

सामरिक आक्रामक हथियारों की कटौती और सीमित करने पर रूस के राष्ट्रपति बोरिस येल्तिसिन और अमेरिकी राष्ट्रपति जार्ज बुश (सीनियर) द्वारा 3 जनवरी, 1993 को मॉस्को में संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे।

संयुक्त राष्ट्र की विशेषज्ञ एजेंसियाँ

यूनेस्को (UNESCO)

संयुक्त राष्ट्र शैक्षणिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को)

मुख्यालय : प्लेस द फोंतेनो, पेरिस, फ्रांस

स्थापना : 16 नवम्बर, 1945

मुखिया : इरिना बोकोवा

सदस्य : 195 सदस्य देश

कार्यकलाप :

- प्रत्येक बच्चे को बिना लिंग भेद के स्तरीय शिक्षा मौलिक मानवाधिकार के रूप में शिक्षा प्रदान करने के लिए संगठित करना।
- सांस्कृतिक विविधता को सहयोग प्रदान करने और उत्कृष्ट वैश्विक मूल्यों के स्थानों को संरक्षित करने के लिए विश्व धरोहर स्थलों का सृजन।
- वैज्ञानिक सहयोग का अनुसरण करना।
- अभिव्यक्ति की आज़ादी की रक्षा करना।

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

यूनीसेफ (UNICEF)

संयुक्त राष्ट्र चिल्ड्रन फंड (यूनिसेफ)
मुख्यालय : न्यूयार्क शहर
स्थापना : 11 दिसम्बर, 1946
मुखिया : एंथॉनी लेक
सदस्य : 36 सदस्य देश
कार्यकलाप :

- बच्चों को हिंसा, शोषण और दुर्व्यवहार से सुरक्षा प्रदान करना और दिव्यांगों का सामाजिक समावेशन।
- स्कूल के बाहर शांति की पहल के लिए शिक्षा अध्ययन हेतु लड़कियों की शिक्षा नवोन्मेष जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से बुनियादी शिक्षा और लैंगिक समानता।
- नीति वकालत करती है और डाटा विश्लेषण, संसाधनों का लाभ उठाना और बाल भागीदारी के माध्यम से साझेदारी।

आईएलओ (ILO)

अंतर्राष्ट्रीय मज़दूर संगठन (आईएलओ)
मुख्यालय : जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
स्थापित : 1919 (मुखिया : गे राइडर)
सदस्य : संयुक्त राष्ट्र के 193 देशों में से 187 और कुक महद्वीप आईएलओ के सदस्य हैं।
कार्यकलाप :

- अंतर्राष्ट्रीय मजदूर मानकों का सृजन।
- अंतर्राष्ट्रीय नीतियाँ तैयार करना।
- तकनीकी सहायता प्रशिक्षण।
- शिक्षा, अनुसंधान और प्रकाशन गतिविधियाँ।

विश्व बैंक (डब्ल्यूबी) World Bank (WB)

मुख्यालय : वाशिंगटन डीसी, संयुक्त राज्य अमेरिका
स्थापित : जुलाई, 1944
मुखिया : जिम योंग किम
सदस्य : 189 सदस्य देश
कार्यकलाप :

- विश्व बैंक सदस्य देशों को विभिन्न तकनीकी सेवाएँ प्रदान करता है।
- गरीबी कम करना।
- विकास में सहयोग करना।
- सदस्य देश द्वारा बैंक को विधिवत् प्रस्तुत की गई परियोजना विशेष के लिए बैंक ऋण प्रदान करता है।

आईएमएफ (IMF)

अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ)
मुख्यालय : वाशिंगटन, डी.सी.
स्थापित : 27 दिसम्बर, 1945
मुखिया : क्रिस्टिन लागारडे
सदस्य : 189 देश
कार्यकलाप :

- वैश्विक मुद्रा सहयोग को प्रोत्साहित करना।
- वित्तीय स्थायित्व सुरक्षित करना।
- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सहायता प्रदान करना।
- अधिक रोजगार और दीर्घावधि आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देना।
- गरीबी कम करना।

डब्ल्यूएचओ (WHO)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ)
मुख्यालय : जेनेवा, स्विट्ज़रलैंड
स्थापित : 7 अप्रैल, 1948
मुखिया : मार्गरेट चान, महानिदेशक
सदस्य : 194 सदस्य देश
कार्यकलाप :

- स्वास्थ्य से जुड़े महत्वपूर्ण मामलों पर नेतृत्व प्रदान करना और ऐसी भागीदारियों में शामिल होना जहाँ संयुक्त कार्रवाई की जरूरत हो।
- अनुसंधान एजेंडा को आकार देना और बहुमूल्य ज्ञान सृजित एवं प्रसारित करने को प्रोत्साहित करना।
- तकनीकी सहयोग, बदलाव लाने में सहायता प्रदान करना और संधारणीय संस्थागत क्षमता का निर्माण करना।
- स्वास्थ्य स्थिति की देखरेख करना और स्वास्थ्य रुझानों का मूल्यांकन करना।

एफएओ (FAO)

संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ)
मुख्यालय : रोम, इटली
स्थापित : 16 अक्टूबर, 1945, क्यूबेक शहर, कनाडा में
मुखिया : जोस ग्राजिआनो दा सिलवा
सदस्य : 197 सदस्य
कार्यकलाप :

- भूख, खाद्य असुरक्षा और कुपोषण को समाप्त करने में सहायता प्रदान करना।
- कृषि, वानिकी और मत्स्यपालन को अधिक लाभकारी और संधारणीय बनाना।
- ग्रामीण गरीबी को कम करना।

आईएईए (IAEA)

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए)
मुख्यालय : वियना, ऑस्ट्रिया
स्थापित : 29 जुलाई, 1957

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

मुखिया : जोस यूकिया अमानो
सदस्य : 168 सदस्य देश
कार्यकलाप :

- इसके सदस्य देशों द्वारा परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोगों को बढ़ावा देना।
- सुरक्षा मानकों को यह सत्यापन करने के लिए लागू करना कि परमाणु ऊर्जा का सैन्य प्रयोजनों के लिए इस्तेमाल नहीं हो।
- परमाणु सुरक्षा के लिए उच्च मानकों को बढ़ावा देना।

यूनिडो (UNIDO)

संयुक्त राष्ट्र औद्योगिक विकास संगठन (यूनिडो)
मुख्यालय : वियना, ऑस्ट्रिया
स्थापित : 1966 (1985 में विशेषज्ञ एजेंसी में परिवर्तित)
मुखिया : ली योंग
सदस्य : 170 देश
कार्यकलाप :

- औद्योगिक विकास के क्षेत्र में विकास, संस्थागत, वैज्ञानिक और प्रौद्योगिकी नीतियाँ और कार्यक्रम तैयार करने में विकासशील देशों की सहायता प्रदान करना।
- रूझानों का विश्लेषण करता है, सूचना का प्रसार करता है और उनके औद्योगिक विकास में गतिविधियों का समन्वय करता है।
- विकासशील देशों के औद्योगिकीकरण के लिए विचार–विमर्श एवं बातचीत के लिए मंच के रूप में कार्य करना।

यूएनडब्ल्यूटीओ (UNWTO)

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ)
मुख्यालय : मैड्रिड, स्पेन
स्थापित : 1975
मुखिया : तालेब रिफइ
सदस्य : 157 देश
कार्यकलाप :
दीर्घकालिक पर्यटन को बढ़ावा देना और विकसित करना ताकि आर्थिक विकास, अंतर्राष्ट्रीय समझ, शांति, सम्पन्नता आदि में योगदान किया जा सके।

डब्ल्यूएफपी (WFP)

विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी)
मुख्यालय : रोम, इटली
स्थापित : 1961
मुखिया : अर्थारिन कजन
सदस्य : 80
कार्यकलाप :

- आपात परिस्थितियों में जिंदगियों को बचाना और आजीविका संरक्षित करना।
- खाद्य सुरक्षा और पोषण को सहयोग प्रदान करना और कमजोर जगहों में आजीविका (पुनः) निर्माण।
- जोखिम कम करना और लोगों, समुदायों तथा देशों को उनकी खाद्य तथा पोषण जरूरतों को पूरा करना।

डब्ल्यूआईपीओ (WIPO)

विश्व बौद्धिक संपदा संगठन (डब्ल्यूआईपीओ)
मुख्यालय : जेनेवा, स्विट्जरलैंड
स्थापित : 14 जुलाई, 1967
मुखिया : फ्रांसिस गुरी (महानिदेशक)
सदस्य : 189 सदस्य देश
कार्यकलाप :

- मौलिक बौद्धिक गतिविधि को बढ़ावा देना और विकासशील देशों को औद्योगिक संपत्ति से संबंधित प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण में सहयोग प्रदान करना।

डब्ल्यूएमओ (WMO)

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ)
मुख्यालय : जेनेवा, स्विट्जरलैंड
स्थापित : 1950
मुखिया : पेटरी तालेस (महासचिव)
सदस्य : 191 सदस्य देश और क्षेत्र
कार्यकलाप :

- मौसम–विज्ञान तथा परिचालन जलविज्ञान और उनके व्यावहारिक अनुप्रयोग के विकास में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग हेतु रूपरेखा उपलब्ध करवाना।
- मानवता की सुरक्षा और कल्याण में योगदान देने में उत्कृष्ट और शक्तिशाली भूमिका निभाई है।
- डब्ल्यूएमओ के तहत, राष्ट्रीय मौसमविज्ञान और जलविज्ञान सेवाएँ प्राकृतिक आपदाओं के विरुद्ध जीवन तथा सम्पत्ति की सुरक्षा में काफी योगदान प्रदान करता है।

यूएनडीपी (UNDP)

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)
मुख्यालय : न्यूयॉर्क शहर
स्थापित : 1965
मुखिया : हेलेन क्लार्क
कार्यकलाप :

- गरीबी कम करना।
- संकट निवारण और सुधार।
- पर्यावरण तथा ऊर्जा।

STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded From www.studymasterofficial.com
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

यूएनएचसीआर (UNHCR)

संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर)
मुख्यालय : जेनेवा, स्विट्जरलैंड
स्थापित : 14 दिसम्बर, 1950
मुखिया : फिलिपो ग्रांडी
सदस्य : 98 सदस्य
कार्यकलाप :

- विश्वभर में शरणार्थियों के संरक्षण और शरणार्थी समस्याओं के समाधान के लिए अंतर्राष्ट्रीय कार्रवाई का नेतृत्व और समन्वय करना।
- ऐसे लोगों को सुरक्षा और मानवीय सहायता प्रदान करना जिन्हें आंतरिक विस्थापित लोगों सहित अन्य व्यक्तियों की "चिंता" रूप में परिभाषित करता है।

यूएनईपी (UNEP)

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनईपी)
मुख्यालय : नैरोबी, केन्या
स्थापित : 15 दिसम्बर, 1972
मुखिया : ऐरिक सोलहिम (कार्यकारी निदेशक)
सदस्य : 58 राष्ट्र (शासी परिषद)
कार्यकलाप :

- वैश्विक, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय पर्यावरण परिस्थितियों और रुझानों का मूल्यांकन करना।
- अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पर्यावरण उपकरणों का विकास करना।
- पर्यावरण के विवेकपूर्ण प्रबंधन के लिए संस्थानों का सुदृढ़ीकरण।

यूएनएफपीए (UNFPA)

संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या निधि (यूएनएफपीए)
मुख्यालय : न्यूयॉर्क शहर
स्थापित : 1969
मुखिया : डॉ. बाबातुंडे ओसोटिमेहिन
सदस्य : 36 सदस्य
कार्यकलाप :

- प्रजननीय स्वास्थ्य सेवाओं तक वैश्विक पहुँच।
- वैश्विक प्राथमिक शिक्षा और शिक्षा में लैंगिक अन्तर को समाप्त करना।
- मातृक मृत्यु–दर और शिशु मृत्यु–दर को कम करना।

यूएनसीटीएडी (UNCTAD)

संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास सम्मेलन
मुख्यालय : जेनेवा, स्विट्जरलैंड
स्थापित : 1964
मुखिया : मुखिसा कितुयि
सदस्य : 194 सदस्य देश
कार्यकलाप :

- व्यापार, सहायता, परिवहन, वित्त और प्रौद्योगिकी सहित विकास के सभी पहलुओं से संबंधित नीतियाँ तैयार करना।

संयुक्त राष्ट्र महिलाएँ (UN Women)

संयुक्त राष्ट्र 2 जुलाई, 2010 को "यूएन महिलाएँ" नाम से एक नया संस्थान गठित करने के लिए सहमत हुआ था। इसका मुख्य उद्देश्य यौन/लैंगिक समानता और महिला सशक्तीकरण होगा।

महिलाओं की स्थिति पर आयोग का उनसठवाँ अधिवेशन 9 से 20 मार्च 2015 तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में आयोजित किया गया था। सदस्य देशों, यूएन संस्थाओं और विश्व के सभी क्षेत्रों से इकोसोक–प्रमाणित गैर–सरकारी संगठनों (एनजीओ) के प्रतिनिधियों ने इस अधिवेशन में भाग लिया था। इस अधिवेशन का मुख्य मुद्दा बीजिंग घोषणापत्र और कार्रवाई मंच था, जिसमें मौजूदा चुनौतियाँ शामिल हैं, जो इसके कार्यान्वयन को प्रभावित करती हैं और लैंगिक समानता की उपलब्धि तथा महिलाओं का सशक्तीकरण था।

महिलाओं की स्थिति पर आयोग का साठवाँ अधिवेशन 14 से 24 मार्च 2016 तक न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में हुआ।

अन्य संगठन

World Trade Organization (WTO)
विश्व व्यापार संगठन (WTO)

विश्व व्यापार संगठन राष्ट्रों के बीच व्यापार के नियमों से संबंधित कार्य देखता है। इसका लक्ष्य सामानों तथा सेवाओं के निर्माताओं, निर्यातकों और आयातकों को उनका कारोबार करने में सहायता करना है।

तथ्य :
स्थान : जेनेवा, स्विट्जरलैंड
स्थापित : 1 जनवरी, 1995
सृजनकर्ता : उरुग्वे दौर बातचीत (1986–94)
सदस्यता : 161 सदस्य
मुखिया : रोबर्टो अजेवेदो

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

कार्यकलाप :

- डब्ल्यूटीओ व्यापार समझौतों को लागू करना
- व्यापार बातचीत के लिए मंच
- व्यापार विवादों को सँभालना
- राष्ट्रीय व्यापार नीतियों पर निगरानी रखना
- विकासशील देशों के लिए तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण
- अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग

गुटनिरपेक्षआंदोलन (नाम) Non-Aligned Movement (NAM)

गुटनिरपेक्ष आंदोलन (नाम) औपचारिक रूप से किसी महाशक्ति के साथ अथवा उसके विरुद्ध नहीं जुड़ने पर विचार करने वाले देशों का एक अंतर–सरकारी संगठन है। अब तक, इस संगठन के 120 सदस्य और 17 पर्यवेक्षक देश हैं। सामान्यतः गुटनिरपेक्ष आंदोलन सदस्यों को उन देशों के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो समूह 77 (बेलारूस और उजबेकिस्तान के साथ) से संबद्ध हैं, परन्तु जो निष्पक्ष आंदोलन में पर्यवेक्षक नहीं हैं और न ही महासागरीय हैं (पापुआ न्यू गुनिआ तथा वानुआतु को छोड़कर)।

इस संगठन की स्थापना 1961 में बेल्ग्रेड में की गई थी, और बृहत् तौर पर यह युगोस्लाविया के प्रथम राष्ट्रपति, जोसिप ब्रोज टीटो, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री, जवाहर लाल नेहरू, मिस्र के द्वितीय राष्ट्रपति, गमल अब्दुल नसीर और इंडोनेशिया के प्रथम राष्ट्रपति, सुकारनो का मौलिक विचार था। सभी चार नेता शीत युद्ध में पश्चिमी तथा पूर्वी गुटों के बीच विकासशील विश्व में देशों के लिए बीच के रास्ते के प्रतिष्ठित हिमायती थे। जैसाकि 1979 के हवाना घोषणापत्र में उल्लेख किया गया है इस संगठन का प्रयोजन उनके "साम्राज्यवाद के विरुद्ध संघर्ष, उपनिवेशवाद, नव–उपनिवेशवाद, जातिवाद और सभी प्रकार के विदेशी आक्रमण, अधिग्रहण, प्रभुत्व, हस्तक्षेप अथवा अधिपत्य एवं महाशक्ति और गुट राजनीति" में "राष्ट्रीय स्वतंत्रता, संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और गुटनिरपेक्ष देशों की सुरक्षा" सुनिश्चित करना है। ये संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों के लगभग दो–तिहाई और विश्व जनसंख्या, विशेष रूप से वे देश जो विकासशील अथवा तीसरी दुनिया माने जाते हैं, के 55 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

राष्ट्रमंडल (The Commonwealth)

राष्ट्रों के राष्ट्रमंडल को सामान्य तौर पर राष्ट्रमंडल कहते हैं और पहले इसे ब्रिटिश राष्ट्रमंडल के नाम से जाना जाता था जोकि 54 स्वतंत्र सदस्य देशों का एक अंतर–सरकारी संगठन है। इन दो देशों (मोजाम्बिक और रवांदा) को छोड़कर सभी देश औपचारिक रूप से ब्रिटिश शासन का हिस्सा थे।

सदस्य देश सामान्य मूल्यों और लक्ष्यों के दायरे में सहयोग करते हैं। इसमें शामिल हैं – लोकतंत्र को बढ़ावा देना, मानवाधिकार, सुशासन, कानून का शासन, व्यक्तिगत आजादी, समतावाद, मुक्त व्यापार, बहुगौणवाद और विश्व शांति। राष्ट्रमंडल एक राजनीतिक यूनियन नहीं है, परन्तु एक अंतर–सरकारी संगठन है जिसके माध्यम से विविध सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक पृष्ठभूमि है।

उनकी स्वतंत्र एसोसिएशन का प्रतीक चिह्न राष्ट्रमंडल का मुखिया, जोकि एक आनुष्ठानिक स्थिति है, वर्तमान में रानी एलिजाबेथ द्वितीय है। सदस्य देश अफ्रीका (19), एशिया (8), अमेरिका (2), कैरिबियन (12), यूरोप (3) और दक्षिण प्रशांत (10) से कुल छह महाद्वीपों और महासागरों तक फैले हैं।

सरकारी बैठक के राष्ट्रमंडलाध्यक्ष, जिसे संक्षेप में चोगम कहते हैं, सभी राष्ट्रमंडल राष्ट्रों से सरकार के मुखियाओं का एक द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन है। प्रत्येक दो वर्षों में बैठक अलग–अलग सदस्य देश में आयोजित की जाती है, और उस राष्ट्र के तत्संबंधी प्रधानमंत्री अथवा राष्ट्रपति, जो राष्ट्रमंडल अध्यक्ष हो जाता है, द्वारा अध्यक्षता की जाती है।

यूरोपीय यूनियन (European Union)

यूरोपीय यूनियन (ईयू) 28 सदस्य देशों, जोकि प्राथमिक तौर पर यूरोप में हैं, की एक आर्थिक और राजनीतिक यूनियन है। **मासट्रिच** संधि ने यूरोपीय यूनियन 1993 में इसके मौजूदा नाम से स्थापित की थी। ईयू लिस्बन संधि, के संवैधानिक आधार पर पिछला संशोधन 2009 में लागू हुआ था।

सार्क (SAARC)

क्षेत्रीय सहयोग के लिए दक्षिण एशियाई एसोसिएशन (सार्क) 1985 में गठित दक्षिण एशियाई राष्ट्रों का संगठन है। इसके सात संस्थापक सदस्य हैं – बंगलादेश, भूटान, भारत, मालदीव, नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका।

अफगानिस्तान 2007 में संगठन में शामिल हुआ था। सामान्य तौर पर सार्क के राष्ट्राध्यक्षों की बैठकें प्रतिवर्ष विदेश सचिवों की बैठकें एक वर्ष में दो बार होती हैं। इसका मुख्यालय काठमांडू, नेपाल में है।

- सार्क की संकल्पना को सबसे पहले बंगलादेश द्वारा राष्ट्रपति जियाउर रहमान के प्रशासन के अधीन 1977 में अंगीकृत किया गया था।
- अफगानिस्तान को 13 नवम्बर, 2005 को क्षेत्रीय समूह में शामिल किया गया था।
- सार्क देशों के विदेश मंत्रियों ने अमेरिका, दक्षिण कोरिया और यूरोपीय यूनियन को पर्यवेक्षक का दर्जा प्रदान करने के लिए 2 अगस्त, 2006 को सैद्धांतिक सहमति प्रदान की थी।
- सार्क सचिवालय 16 जनवरी, 1986 को काठमांडू में स्थापित किया गया था और नेपाल के स्वर्गीय राजा बीरेन्द्र बीर बिक्रम शाह द्वारा उद्घाटन किया गया था।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

- सार्क सचिवालय और सदस्य देशों द्वारा 8 दिसम्बर को सार्क चार्टर दिवस के रूप में मनाया जाता है।

नाटो NATO

उत्तर एटलांटिक संधि संगठन अथवा नाटो को (उत्तर) एटलांटिक गठबंधन भी कहते हैं, जो 4 अप्रैल, 1949 को हस्ताक्षर की गई उत्तर एटलांटिक संधि पर आधारित एक अंतर–सरकारी सैन्य गठबंधन है। नाटो मुख्यालय ब्रुसल्स, बेल्जियम में है और यह संगठन सामूहिक सुरक्षा की प्रणाली का निर्माण करता है, जिसके द्वारा इसके सदस्य देश किसी बाह्य पक्ष द्वारा हमला किए जाने पर जवाब में परस्पर सुरक्षा के लिए सहमत होते हैं। 1 अप्रैल, 2009 को, अल्बानिया और क्रोशिया को प्रवेश देने के साथ इसकी संख्या बढ़कर 28 हो चुकी है।

सीटो SEATO

दक्षिण–पूर्व एशिया संधि संगठन (सीटो) सामूहिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन हैं, जिसपर 8 सितम्बर, 1954 को मनीला में हस्ताक्षर किए गए थे। सीटो का औपचारिक संस्थान फरवरी, 1955 में बैंकॉक में संधि साझीदारों की बैठक में स्थापित किया गया था। यह प्रारंभिक तौर पर दक्षिण–पूर्व एशिया में बढ़ते कम्यूनिस्ट प्रभाव को रोकने के लिए तैयार किया गया था। संगठन का मुख्यालय बैंकॉक, थाइलैंड में स्थित था। सीटो को 30 जून, 1977 में भंग कर दिया गया था। सीटो को उत्तर एटलांटिक संधि संगठन (नाटो) का दक्षिण–पूर्व एशियाई संस्करण बनाए जाने की योजना थी जिसमें प्रत्येक सदस्य के सैन्य बलों को सदस्य देशों की सुरक्षा की सामूहिक सुरक्षा प्रदान किए जाने के लिए समन्वित किया जाएगा।

इंटरपोल INTERPOL

इंटरपोल (अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस संगठन) अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग प्रदान करने वाला सबसे बड़ा संगठन है। वर्ष 1923 में इसकी स्थापना अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक पुलिस आयोग के रूप में की गई थी और 1956 में इसके सामान्य नाम के रूप में इसके टेलीग्राफ पते को अंगीकृत किया गया था। 190 देशों की इसकी सदस्यता वार्षिक अंशदान के माध्यम से लगभग 78 मिलियन डॉलर प्रदान करती है। इस संगठन का मुख्यालय लियोन, फ्रांस में है।

समूह 8 Group of 8

समूह आठ (जी–8) विश्व में छह देशों फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, यूनाइटेड किंगडम और अमेरिका की सरकारों के लिए वर्ष 1975 में फ्रांस द्वारा गठित एक मंच है। 1976 में, कनाडा ने इस समूह की सदस्यता ली थी (इस प्रकार जी–7 हो गया)। 1997 में, इस समूह में रूस को शामिल किया गया और इस प्रकार यह जी–8 हो गया। इसके अलावा, यूरोपीय यूनियन जी–8 में प्रतिनिधित्व करता है, परन्तु इसकी मेज़बानी अथवा अध्यक्षता नहीं कर सकता। "जी–8" को सदस्य देश अथवा 'जी–8 शासनाध्यक्षों की वार्षिक शिखर सम्मेलन बैठक' कह सकते हैं।

समूह 77 Group of 77

समूह 77 (जी–77) की स्थापना जेनेवा में व्यापार तथा विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन (यूएनसीटीएडी) के प्रथम सत्र के अंत में जारी "सतहत्तर देशों का संयुक्त घोषणापत्र" के सतहत्तर विकासशील देशों के हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा 15 जून, 1964 को की गई थी। "10–25 अक्टूबर, 1967 को अल्जीयर्स (अल्जीरिया) में समूह 77 की मंत्रि–स्तरीय प्रथम बैठक, जिसमें अल्जीयर्स के चैप्टर को अंगीकृत किया गया था" के साथ शुरुआत करते हुए, स्थायी संस्थागत ढाँचा धीरे–धीरे विकसित हुआ जिसने जेनेवा (यूएनसीटीएडी), नैरोबी (यूनप), पेरिस (यूनेस्को), रोम (एफएओ/आईएफएडी), वियना (यूनिडो) और वाशिंगटन डी.सी. में समूह 24 (जी–24) (आईएमएफ और विश्व बैंक) में संपर्क कार्यालयों के साथ समूह 77 के चैप्टरों के सृजन का नेतृत्व किया था। हालांकि जी–77 के सदस्यों की संख्या में वृद्धि हुई है परन्तु इसके ऐतिहासिक महत्व की वजह से इसका मूल नाम बनाए रखा गया है।

समूह 15 (Group of 15)

समूह पन्द्रह (जी–15) की स्थापना बेल्ग्रेड में नौवें गैर–संगठित शिखर सम्मेलन बैठक के निष्कर्ष का अनुसरण करते हुए सितम्बर 1989 में विकासशील देशों का शिखर सम्मेलन स्तर समूह में की गई थी। इस समूह की स्थापना मूलतः 15 विकासशील देशों द्वारा की गई थी। हालांकि अब 17 सदस्य देश हैं, समूह का मूल नाम वही बनाए रखा गया है। यह मंच अन्य अंतर्राष्ट्रीय समूहों, जैसे विश्व व्यापार संगठन और समूह आठ के लिए प्रोत्साहन सहयोग तथा इनपुट प्रदान करने के लिए स्थापित किया गया था। यह वर्धित विकास तथा संपन्नता के सामान्य उद्देश्य के साथ उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका और एशिया से देशों का समूह है। जी–15 निवेश, व्यापार और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में विकासशील देशों के बीच सहयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

समूह 20 (Group of 20)

समूह बीस (जी–20), 20 अर्थव्यवस्थाओं, 19 देश और यूरोपीय यूनियन, जिसका प्रतिनिधित्व यूरोपीय परिषद् के अध्यक्ष और यूरोपीय केन्द्रीय बैंक द्वारा किया जाता है, से वित्त मंत्रियों और केन्द्रीय बैंक गवर्नरों का समूह है। उनकी सरकारों अथवा देशों के प्रमुख भी समय–समय पर 2008 में अपनी प्रारंभिक बैठक से शिखर सम्मेलनों में मिलते रहे हैं। सामूहिक रूप से, जी–20 अर्थव्यवस्थाओं मे वैश्विक सकल राष्ट्रीय उत्पाद का 85 प्रतिशत,

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विश्व व्यापार का 80 प्रतिशत (ईयू अंतर–व्यापार सहित) और विश्व जनसंख्या का दो–तिहाई शामिल है। जी–20 का प्रस्ताव अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली से संबंधित मामलों पर सहयोग तथा विचार–विमर्श के लिए पूर्व कनेडियाई वित्त मंत्री पॉल मार्टिन (बाद में, प्रधानमंत्री) द्वारा रखा गया था।

एशियाई विकास बैंक

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) एशिया में देशों के आर्थिक विकास को सुगम बनाने के लिए 22 अगस्त, 1966 को स्थापित किया गया एक क्षेत्रीय विकास बैंक है। यह बैंक एशिया और सुदूर पूर्व के लिए संयुक्त राष्ट्र आर्थिक आयोग (अब यूनिसकेप) और गैर–क्षेत्रीय विकसित राष्ट्रों के सदस्यों को प्रवेश देता है।

अरब लीग

अरब लीग उत्तर और उत्तर–पूर्व अफ्रीका, और दक्षिण–पश्चिम एशिया में अरब देशों का एक क्षेत्रीय संगठन है। इसका गठन 22 मार्च, 1945 को कैरो में किया गया था जिसमें छह सदस्य मिस्र, इराक, जार्डन, लेबनन, सऊदी अरब और सीरिया शामिल थे। यमन ने 5 मई, 1945 को इसकी सदस्यता ग्रहण की थी। वर्तमान में अरब लीग में 22 सदस्य हैं और चार पर्यवेक्षक हैं। इस लीग का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच संबंधों में घनिष्ठता लाना और उनके बीच समन्वय सहयोग पैदा करना, उनकी स्वतंत्रता और संप्रभुता की रक्षा करना, और अरब देशों के मामलों तथा हितों पर सामान्य रूप से विचार करना है।

आशियान (ASEAN)

एसोसिएशन ऑफ साउथ–ईस्ट एशियन नेशन्स (आशियान) दक्षिण–पूर्व एशिया में स्थित 10 देशों का भौगोलिक–राजनीतिक एवं आर्थिक संगठन है, जिसकी स्थापना 8 अगस्त, 1967 को इंडोनेशिया, मलेशिया, फिलीपिंस, सिंगापुर और थाइलैंड द्वारा की गई थी। तब से अब तक, इसकी सदस्यता का विस्तार कर ब्रुनई, बर्मा (म्यांमार), कम्बोडिया, लाओस और वियतनाम को शामिल किया गया है। इसके उद्देश्यों में इसके सदस्यों के आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, सांस्कृतिक विकास को प्रोत्साहित करना, क्षेत्र की शांति एवं स्थिरता को सुरक्षित रखना और मतभेदों पर शांतिपूर्वक चर्चा करने के लिए सदस्य देशों को अवसर प्रदान करना शामिल है। यदि आशियान एक देश होता तो विश्व में9वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होता और न्यूनतम जीडीपी के रूप में एशिया में तीसरा स्थान होता।

ओपेक OPEC

पेट्रोलियम निर्यातक देशों का संगठन (ओपेक) बारह विकासशील देशों जिनमें अल्जीरिया, अंगोला, एक्वाडोर, ईरान, इराक, कुवैत, लीबिया, नाइजीरिया, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और वेनेजुएला शामिल हैं, का एक उत्पादक संघ है। ओपेक का मुख्यालय 1965 से वियना में है, और अपने सदस्य देशों के तेल मंत्रियों की नियमित बैठकें आयोजित करता है। इंडोनेशिया 2008 में इससे बाहर हो गया था जब यह तेल का निवल आयातक हो गया था, परन्तु कहा था कि वह वापिस लौट आएगा यदि वह दोबारा विश्व में निवल निर्यातक बन जाएगा।

एपेक APEC

एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) 21 प्रशांत समूह देशों के लिए एक मंच है जो सम्पूर्ण एशिया–प्रशांत क्षेत्र में मुक्त व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने की माँग करता है। विश्व के अन्य हिस्सों में क्षेत्रीय आर्थिक गुटों (जैसे यूरोपीय यूनियन और उत्तर अमेरिकी मुक्त व्यापार क्षेत्र) के आगमन और एशिया–प्रशांत अर्थव्यवस्थाओं की बढ़ती अंतर–निर्भरता के प्रतिसाद में 1989 में स्थापित एपेक दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि के माध्यम से जीवन स्तर और शिक्षा स्तरों को ऊंचा उठाने और एशिया–प्रशांत देशों के बीच साझे हितों के प्रोत्साहन एवं समुदाय की समझ को बढ़ावा देने के लिए कार्य करता है। इसके सदस्य विश्व जनसंख्या के लगभग 40 प्रतिशत और विश्व जीडीपी के लगभग 54 प्रतिशत और विश्व व्यापार के लगभग 44 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

ओईसीडी OECD

आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) आर्थिक प्रगति और विश्व व्यापार को प्रोत्साहित करने के लिए 1961 में स्थापित 34 देशों का एक अंतर्राष्ट्रीय आर्थिक संगठन है। यह स्वयं को लोकतंत्र तथा बाजार अर्थव्यवस्था के लिए प्रतिबद्ध देशों के मंच के रूप में परिभाषित करता है, जो नीति अनुभवों की तुलना करने, सामान्य समस्याओं का समाधान ढूँढने, अच्छी कार्यपद्धतियों की पहचान करने, और इसके सदस्यों की घरेलू तथा अंतर्राष्ट्रीय नीतियों के समन्वयन के लिए मंच प्रदान करता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप के पुनर्निर्माण के लिए मार्शल योजना के प्रशासन में सहायता के लिए ओईसीडी ने 1948 में फ्रांस के रॉबर्ट मारजोलिन के नेतृत्व में यूरोपीय अर्थव्यवस्था सहयोग संगठन (ओईईसी) की शुरुआत की थी। बाद में, इसकी सदस्यता गैर–यूरोपीय देशों तक विस्तारित की गई थी। 1961 में, इसमें सुधार कर इसे आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन पर सम्मेलन द्वारा आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन में बदल दिया गया था। अधिकांश ओईसीडी सदस्य उच्च–आय अर्थव्यवस्था वाले हैं, जिनका उच्च मानव विकास सूचकांक (एचडीआई) है और विकसित देशों से संबंधित हैं (चिली एकमात्र ओईसीडी सदस्य है, जोकि 77 समूह के विकासशील देशों के संगठन में भी एक सदस्य है)।

Downloaded From www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

ऐम्निस्टी इंटरनेशनल

एम्निस्टी इंटरनेशनल की स्थापना एक ब्रिटिश वकील पीटर बेनसन द्वारा 28 मई, 1961 में की गई थी, जिसका मुख्यालय लंदन में स्थित है। यह एक वैश्विक संगठन है जो मानवाधिकारों के उल्लंघनों की जाँच करता है। यह शुद्ध अंतःकरण वाले सभी कैदियों को मुक्त किए जाने बशर्ते उन्होंने हिंसा का सहारा नहीं लिया हो अथवा हिंसा की पैरवी नहीं की हो, और सभी कैदियों के लिए शीघ्र सुनवाइयों, तथा यातनाएँ देने एवं मृत्यु दंड को समाप्त किए जाने के लिए अभियान चलाता है। इसके अब 150 देशों में 11,00,000 से अधिक सदस्य हैं तथा अफ्रीका, अमेरिका, एशिया, यूरोप और मध्य पूर्व में 70 देशों में 6,000 स्थानीय समूह हैं। इसे 1977 में शांति के लिए नोबल पुरस्कार दिया गया है।

रेड क्रास

रेड क्रास की स्थापना 1864 में जियन हेनरी दुरांत ने की थी। 1859 में जे.एच. दुरांत, एक स्विस कारोबारी, इटली से होते हुए यात्रा कर रहे थे तो उन्होंने बैटल ऑफ सोल्फिरेनो देखा, जब फ्रांस ने इटली को ऑस्ट्रेलिया आधिपत्य से मुक्त करवाने का प्रयास किया था, जिसमें लगभग 30,000 जवान घायल अथवा मारे गए थे। उन्होंने घायल जवानों के लिए राहत कार्य का आयोजन किया था और बाद में इसे युद्ध में घायल लोगों के लिए स्थायी राहत सोसायटी का गठन कहा गया। दुरांत की अपील ने तत्काल परिणाम दिखाया। 1864 में जेनेवा में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन हुआ था जिसमें 26 सरकारों ने भाग लिया था। सम्मेलन जेनेवा समझौता के नेतृत्व में हुआ था और रेड क्रास का प्रतीक चिह्न अंकित किया गया था। इसके संस्थापक हेनरी दुरांत के जन्मदिवस 8 मई को प्रत्येक वर्ष वर्ल्ड रेड क्रास और रेड क्रीसेंट डे के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य युद्ध में परोपकार है। सफेद पृष्ठभूमि पर एक रेड क्रास इसका प्रतीक चिह्न है (यह स्विट्जरलैंड के झंडे का उल्टा है)। रेड क्रास ने 8 मई, 1994 को 132 वर्ष पूरे किए और इसके 126वें वर्ष में, '125 वर्ष हुए काम करते और अभी भी हैं विकासशील' नारा अंगीकृत किया था।

मध्य पूर्व में, रेड क्रीसेंट द रेड क्रॉस में परिवर्तित हुआ। आईसीआरसी (रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति) ने रेड क्रास समितियों के साथ अंतर्राष्ट्रीय रेड क्रॉस की स्थापना की थी। रेड क्रॉस समितियों की लीग की स्थापना 1929 में की गई थी।

ब्रिक्स

ब्रिक्स पाँच प्रमुख उदीयमान अंतर्राष्ट्रीय अर्थव्यवस्थाओं ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका की एसोसिएशन के लिए एक आदिवर्णिक शब्द है। इस समूह को 2010 में दक्षिण अफ्रीका को शामिल किए जाने से पहले मूल रूप से 'ब्रिक' के रूप में जानते थे। ब्रिक्स सदस्य सभी विकासशील अथवा नए औद्योगिकीकृत देश हैं, परन्तु वे अपनी बड़ी, तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मामलों पर महत्त्वपूर्ण प्रभाव के द्वारा प्रतिष्ठित हैं; सभी पाँच जी-20 सदस्य हैं। 2014 तक, पाँच ब्रिक्स देश लगभग 3 बिलियन लोगों, जोकि विश्व जनसंख्या का 40 प्रतिशत हैं, का प्रतिनिधित्व करते हैं। इन सब की संयुक्त सांकेतिक जीडीपी 16.039 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर (विश्व जीडीपी का 20 प्रतिशत) और संयुक्त विदेशी भंडार में अनुमानित 4 ट्रिलियन अमरीकी डॉलर है। 2014 तक, ब्रिक्स राष्ट्रों ने विश्व अर्थव्यवस्था के 18 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व किया था। ब्राजील ने 2014 में ब्रिक्स समूह का अध्यक्ष पद सँभाला था, 2014 में समूह के छठें शिखर सम्मेलन की मेजबानी की थी। रूस ने 8-9 जुलाई, 2015 को 7वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता की थी। 8वाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 16 एवं 17 अक्टूबर, 2016 को गोआ (भारत) में आयोजित किया गया था।

दीर्घकालिक विकास लक्ष्य

25 सितम्बर, 2015 को आयोजित संयुक्त राष्ट्र दीर्घकालिक विकास शिखर सम्मेलन में, विश्व नेताओं ने दीर्घकालिक विकास के लिए 2030 एजेंडा को अंगीकृत किया था, जिसमें गरीबी को समाप्त करने, असमानता और अन्याय के खिलाफ संघर्ष तथा जलवायु परिवर्तन का सामना करने के लिए 2030 तक 17 दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों (एसडीजी) का सैट शामिल है। 1 जनवरी, 2016 इनको लागू किया गया है।

17 लक्ष्य निम्नलिखित हैं –

1. हर जगह गरीबी को उसके सभी रूपों में समाप्त करना।
2. भूख को समाप्त करना, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण प्राप्त करना तथा दीर्घकालिक कृषि को बढ़ावा देना।
3. स्वस्थ्य जीवन सुनिश्चित करना और सभी आयु वर्ग के लोगों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।
4. समावेशी तथा निष्पक्ष गुणवत्तायुक्त शिक्षा सुनिश्चित करना तथा सभी के लिए जीवनपर्यंत अध्ययन अवसरों को बढ़ावा देना।
5. लैंगिक समानता प्राप्त करना और सभी महिलाओं तथा लड़कियों को सशक्त बनाना।
6. सभी के लिए पानी तथा स्वच्छता की उपलब्धता और दीर्घकालिक प्रबंधन सुनिश्चित करना।
7. सभी के लिए वहनीय, विश्वसनीय, दीर्घकालिक तथा आधुनिक ऊर्जा तक पहुँच सुनिश्चित करना।
8. सभी के लिए दीर्घकालिक, समावेशी तथा संधारणीय आर्थिक वृद्धि, पूर्ण तथा लाभकारी रोजगार और शोभनीय कार्य को बढ़ावा देना।

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

9. लोचदार अवसंरचना का निर्माण, समावेशी तथा दीर्घकालिक औद्योगीकीकरण और पोषक नवोन्मेष को बढ़ावा देना।
10. देशों के भीतर और आपसी असमानता को कम करना।
11. शहरों तथा मानवीय बस्तियों को सुरक्षित, लोचदार और दीर्घकालिक बनाना।
12. दीर्घकालिक उपभोग और उत्पादन तरीके सुनिश्चित करना।
13. जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों का सामना करने के लिए तत्काल कार्रवाई करना।
14. दीर्घकालिक विकास के लिए महासागरों, समुद्रों और समुद्री संसाधनों का संरक्षण और दीर्घकालिक उपयोग।
15. भौमिक परितंत्रों, वनों के दीर्घकालिक प्रबंधन को संरक्षित करना तथा उसके दीर्घकालिक उपयोग की वापसी एवं बढ़ावा देना, और मरूस्थलीकरण तथा ठहराव एवं आरक्षित भूमि निम्नीकरण और जैवविविधता नुकसान का सामना करना।
16. दीर्घकालिक विकास के लिए शांतिपूर्ण और समावेशी समितियों को बढ़ावा देना, सभी के लिए न्याय तक पहुँच प्रदान करना और सभी स्तरों पर प्रभावी, जवाबदेय और समावेशी संस्थानों का निर्माण।
17. कार्यान्वयन के साधनों का सुदृढीकरण और दीर्घकालिक विकास के लिए वैश्विक भागीदारी को ऊर्जावान बनाना।

मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण शासन (एमटीसीआर)

मिसाइल प्रौद्योगिकी नियंत्रण शासन (एमटीसीआर) एक बहुपक्षीय निर्यात नियंत्रण शासन है। यह 300 कि.मी. से अधिक के लिए 500 कि.ग्रा. से अधिक भार ले जाने की क्षमता वाली मिसाइल तथा मानवरहित आकाशीय वाहन प्रौद्योगिकी के प्रसार को रोकने के लिए 35 देशों का एक अनौपचारिक तथा स्वैच्छिक साझेदारी है। एम टी सी आर की स्थापना 1987 में जी–7 देशों द्वारा की गई थी। एमटीसीआर का उद्देश्य मिसाइलों, मानवरहित वायु वाहन (यूएवी), सम्पूर्ण रॉकेट प्रणालियों तथा संबंधित प्रौद्योगिकी जिनकी प्रणालियाँ कम से कम 300 कि.मी. तक 500 किलोग्राम भार ले जाने में सक्षम प्रणालियों के साथ–साथ सामूहिक विनाश के हथियारों (डब्ल्यूएमडी) की डिलीवरी के लिए अभीष्ट प्रणालियों के प्रसार पर रोक लगाना है।

परमाणु आपूर्तिकर्ता समूह (एनएसजी)

एनएसजी परमाणु हथियारों के विकास के लिए प्रयुक्त किए जा सकने वाली सामग्रियों के पुनः स्थानांतरण तथा निर्यात को नियंत्रित करते हुए परमाणु प्रसार करने से जुड़े देशों का विशिष्ट समूह अथवा उत्पादक संघ है। भारत के प्रथम सफल परमाणु परीक्षण (18 मई, 1974 को किया गया कोड नाम स्माइलिंग बुद्धा) के प्रतिक्रिया स्वरूप शांति प्रयोजनों के लिए परमाणु सामग्री के तथाकथित दुरुपयोग को रोकने के लिए 1974 में इसकी स्थापना की गई थी। वर्तमान में एनएसजी में 48 सदस्य (चीन सहित) हैं और आपसी सहमति से कार्य करते हैं। भारत इसकी सदस्यता के लिए लगातार कोशिश कर रहा है।

महत्त्वपूर्ण शिखर सम्मेलन एक नज़र में

शिखर सम्मेलन	स्थान	थीम/उद्देश्य	पिछला	आगामी
8वां ब्रिक्स	गोवा, भारत	प्रतिक्रियाशील, सम्मिलित और सामूहिक समाधान निर्माण	उफा, रूस (2015)	
11वां जी–20	हंगझोउ, चीन	नवीन, दृढ़ता, परस्पर संबद्ध और समावेशी विश्व अर्थव्यवस्था	अंताल्या, तुर्की (2015)	हेम्बर्ग, जर्मनी (2017)
19वां सार्क	इस्लामाबाद, पाकिस्तान	स्थगित	काठमांडू, नेपाल (2014)	बेंगलूरू, भारत (2018)
28वां और 29वां आशियान	वियनताइन, लाओस	ऊर्जावान आशियान समुदाय के लिए परिकल्पना को वास्तविकता में बदलना	कुआलालम्पुर, मलेशिया (2015)	

Downloaded from www.studymasterofficial.com
STUDYMASTER LEARN WHILE ENJOYING
Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

11वाँ इआस	वियनताइन, लाओस	मामलों में शामिल है समुद्री सुरक्षा, आतंकवाद, अप्रसार, अनियमित आप्रजन	कुआलालम्पुर, मलेशिया (2015)	फिलिपिंस (2017)
28वाँ अपेक	पेरू, लीमा	गुणवत्ता वृद्धि और मानव विकास	फिलिपिंस, मनीला (2015)	वियतनाम, हनोइ (2017)
4वाँ परमाणु सुरक्षा शिखर सम्मेलन	वाशिंगटन, अमेरिका	परमाणु हथियार अथवा सामग्री संग्रह करने से आतंकी संगठनों को रोकने के लिए अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों का समन्वय करना	हेग, नीदरलैंड (2015)	
27वाँ नाटो शिखर सम्मेलन	वारसा, पोलैंड	प्रमुख एजेंडा में शामिल हैं – पूर्वी यूरोप में स्थिति, नाटो भागीदारी नीति में सुधार, गठबंधन की भावी परमाणु रणनीति के बारे में परिचर्चा	वेल्स, यूके (2014)	ब्रूसेल्स, बेल्जियम (2017)
17वाँ नाम	मारगारिटा, वैनिजुएला	विकास के लिए शांति, संप्रभुता और एकता	वैनिजुएला (2015)	
49वाँ (एडीबी) एशिया विकास बैंक वार्षिक बैठक	फ्रैंकफर्ट, जर्मनी	एजेंडा – एशिया और पेसिफिक में स्थायी विकास	बाकू, अजरबैजान (2015)	योकोहामा, जापान (2017)
शंघाई कार्पोरेशन आर्गेनाइजेशन (एससीओ) शिखर सम्मेलन	ताशकंद, उजबेकिस्तान	मध्य एशिया में स्थिरता और सुरक्षा को मजबूत करने के मुद्दे	उफा, रूस (2015)	अस्ताना, कजाखस्तान (2017)

विभिन्न देशों की संसद की सूची

देश	संसद नाम	देश	संसद नाम
भारत	संसद/पार्लियामेंट	अफगानिस्तान	शोरा
मालदीव	मजलिस	मलेशिया	दीवान नेगारा
पाकिस्तान	नेशनल एसेम्बली	इंग्लैण्ड	पार्लियामेंट
स्पेन	कोर्टस	स्विट्जरलैंड	फेडरल एसेम्बली
बंगलादेश	जातिया संसद	कनाडा	पार्लियामेंट
नेपाल	राष्ट्रीय पंचायत	तुर्की	ग्रैंड नेशनल एसेम्बली
चीन	नेशनल पीपुल्स कांग्रेस	ऑस्ट्रेलिया	पार्लियामेंट
रूस	डुमा	ताइवान	युआन
भूटान	तसोन्दु	संयुक्त राज्य अमेरिका	कांग्रेस
फ्रांस	नेशनल एसेम्बली	जापान	डाइट
श्रीलंका	पार्लियामेंट ऑफ श्रीलंका	जर्मनी	बॉंडस्टेग
ईरान	मजलिस	इजराइल	निस्सेट

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

विभिन्न देशों में शासन कर रहे राजनीतिक दल

देश	सत्ता पक्ष अथवा गठबंधन	विपक्षी दल
भारत	भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन	यूपीए, गैर–एनडीए दल
पाकिस्तान	पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन)	पाकिस्तान पीपुल पार्टी
बंगलादेश	अवामी लीग	जातियो संगशद
चीन	कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना	
भूटान	भूटान पीस एंड प्रोसपेरिटी पार्टी	पीपुल'स डेमोक्रेटिक पार्टी
यूनाइटेड किंगडम	कंजरवेटिव यूनियनिस्ट पार्टी	लेबर पार्टी
कनाडा	लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा	लॉयल ऑपोजिशन
ऑस्ट्रेलिया	लिबरल पार्टी और नेशनल पार्टी गठबंधन	शैडो कैबिनेट ऑफ ऑस्ट्रेलिया
संयुक्त राज्य अमेरिका	डेमोक्रेटिक पार्टी (प्रेजीडेंट), रिपब्लिकन जनवरी 2017 से रिपब्लिकन पार्टी (लेजिस्लेचर)	
जर्मनी	क्रिश्चियन डेमोक्रेटिक यूनियन, क्रिश्चियन सोशल यूनियन, सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ जर्मनी	
श्रीलंका	नेशनल यूनिटी गवर्नमेंट (ऑल सेलोन मुस्लिम कांग्रेस, जठीका हेला उरुमाया, श्रीलंका फ्रीडम पार्टी, अप–कंट्री पीपुल्स फ्रंट, नेशनल यूनियन ऑफ वर्कर्स, श्रीलंका मुस्लिम कांग्रेस, यूनाइटेड नेशनल पार्टी, डेमोक्रेटिक पीपुल्स फ्रंट शामिल हैं)	इलनकइ तमिल अरासु कद्छी
ताइवान	डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी	
जापान	लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी, कोमेइतो	डेमोक्रेटिक पार्टी
बर्मा	नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी	अंग सन सू की
इराक	स्टेट ऑफ लॉ कोइलेशन, अल–मुवातिन, अल–अहरार ब्लॉक, कुर्दिस्तान डेमोक्रेटिक पार्टी, इराक गठबंधन	
इजराइल	लिकुद, द ज्यूश होम, यूनाइटेड तोराह जुडइज्म, कुलानु, शास	द निस्सेट
स्पेन	पीपुल्स पार्टी	स्पेनिश सोशलिस्ट वर्कर्स पार्टी
नेपाल	कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूनिफाइड मार्क्सवादी – लेनिनवादी), यूनिफाइड कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओवादी), राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी नेपाल, मधेशी जन अधिकार फोरम, नेपाल (लोकतांत्रिक)	नेपाली कांग्रेस
रूस	यूनाइटेड रूस	शैडो कैबिनेट
फ्रांस	सोशलिस्ट पार्टी, रैडिकल पार्टी ऑफ द लेफ्ट	नेशनल फ्रंट
ईरान	मॉडरेशन एंड डेवलपमेंट पार्टी	पीपुल्स मोजाहीददीन आर्गेनाइजेशन ऑफ ईरान (पीएमओआइ)
मलेशिया	यूनाइटेड मालायस नेशनल आर्गेनाइजेशन (यूएमएनओ) – पीपुल्स जस्टिस पार्टी (पीकेआर), पैन–मलेशियन इस्लामिक पार्टी (पीएएस) और द डेमोक्रेटिक एक्शन पार्टी (डीएपी)	
तुर्की	जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी	रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी

Downloaded from :- http://t.me/bsp_cg

फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM APPS download करे (Google play फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM install करे (google play store) LOGIN करे & OPEN करे SEARCH OPTIONS मे "MEENA" type करे फिर एक link show करेगा जिसे टच करे फिर join पर click करके ग्रूपमे जुड सकते है

ग्रूप मे उपलब्ध सामग्री निम्न प्रकार है

News PAPER /EMPLOYMENT NEWS/Current affairs /Bbc news/Hindu vocabulary /All book competition /Upsc ssc notes/All ncert/ignou/vardman uni/bed/engineering/Medical /computer science almost 10,000 books available in group

नये TELIGRAM INSTALL करने के लिए यहाँ क्लिक करें ▶ TELIGRAM

यदि पहले से TELIGRAM है तो निचे नीली लाईन टच करे ओर ग्रूप मे जुडे

STUDY ALL IN ONE

NEWSPAPERS

MOVIE & NOVEL

EMEMPLOYMENT NEWS

Downloaded From www.studymasterofficial.com

STUDY MASTER LEARN WHILE ENJOYING

फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM APPS download करे (Google play फ्री study हेतू आज ही TELIGRAM install करे (google play store) LOGIN करे & OPEN करे SEARCH OPTIONS मे "MEENA" type करे फिर एक link show करेगा जिसे टच करे फिर join पर click करके ग्रूपमे जुड सकते है

ग्रूप मे उपलब्ध सामग्री निम्न प्रकार है

News PAPER /EMPLOYMENT NEWS/Current affairs /Bbc news/Hindu vocabulary /All book competition /Upsc ssc notes/All ncert/ignou/vardman uni/bed/engineering/Medical /computer science almost 10,000 books available in group

नये TELIGRAM INSTALL करने के लिए यहाँ क्लिक करें ▶ TELIGRAM

यदि पहले से TELIGRAM है तो निचे नीली लाईन टच करे ओर ग्रूप मे जुडे

STUDY ALL IN ONE

NEWSPAPERS

MOVIE & NOVEL

EMEMPLOYMENT NEWS

Downloaded From www.studymasterofficial.com